भवदीय

केदारनाथ साहनी जी के पत्रों का संकलन

प्रधान संपादक : भगत सिंह कोश्यारी

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, नई दिल्ली
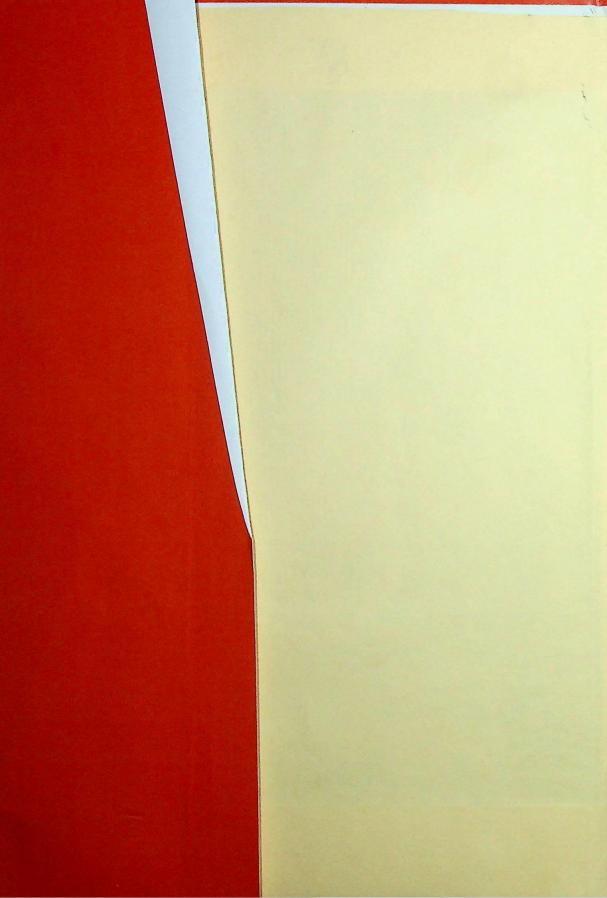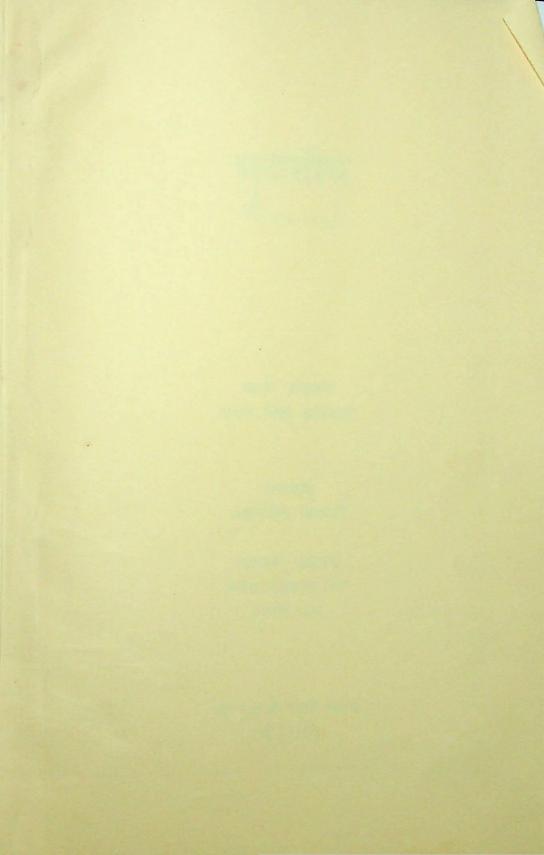
भवदीय

प्रधान संपादक
भगत सिंह कोश्यारी

संपादक
अवनिजेश अवस्थी

सहायक संपादक
रूद्रेश नारायण मिश्र
प्रकाश चन्द्र

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास
नई दिल्ली

भवदीय

संपादन सहयोग

ऋषिकेश कुमार

अमित कुमार

प्रकाशक :

डॉ. नन्द किशोर गर्ग

(सचिव)

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास

पी.पी.–66, सुब्रह्मण्यम भारती मार्ग

नई दिल्ली–110003

फोन : 011–23381428

ISBN: 978-81-935890-1-4

प्रथम संस्करणः 2018

मूल्यः ₹ 500

मुद्रकः

एक्सलप्रिंट

सी–36, फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स

झण्डेवालान, नई दिल्ली–110055

अनुक्रम

राष्ट्रपति
भारत गणतंत्र
PRESIDENT
REPUBLIC OF INDIA

संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, स्वर्गीय श्री केदारनाथ साहनी जी द्वारा लिखे गए पत्रों का संग्रहण करके उन्हें एक पुस्तक के रूप में प्रकाशित करने जा रहा है।

श्री केदारनाथ साहनी जी मृदु भाषी और सरल व्यक्तित्व के धनी थे। 'सादा जीवन उच्च विचार' उनके जीवन का ध्येय था। श्री साहनी जी द्वारा सामाजिक, राजनैतिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में किए गए कार्य सराहनीय हैं। श्री साहनी जी एक ईमानदार, निष्ठावान एवं लोकप्रिय नेता थे जिन्हें जमीनी राजनीति की गहरी समझ थी। श्री साहनी जी के पत्रों के संकलन से तत्कालीन सामाजिक, राजनैतिक और ऐतिहासिक परिवेश को समझने में मदद मिलेगी।

मैं इस संकलन की सफलता के लिए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

रामनाथ कोविन्द

(राम नाथ कोविन्द)

नई दिल्ली
19 दिसम्बर, 2017

प्रधान मंत्री
Prime Minister

संदेश

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई है कि डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास द्वारा केदारनाथ साहनी जी द्वारा लिखे गए पत्रों के संकलन का प्रकाशन किया जा रहा है।

इतिहास को समझने में पत्रों की बड़ी अहम् भूमिका रही है। स्वामी विवेकानंद के विभिन्न पत्रों में अनेक विषयों पर हमें उनके विचार जानने को मिलते हैं। अंग्रेजी शासन के समय स्वतंत्रता संग्राम में संघर्षरत नेताओं के पत्र व्यवहार से लोग आज भी प्रेरणा लेते है।

केदारनाथ जी बड़े ही सरल व्यक्तित्व के धनी थे। कई बार उनसे दूसरे दल भी शासन संबंधी समस्याओं के बारे में चर्चा करते थे। उनके पत्रों से तत्कालीन राजनैतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक घटनाओं को समझने में मदद मिलेगी। इन पत्रों में कई ऐसे विषय हैं जो देश व पार्टी के लिए उपयोगी सिद्ध होंगे। मुझे आशा है कि केदारनाथ साहनी जी के पत्रों के संकलन के प्रकाशन से अधिक से अधिक लोगा लाभान्वित होंगे।

पत्रों के संकलन व प्रकाशन से जुड़े सभी लोगों को बधाई व हार्दिक शुभकामनाएं।

(नरेन्द्र मोदी)

नई दिल्ली

23 अक्तूबर 2017

श्री भगत सिंह कोश्यारी

डॉ, मुकर्जी स्मृति न्यास,

पी.पी.–66, सुब्रह्मण्य भारती मार्ग

नई दिल्ली–110003

श्री गुरुजी के साथ साहनी जी
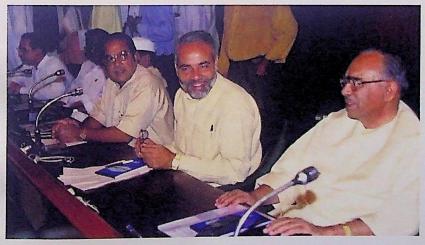
श्रीयुत् नरेन्द्र मोदी जी के साथ साहनी जी

अपनी बात

वर्तमान सूचना क्रांति के दौर में पत्र लेखन गुजरे जमाने की बात सी लगती है। इत्मिनान और ठहर कर सोचने को मजबूर करने वाली विधा दिनों–दिन लुप्त होती जा रही है। इस विधा का लुप्त होना हमारी भावनाओं और संवेदनाओं का लुप्त होना भी है क्योंकि पत्र सिर्फ कोरे कागज पर शब्द अंकित कर देना मात्र नहीं है बल्कि उसमें भाव और विचारों की जो आत्मीयता घुली–मिली रहती है उसे किसी अन्य माध्यम के जरिए व्यक्त ही नहीं किया जा सकता है। जबकि यह समय तुरंत और एक 'क्लिक' पर सबकुछ जान लेने व पा लेने का समय है, इसलिए संवाद अब औपचारिकता में सिमट गया है। अब जरूरत भर की बातें और जरूरत भर का समय है। ऐसे समय में श्री केदारनाथ साहनी जी के पत्रों के संकलन की यह पुस्तक किसी उम्मीद से कम नहीं है।

साहनी जी के पत्रों में राजनीति, इतिहास, सामाजिक सरोकार, पारिवारिक जीवन के विविध राग, सांस्कृतिक चिन्तन और संगठन निर्माण के कई संदर्भ मौजूद हैं। पत्रों का यह संकलन वर्तमान के झरोखे से इतिहास को समझने की कुंजी भी देता है। इन पत्रों में एक ओर जहाँ पिछले छः दशकों की भारतीय राजनीति की तस्वीर को देखा जा सकता है तो वहीं दूसरी ओर संबंधों की प्रगाढ़ता को भी समझा जा सकता है। साहनी जी के लिए पत्र–लेखन सिर्फ संवाद का माध्यम भर नहीं था बल्कि सामाजिक जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा था। इसलिए साहनी जी छोटी से छोटी बात को भी पत्रों के माध्यम से संप्रेषित करते थे। बड़े–बड़े राजनेताओं और अफसरों से लेकर सबसे पीछे पंक्ति में खड़े कार्यकर्ता तथा कर्मचारियों तक साहनी जी का पत्र व्यवहार था। साहनी जी के जीवन से जुड़ा हुआ शायद ही कोई व्यक्ति हो जिसे साहनी जी ने पत्र न लिखा हो। सिक्किम राजभवन के माली से लेकर देश के शीर्ष नेताओं तक से साहनी जी का पत्र व्यवहार रहा।

पत्र अपने समय के जीवंत दस्तावेज़ होते हैं। उस समय का पूरा

परिवेश पत्रों के ज़रिए बोलता है। साहनी जी के पत्रों के माध्यम से तद्‌युगीन परिवेश को समझने में बड़ी मदद मिलेगी साथ ही यह संकलन वर्तमान भारतीय सामाजिक, राजनैतिक एवं ऐतिहासिक संदर्भों की पृष्ठभूमि को गहराई से समझने में उपयोगी सिद्ध होगा, ऐसा मेरा विश्वास है। इस संकलन के ज़रिए वर्तमान में जम्मू–कश्मीर में व्याप्त रोष और बढ़ती अलगाववादी गतिविधियों के कारणों को उसकी जड़ों से समझा जा सकता है। साहनी जी का जम्मू–कश्मीर के लोगों के साथ पत्र–व्यवहार और तद्‌युगीन सत्तासीन मंत्रियों को लिखे पत्रों में, जम्मू–कश्मीर की समस्याओं के प्रति गहरी चिंता दिखाई देती है। ऐसा प्रतीत होता है कि तद्‌युगीन सत्ताधारी लोग यदि साहनी जी द्वारा समय–समय पर व्यक्त की जा रही चिंताओं को गंभीरता से लेते तो, शायद जम्मू–कश्मीर की वर्तमान तस्वीर अलग होती। इस तरह अनेक मुद्दों और समस्याओं को लेकर साहनी जी ने कलम चलाई है जोकि इस संकलन में संग्रहित है।

यह संकलन पत्रों के वैविध्य से भरा हुआ है। इन पत्रों से भारतीय राजनीति और सामाजिक आचरण के कई संदर्भों को लेकर हमारी समझ और समृद्ध व परिपक्व होगी। मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस 'पत्र संकलन' से कार्यकर्ताओं और संगठन को लाभ होगा। बहुत ही लगन और मेहनत से तैयार किया गया यह 'पत्र–संकलन' अब आप सुधि पाठकों के बीच प्रस्तुत है।

'त्वदीयं वस्तु गोविन्दम् तुभ्यमेव समर्पयेः'...

भगत सिंह कोश्यारी

प्रधान संपादक

अथ पत्र–यात्रा कथा

तारीख थी 22 नवम्बर 2016, संसद का बालयोगी सभागार खचाखच भरा ही नहीं था बल्कि लोग जमीन तक पर बैठे हुए थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह माननीय सुरेश सोनी जी और श्री लालकृष्ण आडवाणी मंच पर थे। अवसर था, स्वर्गीय केदारनाथ साहनी जी के संपर्क में आए महानुभावों के संस्मरणों के संकलन 'अपने साहनी जी' के लोकार्पण का। प्रधानमंत्री मोदी जी ने साहनी जी के साथ अपने अनुभवों को साझा करते हुए अचानक ही यह कह दिया कि साहनी जी द्वारा लिखे गए पत्रों का भी एक संकलन होना चाहिए। उन पत्रों में न केवल सांगठनिक सूत्र मिलेंगे बल्कि भारत विभाजन से लेकर अब तक के राजनैतिक इतिहास की सच्ची झाँकी भी मिल जाएगी। साहनी जी जैसे निष्ठावान कार्यकर्ता जब सत्ता के सिंहासन पर बैठते हैं, तो भी कैसे अपने आदर्शों पर टिके रहते हैं, आगे आने वाली पीढ़ियों के लिए यह जानना बहुत आवश्यक है। मोदी जी के यह कहने के ढंग में सुझाव तो था ही, सुझाव से कहीं अधिक आदेश था। उस आदेश की परिणति ही 'भवदीय' आपके हाथों में है।

सच बात यह है कि मोदी जी के आदेशानुसार पत्रों को संकलित करने का संकल्प तो ले लिया था, किन्तु यह कार्य था बहुत दुष्कर। साहनी जी के संपर्क में आए तो हजारों व्यक्ति थे, साहनी जी ने उन्हें समय–समय पर पत्र भी लिखे थे, लेकिन बरसों पहले लिखे पत्रों को ढूँढ निकालना अतीव श्रमसाध्य कार्य था। साहनी जी का संपर्क तो देश भर के, और देश ही नहीं विदेशों में बसे कार्यकर्ताओं तक था, उन सबसे संपर्क करना, उन तक पहुँच जाना सहज नहीं था। जम्मू–कश्मीर, हरियाणा, पंजाब से लेकर सुदूर सिक्किम और गोवा तक यह कार्य फैला हुआ था। एक तरफ काम थोड़ा कठिन दिख रहा था तो दूसरी तरफ असंभव को संभव कर दिखाने वाले प्रधानमंत्री मोदी जी का आदेश था, उनकी प्रेरणा थी। अपने दो विद्यार्थियों डॉ. रुद्रेश नारायण मिश्र और डॉ.

प्रकाश चंद्र से जब इस योजना की चर्चा की तो वे एकदम से तैयार हो गए। इनके साथ ही ऋषिकेश और अमित को भी जोड़ लिया। प्रकाश और रुद्रेश ने धीरे–धीरे संपर्क–सूत्र ढूँढने आरंभ किये और हरियाणा के गाँवों से लेकर जम्मू की गली–गली तक वे, उन लोगों तक पहुँच गए जहाँ साहनी जी के लिखे पत्रों के मिलने की जरा सी भी संभावना थी। यहाँ तक कि प्रकाश तो लेह–लद्दाख तक पहुँच गया जहाँ साहनी जी ने भारतीय जनता पार्टी के कार्य की शून्य से शुरुआत की थी और आज जहाँ से भाजपा का कार्यकर्ता लोकसभा का सदस्य है। इस पत्र–संकलन अभियान में पुरानी फाइल, बंद पड़ी अलमारियों–संदूकों में कागजों के ढेर में से साढ़े पाँच सौ से अधिक पत्र एकत्रित कर लेने में हम लोग सफल रहे।

इन पत्रों से गुजरते हुए बार–बार इस बात का अनुभव हुआ कि मोदी जी ने पत्रों की जिस महत्ता की संभावना व्यक्त की थी, वह कितनी सही थी। इन पत्रों में विचार, विचारधारा और संगठन के सूत्र ही नहीं थे अपितु कश्मीर आज जिन विकट परिस्थितियों का सामना कर रहा है, उसके समाधान के लिए भी साहनी जी ने बहुत ही उपयोगी और महत्त्वपूर्ण कदम सुझाए थे। कश्मीर से विस्थापित हिंदुओं के एक–एक परिवार की चिंता में वे सत्ता–सरकार और नौकरशाही के दर–दर तक घूमे, विस्थापितों के बच्चों के लिए, पढ़ाई–दवाई का प्रबन्ध जीविकोपार्जन के लिए दुकान–नौकरी की व्यवस्था साहनी जी की दिनचर्या के अंग नहीं, पूरी की पूरी दिनचर्या ही बन गई थी ।

इन पत्रों के संकलन के दौरान जो सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण तथ्य उभरकर सामने आया वह यह कि साहनी जी के संपर्क में आये व्यक्तियों के मन में उनके प्रति कितना सम्मान था। उनके लिए वे किसी देव पुरुष के समान थे जो हर संकट के समय उनके लिए ऐसे मददगार बने जिसकी सामान्यतः कल्पना भी नहीं की जा सकती। इसलिए जब साहनी जी के पत्रों के संकलन का विषय जिसके सामने भी आया उसने इसकी आवश्यकता को बेहिचक स्वीकार किया और इस अनुष्ठान में अपनी आहुति देने को तत्काल तत्पर हो गए।

साहनी जी द्वारा लिखे पत्रों के इस संकलन में जम्मू–कश्मीर में फैले आतंकवाद और हिन्दुओं के विरथापन की समस्याओं से लेकर संगठन और कार्यकर्ताओं के निर्माण तथा राजनैतिक, सामाजिक व पारिवारिक जीवन के विविध संदर्भों से संबंधित पत्रों को संकलित किया गया है। सचमुच में पत्र केवल पत्र भर नहीं होते बल्कि अपने समय का प्रामाणिक इतिहास होते हैं। इस प्रामाणिकता को बनाए रखने के लिए संकलन में जैसा पत्रों में अंकित था उसे हु–ब–हू वैसा ही देने की कोशिश की गई है ताकि पाठकों को पत्रों के भाव को समझने में कोई परेशानी या उलझन न हो। साहनी जी द्वारा हाथ से लिखे कई पत्र इस संकलन में हैं, कुछ पत्रों को 'स्कैन' करके ग्रन्थ में दिया भी गया है। साथ ही साहनी जी यथावसर पत्र पाने वाले के अनुरूप हिंदी, अंग्रेजी एवं उर्दू तीनों भाषाओं में लिखते थे, इस संकलन में हिंदी और अंग्रेजी के पत्रों को उसी रूप में एवं उर्दू के पत्रों का अनुवाद करके प्रकाशित किया गया है।

पत्र–संकलन के इस कार्य में अनेक लोगों का सहयोग मिला जिनमें विदेश से अनीता पटेल, शांति साह (केन्या), भरत साह, जयेंद्र साह, धीरज साह (इंग्लैण्ड) और अंजलि पंड्या (अमेरिका), वहीं देश में शुभन, संजय गंजू (जम्मू कश्मीर), मेजी डीसा (गोवा), थुपस्थान छेवांग, श्री भगवन (लेह), तुलसीराम डोगरा (हिमाचल) और जगदीश पुछाल (किश्तवाड़) आदि कार्यकताओं का विशेष आभार। इस कार्य में मार्गदर्शन करने वाले– श्री राजकुमार भाटिया, श्री नंदकिशोर गर्ग, श्री भोलानाथ विज, श्री महेंद्र नागपाल और श्री पूरन चंद्र नैलवाल आदि से समय–समय पर मिले सुझावों व सहयोग से इसे अंजाम तक पहुँचाया जा सका। पत्र संकलन के कार्य में आरम्भ से ही मार्गदर्शन करने वाले श्री वेद व्यास महाजन जी का शब्दों से आभार व्यक्त करना संभव नहीं, उन्होंने पुराने लोगों से सम्पर्क स्थापित करने में महत्त्वपूर्ण कड़ी की भूमिका निभाई। इस तरह 'पत्र–संकलन' को पूर्णता प्रदान करने में देश–विदेश के कई कार्यकर्ताओं व विद्वतजनों का प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष सहयोग मिला, उन सभी का हृदय से आभार।

पत्रों का यह संकलन मात्र किसी व्यक्ति के व्यक्तित्व तक सीमित नहीं है बल्कि इनका सांगठनिक, ऐतिहासिक और राष्ट्रीय महत्त्व भी है। यह संकलन अपने समूचे विचार–परिवार के लिए वैचारिक प्रतिबद्धता और

स्पष्टता की दृष्टि से अत्यंत महत्त्व का साबित होगा। साहनी जी के ये पत्र उस समय के घटनाक्रम के ऐतिहासिक संदर्भ एवं कई गुत्थियों को सुलझाने में भी अत्यधिक महत्त्व के प्रमाणित हो सकते हैं।

अब यह संकलन आप सुधि पाठकों के बीच प्रस्तुत है...

***अवनिजेश अवस्थी**
(संपादक)

ऐसे थे अपने साहनी जी

श्री केदारनाथ साहनी भारतीय राजनीति में वह शख्सियत रही है जिन्हें कोई केदार जी कहता था, कोई साहनी जी, कोई केदारनाथ जी, लेकिन एक बात जो सबमें समान थी वह यह कि यह नाम आते ही सिद्धांतनिष्ठा, ईमानदारी, वैचारिक स्पष्टता और संगठन के प्रति पूर्ण समर्पण का भाव एकदम सजीव हो उठता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक परम पूज्यनीय गुरु जी उन्हें केदार जी कहकर ही संबोधित करते थे। राजनीति में आने के पश्चात राजनैतिक जगत में साहनी जी के रूप में वे अपने ही नहीं विपक्षी दलों के मध्य भी लोकप्रिय रहे, अपवाद स्वरूप भी कभी उन पर कोई मिथ्या आरोप नहीं लगा पाया। सार्वजनिक जीवन और विशेष रूप से राजनीति के क्षेत्र में तो ऐसी विभूतियां गिनी–चुनी ही होंगी जो काज़ल की कोठरी में से भी पूर्णतया धवल निकली हों। राजनैतिक क्षेत्र में निश्छलता एवं ईमानदारी के लिए वे आज भी एक मानक के रूप में स्मरण किए जाते हैं ।

आजादी के बाद, देश में सक्रिय अनेक राजनेताओं ने अपने जीवन के आदर्शों को कायम रखा तथा धन–संपत्ति के लोभ व सत्ता के लालच को अपने ऊपर प्रभावी न होने दिया। इसी तरह के आदर्श पुरुषों का जीवन ही देश की युवा पीढ़ी को सही प्रकार का मार्गदर्शन दे सकता है। इस क्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रचारक रहे और राजनीति में भारतीय जनसंघ व भारतीय जनता पार्टी में कार्यरत् रहे श्री केदारनाथ साहनी का नाम आता है। उनका जन्म 24 अक्टूबर 1926 को रावलपिंडी (अब पाकिस्तान) के थट्टा गांव में हुआ था।

'स्क्वाड्रन लीडर' के पद पर कार्यरत एक सैन्य अधिकारी श्री केशवदास साहनी की दस संतानों के भरे–पूरे परिवार में 'केदार जी' द्वितीय संतान थे। माँ के असामियक देहांत के कारण साहनी जी के पिता ने दूसरा विवाह किया किन्तु परिवार में कभी भी सौतेले होने का अनुभव न हुआ और न ही उन्होंने किसी को होने दिया। विद्यालयी शिक्षा अपने गृहनगर

में पूर्ण करने के उपरांत, साहनी जी सन् 1942 में जम्मू के 'प्रिंस ऑफ वेल्स कॉलेज' में आगे की पढ़ाई के लिए आ गए। भविष्य में वे जिस तरह से जम्मू–कश्मीर से जुड़े, ऐसा लगता है कि 'जम्मू' स्वयं उन्हें खींच लाया। जम्मू आते ही राष्ट्रीय–सामाजिक जीवन में साहनी जी की सक्रिय भागीदारी आरंभ हो गई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक के रूप में उनकी क्रियाशीलता जम्मू आने के सप्ताह भर के भीतर ही आरंभ हो गई थी और वहीं उनकी भेंट विभाग संघ चालक श्रीमान प्रेमनाथ जी डोगरा से हुई जिनका 'आदर्श और विराट व्यक्तित्व' साहनी जी के लिए ऐसा प्रेरणाप्रद रहा जिसकी चर्चा स्वयं साहनी जी आजन्म करते रहे। स्वयं साहनी जी के शब्दों में 'उस वर्ष के शुरू में ही दशहरा पर्व पर संघ का विजयदशमी समारोह मनाया गया था। यह समारोह वेद मंदिर के प्रांगण में आयोजित किया गया था। यही वह समय था जब मैंने पहली बार साक्षात् पंडित प्रेमनाथ डोगरा जी को देखा था। शेरवानी और चूड़ीदार पायजामा, सिर पर केसरिया डोगरी पगड़ी के बीच दमकते ललाट और धवल चेहरे के साथ वे काफी मिलनसार और सम्मानित दिख रहे थे। उनका यह रूप मेरे मन में चिरस्थायी छाप छोड़ गया।' साहनी जी को निकट से जानने वाले, डोगरा जी के इस प्रखर व्यक्तित्व का अमिट प्रभाव साहनी जी पर स्पष्टतः अनुभव कर सकते थे। साहनी जी के व्यक्तित्व में जो 'समयबद्धता', 'गंभीरता' एवं 'स्पष्ट बात करने की विशिष्टता' थी उसमें बहुत बड़ा योगदान डोगरा जी का ही रहा है।

सन् 1942 में साहनी जी जम्मू आ गए थे, यह वही समय था जब भारत के स्वतंत्रता संघर्ष के साथ–साथ भारत के विभाजन की भी पीठिका तैयार हो रही थी। ऐसे में जम्मू और फिर मीरपुर में साहनी जी का संघ–कार्य उनकी अद्भुत कर्मठता एवं संगठन कौशल का प्रमाण बना। उस समय पूरे देश में और विशेष रूप से जम्मू में जो परिस्थितियां थीं, जिनका दंश हम आज तक झेल रहे हैं, अत्यंत विकट थीं, उस समय 16–18 वर्ष के 'केदार' ने जीजान लगा कर राष्ट्र–कार्य किया।

साहनी जी के व्यक्तित्व की सूक्ष्मताओं को समझने के लिए जम्मू में व्यतीत किए गए समय को जानना बहुत आवश्यक है। वास्तव में उनके जीवन का यही वह कालखंड था जिसने उस दृढ़–संकल्पशील व्यक्तित्व

का निर्माण किया जिसे हम केदार नाथ साहनी के नाम से जानते हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से ठीक पूर्व देश के पश्चिमी हिस्से में जो भीषण हिंसा, रक्तपात और कत्लेआम हुआ वह अकल्पनीय था। देश की सामान्य हिन्दू जनता के लिए यह एकदम अप्रत्याशित था। अगस्त 1947 से काफी पहले ही स्यालकोट, रावलपिंडी, गुजरांवाला, सिंध, मुल्तान इत्यादि क्षेत्रों से लाखों की संख्या में शरणार्थी जम्मू और पंजाब में आ चुके थे। देश के शीर्ष राजनेता एकदम किंकर्तव्यविमूढ़ अवस्था में थे। शरणार्थियों और सैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति तक का काम भी बहुत दुष्कर था। ऐसे में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ही वह संगठन था जो शरणार्थियों के जीवन का सहारा बना। इस त्रासद स्थिति में साहनी जी ने जिस प्रकार दिन–रात एक कर काम किया उसे तीन पीढ़ियों के पश्चात आज तक याद कर लोग भावुक हो उठते हैं।

साहनी जी में चुनौतियों को स्वीकार करने की अद्भुत क्षमता थी। साहनी जी संघ के संपर्क में आने के पश्चात प्रचारक निकल कर संघ कार्य करने का संकल्प ले चुके थे। पिता जी सैन्य अधिकारी थे, वे चाहते थे कि साहनी जी सेना में भर्ती हों। संघ–प्रचारक के रूप में कार्य करने का संकल्प जानकर उन्होंने साहनी जी से कह दिया कि सेना में 'कमीशन्ड' हो जाने का तुम्हें विश्वास ही नहीं है, इसलिए तुम प्रचारक बनना चाहते हो। साहनी जी के हृदय में यह बात लग गई और उन्होंने ठान लिया कि वे संघ कार्य तो करेंगे किन्तु वायुसेना में 'कमीशन्ड' होकर दिखाने के बाद। साहनी जी ने सेना की भर्ती परीक्षा दी, उसमें सफलता प्राप्त कर वायु सेना में कमीशन्ड हुए और फिर सेना की उस नौकरी को छोड़कर प्रचारक बने।

साहनी जी अत्यधिक मेधावी छात्र थे। मैट्रिक–इंटर में उनके श्रेष्ठतम परीक्षा–परिणाम के कारण उनको विज्ञान विषय के साथ बी.एससी. में प्रवेश कराया गया किन्तु संघ कार्य में अत्यधिक व्यस्त होने के कारण उन्हें बी.ए. करना उचित जान पड़ा सो चुपचाप वे बी.एससी. से बी.ए. में स्थानांतरित हो गए। जब परिणाम आया तो पिताजी ने खूब डांटा, लेकिन साहनी जी तो राष्ट्रहित की राह चुन चुके थे। साहनी जी के छोटे भाई विश्वामित्र जी भी संघ कार्य में लगे हुए थे। साहनी जी और उनके अनुज

विश्वामित्र जी दोनों ही जम्मू की माता रानी मंदिर शाखा के स्वयंसेवक थे। अधिकांश कॉलेज–छात्र इसी शाखा के स्वयंसेवक थे। सभी युवा, निर्भीक, समर्पित और राष्ट्र के लिए जीने–मरने का दृढ़ संकल्प किए थे। ऐसी शाखा में साहनी जी का व्यक्तित्व और भी निखर गया। माधवराव मूले जी की प्रेरणा से ही साहनी जी का संघ–प्रवेश हुआ था, अस्तु मूले जी और प्रेमनाथ डोगरा जी जैसे विराट व्यक्तित्व का संपर्क साहनी जी की निर्द्वंद्व सत्य निष्ठा एवं अनुशासन प्रियता का मूल कारण रहा। साहनी जी की दिनचर्या में जम्मू की विनायक मिशन धर्मशाला में केवल सोना होता था, बाकी का पूरा समय संघ को समर्पित होता था।

प्रचारक के रूप में साहनी जी का पहला क्षेत्र था, 'मीरपुर'। जब वे मीरपुर आए तो वहां एक स्थान का नाम न जाने क्यों मुर्दा गली था, बाद में इसके नाम को बदल कर रामगली कर दिया गया। मीरपुर जिले में उस समय कोटली और राजौरी भी थे, अतः साहनी जी के कार्यक्षेत्र में ये दोनों शहर भी थे। भारत विभाजन के समय जिन स्थलों पर भीषण हिन्दू नरसंहार हुआ उनमें मीरपुर भी था। साहनी जी के जीवन में मीरपुर का महत्त्व केवल इसलिए नहीं है कि प्रचारक के रूप में उनका वह प्रथम कार्यक्षेत्र था, बल्कि इसलिए कि विभाजन के समय हुए नरसंहार में एवं पाकिस्तानी सेना के आक्रमण में जिस कार्य कुशलता एवं दृढ़ता का साहनी जी ने परिचय दिया वह अद्भुत था। मीरपुर में पाकिस्तानी सेना ने तो आक्रमण किया ही, स्थानीय मुस्लिम भी पाकिस्तानी सेना के साथ हो गए थे। महाराजा हरि सिंह की सेना में अधिकांश मुस्लिम सैनिक थे, अतः उनसे भी मीरपुर निवासियों की रक्षा की कोई आशा नहीं थी। मीरपुर में पाकिस्तानी सेना के विरुद्ध संघ के स्वयंसेवकों ने ही मोर्चा संभाला, जिसका नेतृत्व साहनी जी ने किया। सिगरेट की डिब्बियों से बम बना–बना कर किसी तरह लड़ाई लड़ी गई। लड़ाई के साथ–साथ बच्चों–बूढ़ों और युवतियों–महिलाओं को भी वहां से बाहर निकालने का काम भी था। मीरपुर में जिस बर्बरता से हिन्दुओं की गला रेत–रेत कर हत्या की गई उसे सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। हालत यहां तक पहुँच गई थी कि महिलाओं–बेटियों को ज़हर देकर मारा जाने लगा ताकि उनका अपहरण न हो सके, अपमान न हो सके। ऐसे में साहनी जी

चौबीसों घंटे पाकिस्तानी सेना से लड़ने की रणनीति बनाते, किसी तरह खाने–पीने का प्रबंध करते और लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुँचाने की भी योजना बनाते।

विभाजन के साथ ही जिस तरह से कत्लेआम हुआ और पाकिस्तान से हिन्दू शरणार्थी भारत आए उनकी संख्या लाखों में थी, उनको ठहराने और खाने–पीने का प्रबंध भी सरकार से अधिक संघ कर रहा था। जम्मू से लेकर दिल्ली तक शरणार्थियों का अंबार लगा हुआ था। ऐसे में जनवरी 1948 में गांधी हत्याकांड के उपरांत राजनैतिक कारणों से नेहरु सरकार ने संघ पर प्रतिबंध लगा दिया जबकि सत्य यह था कि इसी सरकार के गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के आग्रह पर तत्कालीन सरसंघचालक माननीय गुरूजी कश्मीर के महाराजा हरि सिंह से मिले थे और उन्हें कश्मीर का भारत में विलय करने के लिए मनाया था जबकि हरि सिंह अपनी ज़िद पर अड़े थे।

संभवतः यह तथ्य बहुत कम लोगों को ही पता होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वितीय सरसंघचालक पूज्यनीय गुरूजी जब महाराजा हरि सिंह से मिलने गए थे तो साहनी जी उनके साथ ही थे। उनकी ज़िद का ही परिणाम है कि कश्मीर का एक हिस्सा अभी भी पाकिस्तान के कब्ज़े में है। संघ पर प्रतिबंध के कारण संघ स्वयंसेवकों की गिरफ़्तारियां हुईं, साहनी जी भी गिरफ़्तार हुए और उन्हें हिसार जेल में रखा गया। हिसार जेल में एक बड़ी उल्लेखनीय घटना घटी। जेल में ही किसी व्यक्ति का कोई सामान चोरी हो गया, स्वाभाविक था कि भीतर ही किसी ने यह चोरी की थी, साहनी जी को पता चला तो उन्होंने कह दिया कि जब तक चोरी का सामान वापस नहीं आ जाता तब तक वे अन्न–जल नहीं ग्रहण करेंगे। साहनी जी के व्यक्तित्व की यह विलक्षणता ही थी कि वह सामान तुरंत मिल गया।

हिसार जेल में संघ के लगभग 1700 स्वयंसेवकों को रखा गया था। साहनी जी जेल के भीतर भी संघ–ध्येय एवं संघ–कार्य के प्रति समर्पित थे। साहनी जी इस बात का निरन्तर ध्यान रखते थे कि जेल के भीतर भी किसी प्रकार से कोई भी स्वय सेवक कानून का उल्लंघन न करे। उनके

इस व्यक्तित्व से जेलर इतना प्रभावित हो गया कि उसने जेल के भीतर ही शाखा लगाने की अनुमति दे दी।

साहनी जी के अनुशासनबद्ध व्यक्तित्व को तो सभी जानते हैं लेकिन वे रणनीतिकार भी उतने ही कुशल थे। उन दिनों साहनी जी के जम्मू–प्रवेश पर प्रतिबंध था। जम्मू में चुनाव थे और चुनाव सभा को संबोधित करने के लिए साहनी जी के नाम की घोषणा हो गई। साहनी जी को पकड़ने और सभा–स्थल तक न पहुँचने देने के लिए चप्पे–चप्पे पर पुलिस तैनात कर दी गई थी। साहनी जी पुलिस को चकमा देते हुए मंच पर पहुँच गए। उन्होंने अत्यधिक ओजस्वी भाषण दिया और फिर वैसे ही वहां से कुशलता से बाहर भी निकल गए। यह घटना संभवतः उतनी बड़ी नहीं बनती यदि उसके पश्चात् जम्मू में ही पंडित जवाहर लाल नेहरू की चुनाव सभा नहीं होती। नेहरू जी ने उस सभा में जोश में कह दिया कि साहनी तो कायर है, छिप–छिप कर आता है और भाग जाता है। उसके पश्चात उस सभा में ही नेहरू जी को जिस विरोध का सामना करना पड़ा, वह नेहरू जी के लिए भी आंख खोल देने वाला था। उसके पश्चात नेहरू जी को भी जम्मू में साहनी जी की लोकप्रियता का लोहा मानना पड़ा। साहनी जी की रणनीतिक कुशलता के कारण ही भारतीय जनता पार्टी की हरियाणा में चौधरी देवीलाल के नेतृत्व में गैर कांग्रेसी सरकार बनी। उनकी इस कुशलता का परिचय उस समय भी मिला जब राजस्थान में भाजपा अपने भीतरी अंतर्द्वंदों से गुजर रही थी तो साहनी जी ने ही वहाँ के शीर्ष नेताओं के बीच संवाद–सेतु का कार्य किया था।

1954 में साहनी जी दिल्ली आ गए थे। 1957 में उन्हें राजनीतिक–क्षेत्र में कार्य करने के लिए भारतीय जनसंघ में संगठन मंत्री का दायित्व संभालने के लिए कहा गया। साहनी जी ने दिल्ली में भारतीय जनसंघ का जैसा संगठन तंत्र खड़ा किया उसका उदाहरण आज तक दिया जाता है। भारतीय जनसंघ में आने से पूर्व साहनी जी जालंधर एवं भिवानी में भी प्रचारक के रूप में संघ दायित्व संभाल चुके थे। संघ में कार्य करने का जो अनुभव उन्हें था उसका पूरा उपयोग उन्होंने भारतीय जनसंघ का सांगठनिक ढांचा खड़ा करने में लगा दिया। संघ कार्य करते हुए वे स्वयंसेवकों का पूरा ध्यान रखते थे, उनकी पारिवारिक और आर्थिक

चिन्ताओं का निराकरण करते थे।

1961 में साहनी जी ने गृहस्थाश्रम में प्रवेश किया। नैयर परिवार में सुश्री विमला जी से उनका विवाह हुआ। उनके विवाह की एक घटना कि आज भी काफी चर्चा होती है। साहनी जी ने बहुत ही सादगी से विवाह करने का निर्णय लिया था और बारात में आने वालों की संख्या भी पहले ही तय कर ली थी। किन्तु बारात में सम्मिलित होने के लिए साहनी जी के एक चाचा भी अप्रत्याशित रूप से आ गए। साहनी जी ने चाचा जी की 'नाराजगी' की परवाह न करते हुए उन्हें बारातियों में सम्मिलित नहीं होने दिया। साहनी जी के संदर्भ में यह बात निश्चित रूप से कही जा सकती है कि उन्होंने सदाचार के जो नियम तय किए थे उनका आजन्म पालन करने में अपने परिवार, अपने संबंधी, मित्र या राजनैतिक दल वालों को कभी आड़े नहीं आने दिया। उनके बनाए नियम पहले अपने और अपनों के लिए होते थे बाद में दूसरों के लिए। एक घटना पर विश्वास करना सामान्यतः कठिन हो सकता है, किन्तु है बिल्कुल सत्य। साहनी जी दिल्ली के मुख्य कार्यकारी पार्षद रहे हैं। दिल्ली में विधानसभा बनने से पूर्व यहां महानगर परिषद हुआ करती थी और मुख्य कार्यकारी पार्षद का पद मुख्यमंत्री के समान ही होता था। उसी समय साहनी जी के छोटे भाई अशोक साहनी अपने व्यापार के सिलसिले में साहनी जी के भाई होने का परिचय देकर किसी से मिले। यह बात साहनीजी को मालूम चल गयी और उनका बुलावा भी आ गया। स्वयं अशोक साहनी जी के शब्दों में 'जैसे ही साहनी जी के पास पहुंचा, उन्होंने बताया कि आज सुबह ही एक सज्जन मिलने आए थे, ये वही सज्जन थे जिनसे आप मिलने गए थे। वे मुझे कमरे में अंदर ले गए। जब मैं बैठा तो सामने एक बड़ा सा कागज रखा देखा, जिस पर बड़े–बड़े अक्षरों में लिखा था कि 'मैं केदारनाथ साहनी का भाई हूं।' उन्होंने उस कागज की ओर इशारा करते हुए कहा कि इस पट्टे को अपने गले में टांग लो और लोगों के पास जाकर काम मांग लो। ऐसे एक नहीं हजारों उदाहरण हैं, जब उन्होंने अपने परिजनों को अपने कर्तव्य के आड़े नहीं आने दिया।

साहनी जी को दूर से जानने वाले या सुनी–सुनाई बातों के आधार पर उनके विषय में राय रखने वाले उन्हें शुष्क और नीरस ही मानते होंगे

परन्तु यह सख्ती और नीरसता उनके व्यक्तित्व का वह पहलू थी जो कर्त व्य–पथ में उनकी तटस्थता को ही निर्देशित करती है। सत्य यह है कि साहनी जी बच्चों के साथ बच्चे भी बन जाया करते थे। युवावस्था में साहनी जी को मोटरसाईकिल का बहुत शौक था और वे बड़ी शान से 'बुलेट' मोटर साईकिल चलाया करते थे। स्वच्छता–सफाई का तो वे बहुत ध्यान रखते ही थे। उनके कपड़ों पर शायद ही किसी ने कोई सिल्वट देखी हो। गर्मियों में सफेद कुर्ता–धोती या चूड़ीदार पायजामे और सर्दियों में शेरवानी और चूड़ी दार पायजामे में वे खूब जंचते थे। उन्हें हमेशा ठीक से संवरे हुए छोटे बाल पसंद थे। वे अपने परिजनों को ही नही, अपने संपर्क के लोगों तथा ड्राइवर तक को हमेशा लंबे बालों को कटवाने के लिए कहते रहते थे। जैसा साफ–सुथरा उनका आचरण, वैसा ही साफ बोलना और वैसा ही सदैव साफ–सुथरा वेष, साहनी जी की हमेशा यही पहचान रही। विचार, वेष और आचरण तीनों में साहनी जी की निर्मलता पर कभी भी मलिनता का एक तिनका तक नहीं लगा। उनके जीवन में बहुत बार ऐसे अवसर भी आए जब वे अपने परिवार या मित्रों के प्रति कानून के दायरे में रह कर भी किंचित उदार हो सकते थे किन्तु उन्होंने ऐसा नहीं किया। उनके लिए परिवार केवल घर की चारदीवारी तक ही था, जहां वे पिता, पति, चाचा, ताऊ, श्वसुर या दादा की भूमिका पूरी संवेदनशीलता के साथ निभाते थे। घर के बाहर यही साहनी जी अनासक्त भाव से परिवार के सदस्यों के साथ भी वैसा ही व्यवहार करते थे जैसा बाकी लोगों के साथ, बल्कि कभी–कभी तो वे परिवार के लोगों के साथ कुछ अधिक ही 'कानून सम्मत' हो जाते थे। साहनी जी के अपने भाई केवल साहनी कुवैत में फंसे हुए थे और सद्दाम हुसैन ने कुवैत पर कब्जा कर लिया था। कुवैत में फंसे भारतीयों की सकुशल वापसी के लिए तत्कालीन विदेश मंत्री इंद्रकुमार गुजराल को वहां भेजा गया था। भाई की सकुशल वापसी में जब साहनी जी से विदेश मंत्री से बात करने का जोर डाला गया तो उन्होंने बिना किसी हिचक के हर भारतीय को अपना भाई बताया और कहा कि गुजराल जी किसी एक के लिए नहीं गए हैं, सभी भारतीयों की वापसी के लिए गए हैं।

दिल्ली प्रांत, भारतीय जनसंघ का कार्य साहनी जी को 1954 में सौंपा

गया था। साहनी जी ने उस समय दिल्ली की गली–गली, बस्ती–बस्ती घूम कर जनसंघ का पूरा का पूरा सांगठनिक ढांचा खड़ा कर दिया। साहनी जी मोटरसाईकिल चलाते थे और पीछे श्री विजय कुमार मल्होत्रा होते थे। दोनों ने दिन–रात एक करके जनसंघ को दिल्ली में ऐसी राजनैतिक शक्ति के रूप में खड़ा कर के दिखा दिया कि 1958 के चुनावों में दिल्ली नगर निगम में जनसंघ को कुछ सफलता मिली। साहनी जी को भी एल्डरमैन बनाया गया और श्री विजय कुमार मल्होत्रा दल के मुख्य सचेतक बने। इसके पश्चात 1959 में कुछ निर्दलीय सदस्यों एवं कम्युनिस्ट पार्टी के साथ समझौते में श्रीमती अरुणा आसफ अली दिल्ली की महापौर चुनी गई और साहनी जी दिल्ली के उपमहापौर। दिल्ली में भारतीय जनसंघ की तरफ से साहनी जी पहले व्यक्ति थे जो किसी संवैधानिक पद पर आसीन हुए थे। साहनी जी इस बीच अत्यधिक बीमार भी हुए किन्तु बीमारी के बावजूद वे बिस्तर पर पड़े हुए भी निरन्तर पार्टी कार्य और कार्यकर्ता निर्माण का कार्य करते रहे। उनके इसी परिश्रम का सुपरिणाम नगर–निगम चुनावों में दिखायी दिया। उसके पश्चात 1967 में नगर–निगम एवं महानगर परिषद् में जनसंघ को पूर्ण बहुमत मिला और लोकसभा की दिल्ली में 6 सीटों में से 5 जनसंघ ने जीती थी। साहनी जी निगम एल्डरमैन बनाए गए और स्थायी समिति के अध्यक्ष चुने गए। स्थायी समिति के अध्यक्ष रहते हुए साहनीजी का किया हुआ कार्य प्रतिमान के रूप में आज तक स्मरण किया जाता है।

दिल्ली में भाजपा को खड़ा करने का श्रेय साहनी जी को इसलिए नहीं जाता कि वे पार्टी और सरकार में विभिन्न पदों पर रहे बल्कि इसलिए कि वे पार्टी के एक–एक कार्यकर्ता का जैसा ध्यान रखते थे, शायद ही और कोई रखता हो। श्री ब्रजमोहन सेठी आटो–रिक्शा चलाते थे लेकिन साहनी जी के लिए तो वे मूल्यवान कार्यकर्ता थे। शायद ही कोई जानता हो कि आपातकाल में संघ अधिकारियों को यही आटो चालक ब्रजमोहन सेठी अपने आटो में एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाते थे। सुब्रह्मण्यम स्वामी और साहनी जी दोनों आपातकाल में देश से बाहर चले गए थे। स्वामी जी अमेरिका और साहनी जी इंग्लैंड में थे। वहीं से विश्व में आपातकाल के विरुद्ध जनमत बनाने और कार्यकर्ताओं का मनोबल न टूटने

देने के सभी कार्य साहनी जी ने अद्भुत कुशलता से किये। आपातकाल मे साहनी जी भारत में डॉ. कुप बन कर रहे "धोती कुर्ते" वाले साहनी जी ने कोट–पेंट पहन कर बड़ी–बड़ी मछूं रखीं और डॉ. कपूर बन कर संघ कार्य में जैसा समन्वय किया, उसकी चर्चा आज तक होती है। तब साहनी जी के दोंनो बेटे बहुत छोटे थे, घर का सारा सामान जब्त हो गया था–ऐसे में साहनी जी की धर्म पत्नी श्रीमती विमला जी ने जिस साहस एवं धैर्य का परिचय दिया उसे केवल बहुत निकटता से जानने वाले ही जानते हैं। आपातकाल में साहनी जी भूमिगत होकर संघ कार्य में रत, बेटा भीषण बुखार से ग्रस्त 'पिताजी' की रट लगाए हुए–लेकिन साहनी जी विचलित नहीं हुए–वे मिलने के लिए आए भी लेकिन मिल न सके क्योंकि पुलिस और खुफिया तंत्र उन्हें ढूंढने में लगा हुआ था। उन्हें गिरफ्तार होकर जेल नहीं जाने का आदेश था। उन्हें भूमि गत रहकर संघ कार्य करने का निर्देश था। इसलिए वे जरा सी भी असावधानी से गिरफ्तार होने का खतरा नहीं उठा सकते थे। उन्नीस महीने के लंबे आपातकाल में वे पत्नी से मिले भी और सिनेमा भी देखा, डॉ. कपूर बनकर। लेकिन सब कुछ 'संघ' के निमित्त, संघ के लिए–एक ध्येय–एक निष्ठा–संघ कार्य।

आपातकाल समाप्त हुआ तो चुनाव की तैयारी में जुट गए साहनी जी। जनता पार्टी बनी और जनसंघ का उसमें विलय हो गया लेकिन दिल्ली में तो जनसंघ ही जनता पार्टी था। इसलिए आपातकाल के उन्नीस माह के काल के पश्चात महीने भर में ही चुनाव लड़ने की जिम्मेदारी मूलतः जनसंघ की ही थी। आडवाणी जी, विजयकुमार मल्होत्रा जी और मदनलाल खुराना जी जैसे नेताओं के साथ साहनी जी का कुशल संगठन कार्य उस समय इतना काम आया कि महीने भर की मेहनत में जनता पार्टी दिल्ली की सातों संसदीय सीटें जीत गई। सामान्य जनता के भीतर आपातकाल के विरूद्ध जनाक्रोश तो था ही लेकिन उस जनाक्रोश को विजय में बदलने का काम संघ के समर्पित स्वयंसेवकों ने किया।

संसद चुनावों के पश्चात दिल्ली महानगर परिषद के चुनाव हुए और उसमें भी जनता पार्टी को बहुमत मिला। साहनी जी दिल्ली के मुख्य कार्यकारी पार्षद बने। यद्यपि साहनी जी इससे पहले उपमहापौर, महापौर और स्थायी समिति के अध्यक्ष जैसे पदों पर रह चुके थे किन्तु मुख्य

कार्यकारी पार्षद एक प्रकार से मुख्यमंत्री जैसा ही दायित्व था। अब मुख्य कार्यकारी पार्षद के रूप में समूची दिल्ली के लिए कार्य करना था। संगठन कार्य के पश्चात अब उनपर 'प्रशासनिक' दायित्व था। उसी समय दिल्ली को भीषण बाढ़ का सामना करना पड़ा था। अधिकारियों के मना करने के बावजूद वे स्वयं बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में गए और बांध टूटने की स्थिति में पूर्वी दिल्ली को डूबने से बचाने का तत्काल उपाय करवाया, जिसका सुपरिणाम यह निकला कि बांध तो टूटा लेकिन पूर्वी दिल्ली बाढ़ की विभीषिका से बच गई, जिसका उल्लेख श्री योगानंद शास्त्री सरीखे विपक्षी नेता आज तक करते हैं।

साहनी जी उन विरले व्यक्तियों में से हैं जिन्होंने बिना किसी अपेक्षा एवं पूर्वाग्रह के दिल्ली के लिए कार्य किया। उन्हें बहुत बार अपनी पार्टी के ही कार्यकर्ताओं की नाराजगी भी झेलनी पड़ी लेकिन वे उन्हीं आदर्शों पर पूर्णतया अडिग रहे जो संघ के स्वयंसेवक रहते उन्होंने अपनाए थे। मुख्य कार्यकारी पार्षद रहते हुए ऐसे प्रसंग और अवसर रोज ही आ जाते थे जिनमें राजनैतिक विवशता और प्रशासनिक निष्पक्षता के मध्य किसी एक को चुनना होता था। निस्संदेह साहनी जी अपनी निष्पक्षता की कटु आलोचना के शिकार होने के बावजूद हमेशा अडिग रहे। कुछ समय के लिए साहनी जी की आलोचना बेशक हुई परन्तु उनकी निष्पक्षता एवं नैतिकता पर कभी कोई उंगली नहीं उठा पाया, न पार्टी के भीतर और न ही पार्टी के बाहर। विरोधी दलों के नेता भी साहनी जी पर कभी कोई आरोप नहीं लगा पाए बल्कि वे एक तरह से इतने आश्वस्त रहते थे कि साहनी जी के रहते हुए लेशमात्र भी पक्षपात नहीं हो पाएगा। सामान्यतः प्रशासनिक अधिकारी एवं नौकरशाह भी राजनैतिक सत्ता के साथ सुर में सुर मिला लेते हैं और राजनैतिक दबाव में काम करते हैं। साहनी जी के साथ काम करने वाले तमाम प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों में से एक भी ऐसा नहीं है जो यह कह सके कि साहनी जी ने कभी भी अनुचित या नियमों के प्रतिकूल उनसे कोई काम करने को कहा हो। साहनी जी का दबाव राजनैतिक नहीं नैतिक होता था। साहनी जी के रहते इन सरकारी अधिकारियों की भी कभी कोई ऐसा काम करने की हिम्मत नही पड़ती थी जो नियमों या नैतिकता के विरुद्ध हो।

साहनी जी पर संगठन ने जब जैसा दायित्व सौंपा, उन्होंने उस दायित्व को सहर्ष और पूरी निष्ठा के साथ निभाया। 'पाञ्चजन्य' एवं 'आर्गेनाइजर' का प्रकाशन स्थल लखनऊ से दिल्ली स्थानांतरित कर दिया गया था। संस्था थी 'भारत प्रकाशन'। दिल्ली आने पर भारत प्रकाशन के 'मानद महाप्रबंधक' का दायित्व साहनी जी को दिया गया। उस समय पाञ्चजन्य के संपादक थे सुविख्यात विचारक एवं इतिहासवेत्ता देवेन्द्र स्वरूप जी और 'ऑर्गेनाइजर' के संपादक थे केवल रतन मलकानी जी। साहनी जी नित्यप्रति भारत प्रकाशन के कार्यालय जाते थे। देवेन्द्र जी और मलकानी जी से विचार विमर्श होता था। इन साप्ताहिक पत्रों को नई ऊर्जा, प्रखरता और वैचारिक स्पष्टता के लिए इन तीनों की 'टीम' अद्भुत थी। साहनी जी ने महाप्रबंधक का दायित्व ही निभाया। संपादन के लिए स्वतंत्रता ही नही पूर्ण सम्मान भी संपादकों के लिए पूरी तरह सुरक्षित रहा। साहनी जी ने संपादक की गरिमा को कभी भी किसी भी तरह की आंच नहीं आने दी। वे जहां भी जिस पद पर रहे वहां उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। साहनी जी चाहे पार्टी में किसी पद पर रहे हों, किसी संस्था में या फिर सरकार में, उनके साथ काम करने वाला उनकी सदाशयता का ऐसा कायल हो जाता था कि फिर वह संबंध हमेशा के लिए बन जाता था। सरकार में उनके साथ काम करने वाले सरकारी–प्रशासनिक अधिकारी भी अपने उच्च पद के अहंकार और सत्ता को भूलकर राष्ट्रहित और जनकल्याण के लिए काम करने को सहज ही तैयार हो जाते थे। उनके साथ काम कर चुके अधिकारियों की ऐसी बहुत बड़ी सूची है जो दुविधा में साहनी जी से 'परामर्श' लेने आते थे और 'उचित कार्य' करने का साहस लेकर वापस जाते थे। साहनी जी ने कभी किसी भी काम को राजनैतिक लाभ–हानि के तराजू पर नहीं तोला। उनके निर्णय लेने का एक ही प्रतिमान था। देश और जनता की भलाई के लिए वे अपनी पार्टी के नेताओं की नाराजगी तक मोल लेने में कभी नहीं हिचकते थे।

साहनी जी सिक्किम एवं गोवा में राज्यपाल के पद पर भी रहे। राज्यपाल के रूप में दोनों राज्यों में साहनी जी का कार्यकाल सचमुच केन्द्र–राज्य संबंध का श्रेष्ठतम उदाहरण रहा है। साहनी जी ने राज्यपाल

पद की गरिमा को क्षण भर के लिए भी धूमिल नहीं होने दिया। संविधान के अनुरूप एवं दिए गए दायित्व को निभाते हुए उन्होंने राज्य और जनता के कल्याण को अपना मूलभूत कर्तव्य माना। राज्यपाल के पद को उन्होंने कभी भी केवल शोभा का पद नहीं माना। सिक्किम के राज्यपाल रहते हुए उन्होंने वहां के इतिहास, भूगोल और संस्कृति की सूक्ष्मताओं के साथ जानकारी ली। वहां की प्राचीन कलाकृतियों को संरक्षित करवाया। उनकी सूची बनवाई। सिक्किम के नवयुवकों में 'फुटबॉल' के प्रति आकर्षण देखा तो वे स्टेडियम बनवाने के लिए प्रयास करने लगे। 'राज्यपाल' के पद पर रहते हुए वे एक-एक रुपए के खर्च में ऐसी किफायत बरतते थे जैसे वे घर का खर्चा चलाते थे। वे वहां के विद्यालयों में चले जाते थे। शिक्षकों-छात्रों से बात करते और उनकी समस्याओं को ध्यान से सुनते और उन्हें दूर करने के लिए भरपूर प्रयास करते थे। राजभवन के प्रत्येक कर्मचारी को उसके नाम से जानते और बुलाते थे। उनके परिवार की कुशलक्षेम पूछते और यथासंभव मदद भी करते। यह सब इसलिए उल्लेखनीय है क्योंकि राज्यपाल के पद को भी उन्होंने कभी केवल संवैधानिक पद नहीं माना, वे उससे आगे बढ़कर उसे लोकहित करने का अवसर मानते थे। सिक्किम राजभवन में रहते हुए एक बार वहां के कर्मचारियों ने 'वैष्णों देवी' जाने की इच्छा प्रकट की। साहनी जी तत्काल कुछ नहीं बोले, कर्मचारियों ने समझा कि संभवतः साहनी जी ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया, किन्तु कुछ ही दिन बाद उनकी यात्रा का सारा प्रबंध हो गया और उन्होंने अपने बेटे प्रदीप को भी साथ भेजा ताकि उन्हें किसी भी तरह की कठिनाई न हो। गोवा के राज्यपाल रहते हुए उन्होंने वहां का अति प्राचीन गिरजा घर जनता के लिए खुलवाया जिसमें फिर से प्रार्थना सभाएं शुरू हो सकीं।

साहनी जी ने जम्मू-कश्मीर से संघ कार्य आरंभ किया था। नब्बे के दशक में जब कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां शुरू हुईं और कश्मीरी पंडितों को घाटी छोड़कर अपने ही देश में शरणार्थियों की तरह रहना पड़ा, तो उनके सबसे बड़े सहायक साहनी जी ही बने। जम्मू और दिल्ली में उनके रहने से लेकर भोजन तक की जिम्मेदारी साहनी जी ने ऐसी संभाली जैसे यह विपदा उनके अपने परिवार पर आई हो। लगता है साहनी जी का जम्मू-कश्मीर से पूर्व जन्म का कोई संबंध था। देश

विभाजन के समय भी जम्मू–कश्मीर में साहनी जी ने अद्‌भुत कार्य–कौशल का परिचय दिया था। नब्बे के दशक में कश्मीर में आतंकवाद के कारण वहां से हिन्दुओं को बाहर निकलने और अपने ही दशे में शरणार्थी जीवन जीने को विवश कर दिया तो साहनी जी ने कश्मीर के हिन्दुओं की मुलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए दिन–रात एक कर दिया। साहनी जी ने कश्मीर से आए हुए पीड़ितों के पुनर्वास में किसी के आदेश की प्रतीक्षा नहीं की, उन्होंने पार्टी एवं संगठन के सामने स्थिति की भीषणता को सामने रखा। देश भर से राहत कार्य के लिए धन एकत्र किया, शरणार्थी कैम्प लगाए, यवुाओं को छोटे–छोटे रोजगार दिलवाए, खाना–पीना, पढ़ाई–दवाई सबकी जिम्मेदारी साहनी जी ने स्वयं ही अपने ऊपर ले ली। कश्मीरी हिन्दू भी कोई भी समस्या आने पर सबसे पहले साहनी जी का ही स्मरण करते थे। उन्हें साहनी जी पर अगाध विश्वास था।

संकट के इस समय में साहनी जी उनके सर्वाधिक विश्वस्त मित्र साबित हुए। साहनी जी ने भी कह दिया था कि दिन–रात की परवाह किए बिना कोई भी कश्मीरी विस्थापित उनके पास कभी भी आ सकता है। वे प्रधानमंत्री से, जम्मू कश्मीर के राज्यपाल से, वहां के राजनैतिक दलों के नेताओं से, हर किसी से मिल कर वहां की यथार्थ स्थिति को बताते थे। कश्मीर से विवश होकर आए हुए कश्मीरी हिन्दुओं को आज भी सबसे अधिक कमी साहनी जी की ही खलती है। साहनी जी ने उनके लिए जो भी किया वह संघ–संस्कारों के उस पक्ष को सहज ही स्पष्ट कर देता है जिसमें अपनी मातृभूमि पर संकट आने पर अपने तन–मन–धन को न्यौछावर करने को हर स्वयंसेवक स्वयं ही तत्पर हो उठता है। कश्मीर में अपने घरों से निकलकर कश्मीरी परिवारों को शरणार्थी शिविरों में रहने को विवश होना पड़ा। उनके पास कुछ भी नहीं था, तत्काल आवश्यकता के लिए उन्हें कम्बल चाहिए थे। साहनी जी ने पानीपत की एक कम्बल मिल से महीने भर के भीतर ढाई लाख से अधिक कम्बल बनवा कर भिजवाए। इस तरह एक असंभव से कार्य को उन्होंने पूरा कर दिखाया।

साहनी जी केवल राजनेता ही नहीं थे। सामान्यतः लोग उन्हें दिल्ली के महापौर–मुख्य कार्यकारी पार्षद या भाजपा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष के रूप में ही जानते हैं, लेकिन यह उनकी ही विराट दृष्टि एवं संघ संस्कार का

प्रभाव था जिसके कारण उन्होंने भारत से बाहर रह रहे हिन्दुओं को संगठित करने की संकल्पना रखी। आज पूरे विश्व में करोड़ों भारतीय–हिन्दू जिस प्रकार से अपनी मातृभूमि भारत से जुड़े हैं उसका बहुत बड़ा श्रेय साहनी जी को ही जाता है। साहनी जी ने प्रवासी भारतीयों की भारत और भारतीयता से जुड़ने की इस आकांक्षा को पहचाना और उसे संगठनात्मक स्वरूप देने की पहल की। उन्होंने विदेशों में बसे भारतीयों के बीच कार्य करके 'ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी' संस्था का कायाकल्प कर दिया। जिसके वे अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष भी चुने गए। साहनी जी की सांगठनिक कुशलता का ही यह परिणाम था कि तीस से अधिक देशों में इस संगठन का कार्य बहुत ही शीघ्र एवं प्रभावशाली ढंग से शुरू हो गया। इस कार्य में साहनी जी को कुछ लोगों की महत्वकांक्षाओं से भी टकराना पड़ा किन्तु साहनी जी का कार्य करने का ढंग इतना पारदर्शी एवं लोकतांत्रिक था कि ऐसी समस्याएं अपने शुरुआती दौर में ही समाप्त हो गईं। साहनी जी आमतौर पर बातचीत में यह कहा करते थे कि भारत से बाहर रह रहे भारतीय भी भारत के लिए बहुत कुछ कर सकते हैं। वे अक्सर कहा करते थे कि भारत में रहने वाले जितने भारतीय हैं, विदेशों में रहने वाले भी मूलतः उतने ही भारतीय हैं, अतः उनको भारत के विकास एवं अपनी जड़ों से जोड़ने की हर संभव कोशिश होनी चाहिए। सच यह है कि साहनी जी ने जो स्वप्न देखा था आज वह बहुत ही प्रभावशाली ढंग से साकार हो गया है।

साहनी जी अपने कार्यकर्ताओं की ही नहीं बल्कि अपने संपर्क में आए किसी भी व्यक्ति की मदद करने को सदैव तत्पर रहते थे। साहनी जी से परिचित शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसके पास उनसे संबंधित ऐसा संस्मरण न हो जिसमें उन्होंने चुपचाप मदद न की हो। अफ्रीकी देश केन्या में साहनी जी ने जैसे वहां के उप–उच्चायुक्त बाबूराम शर्मा जी को समुद्र की लहरों के बीच कूदकर बचाया और उसकी चर्चा तक नहीं की, ऐसा उदाहरण शायद ही कोई दूसरा मिले। वे स्वयं ही नहीं बल्कि मदद करने वाले से भी यह अपेक्षा करते थे कि उसे कभी इस बात का मिथ्या अभिमान न हो कि उसने किसी की मदद की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रेरणा से 'चौपाल' नामक एक प्रकल्प की शुरुआत की गई। आर्थिक रूप से कमजोर व्यक्तियों–परिवारों को मदद देना एवं उन्हें स्वावलंबी

जीवन जीने के अवसर देना ही चौपाल का उद्देश्य तय किया गया। साहनी जी से बेहतर व्यक्ति इस कार्य के लिए दूसरा कौन हो सकता था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तत्कालीन सहसरकार्यवाह श्रीमान मदन दास जी देवी ने यह कार्य साहनी जी को सौंपा और उसका सुपरिणाम यह है कि 'चौपाल' अब तक हजारों परिवारों की आर्थिक मदद कर चुका है और ये परिवार अब समाज में सम्मानपूर्वक जीवन जी रहे हैं।

साहनी जी जीवन में दो बार अत्यधिक अस्वस्थ रहे। पहली बार जब वे संघ–प्रचारक थे और दूसरी बार अक्टूबर 1998 में जब वे 'बोन टी. बी.' रोग से ग्रस्त हुए। रोग का हाल यह था कि उनका वजन मात्र 35 किलोग्राम रह गया, किन्तु साहनी जी का आत्मविश्वास इतना प्रबल था कि इस रोग से लड़ाई में भी अपने संयम और धैर्य से विजयी होकर निकले और पुनः पार्टी की बैठकों में सम्मिलित होने लगे। अस्पताल में भी उन्हें संगठन की ही चिन्ता रहती और वे हर मिलने आने वाले से संगठन की बात करते थे। अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए भी उन्हें अपने स्वास्थ्य से अधिक चिंता देश और संगठन की रहती थी।

साहनी जी अब हमारे बीच नहीं है। **3 अक्तूबर 2012** को वे अपना भौतिक शरीर छोड़कर ईश्वर की शरण में चले गए। हम सबको पार्टी को, परिचितों को, परिवार जनों को उनके न होने की कमी खलती है। वे हरेक पत्र का उत्तर देते थे। बहुत ही सुंदर, स्वच्छ अपने हस्तलेख में वे पत्र अभी भी बहुत कुछ प्रेरणा देते हैं, संकट के समय में ढांढस बंधाते हैं। साहनी जी की पत्नी और बेटों में से कोई भी राजनीति में नहीं गया। वंशवाद के इस दौर में यह बहुत बड़ी बात है। उनके बेटे माता जी की सेवा और पूज्य पिता केदारनाथ जी की स्मृति में अभी भी सामाजिक कार्यों में पूरी तरह सक्रिय हैं। साहनी जी आज हमारे बीच भौतिक रूप में चाहें उपस्थित न हों लेकिन उनके परिचय के लोग आपस में कहीं भी मिल जाते हैं तो संस्मरणों के अंबार लग जाते हैं।

***अवनिजेश अवस्थी**
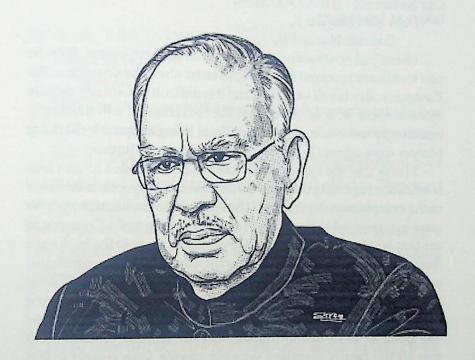
भवदीय

Ashok Singhal

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date: 19.6.90

Our Reference : BJP/CO-3751/90

Dear Shri Harjilal ji,

Saprem Namaskar.

I have just now received your letter of the 11th instant. By now you must have received my previous letter also. The situation in the Kashmir valley is still very fluid and it is difficult to form any definite opinion about it. It is hoped that the Government will ultimately come to the conclusion that the policies being adopted by Shri Jag Mohan were correct and they have to be pursued further.

I think that the Government has already amended its previous notification regarding the State Government employees and the cause of the complaint was removed. I have received the list of those who were assassinated in the valley. I shall be writing to the Governor to see that whatever promises the Government made to the backward families in regard to the ex-gratia grant, employment to a dependent etc. are honestly and successfully implemented I shall be looking forward to seeing the first edition of the 'Martrand' which you propose to publish from Jammu. My wife and the daughter-in-law had gone to Arya Samaj Mandir, Greater Kailash yesterday and met all the family members who per chance were present at that time. They are all perfectly well.

Please convey my Namaskar to all Friends.

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L.Jad, (Advocate)
c/o The Principal,
K. V. No. 1, Gandhi Nagar,
JAMMU TAWI

Note - Sahani ji substantiated-Governor Jag Mohan' policies to control fluid situation in the valley. He also wrote to the Governor to provide for the help to those who suffered due to militancy in the state.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date: May 25, 1990

Reference : BJP/CO-3353/90

Dear Shri Jad ji,

Namaskar.

I have received your both letters to-day. It gives me satisfaction to note that the relief work is going on nicely without any problem.

Yes, it is true that all political parties and the government have a very confused perception of the situation in the Valley. They want strong measures to be taken against the mischief-mongers but when such steps are taken they develop cold feet and start speaking a very different language. In our view they are further complicating matters and at the same time demoralising the Administration.

The Government employees should not say that they will not join duty. But they must say that adequate security arrangements should be made first and their representatives should be taken there to be satisfied in this respect on their behalf. And, if the government does in fact make such arrangements then they should not hesitate to go there. Of course, the BJP representatives can join the rackey party for the above said satisfaction of the BJP will never be a party to any such rash decision of the government where the lives of the employees are put to danger. Of course some risk will have to be taken by employees too, to assert the authority of the government and the employees will, I hope, agree to that. Steps must be taken to remove misgivings among the employees if there are any.

The situation in the Valley no doubt is grave. Yet it has to be faced and set right. And, strong measures will have to be taken to achieve that end. Let us hope that our efforts to pull the government in this direction and not to allow it to deviate succeed. Dear Hiralal ji and your son-in-law met me. I am on the job and I do hope that I shall succeed in getting them decently settled. I have requested the Chairman P.N. Bank for the transfer of Bhat ji's relation.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L.Jad,
C/O Kendriya Vidyalaya No.1,
Gandhi Nagar, Jammu Tawi

Note - Sahani ji sighted the grave situation prevailing in the Valley. Militants and mischief mongers got freehand to cause harm to Kashmiri migrants. Bewildered Administration developed cold feet to take appropriate action due to different political parties, behaving according to their vested and opportunistic approach, BJP asked its cadre to help state's Hindu Govt employees for their security and exert pressure on the govt to take action, to make the situation normal.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date: 10.3.1990

Reference No. BJP/CO653/90

Dear Shri Jad ji,

Namaskar.

I have just now arrived from Srinagar. It is unfortunate that the Government at the eleventh hour changed the original schedule and inspite of taking us to Jammu, brought us to Delhi, Even though we strongly protested. May be, I will be coming to Jammu next week when we shall meet.

I entirely agree with you that the situation in Jammu Kashmir is extremely grave and explosive. The Government shall have to act very firmly to and wisely to save Kashmir. On our part we shall be exerting our maximum pressure on the Government to do the needful. I shall let you know as to what we saw there when we meet.

The cuttings of various newspapers which you have been kind enough to send, have been received for which I am grateful.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L. Jad,
C/O The principal,
Kendriya VidyalayaNo. 1,
Gandhi Nagar, Jammu.

Note - Sahani ji showed serious concern about extremely grave and explosive situation in Jammu and Kashmir.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date: February 26, 1990

Reference : BJP/CO-496/90

Dear Shri Harjilal ji,

Namaskar.

I have been away on election tour and have returned to Delhi only to-day. I find yours of the 19th instant written from Hardwar lying on my table.

I share your concern about the sad developments in Kashmir. We are keenly watching as to how Shri Jagmohan handles the situation.

For about a week more I shall be extremely busy with the post election activities, only after that I shall be able to attend to the Job you have entrusted to me.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath sahani)

Shri H.L. Jad,
Advocate,
C/o The Principal,
Kendriya Vidyalaya - I,
Gandhi Nagar, Jammu Tawi.

Note - Sahani ji discussed the matter related to the sad developments in Kashmir in the tenure of Shri Jagmohan as the Governor of the state with Shri H.L. Jad.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : October 05, 1990

Ref. BJP/CO-6621/90

Dear Shri Saxena ji,

Namaskar.

I am enclosing a representation from Sri Ashok Kumar Raina who has very interesting story to tell. Alongwith other Kashmir Hindus he was placed to migrate from the valley. It is strange that he has been suspended on this account. It appears that over-enthusiastic officer has taken this step. Kindly intervene and get injustice. You will agree that he should be treated at par with other employees of the Govt. As is the case with those who have been forced to leave their hearths and homes. I am sure that you will kindly take personal interest and get Shri Raina re-instated.

With Kind regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri G. C. Saxena,
Governor, J&K Govt.
C/O Residential Commissioner J&K Govt.
5, Prithvi Raj Road, New Delhi.

Note - Sahani ji requested in the letter to the Governor of J&K to look into the matter related to the suspension of a hindu Kashmiri state employee on account of his forced migration in the valley to other places due to militancy, as he would be re-instated accordingly.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 20th September, 1994

Ref. KNS-1/481

Dear Shri Mathur ji,

Namaskar!

I am forwarding a copy of a representation from Smt. Permeshori Bhat addressed to the Chief Secretary, Government of Delhi, requesting that being a registered Kashmiri migrant she be paid her migrant salary at Delhi.

Smt. Bhat till recently was residing at Jammu, her husband an employee in the telecom department has now been transferred to Delhi and she has had to shift here, Obviously she has to go to Jammu every month to collect her salary which is causing unnecessary expense and botheration, I am sure that you can very well appreciate her difficulty. May I therefore request you to kindly take up this matter with your J&K government and arrange that she is paid her salary at Delhi. I shall feel obliged.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Sohan Bihari Mathur,
Resident Commissioner,
J&K State Government,
Kashmir House,
Prithvi Raj Road, New Delhi

Note - Sahani ji requested Resident Commissioner of J&K Govt at Delhi to provide for a help to a lady, Kashmiri migrant, regarding her migrant salary.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : May 15,1989

Ref. BJP/CO-3372/90

Dear Shri Madan ji,

Saprem Namaskar.

It was nice meeting you and other friends of the All Kashmiri Samaj. Equally gratifying is the fact that on most issues concerning the minorities residing in the Kashmir Valley our thinking is identical. We did cover a number of them during our discussions. Our meeting frequently will certainly help us in finding ways and means to make things easier for our brethren there as also to prepare the nation to face the grave dangers threatening us in J&K State.

As I expressed myself this morning it is essential that voice of protest and anguish is raised there in the Valley against the injustice and the indignity that the minority community is facing there. And, then we in the rest of the country should join in this. The louder the noise will be the more attention it will draw. We are prepared to extend our full cooperation and help in this endeavour of national importance. More when we meet again.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Brig. R.N. Madan,
President,
All India Kashmiri Samaj (Regd.)
Kashmiri Bhawan, Amar Colony.
Lajpat Nagar, New Delhi - 110024

Note - Sahani ji expressed concerns for the Hindu Kashmiri minorities in the Valley, facing grave danger and injustice met to them. He and his party identified themselves with them and the All Kashmiri Samaj in the hour of their most difficult time.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश

Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Ref. BJP/DP/3608-6/96 Date : June 19,1996

Dear Shri Razdan ji,

SapremNamaskar!

Thanks for your much awaited letter of the 11th instant. I share your happiness and joy on the victory of the BJP from the Udhampur constituency. The credit goes to the hard work put in by all our workers and well-wishers like you. The almighty has granted your prayers and in Shri Chaman Lal Gupta, you have a true spokesman in the Lok Sabha now. I appreciate your suggestion to mend the shortcomings of the party and prepare ourselves to face the assembly polls.

Kindly type the names of and addresses of such victims of terrorism whose families have not been given any help. I have not been able to read correctly the list sent by you. I do not want to write to the Chief Secretary unless the names and the addresses given in the list are correct. I shall be eagerly awaiting your letter.

Please convey my namaskar to all friends.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

President
Shri F.C. Razdan,
Shri Sanatan Dharm Sabha,
Bhadarwah, Jammu & Kashmir

Note - Shri Sahani ji appreciated the suggestion sent by Shri Razdan to mend the short comings of the party and also ensured him about the help immediate for the families who were the victim of terrorism, from the State and central Govt.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 19-8-1997

Ref. 11251-8/BJP/DP/97

Dear Shri Razdan ji,

Saprem Namaskar.

Thank you very much for your kind and detailed letters dated 8th and 12th August, 1997.

It appears that the security forces have started functioning effectively in Doda district. The results are encouraging. Let us hope that the experience they have had will be useful for them and inspire them to take bold steps to curb insurgency in that area. Please do keep me informed with your reports as you have been doing in the past.

I have read with interest as to what you write about Shri Daya Krishan Kotwal, How can he be stationed in Bhadarwah or in the district of Doda alone. I can understand the expectations you have from him. But, please do keep in mind the ground realities. Shri Kotwal has to play a very major role in the politics of Jammu & Kashmir State. You must be aware that he can only try his best to get the problems of employment or transfers resolved but he is not the final authority to take the decisions. In the present circumstances when Dr. Farooq Abdullah is in power most of our MLA's efforts will remain unrewarded. Therefore why put the blame on our own people. It will not be fair. Anyway, I shall speak to Shri Chaman

Lal ji and Shri Daya Krishan ji in this regard as and when they meet me.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F.C.Razdan,
President Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah (J & K State)

Note - Shri Sahani ji through his letter uphold the sincerity and integrity of the party functionaries, active in Bhadarawah and Doda districts. And apprised Mr. Razdan ji of their efforts related to the problem of employment and transfer despite the adverse political situation in the state.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश

Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Ref. 13630-11/BJP/DP/97 Date : Nov. 19, 1997

Dear Shri Razdan ji,
Namaste.

Thanks for yours of the 12th instant as also for the report for the month of October" 1997.

I was slightly surprised to read in your letter that I do not respond in details to the points raised in your letter. How can I be accused on this count? I value your letters and reports as they keep me posted with the latest situation and happenings in that district. On the basis of this information, I keep on hammering the Government of India and that of the J&K State to take necessary steps. And you know this. Also I keep posted the BJP leadership in and outside the parliament in this regard so that appropriate responses are made wherever and whenever it is necessary. Please do not misunderstand me.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan,
President, Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah,
Distt. - Doda, J & K State.

Note - Shri Sahani ji made Shri Razdan ji clear about the misunderstandings he had in his mind. He clerified that the letters and reports from him were being responded appropriately and it kept the BJP leadership and Government officials updated about the current situation of the J & K State.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date : April 23-1998

Ref. 2546-4/BJP/DP/98

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar.

Thanks for your of the 18th instant. It is indeed an occasion to feel happy at the impressive victory of the BJP and Shri Chaman Lal ji Gupta. The credit really goes to the hard work put in by our dedicated workers and well wishers.

The problem of unemployed youth in that region is baffling. One difficulty is that there are not many opportunities open for them in that area. The other one is they are not highly or professionally qualified to enable them to get employed elsewhere. The rampant corruption in the J & K State and the partisan and communal outlook of the authorities there is again a big hinderance. Please discuss with Shri Chaman Lal ji Gupta and Shri Daya Krishan ji Kotwal to find out if these could be got employed in the I.T.B.P., B.S.F or the C.R.P.F. as and when some more companies of these forces are raised. In my view this is one such avenue where we might succeed.

It is difficult to find suitable jobs for the workers whose list you have sent as the educational qualifications they possess are far too unimpressive and the possible emoluments they can earn will

not be adequate enough to sustain them. A copy each of the two reports desired by you are being enclosed.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F.C. Razdan,
President
Shri Sanatan Dharam Sabha
Bhadarwah, J&K Satate.

Note - Shri Sahani ji addressed the problem of unemployed youth of Bhadarwah district and advised Shri Razdanji to find solution of their employment with security forces since they were not properly equipped in terms of skill and qualification to get suitable job elsewhere.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date : 21/4/97

Ref No. 8488-4/BJP/DP/97

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

It is to thankfully acknowledge the receipt of yours of the 13th April' 97 which gives a vivid picture of the militancy related happenings in Doda district during the month of March 1997.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F. C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah,
Jammu & Kashmir

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date : 15/9/1997

Ref. No. 12012-9/BJP/DP/97

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar,

Thanks for your very affectionate letter as also for the detailed report of happenings in the district during August' 97.

Please be assured that I am not at all angry with you. Instead I admire you for your frankness and specially for your dedication to the cause of helping the suffering Hindus of that area.

With best wishes,

Yours Sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

President
Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah
J & K State

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref. No. KNS-1/596 Date : Sept. 20, 1991

Dear Shri Omkar Nath ji,

Namaskar.

I thankfully acknowledge receipt of a copy of your memorandum dated 13.9.1991 addressed to Shri L. K. Advani which he has gone through and passed on to me before his departure for france.

Let us hope that the Prime Minister's office takes action on the points raised in your memorandum. Actually all these points from part of memorandam already submitted to the Govt. of India at different times by the BJP. The Jammu Kashmir Sahayata Samiti, various Kashmiri Pandit organisation Samaj Delhi Kashmiri Samiti etc. Only recently Shri Chaman Lal Gupta and Shri Amar Nath Vaishnavi were in Delhi, they alongwith some other leaders met the Prime Minister. In my presence they discussed for more than 45 minutes all these points with him. He did promise for sympathetic consideration. It is yet to be seen as to what action is taken.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Omkar Nath Bhat,
General Adekshi,
Adeksh Durga Task Force,
H/O Mishriwala,
JAMMU.

Note - Shri Sahniji assured Shri Omkar Nathji that the points raised in the memorandum about the plight of Kashmiri pandits have already been submitted to the Government of India and various Kashmiri pandit organization and some sought of action is awaited.

Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : May 05, 1989

Ref. BJP/CO-676/89

Dear Shri Harji Lal ji,

Namaskar.

I thankfully acknowledge receipt of your affectionate letter of the 24th April 1989 contents of which I have noted with interest. Last week I had received a letter from Shri P. N. Bhat also. He must have shown to you the reply I have sent to him. If not, please ask him to show the same to you. I do not have anything else to add to that.

You will have to chase and pester our Srinagar friends to do the needful. In my view the future of Hindus in the Valley very much depends on their capacity to make noise and make the world know about their plight. It is up to them to do the needful. We on our part will do our best to help in making this noise felt all around.

Please do keep me informed about what happens there. My Namaskar to all friends there.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harji Lal Jad, Advocate,
Anant Bhavan hall (Nagbal),
ANANTNAG - 192101.
(J & K State).

Note - Sahani ji asked Mr. H.L. Jad and Shri P.N. Bhat to chase like minded people in Kashmir to make persistent efforts to raise their voice loud and clear to make the world aware about their plight. He also assured them of full cooperation from the party.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary.

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref. BJP/CO-932/89 Date : June 28, 1989

Dear Shri Harji Lal ji,
Saprem Namaskar.

Many thanks for yours of the 23rd instant giving us details of what happened during the convention of the Kashmiri Samaj. I am happy that you did the correct thing to give vent to the feelings of the Hindus in the Valley. This must have given to the delegates a correct picture of the situation. It is indeed a matter of regret and shame that Shri Handoo should say that plight of minorities in rest of India was much worse than what the minorities were facing in Jammu and Kashmir. It is not strange that none from amongst those who were present there challenged him? It reflects the apathy of an average Hindu to the happenings around him.

Your own convention must precede those of organized by others. Only then it will bear desired results. Otherwise, it will not be of much use. It is, therefore, necessary that Shri Indresh Ji Vaishnavi Ji and others are constantly chased to the abovesaid effect. I shall be requesting Indresh Ji also to speak to Vaishnavi and others.

With my Namaskar and regards to all friends specially to your dear wife and to Shri P. N. Bhat,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harji Lal Jad,
Advocate,
Anantbhawan Hall (Nagbal),
ANANTNAG - 192101. (J & K State)

Note - Sahani ji praised the convention of the "Kashmiri Samaj" in which Hindus had been given voice to vent their feeling of their sufferings and the hardships they had gone through. He also advised them to take more preemptive efforts to bear desired results.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : March 21, 1989.

Ref. BJP/CO-481/89

Dear Shri Jad ji,

Namaskar.

I acknowledge with thanks yours of the 15th instant. Your letter reveals interesting facts. It is evident that sustained hard work will have to be put in to negate the designs of all those who have their evil eyes on the Hindu Shrines in Kashmir Valley. As I had suggested, you must involve all Hindus irrespective of the fact that they reside outside Anant Nag district. Unless you do it successfully there is little hope to win this battle. What has happened in regard to the idea of calling a Hindu convention in Srinagar? The sooner it is held the better it would be. Unless loud noise is made about these unfortunate and sad developments in rest of the country. Your protest and anguish must be heard throughout India and, therefore, it must be loud enough to be taken note of. We at this end will do our best. Please be assured on this count. But you will have to keep us posted about the situation there.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harji Lal Jad,
Advocate,
ANANTNAG,
(J & K State).

Note - Sahani ji upheld, that Hindu unity clubbed with loud and clear voice in the J & K State irrespective of the circumstances like militancy, mischief, and suffering of any kind should be raised firmly to attract the attention of the rest of India.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
Mahamantri

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 30.06.1990

Dear Shri Jad ji,
Namaskar.

Thanks for yours of the 26th instant which has brought with it press clippings. These clippings are useful and throws much light on the current situation in the state.

Yes after Jagmohan's recall, situation has worsened. It appears that the govt. is not clear as to what it wants and how it will achieve that. Adhoc decisions taken in haste and proper deliberations have to be altered as has happened in regard to the govt. employees case.

I have learnt about the convention through your letter to-day. Nobody spoke to me or consulted me about the dates. Both Shri Advani ji and Atal ji are away in U.K. and U.S.A. both will be returning in mid July. I am not certain if eithor of will be able to attend the meeting on the proposed date.

Rest is ok

With best wishes

Yours sincerely

Kidar Nath Sahani

Note- After the Governor Jag Mohan's recall, situation in Kashmir Valley got worsened Sahani ji advised the then government to take stern action against mischiefs.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 16.6.90

Ref. BJP/CO-33690/90

Dear Shri Harji Lal ji,

Namaskar.

I have to hand yours of the 12th instant. Yours of 14th instant has not yet reached me.

I have noted with concern as to what you have written about the reaction of Governor's Secretary in regard to dear Kashmiri Lal Ji. At least I am not the least surprised. This is the general attitude of the people who are responsible for what has happened in Kashmir and who have been brought up in the Congress culture. Kindly send a copy of the letter which you had given to Chaman Lal Ji to deliver it to the Governor, On my part I shall also be taking up this matter with the Governor at this end. Let us see how far we succeed.

Dear Shri Hira Lal was here with me to-day back. He has succeeded to the same extent in regard to set up his own printing business. It is just the beginning and I am sure that he will ultimately make a place for himself in this city.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L. Jad (Advocate)
C/O The Principal K.V. No.1,
Gandhi Nagar, Jammu Tawi.

Note - Sahani ji elaborated the pseudo culture of the then ruling political Junta who were responsible for what had happened in Kashmir.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : January 23, 1990

Reference No. BJP/CO/252/90

Dear Shri Jad ji,

Saprem Namaskar.

Thanks for the press clippings and yours of the 13th instant received here to-day. I am happy to learn that my letter as also the visit of respected Shri Rajju Bhaiya have been able to remove the misgivings created by the conspiracy of circumstances. Please do rest assured that all of us belong to one and the same family and none from amongst us can have any feeling of ill will against any of our people.

Shri Indresh Ji is here these days. I did talk to him about your feelings. He was extremely sorry that he was not present at Anantnag at the cremation of Shri P.N. Bhat. He could learn about his demise only after three days of his assassination. Neither he knew that you were in town. Shri Murlidhar's irresponsible utterances have caused anguish amongst all of us. Let us forget and forgive and try to do our bit to mitigate the sufferings of our sisters and brothers of the J&K State.

Vaid Vishnu Dutt Ji, Shri Chaman Lal Gupta, M.L.A., Pt. Girdhari Lal Sharma and other friends from Jammu have reached here and joined Sarvashri Bhagwat Swaroop Ji, Amar Nath Vaishnavi, D.P. Dhar, Pushkar Nath and others from the Valley. All of them are extremely busy meeting people and trying their best to arouse their conscience so that they could really see the Kashmir situation in its proper perspective and enable them to do their duty accordingly. Local Kashmiri leadership, also has been motivated and they too are quite actively doing their bit. I wish you were here alongwith these friends of ours. Actually, I was disappointed not to find you amongst them.

Anyway, on their return to Jammu these friends will meet you and apprise you as to what we could accomplish here and also about the future plan of action. The B.J.P. is observing 27-1-1990 as 'Save Kashmir Day', throughout India. It is proposed that to highlight the problem of Kashmiri Hindus in middle March, in Jammu, a conference should be organized while on 11th February itself, for the same end in view on a smaller scale a Convention is being held there.

I am in regular touch with our Srinagar friends, and talk to them at least once daily. Also I keep on contacting Shri Jagmohan. We at this end are trying our best to do whatever is possible. I shall appreciate if there are any more suggestions from you.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L. Jad,
C/O The Principal,
Kendriya Vidyalaya - I,
Gandhi Nagar,
JAMMU TAWI.

Note - Sahaniji's letter and visit of Shri Rajju Bhaiya paved the way to remove the misgivings amongst party associates, killing of Shri P.N. Bhat made people of Anantnag furious. Sahaniji advised them that local Hindu people and their leadership should be organised to take collective efforts to mitigate their sufferings.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : June 11, 1993

Ref. No. KNS-1/1395

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar.

Thanks for sending to me a copy of the resolution as also the copies of the newspaper clippings. The group of the B.J.P. members of Parliament who visited Bhadarwah, Doda and Kishtwar last month have on their return met the Home Minister. They have apprised him of the seriousness of the situation and stressed upon him that immediate steps must be taken to meet it urgently.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F. C. Razdan ji,
General Secretary,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah (J & k STATE)

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : Sep. 5, 1992

Ref. No. KNS-1/691

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar.

Thanks for the copy of your report you had presented to the Members of Parliament.

You might be aware that the BJP discussed the situation in Doda district at length in Bhopal and has taken it up at the highest level with the Govt Of India. The "Bandh" throughout Jammu province, too, has highlighted the seriousness of the situation there. I had discussed for more than 2 hours the matter with the Governor J&K State. He did promise to execute certain suggestions made by us. I understand that some of them have since been implemented. Let us hope that adequate measures are taken & the situation is brought under control room.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath sahani)

Shri F.C. Razdan,
Secretary, Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah (J&K)

Note - Sahani ji discussed the matter with Shri Razdanji that the BJP leadership had discussion with the Government at the highest level. Sahaniji himself discussed the same with the then Governor of J&K regarding the deteriorating situation in J&K specially in Doda district and suggested various methods to control the situation.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश

Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date - May 19, 1998

Ref. No. 5072-5/BJP/DP/98

Dear Shri Razdanji

Namaskar,

This is to thankfully acknowledge the receipt of yours of the 14th instant enclosed with which was a copy of your fax message sent earlier. Unfortunately the same was not received by me. Anyway, I shall be showing your letter to Shri Vajpayee ji and Shri Advani ji.

You might be knowing that on his return from Udhampur Advani ji had sent a high level team of senior officers to go to the spot, discues the security scenario with the officers of the J&K Govt. as also those senior officers of the Security Forces who are working in the affected areas. The purpose of this visit was to have first hand knowledge and requirements there.Only yesterday shri Advani ji has held a meeting where the Governor, the Chief Minister and the DGP of the J&K State, the Defence Minister, the Army Chief and other senior officers were present. They must have evolved a strategy to meet the situation. Let us hope that it works. Till then we shall have to bear with the happenings, however tragic and unfortunate they are.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F.C. Razdan, President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah, J & K State.

Note - Sahaniji apprised Shri Razdan that the concerns raised by him regarding the unfortunate incidents occurred in the Valley, like militants activities and killings, been conveyed to Shri Advaniji and the then Home Minister, who already convened a meeting of the top brass of the state political and administrative leadership and the army Chief to make a viable Strategy to manage the security in the state.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : January 9, 1990.

Ref. No. BJP/CO-73/90

Dear Shri Kashmiri Lal Ji,
Namaskar.

I have to hand yours of nil date for which I am thankful.

I have no words to express my feelings of grief and sorrow on the tragic killing of our esteemed friend Shri P.N. Bhat. It is a matter of extreme shame that the government at the Centre as also in Jammu & Kashmir could not protect Shri Bhat, a nationalist to the core who sacrificed his precious life for the integrity of Mother India.

I did not know your name or address and, therefore, we sent a telegram expressing our feelings of shock and dismay and our condolences at Shri H.L. Jad's address. I do hope that the same was delivered to you. We at Delhi are deeply concerned about this dastardly murder and have taken up this matter with the Prime Minister. Please do not for a moment think that the tragedy has been a non event at the national level. It has moved one and all and serious thinking has started about the plight of the Hindus in Kashmir Valley.

I am grateful to you for sending a copy of the article Bhat Ji wrote on 26-12-1989.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Note - Sahani ji suggested the then Central and J&K government to take pro-active action against militants, commiting heinous crime by killing innocent patriotic people in Kashmir.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 22-03-1995

Ref. No. KNS-1/388

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

It was nice meeting you and other friends from Doda district at Jammu. The Meeting at Vir Bhawan was highly useful and gave me lot of information. I have gone through the copy of the resolution signed by leaders of all Hindu organizations. We shall continue to keep pressure on the Government to take necessary steps to save Hindus of Doda district.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan,
President,
Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah,
Distt. Doda,
(J&K State).

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 18-7-1995

Ref. No. KNS-1/640

Dear Shri Razdan ji,

Saprem Namaskar!

Thanks for your detailed registered letter received to-day.

I have received to-day another packet sent by Shri Daya krishan Ji Kotwal and it contains copies of three representations addressed to the P.M. and other ministers.

It is really unfortunate that the situation in Doda district continues to be grim despite the fact that over 20 thousand security men are deployed there. I agree with you that it is due to lack of authority delegated to them. We shall as always try our best to put pressure on the Government to do the needful.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah (Distt. Doda),
J & K Government.

Note - Sahaniji advised party cadre to keep pressurising the government and the authority in Kashmir to control the grim situation prevailing in the Doda district of the state.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date: 17th December, 1996

Ref. No. 6306-12/BJP/DP/96

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

I am grateful for your detailed letter of the 9th December, 1996 which has been received just now. The day to day happenings in the Doda district are really disturbing. I shall be taking up the matter with the concerned authorities at the highest level. Let us hope that remedial measures are taken and the situation in that area eased early.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah,
Jammu & Kashmir

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date: 1st June, 1998

Ref. No. 6186-6/BJP/DP/98

My Dear Dr. Farooq ji,

Namaskar!

While in Ladakh for the election campaign I toured extensively and visited various places in the far flung and remote areas of the district. I enjoyed the trip although very tiring and at times giving me breathing problems.

At various places many people met me apprising me of their difficulties and problems some of these related to the Central Govt. and many to the State Govt. The enclosed 12 memorandums are being sent with the hope that you will be kind to get the requests made therein examined and grant the ones which you can possible do.

Before going into the details of these memorandums I have one general observation to make which if attended to will give the State Govt. high credit and good name. The condition of the roads in Ladakh as maintained by the GREF and those by the State PWD is very evidently different During my travel of over 1500 Kms in that area I noticed this difference and feel like apprising you of this fact May be a slight pull up if the department might improve matters.

1. The BJP unit of the Nyoms Block in their memorandum have pointed out that the approved Micro Hydel Scheme is taking too much time in its implementation which needs to be expedited.
2. The Lower Leh Mandal want that the State of the electricity supply be improved and the problems of those having no houses or land be looked into.
3. In another memorandum a very old and long overdue demand to get the Leh-Zanskar road constructed urgently and expeditiously is repeated. You will appreciate that due to the

delay in the completion of this project and due to the lack of this connection very many people are put to lot of inconvenience and hardship. This delay is causing lot of unnecessary heart burning and misgivings which need to be removed at the earliest.

4. In another memorandum from village Stampuk it is sought that the water supply in a village near Hunder (Nobra valley) has been disrupted for the last over one year causing the villagers a lot of hardship. It needs to be restored and till then it is requested that the drinking water be supplied to them through a tanker. Also it is requested that an irrigation canal be constructed.

5. The Numberdars of Beema, Dha, Darkon, Darchik and Hanu want that a hostel building for their wards who want to study, be provided at Leh as their wards have no place to stay there. These villages are at a distance of 180 Kms. From Leh.

6. The memorandum submitted by the BJP Nyama Block Changhang has pointed out the difficulties being felt by the people of that area in the sectors of Education, Diesel Generator, Health Sector, Pashming and Allocation of Funds. Also, it is sought that a Sarai be constructed for them at Leh.

7. The Village Education Committee, Chumathang, Chaugthand has in their memorandum sought the construction of a hostel in their Govt High School.

8. The Numberdar of Skidmang in his memorandum has demanded that a new bridge be provided for his village as the present one is very old and it cannot be used for their mules or other animals.

9. The residents of village Dikshit have pointed out that arrangements be made for the irrigation purposes of their fields. Also, they want a govt. ration shop to be opened in their village.

10. In the memorandum submitted by the Village Education Committee of village Dikshit Numbra want reservation of seats for their wards in the Medical and Engineering Colleges of the State Govt. because of their being a backwards area.

11. Representation of Domkhar in Nubra area want that the construction of link road Domkhar-Phao upto Tuk Tuk, survey

for which is already done and the project approved, be expedited. This link road, they say, is important for the defence of the country.

12. Ex serviceman Lolazang Stanzin of village Pinchimick (Leh Tehsil) has requested that the Nubra-Sakti-Diger road is very urgently needed as it will be a all weather lifeline link with Nubra valley.

Seeking your personal intervention and with kind regards.

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Dr. Farooq Abdullah,
Chief Minister,
J&K State, Srinagar

Note - Sahaniji wrote elaborately to the then Chief Minister of J & K pertaining to the problems related to the people of Ladakh while travelling through that area. He sighted various points like-

1. Micro Hydel Scheme to be expedited
2. Electricity supply
3. Leh- Zanskar Road to be constructed
4. Water supply be restored in Nubra Valley, Hostel building in Leh Area for students.
5. Problems to be solved regarding Education and Generator
6. New bridge to be constructed
7. Irrigation problem, demands for medical and Engineering college in that area
8. Link Road to be constructed in the area
9. Life line of the Area, Nubra sakti-digger Road in Nubra village be Constructed immediately.

केदार नाथ साहनी भारतीय जनता पार्टी

KIDAR NATH SAHANI Bharatiya Janata Party

Date : July 28, 1994

Ref. No. KNS-1/4190

Dear Shri Razdan ji,

Saprem Namaskar.

It is a matter of great relief and satisfaction that you are a free man. I learnt about your arrest only about week back only. It appears that letters written to me have been detained. Anyway, now the flow of news from Bhadarwah must continue. Please write to me at my residential address. At A-1, Neeti Bagh New Delhi - 110049.

Shri C.L.Gupta at Jammu is trying his best to persuade the authorities to withdraw the criminal cases fabricated to implicate the innocent Hindus of Doda. The advocates are on continued strike. You know the situation and the authorities in J&K State much better than anyone else. We have to deal with them. I can assure you that on our part no effort will be spared.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan,
General Secretary,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah.

Note - Sahaniji raised the issues related to the fabricated criminal cases against the innocent Hindus of Doda.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date: 22nd August, 1994

Our Reference- KNS-1/4705

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar.

Thanks for yours registered of the 11th instant.

As I explained in my previous letters written to you and to Shri P.R Rathore we are trying our best to get the cases registered against the Hindu youngmen withdrawn. Shri Chaman Lal Gupta is doing his best. Unfortunately our efforts have not borne fruit as the Governor is very adamant and is not prepared to do the needful in this regard.

Regarding the S.H.O. also so far the state Government holds the same view. It appears that it might take more time to get the needful done on both these scores. I am sending your letter to Shri chaman Lal ji at Jammu. He will take up all the matters including the one relating to the wife of late Shri Ruchir Kumar with the concerned authorities. I am sure that we shall be able to get her some job.

Please find enclosed a photocopy of the reply I sent to yours of the 19th July.

Kindly do keep me informed about the goingons in that area.

Regards,

Yours Sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan,
President, Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah (J&K)

Note - Sahani ji raised the biased attitude of the J.K. Govt. and the administration towards the Hindu youngmen and their organization which were formed to help the Kashmir sufferer and migrants.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : May 16, 1989

Ref. No. BJP/CO-733/89

Dear Shri Jad ji,

Namaskar.

Brigadier R.N. Madan, President All India Kashmiri Samaj accompanied by some other colleagues met Shri Advani ji this morning at our Central Office. Apparently they had come to discuss the problems being faced by the minorities in the Kashmir Valley. It appears that they are planning to hold some meeting at Srinagar in June 1989. They might have discussed this matter with you also. Advani Ji wants to know as to how sincere they are and to what extent we should associate with them. Although they expressed adverse opinion about Shri Jattoo still they seemed impressed by his contacts with high ups in the State Government. Also they were of the view that he had a lot of following in the community. We shall make up our mind about them only after we hear from you. It is, therefore, urgent that after consulting other friends you send your comments to me at the earliest.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harji Lal Jad, Advocate,
ANANT BHAVAN HALL (NAGBAL),
ANANTNAG - 192101.
(J & K State).

Note - Sahaniji wanted sincerity and consistency in holding meetings at Srinagar by party workers and office bearers.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : March 01, 1989

Reference No. BJP/CO-372/89

My dear Dr. Farooq ji,

I was in Srinagar last week when some friends from Anantnag met me. They told me that a few days back a public meeting was held in their town where Qazi Nissar, Shri Lone and some other leaders delivered highly provocative speeches. According to them an announcement was made at the meeting that on 17th March, 1989. , after the Friday prayers, a procession of over 50,000 strong will proceed to Gautam Nag and take possession of the land which was in occupation of Hindu since ages and where the annual 'Chhari Mubarak' on their way to Holy Amar Nath halts for a night's stay since times immemorial. Presently an ashram is being run by a sadhu on that land. The revenue records say that the said piece of land belongs to Hindus. They showed to me an issue of a daily paper "Kashmiriyat" dated february 24, 1989 wherein the gist of the speeches delivered in the abovesaid public meeting was reproduced. Naturally, they were greatly disturbed. Local administration, it appears, has done pretty little to assuage their feelings.

Events of February 1986 have already created a feeling of fear and insecurity amongst the Hindus residing in the Valley. They feel highly demoralized and frustrated. Developments such as stated above are bound to cause further damage and hurt. It is very essential that necessary steps are taken immediately to save the situation in

time lest it deteriorates further and creates complications.

I thought it fit to bring this to your notice so that the needful was done.

With kind regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Dr. Farooq Abdullah,
Chief Minister,
Jammu & Kashmir Government,
JAMMU TAWI.

Note - Sahaniji in his letter to the then Chief Minister of J&K Shri Farooq Abdullah informed the provocative speech delivered by Qazi Nissar Shri Lone in the Anantnag district in which an announcement was made to forcefully acquire the land of Gautam Nag belonging to Hindu community he raised his concern about the outcome and hoped for the necessary action to be taken true avoid sub situation.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 25-5-1989.

Reference No. BJP/CO-778/89

Dear Shri Jad ji,

Saprem Namaskar.

It is to acknowledge receipt of yours of the 15th instant which I have received today. I am grateful to you that you have been keeping us informed about the situation in that area. And in turn no opportunity is lost by our leaders to project the same. Only last week the Home Minister convened the meeting of all political parties where Shri Vajpayeeji pleaded your case very forcefully. Kindly keep writing letters in future also.

As I have written in my previous letters you will have to chase our Srinagar friends. Also seek Shri Indreshji's help in this regard.

Please convey my namaskar to all friends.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.C. Jad,
Anant Bhavan (Hall) NAGBAL,
ANANTNAG- 192101
(Kashmir)

Note - Sahani ji being a facilitator conveyed all information about the ground realities got from local party associates in Kashmir to the central leadership. Which in turn was pleaded by Shri Vajpayeeji in the parliament forcefully.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : May 20, 1989.

Reference No. BJP/CO-751/89

Dear Harjilal ji,

Namaskar.

I have received to-day your two letters dated 9th and 12th May, 1989. Also has been received the enclosed Urdu pamphlet. I shall show these to Advani Ji and Krishanlal Sharma Ji. The letters throw enough light on the situation in the Valley. We shall have to earn our rights by continuously fighting for them and exposing the evil designs of those behind them, the ruling clique included.

Have you or somebody from the sufferers submitted any memorandum to the State Government giving details of the partiality and discrimination shown towards the Hindu victims. If yes, please send a copy to me so that the matter could be taken up with your Chief Minister.

If a conference is going to be organized in June then much spade work has to be done immediately and there is not much time left for that. Final decision must be taken without losing any further time. You must have received my earlier letter wherein I had given you a gist of our meeting with the All Kashmiri Sabha people.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani).

Shri Harji Lal Jad, Advocate,
ANANTBHAVAN HALL (NAGBAL),
ANANTNAG - 192101.
(Jammu & Kashmir).

Note - Sahaniji advised party in Kashmir to fight continosly to expose local political seperatist and discriminating attitude of local Kashmiri administration towards the Hindu victims.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Reference No. 9220-5/BJP/DP/97 Date : 28th May, 1997

Dear Shri Indrajit ji.

Namaskar!

Time and again I have been bothering you about the unfortunate happenings in Doda of J&K State. The situation has not since improved and the militants are having a field day in the hilly areas of the district. The enclosed photo copy gives a very grim picture it list some of the incidents that have taken place during the last a few weeks.

The authorities no doubt are equally concerned about such happenings and must have taken steps to curb the movements of the terrorists who roam about freely in groups of 20-25 persons and strike at will. It has struck terror in the area.

The village Defence Committees, perhaps, are the correct and best answer to meet this menace. These committees have proved effective. They need to be encouraged and strengthened. Equipped with modern arms they can face these beasts with courage and determination. Also, it is necessary that the number of such committees increased.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri Indrajit Gupta,
Union Home Minister,
Government of India,
New Delhi.

Note - Sahaniji raised issues related to the free moment of militants in the Doda District and hilly areas of Jammu Kashmir. He suggested steps to curb the activities of terrorists.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Reference No. BJP/CO-1233/89 Date : 19.8.89.

Dear Shri Jad ji,

Saprem Namaskar.

I have just now received your kind letter of the 10th instant which is accompanied by cuttings of various newspapers. The press interview of Amar Singh is quite interesting. It does reflect the inefficiency of our Government and their intelligence agencies. I am happy to note that ultimately permission was granted to open the Langar for Chari Mubarak yatris.

The political situation in Jammu and Kashmir is causing great concern to every body. Day before yesterday when the matter was taken up in the Rajya Sabha all sections of the house expressed their deep anxiety over the developments in the valley. The speech of Shri L.K. Advani was exceptionally impressive. After all we can raise our views and apprise the country about what is happening there. Credit should be given to Shri Tirath Ram Amla also. He did express his views very boldly.

Regarding the convention I have not much to add now. We can make suggestions only. Rest is to be left to the people there. I hope better sense will prevail and the convention will be organized as was envisaged. Kindly convey my regards to P.N. Bhatt and others.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L. Jad,
Anant Bhavan Hall (NAGBAL)
ANANTNAG -192101, KASHMIR.

Note - Sahaniji raised the issues pertaining to inefficiency and laid-back attitude of the administration of J&K Govt. while dealing with the deteriorating situation in Jammu and Kashmir. He advised party cadre to hold conventions in the state to apprise people about the various problems there.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 16-9-1995.

Dear Shri Ashok Kumar ji,

Namaskar.

You might be knowing that the BJP president Shri L.K. Advani and myself visited various places in Jammu region of J&K State. Many people met us and a large number of memorandum were presented to us. I am enclosing these for your very kind perusal. Most of the points made in these representations are worth of sympathetic consideration and appropriate action.

1. The first one relates to the problems being faced by the Kashmiri migrant workers of Anganwadis and Balwadis. The facts, if true, warrant the situation to be reviewed.
2. In the second representation the residents of Basohli have narrated the difficulties they are facing and are sure to face at a much large scale in future in the absence of the proposed bridge over river ravi. It is really unfortunate that the said bridge though planned and proposed many years back is not constructed. It is a known fact that the Punjab Government had paid their share of the cost of construction of this bridge to the J&K State Govt. This year due to very heavy rains the people in this town suffered a lot. You taking personal interest will no doubt expedite the construction of the much needed bridge.
3. Third representation was submitted to us at Rajouri. The major problems pointed out are:
   - I. In that area the fertilizer is being sold at a very high cost;
   - II. Promises made by the government to properly rehabilitate the refugees of 1947 from Pakistan occupied Kashmir are not fulfilled;

III. Virtually, there are no schemes to provide employment to the large number of unemployed youth in the district while tempting incentives have been provided for those who have it is a pity that even after 48 years of independence people have to complain in this regard. Taken to gun;

IV. Provision of a bridge on way from Dhangri to Muradpur will give ample relief to over 15000 resident of the area. Similarly a Jhoola-bridge at Baljarallan will help a large number of villages;

V. Farmers be involved in the social forestry programme. While the objectives of the scheme will be fulfilled, it will help farmers financially also; and

VI. Upgrading of schools at Dhangri to 10+2 and at Baljarallan upto 10th will be of much help to the entire area.

4. The fourth representation comes from the Lamberadar of Village Chergi in Kishtwar tehsil of Doda district. Shri Kishan Lal Points out that the village does not have a ration depot, it suffers from lack of medical facilities, motorable approach road and the teachers not attending the school. He also wants job opportunities for the unemployed youth of the village. You will agree with me that his demands should be considered sympathetically and relief to the residents of this remote and for this village should be provided.

5. In the fifth memorandum Shri Rup Lal Sharma has wanted that the problems of 1947 refugees (related in details) be sorted out it is a pity that even after 48 years of independence people have to complain in this regard.

6. Villagers of Dalogra village in tehsil & district Rajouri, in their representation no. 6 have pointed out that there is no higher secondary school in the vicinity of 50 kms of their village and naturally they want that this drawback is rectified.

7. The seventh memorandum represents the case of migrants from village Zainapora in Shopian Tehsil of Pulwama district they wants proper essesment. An early payment of the compensation

made to them.

8. Shri Sunil Lahori whose case for some monetary help on compassionate grounds has been with the government for quite sometime. In the 8th representation he wants some relief urgently and early. If a way could be found out to help this handicapped person with no means of livelihood, the needful be done.
9. The next, 9th representation from the Kashmiri migrants projects their various woes and difficulties. The government knows all about these problems but they remain unresolved. The most important of them is that of their properties, orchards, lands, shops, and factories etc. It is suggested that a custodian department be set up to make an inventory of all such properties and to look after the interests of the owners. I hope the government is already considering to set up such machinery.
10. In the 10th representation the residents of village Metka in tehsil Kalakote (Rajouri district) have pointed out that the middle school in their village be upgraded, a scheme be launched to provide them with clean drinking water, the wages of the workers working in the coal mines of Kalakote be paid regularly and the services of those working there for more than 7 years be regularized, a dispensary be provided in Metka and Metka Kanthol road be repaired immediately.
11. Shri Suresh Chander Katal, Advocate son of late Shri Swami Raj Katal who was shot dead by the terroists at Bhadarwah last year has drawn our attention the fact that even after his being selected as a public prosecutor, he is not being given a posting because a false case has been registered against him by the local police and they are obstructing his appointment on that plea, May I hope of your personal intervention in this particular case and justice being done to Shri Katal.
12. The representation of the Bharatiya Janata Party, Basohli (No. : 12) highlights the urgent need of constructing a bridge on the river Ravi. Shri Ravinder Purohit president of the Basohli unit met us and emphasized that the work of construction of the

bridge should be taken up at war footing.

13. The representatives of the All Displaced Daily Wagers Association J & K pleaded with us (representation no. 13) that the migrant employees were being discriminated again. Kindly do look into their grievances and get them settled amicably.

14. At Sunderbani (Distt. Rajouri) the residents expressed their deep anguish over the recruitment of teachers. As has been explained in their memorandum (no. : 14) they feel that great injustice has been done to the youngmen from their area. I do hope that their complaint will be looked into and injustice, if any, undone.

15. A deputation of the Recognised/Unrecognized Private Schools, Association Jammu Tawi met us at Jammu and presented their memorandum (no. : 15). They explained at length as to how they were being harassed at the hands of the education department. All the details of their difficulties have been given in the enclosed papers. Please do get them examined.

I shall feel grateful if the respective departments are directed to look into the points made in these representations and to take appropriate action on them.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Note - Sahaniji elaborated various pertinent issues related to the Jammu region of J & K State to the administration, to be taken into consideration immediately.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Reference No. BJP/CO-1068/89

Date : July 24, 1989.

Dear Shri Jad ji,

Namaskar.

I have to hand yours of the 19th instant, which gives an indepth picture of the latest situation in Kashmir. Thanks.

It gives me pleasure and satisfaction to note that after all the two year old idea of holding a convention is going to materialize It will certainly help in focussing public attention on the problems being faced by Hindus in J & K State. All Central and State leaders will be busy at Bombay for our National Council Session from 23-9-1989 to 27-9-1989. If you want some one from the BJP leaders to be present during the convention then you will have to adjust your dates accordingly. And, your formal request should reach Advani Ji and Atal Ji much in advance.

India Today has in their News track brought out very well the gravity and seriousness of the situation in the Valley. BJP on their part is always taking up this issue.

Please find enclosed a copy of my letter addressed to Dr. farooq Abdullah in regard to the application of Shri Gaur who wanted to set a free Langar for Amar Nath pilgrims.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harji Lal Jad,
Advocate,
Anantbhawan Hall (Nagbal),
ANANTNAG - 192101. (J & K State).

Note - Sahaniji praised and endorsed the idea of holding convention in the Kashmir Valley to draw the attention of the public in the state as well as at the national level at large. He also mentioned about the letter, wrote to the then Chief Minister Farooq Abdullah to grant permission to Shri Gopal Krishan Gaur for a "Free lungar" for the pilgrims heading to Amar Nath Shrine, which was earlier denied by the authorities, that could hurt the feelings of Hindus.

केदार नाथ साहनी

KIDAR NATH SAHANI

General Secretary

भारतीय जनता पार्टी

Bharatiya Janata Party

Reference No. BJP/CO-1067/89 Date : July 24, 1989.

My Dear Farooq Saheb,

I am enclosing a copy of an application of Shri Gopal Krishan Gaur of Hoshiarpur addressed to the Deputy Commissioner Anantnag seeking permission to set a free langar from 10-8-1989 to 18-8-1989 at Pushpatri for the benefit of pilgrim on Yatra to the holy Shrine of Amar Nath.

They have been running such Langar at that place for the last 5 years. There should not have been any hesitation in granting such request. But, I have been told that the D. C. has refused this permission because the applicant did not pay Rs. 5,000/- towards Red Cross Funds.

The endorsement on the enclosed photo-copy of the application in question is ample proof of this allegation. You will agree with me that the said officer has done something highly objectionable which is bound to bring a bad name to your government. Also, it can create certain misgivings amongst Hindus which I am sure you can never think of. Pilgrims visiting Amarnath are bound to carry these adverse and highly damaging news throughout India. I shall, therefore, request you to issue orders to the said D. C. to rescind his earlier orders and grant requested permission to Shri Gaur. I do hope that the needful will be done immediately.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Dr. Farooq Abdullah,
Chief Minister,
J & K Government, SRINAGAR

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Reference No. BJP/CO-525/89

Date :March 29, 1989.

Dear Shri Jad ji,

Saprem Namaskar.

It is to acknowledge receipt of your kind letter of the 19th instant which I received two days back. I have been in constant touch with Shri D.P. Kaul and am in know of developments in Kashmir Valley.

To my mind there is no other alternative left for the Hindus in the State except for making noise loud enough to draw attention of the entire country to the gory incidents in Jammu & Kashmir. Only that can ensure some protection for them and for their temples. It is extremely unfortunate that enough has not been done to highlight the shameful happenings in the Valley. Only the B.J.P., the R.S.S. and the V.H.P. have been doing their bit to this end. No other organization, political or other has taken up this matter. It is essential, therefore, that all efforts are made to make up this shortcoming.

With this in mind I had suggested that a convention should be organized at Srinagar where each and every village in the Valley and all Hindu Organisations should be represented. The purpose of this convention should be to highlight the sad plight of the Hindus. Enough spade work shall have to be done before this convention is held. It will have to be properly publicized not only in the Valley itself but also at some important madia centres in North India. Perhaps it will be necessary that a delegation visits these places, addresses press conferences there and invites the Editors and some other important people to the convention.

Also this delegation should meet top leaders of various political parties, explain to them the plight of the Hindus of Kashmir and

invite them to the convention to see things for themselves.

We on our part will do our best to help you. I have spoken to Shri Advani Ji who has approved my above suggestion and has promised to attend the convention if and when held. It now rests upon your friends to take a final decision and move fast.

I have one more suggestion to make. It will be extremely helpful to explain things to all concerned if full facts about these happenings are put in black and white on paper. Can Shri P.N. Bhat prepare such a note where facts about all events and happenings are brought out correctly and in chronological order. This should be done at the earliest because it is very urgent. I shall feel grateful if a copy of the same is sent to me as soon as it is ready. We too shall try to use those facts.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harji Lal Jad,
Advocate,
ANANT BHAVAN HALL (NAGBAL),
ANANTNAG - 192101.
(Jammu & kashmir)

Note - Sahaniji acknowledged the grim situation in the Jammu and Kashmir and suggested BJP and its affiliates to raise their voice louder and organize required conventions in Srinagar and other places of the state against the atrocities of the militants. He also suggest to publicise the convention so that the light of Kashmiri Pandits could be non to the world.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date: August 7, 1997

Ref. No. - 10975-8/BJP/DP/97

Dear Shri Dr. Farooq Abdullah

Namaskar!

I am extremely grateful to you for your kind letter dated 30-7-97, where in I am informed that the number of village Defence Committee in Doda district is being increased and officers are on to procure for them better weaponry. Equally gratifying is the news that a major recruitment drive for the Police force is being undertaken. It will no doubt help in handling the uncertain and disturbing conditions caused by the insurgents in that district.

You might recall the suggestions I made during my last meeting with you. The youngmen Joining the V.D.C. need necessary encouragement. As soon as one joins the committee he became a thorn in the eyes of the insurgents and is a known vary target. He does not remain a free person there after. He cannot go freely either to his field to toil or do any labour work, He has to be always on the alert. At times it became difficult for him even to earn his livelihood. It is therefore necessary that the persons who take such work should be amply rewarded with financial benefits. The present monthly allowances of Rs 1500/- for the entire committee of eight members is far too inadequate to motivate them. In my View these V.D.C are the most effective

and cheapest to check the insurgency in the for highlly terroain of the State. This suggestion needs your kind and sympathetic consideration.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri Dr. Farooq Abdullah ji,
Hon'ble Chief Minister,
Jammu & Kashmir Govt.,
Srinagar.

Note - Sahaniji praised the then Chief Minister Dr. Farooq Abdullah for his actions as suggested by him to increase Village Defence Committee, Recruitment of local youth in Police force, and suggested financial benefits to those who Join Village deffence commitee.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 06.08.91

Ref : KNS-1/438

Dear Shri Bhat ji,

Saprem Namaskar.

I have received your letter of the 1st instant. I have read it with great pain and distress. I have nothing more to add to what I wrote in my pervious letter. I shall once again impress that you should instead of forming another orgnisation, meet Shri Indresh Ji and discuss the whole problem with him. He will certainly satisfy you and do whatever could be possibly done.

Please convey my Namaskar to all Swayamsevaks.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Jai kumar Bhat,
67, B/D- Gandhi nagar,
Jammu Tawi.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref No. : BJP/CO362/90

Date : February 8, 1990

Dear Shri Jai kumar ji,

Namaskar.

I was not in town. On my return from Jaipur I have received your letter and was surprised to know that you wrote to me some letter earlier also for which you did not receive any reply. I never received that letter and naturaly I could not send any reply either. Anyway, I am grateful that you have thought it fit to confide in me about the happenings at Anantnag as also apprised me of the current situation in Kashmir.

I am coming to Jammu on 11-2-1990 for a few hours when apart from my other engagements I shall visit Bhat ji's family. His son Shri kumar ji was here in Delhi last week. I have sought from him some information about the killing of Bhat Ji. Only after having that I shall request the J & K Governor to institute an enquiry.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Jai Kumar Bhat,
C/o Shri Raj Nath Bhat,
151, Baghwatinagar Ext.,
Jammu.

Note - Sahani ji was apprehensive about the grim situation in Kashmir and sought an enquiry into the killing of advocate and social worker Shri P. N. Bhat.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref : KNS-1/429

Date : 2-6-1992

Dear Shri Bhat Ji,

Saprem Namaskar.

Thanks for sending to me three clippings from the Kashmir Times. Are you really surprised to read what Shri Tarkunde and his friends have said about Kashmir? Honestly I am not at all surprised. This is not the first time that Shri Tarkunde has thus expressed himself. These are the same persons who have cried themselves hoarse that the security forces are trampling upon the 'Human Rights' of the people in the Valley while they have not a word for what the militants have done and the atrocities they have committed. Nor do they have a word of sympathy for the migrants.

Similar is the case of the Kashmir Times. We need not bother about them.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri J. K. Bhat,
67, B/D, Gandhi nagar,
Jammu.

Note - Sahaniji deplored the statement made by Shri R. J. Tarkunde in favour of separatist and not a word of sympathy for the migrants.

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

Date : 6.1.1990

Dear Shri Jad ji,

Namaskar.

Shri Bhagwat ji has delivered your letter to me two hours back and I was deeply moved to read it. It reflects your love, affection for Bhat ji as also it shows the deep wounds his killing has caused. I can very well understand the feelings and demoralization of our workers and Hindus of the Kashmir Valley and specially of Anantnag district. We in Delhi are highly concerned about the situation there. And, we have taken up the matter with the P.M. and the Home Minister. I can assure you that we shall be putting on utmost pressure on them to do their duty.

It seems that there is some misunderstanding in regard to our R.

S.S. friends. Perhaps you might be knowing that the news of Bhatji killing was broken to us by R.S.S. workers of Srinagar. And, all important swayamsevaks of Srinagar were present at the cremation of Bhatji. The Indian Airlines plane on that day was scheduled to reach Srinagar at 4.00 p.m., two hours after the cremation was to take place at Anantnag and also there was no certainty if the flight will take off at all as the weather was quite tricky, otherwise, someone from here must have reached there. I myself would have gone had there been any way to reach Anantnag in time. Even the road was closed and Bhagwat ji too had to go there only on the next day. You should not have any misgiving about Indreshji either. We must not take note of what some irresponsible person has said about Bhatji. You have to see the Organiser and the Panchajanya to know as to how the organization felt about Bhatji and how high in esteem he was held.

Shri Rajju Bhaiya ji is visiting Jammu tomorrow. He is well

versed with the situation in the Kashmir Valley and also as to what we are doing here. Please discuss with him everything very frankly and seek his advice. Also, do discuss with him as to what more steps we should take in future at Jammu and at Delhi. This morning Adwaniji, Atal Bihari ji, Rajju Bhaiya ji, Krishan Lal Sharma ji and myself took stock of things and took certain decisions. The matter will be discussed with the P.M. too.

I know mere words cannot console our friends like you who are facing the music. Yet we have to assure you that we shall be doing our best to mitigate the sufferings of our brethren.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Note - Sahaniji discussed about the martyrdom of Shri P.N. Bhat in Kashmir with deep sorrow and heavy heart.

He explained that how entire "Sangh Parivar" is deeply moved and touched by that very unfortunate incident. Sahaniji wrote that the entire situation had been discussed thoroughly at the highest level in Delhi in the party, Comprising leaders like Shri Atal Bihari Vajpayee, Shri Rajju Bhaiya, Shri Advaniji and other important leaders with Sahaniji himself.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date : 30.1.1990

Dear Shri Jad ji,

Namaskar.

Only yesterday I have replied to one of your letters acknowledging receipt of your earlier two letters also. We at Delhi know and appreciate the critical and highly painful plight of our brothers and sisters who have been forced by circumstances to leave their hearths and homes. Still more painful is the fact that we are not in a position to do what should be expected of us to mitigate their sufferings. Still we are trying to do our best. I do hope to motivate the Jammu and Kashmir govt. to realize that to look after these migrants is their responsibility and they must discharge their this duty towards them. Vaid Vishnu Datt is on the job meeting the State govt. officials to this end and the results might be visible in a couple of days.

I do not have much to add except to request you and other friends not to lose heart and to do their best to keep up the morale of our unfortunate fellow countrymen from Kashmir Valley.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Note - Sahaniji painfully raised the issues pertaining to the critical conditions of Kashmiri Hindus who were forced to leave their land, home due to atrocities inflicted upon them by militants and other separatist groups active in the Valley. Sahaniji and other party cadre worked hard to pressurize state Govt. and administration to mitigate their sufferings and at the central level he and his associates were constantly approaching Govt. to do the justice to Kashmiri migrants.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date : 24.7.2000

Dear Shri Razdan ji,

Saprem Namaskar.

I thankfully acknowledge the receipt of yours of the 18th instant and the copy of the resolution you have sent along with it.

All of us are equally worried about the happenings in the J&k State. Although remedial measures are being taken to combat the proxy war let loose by Pakistan yet the situation has not much improved. It is a long drawn war and it appears that it will take much more time to bring it under control. The hands of the Govt. of India are bound by the many earlier decisions of the Congress govt. You have to function under so many handicaps. You can not impose the president's rule and have to work with the N.C. Govt in saddle in the J&K State. Similar other hurdles accompanied by the Hindu intellectual's as also attitude of the media leave little space to manoeuvre to handle the situation with a free and strong hand. International opinion too is an independent. At the top of it the Nation has not given you a clear and decisive mandate. You have to depend on the Support of other 23 parties who have certain mental reservations on the issue. Under these difficult circumstances whatever is possible, is being done. You must have heard that there is a game of cards known as 'Patience'. This is Patience in practice.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F. C. Razdan
Bhadarwah

Note - Sahaniji expressed his concerns pertaining to deteriorating situation in Jammu and Kashmir. He highlighted the earlier wrong decisions taken by the then Congress government regarding Kashmir since independence. He also raised issues regarding so called pseudo-secularist causing hinderances in the way of normalcy and mentioned that central Govt. had to work in tandem with the state Govt. He said that persistent efforts and perseverance are the virtues to be considered always.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date - 19.1.2000

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar.

Your kind and affectionate letter of the 10th instant to hand.

Thanks for updating me on the current situation in that part of thė country. It is really saddening that the situation has grown that bad.

One thing we must bear in mind that the central government has to function in conjunction with the "Elected" State Government. That creates certain problems. Let us hope that things start improving after the special meeting held at the P.M.'S office two days back.

I am improving every date and shall be alright by the month of March. Please convey my Namaskar to all there.

Note - Sahaniji was of the view that the central Government had to work in tandem with the state government. In that context a meeting was held at the office of the Honorable Prime Minister which paved the way for the improvement in the Valley.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date : 4.4.2000

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar.

Thanks for your affectionate letter and also for sending a copy of the bio-data of dear Manjit kumar Razdan.

I have read with interest the copy of your letter addressed to Shri Kohli ji. I have no comments to make on that regard except that he might have kept silent because he did not know you.

Please find a copy of my letter which I have written to one of my esteemed friends Shri H. S. Tandon who is highly connected and has helped me in finding placement for the Kashmiri migrants. Most of the times he has succeeded in his efforts and sometimes his efforts have not borne fruits. It all depends on the Almighty and the good luck of the person concerned. Ones is to try and that we must do. Let us hope and pray that our efforts in the case of Shri Manjit bear some positive result.

I shall speak to Chaman Lal ji also but I know his limitations and an not hopeful of the result.

With my best wishes.

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan
Bhadarwah

Note - Sahaniji Conveyed his resolve and commitment to provide for help to Kashmiri migrants through various efforts and means like employment and pursuing authorities to assist those Kashmiri sufferer.

RAJ BHAVAN
GOA-403004

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/2/2003/178

February 4, 2003

Dear Shri Mufti ji,
Namaskar

You must have received my hearty congratulations and best wishes immediately after you were sworn in and I hope that you must have settled down nicely by now and moving ahead to implement your dreams, for the welfare of the people of J & K State.

As you know, I have been highly interested in the affairs of Jammu & Kashmir State for the last so many decades. Here is being forwarded a letter that I have received just today from a Kashmiri migrant friend. The sender Shri M.L. Mantoo, son of Shri H.N. Mantoo from Sopore, whom you know personally, it appears, has met Shri Muzaffar Beig in Delhi recently. He has sent to me a copy of a representation he has made to Beig Saheb. You will agree with me that Kashmiri pandits have suffered very badly during the last over ten years, and now they do need a Healing Touch. Kindly see as to what could be done in this regard.

With my best personal regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Mufti Mohammed Sayeed,
Hon'ble Chief Minister of Jammu & Kashmir,
Srinagar

Note - Sahani ji requesting the then Chief Minister of J. & K. to help and alleviate the grievances of forced, migrants Kashmiri pundits, in the Valley.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date: June 3, 2000

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar,

Thanks for sending to me a copy of your letter dated 24.5.2000 addressed to Shri Chaman Lal Gupta regarding restoration of C.R.P.F. Posts removed recently from various places in the Doda district of Jammu & Kashmir State.

Perhaps you might be knowing that such action taken by the Govt. is normally based on the intelligence reports by various agencies of the state as also the centre and their security perceptions.

I am forwarding your letter to the Home minister Shri L.k. Advani with a request to kindly look into the matter and take appropriate action.

With kind regards,

Yours sincerely

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan
President
Shri Sanatan Dharam Sabha
Bhadrwah
Dist. Doda
Jammu & Kashmir

Note - Security concerns in Doda district in Kashmir and deployment of Security Personnel for the same purpose.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date: July 28, 1990

Dear Jad Ji,

Namaskar.

Yesterday late in the afternoon I received your affectionate letter of the 27th instant. I have read with interest what you write about the conference and the subsequent developments. About your coming to Delhi, you are always welcome. But the decision will have to be taken by you and other friends at Jammu. I do not think they will have any objection in your coming to Delhi for a while and meeting your family members. But, they might be wanting you to remain in Jammu and help them in the task of boosting morale of the Kashmiri inland. You will agree with me that this is a very important talk, which all of us will have to undertake with zeal and zest even at the cost of our own discomfort.

I have seen the cuttings of various newspapers you have sent to me.

It is my earnest prayer that the task you have undertaken receives the blessings of the Almighty and is successful.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L. Jad
Shri Sanatan Dharam Yuvak Sabha
Sharika Bhawan
Shital Nath Srinagar- 190001 (Kashmir)

Note - Encouraging Shri Jad and his team to continue with the task of boosting morale of Kashmiri sufferer in their difficult time while overlooking their own comforts.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Ref. No. 643-9/KNS/98

Date: September 2, 1998

Dear Shri Razdan Ji,

Namaskar.

I have your two letters dated the 11th and 24th August, 1998 with me. Reports for the month of May and July have also been received. Thanks.

I have been replying to each and every letter that I have been receiving from you on the very day they were received. I wonder if the letter which you have refered to in your present communication dated the 2nd July, 1998 was received here at all. I am happy that the foundation stone for the Cantonment at Bhadarwah has been laid. It is gratifying and our dream of having a Cantonment there has been fulfilled. Let us hope that the new strategy that Shri Advani ji has formulated to crush the militancy in that area succeeds and the results start showing up in the near future.

You will find my address and telephone number in this very letter head. You can write to me on this address. Please convey my Namaskar to all at Bhadarwah

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha Bhadarwah,
J & K

Note - Establishment of cantonment at Bhadarwah, part of strategy initiated by shri Advaniji to combat militancy, results of continued efforts taken by Shri Sahaniji and his associates.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

क.सं. 6954–6/BJP/DP/98

दि.: 29 जून, 1998

प्रिय श्री ओम प्रकाश जी,

नमस्कार।

आपका 24 जून, 1998 का लिखा पत्र मिला। धन्यवाद।

डोडा में जो कुछ हुआ है। उसके बाद आप जो चाहें वह कह सकते हैं। वस्तुस्थिति अलग है। गृह मन्त्री श्रीमान आडवाणी जी डोडा होकर आये हैं। अवश्य उन्हें वहाँ के हालात का सही अन्दाजा हो गया होगा। वैसे, अपने ज्ञापन में आपने जो बातें लिखी हैं, यह सब की सब आडवाणी जी के ध्यान में हैं। फिर भी मैं आपका ज्ञापन उनके पास पहुंचा रहा हूँ ताकि आपको यह तसल्ली रहे कि आपकी बात आडवाणी जी तक पहुंच गई है।

इतनी बात तो आपको भी समझनी होगी कि भारत के गृह मन्त्री को बोलते समय कई बातों का ध्यान रखना होता है। आप आडवाणी जी को गलत मत समझें। पिछले दिनों जम्मू काश्मीर में जो कुछ हुआ है, उससे उनको कम दुख नहीं। वो यह भी जानते हैं कि कई महत्वपूर्ण राजनीतिक नेता और अधिकारी भी आतंकवादियों को न केवल शह देते हैं अपितु उनसे मिले हुए हैं। साथ ही हमें एक बात नहीं भूलनी चाहिए कि जम्मू काश्मीर में अब चुनी हुई सरकार है, जिसे अनदेखा करके केन्द्रीय सरकार कोई कार्यवाही नहीं कर सकती। आप कृपया मुझे वहाँ की स्थिति से समय–समय पर अवगत करते रहा करें। अपनी ओर से पूर्व की ही भांति मुझसे जो बन पड़ेगा, करने की कोशिश करूंगा।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

अध्यक्ष

श्री ओम प्रकाश ठाकुर,
संयोजक,
चिपको इन्फोर्मेशन सेन्टर,
डोडा, जम्मू काश्मीर–182202

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 3 जनवरी, 1997

प्रिय श्री ओम प्रकाश जी,

नमस्कार।

आपका 23 दिसम्बर का लिखा पत्र मुझे आज मिला है। धन्यवाद।

डोडा जिला के कार्यकर्ता जिन परिस्थितियों से गुजरे हैं और जिन तकलीफों से वह निकलें हैं उनकी मिसाल नहीं मिलती। भगवान की दया से अब तक हम इस परीक्षा में खरे उतरे हैं। मालूम नहीं आगे कुछ सालों में और क्या लिखा है। इतना तो निश्चित है कि हमें अपना कर्तव्य और धर्म निभाना है। बाकी ऊपर वाले के हाथ में है। सब उसी पर छोड़ना होगा।

आप समय–समय पर मुझे वहाँ के हालात से अवगत करवाते रहे हैं। उसी वजह से भारत सरकार पर दबाव डालकर जो थोड़ा बहुत मुमकिन हुआ करवाते रहे हैं। यह सिलसिला जारी रहना चाहिए। मेरी शुभकामनाएं वहाँ श्री कुलभूषण जी और भगतराम जी तथा सब कार्यकर्ताओं को दें।

मंगलकामनाओं के साथ

आपका,

(केदार नाथ साहनी)

श्री ओम प्रकाश ठाकुर,
संयोजक,
चिपको इन्फोर्मेशन सेन्टर,
डोडा,
जम्मू काश्मीर–182202

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा डोडा कश्मीर में बिगड़े हालात पर जिले के पार्टी कार्यकर्ताओं के विवरण के आधार पर भारत सरकार पर निरंतर दबाव डालना तथा कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने हेतु पत्र।

केदार नाथ साहनी　　भारतीय जनता पार्टी
KIDAR NATH SAHANI　　Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या KNS-3/233

दिनाँक : 19 अक्टूबर, 1992

प्रिय श्री सक्सेना जी,

नमस्कार।

भद्रवाह (डोडा जिला) से श्री सनातन धर्म सभा के महामंत्री श्री फकीर चन्द राजदान का संलग्न पत्र मुझे आज मिला है।

इस पत्र में छपे सारे समाचार पत्र मैंने पढ़े ही थे। डेढ़ मास पूर्व जब आपसे डोडा जिले की स्थिति के सम्बन्ध में चर्चा हुई थी तो आपने मुझे अवगत किया था कि ऐसे उपाय किये जा रहे हैं कि वहाँ अगस्त मास की घटनाओं की पुनरावृति न हो। डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी तथा श्री चमन लाल गुप्ता जी को भी आपने यही कहा था। आश्चर्य है कि न केवल उस क्षेत्र में आतंकवादियों की गतिविधियों में कोई अन्तर नहीं आया अपितु वहाँ के लोगों के मन में अपनी सुरक्षा के बारे में शंकाएं उत्पन्न होना स्वाभाविक है। जब–जब उन्हें इस तरह के उठाये गये कदम प्रत्यक्ष दिखाई नहीं देंगे। उनकी आशंकाएं बनी रहेंगी। इसलिए कृपया वहाँ के प्रमुख लोगों को विश्वास में लिया जाना चाहिए और सरकारी कारगुजारी से सुरक्षा के सम्बन्ध में आश्वस्त करना चाहिए।

यह भी उतना ही आवश्यक है कि वहाँ ऐसे अधिकारियों को नियुक्त किया जाए जिन से इन लोगों को संतोष हो जाए।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गिरीश चन्द्र सक्सेना,
राज्यपाल,
जम्मू काश्मीर राज्य, श्रीनगर

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 1 जून, 1998

संदर्भ संख्या – 6114–6/BJP/DP/98

आदरणीय श्री आडवाणी जी,

सादर नमस्कार।

इस बार के लद्दाख के दौरे के समय जिस एक विशेष बात की ओर मेरा ध्यान दिलाया गया है उसे आपके अवलोकन तथा जानकारी के लिए आवश्यक समझ कर आपको अवगत कराना चाहता हूँ।

लेह से 180 किलोमीटर दूर न्यूमा में कुछ लोगों ने शिकायत की कि भारत–तिब्बत सीमा पर भारी स्मगलिंग हो रही है। शिकायत यह थी कि आई.टी.बी.एफ. के कर्मी इस स्मगलिंग में सम्मलित हैं। ये कर्मी छोटे–छोटे स्मगलरों को तो पकड़ लेते हैं किन्तु बड़े–बड़े स्मगलरों को छूते तक नहीं। मुझे बतलाया गया है कि सीमा के निकट यदि किसी विश्वस्त अधिकारी से खुफिया निगरानी करवाई जाए तो समस्या की गम्भीरता और व्यापकता एकदम सामने आएगा। वैसे, लेह के बाजार में चीन से इस तरह लाया गया सामान खुले आम बिक रहा है। यह सूचना मुझे देने वाले लोगों ने संलग्न कागज़ मुझे इस आशा से दिए हैं कि यह वह छोटे लोग हैं जो पकड़े गए हैं, परन्तु बड़े–बड़े लोग इनसे हजार–हजार गुना माल लाते हैं किन्तु बड़ी घूस देने के कारण उन्हें कोई हाथ नहीं लगाता।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी,
केन्द्रीय गृहमन्त्री, भारत सरकार,
सी.1 / 5–6, पंडारा पार्क, नई दिल्ली–110003

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा लेह लद्दाख सीमा पर हो रही स्मगलिंग के संदर्भ में तत्कालीन गृहमन्त्री को तथ्यों से अवगत कराना तथा उचित कदम उठाने हेतु आग्रह।

राज भवन
गान्तोक–737103
(सिक्किम)

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

राज्यपाल, सिक्किम
GOVERNOR OF SIKKIM

दिनाँक : 8.5.2002

आदरणीय श्री आडवाणी जी,

नमस्कार।

50 से अधिक वर्ष पूर्व पाक अधिकृत कश्मीर से विस्थापित हुए शरणार्थियों की दुर्दशा से आप भली भांति परिचित हैं। कुछ दिन पहले जब मैं जम्मू गया था तो उनका एक शिष्ट मण्डल मुझे मिला था। अपनी समस्याओं के समाधान में उन्होंने मेरी सहायता चाही थी।

सन्लग्न ज्ञापन में उन्होंने अपनी व्यथा भी व्यक्त की है और उसके समाधान हेतु कुछ मागें भी प्रस्तुत की हैं। कृपया सहानुभूतिपूर्वक विचार करें इनके पुराने घावों पर यथासम्भव मरहम लगाएं।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमान लाल कृष्ण आडवाणी जी,
भारत सरकार के माननीय गृहमंत्री,
सी–1/6, पण्डारा पार्क,
नई दिल्ली–110003

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा तत्कालीन गृहमंत्री भारत सरकार को पाक अधिकृत कश्मीर से विस्थापित शरणार्थियों की दुर्दशा के हाल से उनके द्वारा इसी संदर्भ में भेजे गए ज्ञापन से अवगत कराना।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

क्रमांकः 7007/KNS/98 — दिनाँक : 7 जुलाई, 1998

प्रिय श्री राजदान जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 2 जुलाई का लिखा पत्र मुझे आज मिला है। धन्यवाद।

समाचार पत्रों से आपको ज्ञान हो ही गया होगा कि श्रीमान आडवाणी जी पिछले दिनों डोडा गये थे, उसके बाद श्रीनगर भी गये थे। मेरी अभी उनसे विस्तृत बात तो नहीं हुई, किन्तु डोडा जिला में आतंकवाद को रोकने हेतु कुछ नये पग उठाने का निर्णय अवश्य किया गया है। आशा करनी चाहिए कि इससे वहाँ के हालात को काबू करने में सहायता मिलेगी। वैसे पिछले दिनों वहाँ जो घटनाएँ घटी हैं, उनको देखते हुए आपकी भावनाओं के लिए आपको दोष नहीं दिया जा सकता। मैं उस पीड़ा को समझता हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री फकीरचन्द राजदान जी,
अध्यक्ष,
श्री सनातन धर्म सभा,
भद्रवाह,
(जम्मू काश्मीर)

टिप्पणी – डोडा जिले के बिगड़ते हालात तथा आतंकवाद को काबू करने हेतु श्री आडवाणी जी की यात्रा तथा उठाये कदमों के बारे में जानकारी।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या KNS-3/176

दिनाँक : 6 अगस्त, 1992

प्रिय श्री चव्हाण जी,

नमस्कार।

भद्रवाह (जम्मू काशमीर) से आज की डाक से प्राप्त एक प्रस्ताव की प्रति भेज रहा हूँ। इस पर टिप्पणी करना मुझे इसलिए उचित प्रतीत नहीं होता कि गत दो वर्षों में स्वयं मैंने और भारतीय जनता पार्टी के अन्य नेताओं ने डोडा जिला में आतंकवाद की छाया के विस्फोटक परिणामों से आपको अनेक बार चेताया है। दुर्भाग्य से चेतावनी की ओर सरकार ने ध्यान देना उचित नहीं समझा और अब हालात इतने बिगड़ गए हैं।

कृपया अब तो प्रभावी पग उठाकर इस क्षेत्र से वहाँ फैले व्यापक विष को दूर करें।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री एस.बी. चव्हाण,
गृहमंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।

टिप्पणी – भद्रवाह जम्मू काश्मीर में व्याप्त आतंकवाद की गंभीर स्थिति के बारे में अवगत कराना तथा यथाशीघ्र उचित कदम उठाने हेतु पत्र।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

संदर्भ संख्याः 529–8/KNS/98

दिनाँक : 18 अगस्त, 1998

श्रद्धेय श्री आडवाणी जी,

नमस्कार।

डोडा के हमारे एक विशिष्ट कार्यकर्ता का सन्लग्न पत्र मैं आपके अवलोकन के लिए भेज रहा हूँ। मैं जानता हूँ कि डोडा क्षेत्र की विशेष परिस्थिति से आप भलिभांति परिचित हैं तथा उससे निपटने के लिए भारत सरकार ने राज्य सरकार तथा सुरक्षा बलों की सहायता से विशेष योजना भी बनाई है। तथापि वहाँ के कार्यकर्ताओं की भावनाओं से आपको यह पत्र अवगत करवा देगा। मुझे विश्वास है कि आप पत्र न केवल पढ़ लेंगे अपितु इसमें उठाये बिन्दुओं पर आवश्यक कार्यवाही भी करेंगे। इस पत्र के साथ कुछ ऐसे व्यक्तियों के नाम भी लिखे हैं जिनके बारे में आतंकवादियों से मिले होने का गम्भीर आरोप है। यदि आप खुफिया एजेंसियों से इसकी पड़ताल करवा कर वास्तविकता का पता लगायेंगे तो तथ्यों की जानकारी के बाद उनके विरूद्ध कार्यवाही करना कठिन नहीं होना चाहिए।

आदर के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमान लाल कृष्ण आडवाणी जी,
केन्द्रीय गृहमन्त्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

संदर्भ संख्या KNS-3/152

दिनाँक : 25–7–92

प्रिय श्री चव्हाण जी,

सप्रेम नमस्कार।

भद्रवाह (जम्मू काशमीर) की सनातन धर्म सभा के महामंत्री श्री फकीर चन्द राजदान द्वारा मुझे प्राप्त हुए पत्र की फोटोप्रति मैं आपकी जानकारी के लिए भेज रहा हूँ। वास्तव में डोडा में आतंकवादी इस तरह का उत्पात मचाते आ रहे हैं। इसकी सूचना भारत सरकार को स्वयं मैं तथा अन्य भारतीय जनता पार्टी के नेता समय–समय पर देते रहे हैं। दुर्भाग्य से उस ओर जितनी गम्भीरता से ध्यान दिये जाने की आवश्यकता थी वह नहीं दिया गया। निकट भूत में वहाँ जो कुछ हुआ है उसके बाद तो आशा की जानी चाहिए कि सरकार चेतेगी और वह आवश्यक कार्यवाही करेगी। सच बात यह है कि वहाँ के निवासियों को आश्वस्त करना कठिन हो रहा है जिस कारण आपको बार–बार पत्र लिखना पड़ता है। मैं उम्मीद करता हूँ कि आप इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही यथाशीघ्र करेंगे।

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री एस. बी. चव्हाण
गृहमन्त्री भारत सरकार
नई दिल्ली।

प्रति : श्री फकीर चन्द राजदान, सनातन धर्मसभा, भद्रवाह, जिला डोडा।

टिप्पणी – श्री फकीर चन्द राजदान द्वारा भद्रवाह काशमीर में व्याप्त भयंकर आतंकवादी गतिविधियों की जानकारियों से तत्कालीन गृहमंत्री श्री एस. बी. चव्हाण को अवगत कराना तथा शीघ्र आवश्यक कदम उठाने हेतु पत्र।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दि. 18 मई, 1998

संदर्भ संख्याः BJP/DP/3040/18/5/98

प्रिय श्री ओम प्रकाश ठाकुर जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 12 मई का लिखा पत्र मुझे मिल गया है। धन्यवाद।

डोडा जिला के बारे में भारत सरकार सजग है। आज ही श्रीमान लाल कृष्ण आडवाणी जी ने वहाँ के राज्यपाल, मुख्यमन्त्री, पुलिस निदेशक तथा अन्य बड़े अधिकारियों की बैठक बुलाई है। आपके सुझाव भी मैं उनको भेज रहा हूँ। आशा करनी चाहिए कि निकट भविष्य में जम्मू काशमीर में फैले आतंकवाद को दूर करने में सफलता मिल जाएगी।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री ओम प्रकाश ठाकुर,
भू मित्र,
मुख्यालय डोडा।
(जम्मू और कशमीर)

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या KNS-3/350

दिनाँक : 30 फरवरी,1993

प्रिय श्री चव्हाण जी,

नमस्कार।

मैं गत 3 दिन जम्मू में था। स्वाभवतः वहाँ अनेक लोग अपनी–अपनी समस्याओं के सम्बन्ध में मुझे मिले हैं। दो काशमीरी विस्थापितों द्वारा जो ज्ञापन मुझे दिये गये हैं मैं इस आशा के साथ भेज रहा हूँ कि दोनों के बारे में आप उचित आदेश देकर उनकी समस्याओं का समाधान करवा देंगे।

पहला ज्ञापन तो सातवीं कक्षा में पढ़ने वाले उस वीर बालक लोकेशपुरी का है जिसको उसकी वीरता के लिए 26 जनवरी, 1993 को भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जा चुका है। वर्तमान में तम्बुओं में पड़े उनके परिवार को प्राथमिकता के आधार पर पक्का कमरा दिया जाए। मैं जानता हूँ कि पहले भी अनेकों को जम्मू में बिना बारी के मकान आबंटित हुए हैं। उसी में लोकेश के अनुरोध पर विचार किया जाए।

दूसरा ज्ञापन अनन्तनाग के प्रसिद्ध समाज सेवी वकील श्री एच. एल.जड का है। उनका आतंकवादियों द्वारा महीनों पहले जला दिए उनके मकान के लिए जल्दी मुआवजा दिये जाने की बात कही है। सच तो यह है कि श्री जड की भांति यही मांग लिए अनेक भटक रहे लोगों को उनके मकानों के बदले में राशि मिली भी है। नराजगी इस

बात की है कि मन के चुने लोगों को तो भुगतान कर दिया गया है जबकि शेष लोगों के आवेदनों पर कोई कार्यवाही नहीं की जा रही। सम्भवतः आपके हस्तक्षेप से प्रक्रिया में गति आ जाएगी। और अनेक लोगों को राहत मिलेगी।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री एस. बी. चव्हाण,
गृहमंत्री, भारत सरकार,
नई दिल्ली।

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा तत्कालीन गृहमंत्री को लिखे पत्र में गणतंत्र दिवस पर वीरता पुरूस्कार प्राप्त काश्मीरी विस्थापित बालक के परिवार को पक्के मकान तथा विस्थापित समाजसेवी तथा वकील और उन जैसे बहुत से परिवारों के जलाए गए मकानों के लिए मुआवजा राशि तुरंत दिये जाने का आग्रह।

केदार नाथ साहनी
महामंत्री

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक: 19.10.90

प्रिय श्री सक्सेना जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 26–8–90 का लिखा पत्र क्रमांक जी–एस–5/ पीएएस–1 जी आर–197 मुझे आज प्राप्त हुआ है। आश्चर्य है कि आपका पत्र 2 महीने बाद मेरे हाथ लगा है। अस्तु पत्राचार के लिए मैं आपका कृतज्ञ हूँ। जहाँ तक मेरी जानकारी है अब तक 300 से अधिक काशमीरी हिन्दू आतंकवादियों के हाथों मारे गये हैं। आप मुझसे सहमत होंगे कि उनके परिवारों में से अब तक बहुत कम लोगों को अनुग्रह राशि मिल सकी है। साथ ही मृतकों के परिवारों में से एक–एक व्यक्ति को नौकरी दिये जाने के मामले में और भी कमी रही है। स्वाभाविक है उन लोगों को ऐसी परिस्थिति में बहुत कठिनाई में से गुजरना पड़ रहा है। उसका परिमार्जन जितनी जल्दी होगा उतना अच्छा होगा। यदि कोई अधिकारी जम्मू काशमीर सहायता समिति के कार्यालय से सम्पर्क रखेगा तो उन्हें इन परिवारों के बारे में पूरी जानकारी मिल सकती है। सहायता समिति का कार्यालय कमरा नम्बर 10, गीता भवन, जम्मू तवी में है। वहाँ श्री अमरनाथ वैष्णवी और उनके सहयोगी प्रायः हर समय उपलब्ध रहते हैं। वैसे जम्मू काशमीर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री चमनलाल गुप्ता जी के पास भी इस सम्बन्ध में पूरी जानकारी उपलब्ध है। इन दोनों से यदि कोई विशिष्ट अधिकारी सम्पर्क बना कर रखेगा तो उन लोगों को सहायता पहुँचाने में सुविधा होगी।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गिरीशचन्द्र सक्सेना,
राज्यपाल, जम्मू काशमीर राज्य,

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा काशमीर में 300 से अधिक काशमीरी हिन्दुओं के मारे जाने तथा उनके परिवार के एक सदस्य को नौकरी तथा अनुग्रह राशि के लिए शीघ्र उचित कदम उठाने हेतु आग्रह।

केदार नाथ साहनी
महामंत्री

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या – KNS/DP-4249/90

दिनाँक 18–7–90

प्रिय श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह जी,

सप्रेम नमस्कार।

पिछले दिनों मुझे जम्मू जाने का मौका मिला था। उस समय हमारी जम्मू काशमीर भारतीय जनता पार्टी की इकाई ने आतंकवादियों की गोलियों के शिकार हुए मृतकों के सम्बन्धियों को इकट्ठा किया था। थोड़े समय के नोटिस पर भी 78 परिवार वहाँ पर एकत्र हो गये। यह जानकर आश्चर्य हुआ कि उन 78 में से केवल तीन ऐसे परिवारों के लिए अनुग्रह राशि मिली है और शेष परिवारों को उस राशि का भुगतान नहीं हुआ। मैंने काफी समय पूर्व जम्मू के राज्यपाल का ध्यान इस बात की ओर खींचा था। मैंने उन्हें 150 से अधिक ऐसे मृतकों की सूची भी भेजी थी और आग्रह किया था कि वह जम्मू काशमीर सरकार के किसी वरिष्ठ अधिकारी के सुपुर्द यह काम कर दें कि इनके परिवारों से सम्पर्क करके उनके सुख–सुविधा की चिन्ता भी करें उनके वारिसों को अनुग्रह राशि भी दे दें। उनके परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी देने का जो वचन सरकार ने दिया है उसे भी पूरा करवायें। आज से 10 दिन पूर्व मैंने यही आग्रह गृहमन्त्री श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद जी से भी किया था। उस समय गृह सचिव श्री नरेश चन्द्र भी बैठे हुए थे।

इन मृतकों के परिवारों में इस समय इतनी निराशा है इसका अनुमान जब तक उनसे कोई मिल न ले उसे हो नहीं सकता। वे स्वयं उपेक्षित सा अनुभव करते हैं। इससे भारत सरकार अथवा राज्य सरकार की छवि भी अच्छी नहीं बनती। इसलिए मैंने जो बात गृह मन्त्री अथवा जम्मू काशमीर के राज्यपाल से आग्रहपूर्वक कही है वह आपसे भी कहना चाहता हूँ।

कृपया ऐसी व्यवस्था करवायें ताकि कोई वरिष्ठ अधिकारी इन सब परिवारों से सम्पर्क करें। यदि सरकार इन परिवारों का पता लगाने में असमर्थ है तो हमारी जम्मू काशमीर प्रदेश शाखा के अध्यक्ष श्री चमन लाल जी गुप्ता से सम्पर्क करने से अधिकांश लोगों की सूची मिल जायगी। आप मुझ से सहमत होंगे कि इन परिवारों के प्रति हमारा कुछ राष्ट्रीय दायित्व भी है जो हमें निभाना ही चाहिए। मैं इसी अपेक्षा के साथ यह पत्र लिख रहा हूँ कि आप कृपया ऐसी व्यवस्था अवश्य करवा दें।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री विश्वनाथ प्रताप सिंह,
प्रधानमंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री को पत्र द्वारा काशमीर में आतंकवादियों की गोलियों के शिकार असहाय परिवारों के सहायतार्थ अनुग्रह राशि तथा सरकारी नौकरी के संदर्भ में अभी तक सरकारी उपेक्षा के शिकार इन परिवारों के प्रति सदभावनापूर्वक दृष्टिकोण रखते हुए काशमीर सरकार तथा राज्यपाल को तुरंत कदम उठाने हेतु आग्रह।

केदार नाथ साहनी

महामंत्री

भारतीय जनता पार्टी

Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या – BJP/CO-3752/90

दिनाँक 19.6.90

प्रिय श्री सक्सेना जी,

इस पत्र के साथ मैं 156 लोगों की एक सूची भेज रहा हूँ जो पिछले कुछ महीनों में काशमीर घाटी में आतंकवादियों की गोली का शिकार हुए थे। मृतकों के परिवार वालों को जम्मू काशमीर सरकार की ओर से कुछ वचन दिये हुए हैं। इन्हें एक लाख रुपये की सहायता राशि देने तथा परिवार के एक व्यक्ति को नौकरी दिये जाने की बात शामिल हुई थी। पिछली बार जब मैं जम्मू गया था मुझे कई लोगों ने बताया था कि महीनों गुजर जाने के बाद भी उनके मामले में सरकार द्वारा कार्यवाही नहीं की गई। इनमें ऐसे लोग भी थे जिन्हें रुपये तो मिल गये थे परन्तु नौकरी नहीं दी गई थी। कुछ ऐसे लोग भी थे जिनका कहना था कि उनके परिवार के मुखिया की हत्या के बाद से सरकार की ओर से किसी ने उनकी पूछताछ नहीं की। सहायता तो दूर सहानुभूति के दो शब्द भी उन्हें नहीं मिले थे। आप मुझसे सहमत होंगे कि ऐसे सब परिवार दुख के साथ–साथ सरकार के प्रति नाराजगी का भाव भी मन में पाल रहें हैं जिसे अविलम्ब दूर किया जाना चाहिए। मैंने ही अपने वहाँ के कुछ मित्रों को सलाह दी थी कि वे यदि मुझे एक पूरी सूची तैयार करके भेजेंगे तो मैं वह सूची आपके पास भेज कर आपसे अनुरोध करूंगा कि इन सब लोगों के मामले को देखने के लिए आप किसी विशेष अधिकारी की नियुक्ति करें जो इस बात की पड़ताल करें कि इनके लिए आज जो कुछ किया जाना चाहिए वह किया जा चुका है या नहीं। और यदि नहीं किया गया तो वह तुरन्त करवा दें ताकि उनके घावों पर मरहम रखा जा सके।

एक शिकायत यह भी सुनने में आई थी कि काशमीर घाटी में जिन मुस्लिम परिवारों के साथ किसी तरह की दुर्घटना बीती है उनके लिए तो सरकार तुरन्त काम करती है किन्तु हिन्दू परिवार के बारे में सरकार प्रायः उदासीन रहती है। मैं आशा करता हूँ कि यह शिकायत सत्य नहीं होगी

परन्तु यदि यह सत्य है तो यह दुर्भाग्य की ही बात है।

अनन्तनाग के एक प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता और वहाँ के सुप्रसिद्ध वकील श्री प्रेम नाथ भट्ट 27 दिसम्बर, 1990 को आतंकवादियों की गोलियों के शिकार हुए थे। उसके तुरन्त बाद ही काशमीर से हिन्दुओं का भारी संख्या में निकास आरम्भ हो गया था। उनके बेटे श्री कशमीरी लाल जी स्वयं अनन्तनाग के एक अच्छे वकील थे, ने इच्छा व्यक्त की कि उन्हें सरकारी नौकरी दी जाए। कई महीने होने को आये हैं किन्तु उन्हें अभी तक नौकरी नहीं मिली और शायद किसी वरिष्ठ अधिकारी ने उन्हें यह भी कहा कि हम तो केवल तीसरी या चौथी श्रेणी की जगहों पर ही लोगों को नौकरी देने के लिए वचनबद्ध हैं। इससे श्री कशमीरी लाल के मन को चोट लगी है। स्वयं उन्होंने मुझे बताया कि पिछले दिनों काशमीर विश्वविद्यालय के कुलपति के साथ–साथ उनके जिन निजी सहायक की हत्या की गई थी, उनके बेटे को तो प्रोफेसर की नौकरी दे दी गई है। ऐसी स्थिति में उनका दुखी और नाराज होना स्वाभाविक ही है। श्री कशमीरी लाल के पिता की हत्या तो उससे भी कई महीने पहले हुई थी। यदि मुसलमान के मामले में बेटे को अच्छा पद मिल सकता है तो श्री कशमीरी लाल जी जो अनन्तनाग के अच्छे वकील हैं को अच्छा पद क्यों नहीं मिल सकता। आप कृपया इस मामले के बारे में भी अच्छी तरह से विचार कर लें।

आशा करता हूँ कि विस्थापितों की उपरोक्त समस्या को सरकार ध्यानपूर्वक देखेगी और जहाँ–जहाँ अब तक कमी रही है उसे दूर करवा देगी।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

श्री गिरीश चन्द्र सक्सेना, (केदार नाथ साहनी)
राज्यपाल, जम्मू काशमीर राज्य,
श्रीनगर।

टिप्पणी – अनन्तनाग के प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता तथा वकील श्री प्रेमनाथ भट्ट जी की आतंकवादियों के द्वारा हत्या के बाद काशमीरी विस्थापितों के सहायतार्थ तथा बिना किसी भेदभाव के भट्ट जी के पुत्र श्री कशमीरी लाल जी को उचित सरकारी नौकरी के लिये आग्रह।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 29 जून, 1998

आदरणीय श्री आडवाणी जी,

सादर नमस्कार।

डोडा से वहाँ के एक प्रमुख समाजसेवी वकील श्री ओम प्रकाश ठाकुर ने मुझे सन्लग्न पत्र भेजा है। मुझे इसमें कुछ और जोड़ने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती। श्री ठाकुर को जो उत्तर मैंने भेजा है, उसकी प्रति भी आपके अवलोकनार्थ भेज रहा हूँ। मुझे विश्वास है कि आप पहले से ही इस मामले में जो सम्भव है, कर रहे होंगे।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी,
केन्द्रीय गृह मन्त्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा कश्मीर में समस्या के नियंत्रण हेतु सुझावों का अनुमोदन तथा उचित कार्यवाही के लिए कदम हेतु पत्र।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

दिनाँक : 23 फरवरी, 1994

संदर्भ संख्या KNS-3/386

प्रिय श्री चव्हाण जी,

नमस्कार।

डोडा जिला (जम्मू कश्मीर) के किश्तवाड़ कस्बे से आज की डाक से मुझे आज ही एक पत्र प्राप्त हुआ है। उसकी फोटो प्रति भेज रहा हूँ। भेजने वाले का नाम पता जानबूझ कर मैंने काट लिया है।

आप स्वयं वहाँ होकर आए हैं। इसलिए वहाँ की परिस्थिति की गम्भीरता आप समझ सकते हैं। जो कुछ पत्र में लिखा है मैं उसमें कुछ जोड़ना नहीं चाहता। इतना ही अनुरोध है कि पत्र में इंगित कमियों को यथाशीघ्र दूर करवाएं ताकि वहाँ की जनता में व्याप्त असुरक्षा भावना दूर हो।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री एस.बी. चव्हाण,
गृहमंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा जम्मू के किश्तवाड़ कस्बे की गंभीर स्थिति पर तत्कालीन गृहमंत्री को यथाशीघ्र कदम उठाने के लिये परामर्श।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 16 अगस्त, 1994

संदर्भ संख्या KNS-1/4678

प्रिय श्री मनहास जी,

नमस्कार।

आपका 9.7.1994 का लिखा पत्र मुझे आज मिला है। इस पत्र के अनुसार आपने इससे 2, 3 दिन पूर्व भी कोई पत्र लिखा था जिसमें भद्रवाह में गृह सचिव श्री पद्मनभैयाह तथा राज्यापाल के सलाहकार जनरल जकी के दौरे का विस्तृत वर्णन था। ऐसा कोई पत्र तो मुझे नहीं मिला। हां, भद्रवाह के लोगों ने जो ज्ञापन दिया था, उसकी एक प्रति श्री पृथ्वी सिंह राठौर द्वारा भेजी अवश्य प्राप्त हुई थी।

गृहसचिव का यह कहना कि डोडा जिला में इतना कुछ हो रहा है और उन्हें कुछ पता ही नहीं पूर्ण सत्य नहीं है। प्रधानमंत्री को स्वयं मैंने श्रीमान आडवाणी जी और श्रीमान वाजपेयी जी की उपस्थिति में सब बातें बताई हैं। इतना अवश्य सच हो सकता है कि स्वयं प्रत्यक्ष देखने और अनुभव करने में और 1,000 किलोमीटर दूर बैठे मात्र पत्र और ज्ञापन पढ़ने से अनुभूति का बहुत अन्तर हो जाता है। हमारी यही तो शिकायत है कि दिल्ली में बैठे लोगों को यहाँ बैठे वहाँ की परिस्थिति की गम्भीरता की सही अनुभूति है ही नहीं। फिर, ऐसे लोगों की कमी सरकार के भीतर और बाहर नहीं है जो उन्हें सदा यही समझाने में यत्नशील हैं कि हालात इतने खराब नहीं हैं और संघ परिवार अपने स्वार्थ के लिए उसे बढ़ा–चढ़ा कर प्रस्तुत कर रहा है। प्रधानमंत्री के इर्दगिर्द ऐसे लोगों का घेरा भी है जो उन्हें कठोर पग न उठाने की सलाह देते हैं। साथ ही स्वयं प्रधानमंत्री जी

भी तो हमेशा इस सोच के रहे हैं कि मुसलमान नाराज न हो जाए।

आप प्रति सप्ताह मुझे पत्र लिखते रहा करें। गत सप्ताह श्री मनमोहन जी का पत्र मिला था और वहाँ के समाचार मिल गए थे।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गोपाल मनहास,
किश्तवाड़,–182204
(जम्मू कश्मीर)

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा कशमीर में आतंकवादी गतिविधियों की गंभीरता और तत्कालीन केन्द्रीय सरकार की वहाँ विशेषकर डोडा, भद्रवाह जिले में अलगाववादियों के प्रति ढुल–मुल नीति पर गहन चिंता।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

दिनाँक : 8 फरवरी, 93

संदर्भ संख्या KNS-3/271

प्रिय श्री सक्सैना जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 25.1.93 का लिखा पत्र मुझे अभी–अभी मिला है। धन्यवाद। गत सप्ताह जब श्री चमन लाल गुप्ता वहाँ आए थे तब उन्होंने बताया था कि आपसे हुई भेंट के समय आपने मेरे 12.1.93 के पत्र का उल्लेख भी किया था और यह भी कहा था कि आप मुझे उत्तर भेजने वाले हैं।

आपका पत्र पढ़ कर जिला डोडा के सम्बन्ध में जब मैं कुछ आश्वस्त सा अनुभव कर रहा था तब अभी–अभी की डाक से मुझे किश्तवाड़ के एक सज्जन का जम्मू से 2.2.93 का लिखा एक पत्र मिला है। उसकी फोटो प्रति नाम पता काट कर, मैं इस पत्र के साथ भेज रहा हूँ। यदि पत्र में जो घटनाएं लिखी हैं वे सत्य हैं तो आप ही बताएं कि वहाँ किए गए प्रबन्ध के बारे में लोग कैसे आश्वस्त हो सकते हैं?

अपनी ओर से मैं कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। इतना अवश्य चाहूँगा कि किसी कीमत पर भी काशमीर घाटी की तरह डोडा जिला से लोगों का विस्थापन नहीं होने देना चाहिए। यदि कहीं वही हालात बन गए तो देश भर में उसके भयंकर परिणाम होंगे जिनको रोका जाना जरूरी है।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गिरीश चन्द्र सक्सैना,
राज्यपाल, जम्मू काशमीर,
जम्मू–180001

टिप्पणी – कश्मीर में अलगाववादियों के कारण कश्मीरी हिन्दुओं के विस्थापन पर श्री साहनी जी द्वारा अपनी गहरी चिन्ता से तत्कालीन राज्यपाल को अवगत कराना तथा विशेषकर डोडा जिले में विस्थापन पर रोक के लिये आग्रह।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 10/9/1996

संदर्भ संख्या–4821–9/भाजपा/दिल्ली/96

प्रिय श्री सुनील जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 29 अगस्त, 1996 का लिखा पत्र मुझे अभी–अभी मिला है। धन्यवाद।

मैंने आपका पत्र ध्यान से पढ़ा है। संभवतः यह बात आपके ध्यान में नहीं आयी कि श्री चमन लाल गुप्ता का चुनाव परिणाम जिस दिन घोषित हुआ था, तब संसद का अधिवेशन प्रारंभ हो चुका था और उन्हें तुरन्त दिल्ली आना पड़ा। वह अधिवेशन अभी भी चल रहा है। सम्भवतः जम्मू कश्मीर की समस्याओं को संसद में उजागर करने का दायित्व मुख्यतः श्री चमन लाल गुप्ता पर है। समाचार पत्रों में आपने अवश्य पढ़ा होगा कि चार या पांच बार श्री चमन लाल गुप्ता संसद में बोल चुके हैं। छः सप्ताह के छोटे समय में इतनी बार संसद में शायद ही किसी और सदस्य को बोलने का अवसर अब तक मिला होगा।

वैसे, जम्मू कश्मीर के विधान सभा चुनावों की घोषणा के तुरन्त बाद वहाँ के चुनावों का सारा दायित्व जिस समिति को सौंपा गया है, उसके अध्यक्ष श्री चमन लाल गुप्ता ही हैं। जब यह निर्णय हो गया कि प्रदेश अध्यक्ष वैद्य विष्णु दत्त जी विधान सभा चुनाव लड़ेंगे तो एक तरह से चुनावों की सारी व्यवस्था का भार श्री चमन लाल गुप्ता पर है। ऐसी स्थिति में यह कहना कि वह अभी तक किश्तवाड़ नहीं आए, उनसे अन्याय करना होगा। मेरी जानकारी है कि इतना व्यस्त होने के बाद भी एक बार डोडा जिला में वह अवश्य गये थे।

हमारी वहाँ की स्थानीय इकाई को जितना सक्रिय होना चाहिए था, वह उतनी सक्रिय नहीं है, इतना तो स्पष्ट है। जो काम वहाँ के

कार्यकर्ताओं को करना है, वह तो उन्हें ही करना होगा। बाहर का कोई व्यक्ति तो वह काम नहीं कर सकता। मुझे आशा है कि अब जब कि चुनाव अभियान प्रारंभ हो चुका है, प्रत्याशी के नाम की घोषणा हो चुकी है, वहाँ के सब लोग काम में लग गये होंगे। प्रभु करेंगे आप सबके सक्रिय सहयोग से किश्तवाड़ का हमारा प्रत्याशी विजयी होगा।

लोकसभा चुनावों तथा विधान सभा के चुनावों में हमेशा अन्तर रहता है। विधानसभा चुनावों में अनेक स्थानीय लोगों के भाग लेने के कारण मतदाताओं पर उन सबका प्रभाव पड़ता है। इसलिए इसकी अधिक चिन्ता न करें। आपका यह सोचना तो उचित प्रतीत नहीं होता कि विधानसभा चुनावों में हमारे सामने कोई विशेष मुददा रहा ही नहीं। आजादी अथवा स्वायत्तता की बात करने वाले सभी दल एक तरफ हैं और धारा–370 को रद्द करवा कर जम्मू कश्मीर को पूरी तरह से भारत के साथ जोड़ने वाली शक्ति केवल भारतीय जनता पार्टी ही है और आवश्यक है कि ऐसी राष्ट्रवादी पार्टी का प्रतिनिधित्व विधान सभा में अधिक से अधिक हो, ताकि अलगाववादी शक्तियों का मुकाबला किया जा सके। साथ ही जम्मू के साथ अब तक किये जाते रहे सौतेले व्यवहार का विरोध भारतीय जनता पार्टी के अलावा और कौन उजागर करता रहा है अथवा करेगा? कृपया इन सब बातों को ध्यान में रखें।

मैं आपके पत्र के लिए आपका आभारी हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री सुनील शर्मा जी,
(गुधांली) मोहल्ला,
किश्तवाड़ा (जम्मू काश्मीर)

टिप्पणी – साहनी जी के मतानुसार कश्मीर में आजादी अथवा स्वायत्तता की बात करने वाले दल एक तरफ हैं और धारा 370 को रद्द करवाकर जम्मू कश्मीर को भारत से पूरी तरह जोड़ने वाली शक्ति केवल भारतीय जनता पार्टी ही है।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

दिनाँक – 20 अगस्त, 1996

प्रिय श्री ओम प्रकाश ठाकुर जी,

नमस्कार

जम्मू से लौटने पर आपका 8 अगस्त, 1996 का पत्र मेज पर पड़ा मिला है। वहां के लोगों के पत्रों से जम्मू कश्मीर के हालात की जानकारी समय–समय पर मिलती रहती है। और हम उसके जरिए भारत सरकार पर उचित कार्यवाही के लिए दबाव डाल पाते हैं। इसका असर तो अवश्य होता है और वहां के अधिकारियों पर इसका प्रभाव भी पड़ता है। इसलिए आप पत्र लिखकर समस्याओं से अवगत कराते रहा करें।

यह बात सही है कि विधानसभा चुनावों को देखते हुए एक बार फिर डोडा जिले में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ गयी हैं। हमने सरकार को इस सम्बन्ध में आगाह भी किया है, देखो इसका कितना असर होता है। ईश्वर की कृपा और जनता के सहयोग से अगर इस बार भारतीय जनता पार्टी को विधानसभा चुनावों में ज्यादा सीटें मिलती हैं तो आप लोगों का दुख–दर्द वहां कहने वाले लोग बढ़ जाएंगे। अपने कार्यकर्ता जिस साहस और बहादुरी से हालातों का सामना कर रहें हैं उसकी जितनी प्रशंसा की जाए कम है। यह भी मातृभूमि की पूजा ही है।

सबको मेरा नमस्ते कहें।

मंगल कामनाओं के साथ,

शुभ चिंतक,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
पूर्व राज्यपाल सिक्किम और गोवा

Former Governor-Sikkim & Goa

दिनाँक : 3 अगस्त, 2009

प्रिय श्री. कपिल सिब्बल जी,

नमस्कार।

आपके कुशल और नए दायित्व की सफलता की कामना करता हूँ।

इस पत्र के साथ मैं भारत सरकार के पूर्व शिक्षा सचिव श्री.एम.के. काव द्वारा आपको भेजे ज्ञापन की एक प्रति जो उन्होंने मुझे भिजवाई थी, संलग्न कर रहा हूँ।

ज्ञापन आपने देखा होगा। 20 वर्ष पूर्व कश्मीर से भगाए गए कश्मीरी पंडितों को उनकी दुर्दशा देखते हुए प्रशिक्षित शिक्षकों को दिल्ली सरकार तथा दिल्ली नगर निगम ने मानवीय आधार पर अस्थाई नौकरियाँ दे कर तत्काल राहत पहुँचायी थी। कल्पना यह थी कि समय पाकर धीरे–धीरे इनकी योग्यता के अनुसार उन्हें स्थायी कर दिया जाएगा।

आश्चर्य है कि लगभग 20 वर्ष बीत जाने के बाद भी वह अस्थायी ही हैं और नाम मात्र के वेतन पर उनसे काम लिया जा रहा है। आप भी उनकी कठिनाइयों से भली–भाँति परिचित हैं। इस कारण मेरा अनुरोध है कि आप कृपया इनकी पीड़ा समाप्त करने का उपाय करें।

श्री काव स्वयं शिक्षा सचिव रह चुके हैं। समस्या की गम्भीरता को देखते हुए, अच्छा हो, आप कृपया उनको बुलवा कर इनके समाधान का उपाय करवाए। कश्मीरी पंडितों की इस शिकायत को दूर करना कि इतना समय बीत जाने के बाद भी उन्हें न्याय नहीं मिल रहा और भारत में अपने ही देश में उनकी बात सुनने वाला कोई नहीं है। दूर हो जानी चाहिए आशा करता हूँ कि आप इसका निदान करेंगे। मैं आभारी हूँगा।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा श्री कपिल सिब्बल को विस्थापित कश्मीरी शिक्षकों के लंबे समय से लंबित अस्थाई पदों को स्थाई बनाने हेतु पत्र।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या : KNS-3/153

दिनाँक : 25.7.92

प्रिय श्री सक्सैना जी,

सप्रेम नमस्कार।

भद्रवाह (जम्मू काशमीर) की सनातन धर्म सभा के महामंत्री श्री फकीर चन्द राजदान द्वारा मुझे प्राप्त हुए पत्र की फोटोप्रति में आपकी जानकारी के लिए भेज रहा हूँ। वास्तव में डोडा में आतंकवादी इस तरह का उत्पाद मचाते आ रहे हैं। इसकी सूचना भारत सरकार को स्वयं मैं तथा अन्य भारतीय जनता पार्टी के नेता समय–समय पर देते रहे हैं। दुर्भाग्य से उस ओर जितनी गम्भीरता से ध्यान दिये जाने की आवश्यकता थी वह नहीं दिया गया। निकट भूत में वहाँ जो कुछ हुआ है उसके बाद तो आशा की जानी चाहिए कि सरकार चेतेगी और वह आवश्यक कार्यवाही करेगी। सच बात यह है कि वहाँ के निवासियों को आश्वस्त करना कठिन हो रहा है जिस कारण आपको बार–बार पत्र लिखना पड़ता है। मैं उम्मीद करता हूँ कि आप इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही यथाशीघ्र करेंगे।

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गिरीश चन्द्र सक्सेना
राज्यपाल
जम्मू कश्मीर, राज्य
श्रीनगर

टिप्पणी – डोडा में व्याप्त गंभीर आतंकवादी समस्या के निवारण तथा राज्य सरकार को तुरंत कार्यवाही हेतु पत्र।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या : KNS-3/506

दिनाँक : 5 अक्टूबर, 1994

आदरणीय श्री चव्हाण जी,

नमस्कार।

काफी समय के उपरांत यह पत्र लिख रहा हूँ। इस बीच मैंने पत्र लिखना इसलिए बंद कर दिया था कि आपको अथवा श्री पायलट जी को जम्मू कश्मीर संबंधी स्थिति के बारे में लिखे पत्रों का मात्र इतना उत्तर तो मिल जाता था कि आप मामले को दिखवा रहे हैं किन्तु उन पर कोई कार्यवाही नहीं होती थी। संभवतः अब भी आपको कष्ट न देता किन्तु भद्रवाह (डोडा–जम्मू कश्मीर) से कल सायंकाल की डाक से प्राप्त पत्र, जिसकी फोटो प्रति संलग्न है, में वर्णित वहाँ की परिस्थिति ने मुझे यह पत्र लिखने पर विवश कर दिया है।

मुझे कुछ अधिक कहने की आवश्यकता नहीं। पत्र स्वयं बोल रहा है। क्या आशा करूँ कि इस पत्र में उठाए बिन्दुओं पर आप कार्यवाही करेंगे।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री एस.बी. चव्हाण,
गृहमन्त्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।

टिप्पणी – तत्कालीन गृहमन्त्री को भद्रवाह, डोडा, कश्मीर में व्याप्त आतंकवादी गतिविधियों की गंभीर समस्या हेतु कार्यवाही के लिए पत्र।

केदारनाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या KNS-3/123

दिनाँक : 11 जून, 1992

प्रिय श्री सक्सेना जी,

नमस्कार।

भद्रवाह से आज ही प्राप्त पंजीकृत पत्र पर टिप्पणी इसलिए करना आवश्यक नहीं कि पत्र स्वयं ही बहुत स्पष्ट है। यह पहला अवसर नहीं कि वहाँ से स्थानीय पुलिस के बारे में शिकायत आई हो। इसलिए और भी आवश्यक है कि वहाँ के संवेदनशील इलाके में नियुक्त पुलिस अधिकारियों पर कड़ा नियंत्रण रहे और उन्हें अपनी सीमाओं के भीतर ही काम करने के कड़े निर्देश दिये जायें।

मुझे विश्वास है कि आप इस दिशा में आवश्यक कार्यवाही करने की कृपा करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री गिरीश चन्द्र सक्सेना,
राज्यपाल,
जम्मू काशमीर
जम्मू।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 28 जून, 1994

संदर्भ संख्या KNS-/139-94

प्रिय श्री मनहास जी,
नमस्कार।

आपका 19.6.1994 का लिखा पत्र आज जम्मू से लौटने पर मेज पर पड़ा मिला है। पूरी जानकारी भेजने के लिए धन्यवाद। समय–समय पर इसी प्रकार पत्र लिखते रहा करें।

इतना तो आप जानते ही हैं कि हम लोग पूरी शक्ति से भारत सरकार को सक्रिय होने के लिए कह रहे हैं। जम्मू के सत्याग्रह के अलावा देश भर में सभाएं आदि करके दबाव डाल रहे हैं। मैं भी इसी सम्बन्ध में अगले सप्ताह बम्बई और कलकत्ता जा रहा हूँ। हमारे संसद सदस्य इस मामले को आज संसद की स्थायी समिति में जोर से उठाने वाले हैं। हमें हर हालत में अपना कर्तव्य पूरा करना है। इतना विश्वास रखें कि वहाँ हो रहे बलिदान को व्यर्थ नहीं जाने दिया जायेगा।

कृपया सबको मेरी नमस्कार कहें।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गोपाल मनहास,
विजय किराना स्टोर,
किश्तवाड़–182204

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा कश्मीर में आतंकवादियों द्वारा हत्याओं के विरोध में भाजपा द्वारा देश भर में सत्याग्रह, तथा संसद में जोर–शोर से विषय को उठाये जाने सम्बन्धी बातों से कश्मीर के कार्यकर्ताओं को अवगत कराना।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या KNS-1/2157

दिनाँक : 23 फरवरी, 1994

प्रिय श्री मनहास जी,

नमस्कार।

जम्मू से लौटने पर ही मैंने आपका लिफाफा खोला है। पत्र मैंने आराम से पढ़ा है। जम्मू में डोडा जिला के सभी बन्धुओं ने वहाँ की परिस्थिति के सम्बन्ध में विस्तार से सब बातें बतलाई थी। श्रीमान आडवाणी जी ने भी प्रत्यक्ष सब सुना है।

हमारा पूरा प्रयत्न होगा कि सरकार कुछ करे और इस असुरक्षा की स्थिति पर काबू पाए। इतना भरोसा रखिए कि प्रयत्नों में कमी नहीं होगी। इसी तरह यदा–कदा पत्र लिखते रहा करें।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गोपाल मनहास,
विजय किराना स्टोर,
मेन बाजार, किश्तवाड़–182204
(जम्मू काशमीर राज्य)

टिप्पणी – जम्मू में डोडा जिले की असुरक्षा की स्थिति पर केन्द्र सरकार पर दबाव के संदर्भ में श्री साहनी जी द्वारा भरोसा।

केदार नाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**

KIDAR NATH SAHANI **Bharatiya Janata Party**

संदर्भ संख्या KNS-1/733

दिनाँक : 18 सितम्बर, 1992

प्रिय बन्धु,

नमस्कार।

12.9.92 को भेजे प्रस्ताव की प्रति के लिए धन्यवाद।

आप जानते ही हैं कि इस मामले में हम पहले से ही सरकार पर आवश्यक दबाव डाल रहे हैं। अभी दो दिन पूर्व ही मैंने राज्यपाल श्री गिरीश चन्द्र सक्सैना से बात की थी। सांसद श्री कृष्ण लाल शर्मा जी ने भी गृह राज्य मंत्री श्री जैकब से बात की है। आशा करनी चाहिए कि भगवान सरकार को सद्बुद्धि दें।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

महासचिव,
सनातन धर्म सभा,
भद्रवाह (जम्मू काश्मीर)

टिप्पणी – तत्कालीन सरकार की काश्मीर समस्या को लेकर शिथिल कार्यशैली पर सवाल तथा चिंता।

केदार नाथ साहनी

KIDAR NATH SAHANI

दिनाँक – 26 मई, 1997

श्री ओम प्रकाश ठाकुर जी,

नमस्ते।

आपका 19 मई का लिखा पत्र मुझे आज मिला है। धन्यवाद।

आप सभी की कुशलता का समाचार और डोडा जिले के हालात की जानकारी मिली तो संतुष्टि हुई। समय–असमय वहां के आलात की रिपोर्ट मिलने से हमें भारत सरकार पर दबाव बनाने में मदद मिलती है। इसलिए जरूरी है कि वहाँ के हालात से मुझे अवगत कराते रहा करें।

आपने श्रीमान आडवाणी जी को पत्र लिखकर कोई गलती नहीं की है। अपने नेताओं से सम्पर्क रखना कोई खराब बात नहीं है। उनको हालात से अवगत कराने से हमें लाभ ही होगा। हमारी पूरी कोशिश है कि विलेज डिफेन्स कमेटी की संख्या बढ़ाई जाए ताकि आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब दिया जा सके।

श्री भगतराम जी, श्री कुलभूषण जी और दीगर बंधुओं को मेरी नमस्ते कहें।

मंगलकामनाओं के साथ,

शुभचिंतक,

(केदार नाथ साहनी)

श्री ओम प्रकाश ठाकुर,
भू मित्र,
मुख्यालय डोडा।
(जम्मू और कशमीर)

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा डोडा कश्मीर में अलगाववाद तथा आतंकवाद से निपटने हेतु विलेज डिफेंस कमेटी को और सक्षम बनाने तथा उनकी संख्या बढाने हेतु पत्र।

केदार नाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**

KIDAR NATH SAHANI Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 12.2.1996

प्रिय श्री. चतुर्वेदी जी,

नमस्कार!

गत सप्ताह में डोडा जिला के विभिन्न स्थानों से प्राप्त पत्रों की एक–एक प्रतिलिपि भेज रहा हूँ। संभवत सरकार स्थिति की गंभीरता का सही अनुमान नहीं लगा रही।

भले ही सरकार दावा करे कि वहाँ हालात सुधर रहे हैं वास्तविकता यह है कि डोडा जिला से पलायन शुरू हो चुका है। लगभग डेढ़ दो हजार परिवार जिला से अन्यत्र जा चुके हैं। इसलिए अविलंब ऐसे कुछ पग उठाए जाने चाहिए कि यह पलायन न केवल रूक जाए अपितु भाग कर आये लोग अपने घरों को लौट सकें।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री. भुवनेश चतुर्वेदी जी,
राज्य मंत्री, प्रधान मंत्री कार्यालय,
नई दिल्ली

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा तत्कालीन केन्द्रीय सरकार को काश्मीरी हिन्दुओं के पलायन से सम्बन्धित सरकार द्वारा उठाए कदमों पर असहमति तथा अप्रसन्नता जाहिर करना।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 25.2.95

प्रिय श्री मनमोहन जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 13.2.1995 का लिखा पत्र अभी–अभी मिला है। धन्यवाद।

उस क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल तथा अन्य अर्धसैनिक बलों की गतिविधियाँ बढ़ने का लाभ होगा, ऐसा मेरा विश्वास है। इमाम का बार–बार आपको मिलना इसी का संकेत है।

आपको इमाम से अकेले में नहीं मिलना चाहिए। कुछ लोगों की उपस्थिति में ही उससे बात होनी चाहिए। यह जानने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए कि वह क्या चाहता है और उसका सुझाव क्या है। उसे कहा जाना चाहिए कि उग्रवादियों को पकड़वाने में वह सहायक बने। यह चिन्ता की बात है कि अभी तक एक भी हथियार नहीं मिला अथवा शक्तिशाली वायरलैस सैट का पता नहीं चला। संभव है सुरक्षाबलों की नई सक्रियता इस बारे में फलदायी हो।

सबको मेरा नमस्कार।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री मनमोहन गुप्ता,
महामंत्री, भाजपा,
किश्तवाड़–182204
जिला डोडा–जम्मू कश्मीर।

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा डोडा जिले में सुरक्षा बलों की बढ़ती गतिविधियों के संदर्भ में जिले के भाजपा नेताओं को सर्तकता बरतने सम्बन्धित सुझावों पर चर्चा हेतु पत्र।

केदार नाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**

KIDAR NATH SAHANI Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 5.9.1995

आदरणीय श्री नरसिम्हा राव जी,

सादर नमस्कार!

जम्मू काश्मीर राज्य के डोडा जिला की स्थिति में न केवल कोई सुधार नहीं हुआ अपितु ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी बिगड़ गई है। मैं नहीं जानता कि सरकारी सूत्रों द्वारा आपको क्या रपटें मिली होंगी किन्तु मेरे पास वहाँ से आज ही जो सूचनाएं पहुंची हैं वे चिन्ताजनक हैं। उनसे आपको अवगत कराना आवश्यक प्रतीत होता है।

पत्र की सन्लग्न फोटो–प्रति से मैंने सूचना भेजने वाले का नाम हटा दिया है। पृष्ठ 4 के अंत में लिखे नोट में सूचना भेजने वाले ने इसके लिए विशेष अनुरोध किया है।

12 अगस्त से प्रतिदिन उस जिला में जो कुछ घटता रहा है उसका ब्यौरा आप इस सूचना पत्र में पाएंगे। प्रशासन तथा सुरक्षा बलों की मानसिकता के बारे में भी कुछ संकेत इससे मिलते हैं। और सब से अधिक चिंता दूर–दूर बसे ग्रामों के निवासियों की दयनीय स्थिति के बारे में दर्शाई गई है। इन ग्रामों में आतंकवादियों ने पूर्व सैनिकों को विशेष रूप से निशाना बना रखा है। लोगों का मनोबल तोड़ने के लिए बनाई उनकी योजना का यह आवश्यक अंग है। युवक भी चुन–चुन कर मारे जा रहे हैं। परिणामतः सभी परिवार अपने घर के नौजवानों को जम्मू अथवा अन्यत्र कहीं चले जाने पर विवश कर रहे हैं।

सन्लग्न सूचना–पत्र में आप उस क्षेत्र का विशेष उल्लेख पाएंगे जिस पर एक तरह से आतंकवादी ही राज कर रहे हैं और जहाँ की 40–50 हजार की आबादी पूर्णतः उनकी दया पर है।

प्रशासन के व्यवहार की तीखी आलोचना उस पीड़ा और रोष में से निकली है जो सूचना देने वाले सज्जन के नित्य अनुभवों के कारण उत्पन्न हुआ है। यह स्वाभाविक भी है। जबकी अनुभव यह हो कि आतंकवादियों से मिले हुए व्यक्तियों को ही शासन भी महत्त्व देता है तो प्रतिक्रिया और क्या हो सकती है।

डोडा जिला की स्थिति पर काबू पाने हेतु यथाशीघ्र आपको कुछ करना होगा।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री नरसिम्हा राव जी,
प्रधानमंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा कश्मीर के डोडा जिले की गंभीर स्थिति पर तत्कालीन प्रधानमंत्री को अपनी गंभीर चिंता से अवगत कराना तथा राज्य में प्रशासन की अकर्मण्यता के बारे में सरकार को उचित कदम उठाने हेतु दबाव।

भवदीय

Signature

केदारनाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
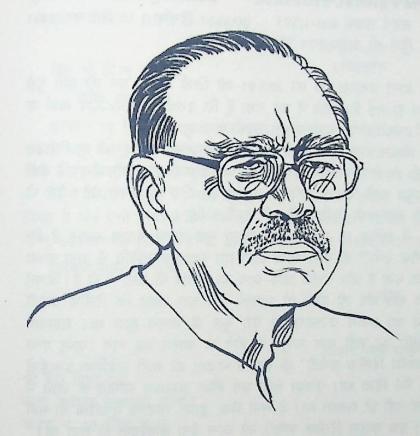
भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या kns-1/595

दिनाँक : 19 सितम्बर, 1991

प्रिय श्री अर्जन नाथ जी,

नमस्कार।

प्रान्त प्रचारक जी को 26.8.91 को लिखे आपके पत्र की प्रति मुझे प्राप्त हो गई है। सोच में पड़ गया हूँ कि इसके लिए धन्यवाद करूं या नहीं। क्योंकि पत्र पढ़कर मुझे काफी कष्ट हुआ है।

अच्छा होता आप अपने मन की बात प्रान्त प्रचारक जी से मिलकर चर्चा कर लेते। उससे कई बातें उसी समय स्पष्ट हो जाती और यदि कहीं सचमुच कमी दिखाई देती तो उसको वह ठीक भी करवा देते। वैसे भी ऐसी बातें कभी लिखित में नहीं लानी चाहिए।

मैं अधिक तो नहीं जानता किन्तु मुझे इतना अवश्य मालूम है कि रिलीफ कमेटी के पास आया सारा धन सहायता समिति में जमा करवा दिया गया है और उसके आय–व्यय का हिसाब भी उसी में ही है। आपने यदि बात कर ली होती तो आपको पता चल जाता कि रिलीफ कमेटी शब्द का प्रयोग कलकत्ता में मेरी भूल के कारण हुआ था। सहायता समिति का सही नाम मालूम न होने के कारण यह नाम ''जम्मू एण्ड काशमीर रिलीफ कमेटी'' के रूप में भाजपा की सारी प्रादेशिक इकाईयों को मैंने दिया था। उनका भेजा धन सीधा सहायता समिति के खाते में जमा नहीं हो सकता था। वे सभी चैक, ड्राफ्ट लौटाना मुनासिब भी नहीं था। इस कारण रिलीफ कमेटी को जन्म देना आवश्यक हो गया था।

बहुत सम्भव है कि प्रान्त प्रचारक जी से बात करने के बाद आप पूर्णतः सन्तुष्ट हो जायें।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री अर्जन नाथ पण्डित,
137, मॉडल टाउन,
दिगियाना, जम्मू।

टिप्पणी – सहायता समिति में आये धन के बारे में तथा सम्बन्धित समस्या के निवारण हेतु प्रान्त प्रचारक को उनके द्वारा लिखे पत्र के संदर्भ में।

केदार नाथ साहनी

महामंत्री

भारतीय जनता पार्टी

Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या : BJP/CO-7648/90

दिनाँक : 17–12–90

प्रिय श्री विष्णु दत्त जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 12 दिसम्बर, 1990 का दूसरा पत्र भी मुझे मिल गया है। उसके साथ जम्मू काशमीर सहायता समिति के हिसाब की एक प्रति भी लगी है। इस सम्बन्ध में भी मुझे प्रायः वही कहना है जो मैंने अपने पहले के पत्र में आपको लिखा है। आप कृपया मेरे ये दोनों पत्र इन्द्रेश जी को दिखा दें और ऐसी व्यवस्था करें कि जम्मू काशमीर सहायता समिति तथा जम्मू एंड काशमीर रिलीफ कमेटी दोनों का मिलाजुला हिसाब भिजवायें।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री वैद्य विष्णु दत्त,
जम्मू कश्मीर सहायता समिति,
कमरा नं. 10 गीता भवन,
परेड मार्ग, जम्मू।

केदार नाथ साहनी
महामंत्री

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या : BJP/CO-7647/90 दिनाँक : 17–12–90

प्रिय श्री वैद्य विष्णु दत्त जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 12 दिसम्बर, 1990 का लिखा पत्र मुझे अभी–अभी मिला है। पत्र पढ़कर मुझे कुछ आश्चर्य हुआ। जहाँ तक मेरी जानकारी है जम्मू काशमीर सहायता समिति आपकी देखरेख में जम्मू में कश्मीरी विस्थापितों को सहायता बाटने का काम कर रही है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता भी इसी के साथ जुड़े हुए हैं। मुझे यह कहा गया था कि सामान कच्ची छावनी में पंडित प्रेमनाथ डोगरा जी की कोठी पर भेजा जाना चाहिए। सभी कम्बल और अन्य सामान वहीं भेजा जाता रहा है और वहीं से सामान का वितरण भी होता है। अब आपका यह कहना कि आपको कोई सामान ही नहीं मिला मेरे लिए आश्चर्य का कारण भी है और पीड़ा का भी।

तीन–चार दिन पहले श्रीमान इन्द्रेश जी दिल्ली आये थे। कम्बलों के वितरण के बारे में उन्होंने मुझे पर्याप्त जानकारी दी थी। क्या मैं यह समझू कि देश भर से वहाँ भेजे गये कम्बलों के बारे में आपको कोई जानकारी नहीं है? ऐसा प्रतीत होता है कि वहाँ आपस में मिलकर काम करने में कोई कठिनाई है जिसकी वजह से आपने मुझे यह उत्तर दिया है। मैं आपके पत्र की फोटोप्रति श्री चमनलाल जी को भेज रहा हूँ। आप भी कृपया उनसे सम्पर्क कर लें और जो जानकारी मैंने चाही थी वह एकत्र करके मुझे भिजवा दें।

शुभकामनाओं के साथ

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री वैद्य विष्णु दत्त,
कमरा नम्बर 10, गीता भवन, परेड रोड, जम्मू।

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा काशमीर में पार्टी समर्थित जम्मू काशमीर सहायता समिति में हिसाब–किताब तथा सामान के वितरण सम्बन्धी समस्याओं के निवारण हेतु सभी पक्षों से आपस में समन्वय के साथ कार्य करने के लिए प्रेरणा तथा निर्देश।

राज भवन
गान्तोक–737103
(सिक्किम)

राज्यपाल, सिक्किम
Governor of Sikkim

दिनाँक : 8.4.2002

प्रिय श्री बनारसी दास जी,

नमस्कार

आज आपका भेजा नव वर्ष की बधाई का पत्र भी मिला और 7 अप्रैल 2002 को होने वाली जम्मू कश्मीर सहायता समिति की साधारण सभा में भाग लेने का निमन्त्रण भी आभारी हूँ।

नया साल आप सबके लिए भी अतीव मंगलकारी सिद्ध हो, ऐसी भगवान से प्रार्थना करता हूँ।

जम्मू कश्मीर सहायता समिति की बैठक, आशा है, बहुत अच्छी तरह सम्पन्न हो गई होगी।

सबको नमस्ते।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री बनारसी दास जडिमाल जी,
जम्मू कश्मीर सहायता समिति,
पोस्ट बाक्स नं. 108, पक्का डंगा,
जम्मू–180001

भवदीय

केदार नाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**
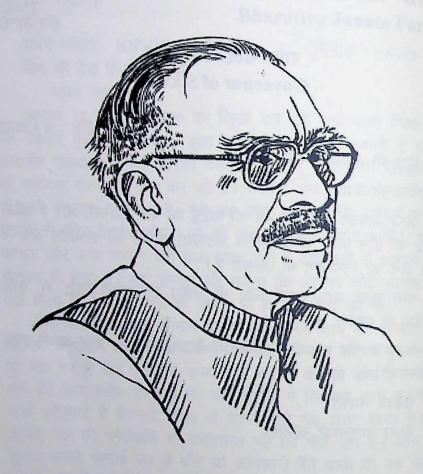
KIDAR NATH SAHANI **Bharatiya Janata Party**

Date: 08-08-1995

Reference No. : KNS-1/878

Dear shri Jad ji,

Namaskar.

I have to hand yours of the 4th instant which relates to the case of Shri Ashok Kumar Bhat who was dismissed from his jail service. Only about a week back Shri Bhat wrote to me. On that very day I wrote to the Chief Secretary reminding him about my earlier request to look into this case where even the first look gives an impression of injustice having been done to Shri Bhat. Let us hope that he makes proper enquiries about the facts of the case and then decides as to how best to resolve it.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L. Jad,
53-A, Pocket A/3,
Kalka ji Extn.,
New Delhi-110019

Note - Sahaniji requested the then Chief secretary to look into the matter related to injustice done to Shri Ashok Kumar pertaining to his service.

केदार नाथ साहनी

KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी

Bharatiya Janata Party

Date: 15th April ,1995

Our Reference KNS-1/619

Dear Shri Ashok Kumar ji,

Namaskar!

Kindly do go through the enclosed papers.

Shri Bashir Ahmed Special Assistant to Chief Secretary J&K Government vide his letter No: PS-2/CS/93 dated 31.12.93 informed me that Ex-gratia relief for the Oma Comlex at Oma Nagri had already been sanctioned by the Divisional Commissioner Kashmir vide their office order No. Div Com/ Relief-237 of 1993 dated 8.12.93 and the Deputy Commissioner Anantnag had been advised to disburse the amount of ex-gratia. A copy of the said order too was sent to me. I am enclosing copies of both of them for your perusal.

The enclosed letter received from Bawa Satyanand shows that the Ex-gratia has not been paid to the Mahant even though a Year has passed. He has been told that the D.C. Anantnag has not received these funds and hence the same cannot be released to him. It is really amusing.

May I request you to kindly intervene and get the Mahant what has been sanctioned after due consideration and enquiry.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Ashok Kumar,
I.A.S.,
Chief Secretary,
J&K State Government.
Jammu-Tawi.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

January 3, 1998

Ref. 58-1/BJP/DP/98

Dear Shri Jaitley ji,

Namaskar!

I am extremely sorry to bother you once again about Shri H.L. Jad's case. It is really amusing as also disturbing to note that the needful has not been done inspite of your specific directions even though three long years have passed.

I am sending all the papers concerning the case hoping that you will once again ask the concerned department to settle this matter without any further delay.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Ashok Jaitley,
I.A.S.
Chief Secretary,
J&K Government,
Shrinagar

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 30.11.90

Ref. BJP/CO- 7395/90

Dear Shri Harjilal ji,

Namaskar.

Thank you for your kind letter of the 26th instant. Please find enclosed a copy of my letter which I have written to the Governor Shri Girish Chandra Saxena in regard to the termination notice issued about Shri Bhushan Lal, an employee of the Home Guard. Let us hope that Shri Saxena takes a lenient view.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harjilal Jad,
Advocate,
Kendriya Vidyalaya No. 1,
Gandhi Nagar,
Jammu Tawi.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date: December 19, 1995

Dear Shri Nikhil Kumar ji,

Saprem Namaskar!

I am sending a letter received from Shri H.L. Jad, a prominent Kashmiri social worker, who is presently living in Delhi as a refugee. The matter raised by him in this letter was brought to your notice some time back. Only last week I wrote to you that All India Kashmiri Samaj received such complaints that a large number of Kashmiri Muslims, because of severe cold in the Valley, have come to Delhi and are collecting money from people while posing as Hindu migrants Shri Jad has given in this letter the details of this enterprise. Please do something to apprehend such unscrupulous people. As per information with Shri Jad these people are camping at New Shastri Park in the trans-Yamuna area.

With Kind regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri Nikhil Kumar,
Commissioner,
Delhi Police,
Police Headquarters,
I.P. Estate,
New Delhi.

Note - To apprehend Kashmiri Muslims, posing as Hindu migrants in delhi.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश

Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date : December 19, 1995

Dear Shri Ashok Kumar ji,

Namaskar.

I am enclosing a representation from Brahmchari Mahatma Prem Nath and Mahatma Prithvi Nath. It seems that the original representation has already been sent to you and to the Deputy Commissioner, Anantnag. The representation seeks compensation for the property mentioned in the representation which has been burnt down in the Ashram. Kindly do look into the matter and get the due ex-gratia relief to the Brahmcharis.

With kind regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri Ashok Kumar,
I.A.S.,
Chief Secretary,
Jammu & Kashmir State,
Jammu.

Note - Sahani ji in this letter raised issues of complacency and lacklustre attitude on the part of Administration of J&k Govt. related to the ex-Gratia relief already approved, but not paid to the needy for a long period of time.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date : May 24, 1997

Ref. No. 9145-5/BJP/DP/97

Dear Shri Farooq Saheb,

Namaskar!

I am enclosing a copy of a representation which Shri Sanatan Dharam Sabha Bhadarwah has addressed to the I.G. Police, Jammu Range. Kindly do give your very serious thought to the suggestions made by the Sabha. They really deserve sympathetic consideration.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Dr. Farooq Abdullah,
Chief Minister,
Jammu & Kashmir,
Srinagar.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 31.01.90

Ref. BJP/CO-308/90

Dear Shri Harji Lal ji,

Saprem Namaskar.

I have to hand yours of the 26th January, 1990.

We are aware of the developments in regard to Faruq Abdullah and on our part did our best to see that the mischief is contained. I do hope that Shri Vaishnavi ji and other friends must have met you and apprised you of their efforts they put in here at Delhi. I am in touch with our Srinagar friends and whatever is possible to do at this end is being done.

When do you propose to come down to Delhi?

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harji Lal Jad,
K.V. NO. 1
Gandhi Nagar,
Jammu.

Note - Sahani ji showed his concern about the developments in regard to Dr. Farooq Abdullah. He was of the view that the party associates would be focussed to contain mischief on the part of political miscreants.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : Nov. 19, 1990.

Ref. BJP/CO-7148/90

Dear Shri Jad ji,

Saprem Namaskar.

Thanks for yours of the 13th instant. Dear Hira Lal met me to-day. He came to our house day before yesterday just when I was leaving. It was reassuring to see him fine.

He has returned very late. Only last week dear Sandeep, after a wait of about 2 months, has engaged someone else for his office.

Shri Hiralal has told me about 'Mitraon'. To-day I have given him a letter of introduction for Subedar Ram Kishan Ji, our Tehsil Sanghchalak who resides in Mitraon itself. We should go for the proposal, if he approves of the same. Actually, I have asked Ram Kishan Ji to come along with Shri Hira Lal and meet me. May be he meets me in a day or two. Only after discussing the matter with him shall I give my clearance as I have certain misgiving about such proposals.

Your apprehensions about the new government are quite true. Even one wrong signal at this siruation can once again ruin whatever little has been achieved in the recent past. I shall write to you about the proposed demonstration after my meeting with the new Prime Minister. I have sought one with him.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L. Jad,
Advocate,
C/O Kendriya Vidyalaya No. 1,
Gandhi Nagar, JAMMU TAWI.

Note - Sahani ji seconded the apprehensions raised by patriotic people in Kashmir that even one wrong signal in that disturbed situation could once again ruin whatever little had been achieved till then.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 13th March, 1996

Ref. KNS-1/2107

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

This is to acknowlegd the receipt of your affectionate detailed letter of the 2nd instant. I am grateful. Please keep sending me such reports at regular intervals. This helps us in highlighting these facts and putting pressure on the government for doing the needful.

I am happy to know that Smt. Sudarshan Devi has been posted in the Social Welfare Department in Bhadarwah itself. I hope this will help her in her present dark and difficult days. I agree with you that the job given to her is much below her status but it is not possible for the government to offer her something better as her educational qualifications are a hindrance for that.

Please convey my namaskar to all.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah (J&K State)

Note - Sahaniji acknowledged the help to provide for a government job to the survival of the victim in Bhadarwah District of J&K.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : December 27, 1989.

Ref. BJP/CO-2124/89

Dear Shri Bhat ji,

Namaskar.

Thank you for yours of the 20th instant which I have, after going through, passed on to Shri Advani Ji who in his own wisdom will, at some appropriate time, use the information in the Lok Sabha. Unfortunately the Parliament adjourns on 29th December and there is not much time left to raise this issue. Anyway, the information is extremely useful and will be helpful. Kindly do keep on writing off and on.

Please convey my namaskar to Shri Jad Ji.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Prem Nath Bhat
M.A. (Econ., Pol.Sc.) LL.B.,
Advocate (Notary),
Columnist & Press Correspondent,
ANANTNAG,
(Kashmir).

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref. No. KNS-1/1313

Date : 14-9-1995

Dear Shri Jad ji,

Namaskar.

Please refer to my letter No. KNS-1/619 dated 15th April, 1995 addressed to Shri Ashok Kumar, Chief Secretary, J & K State Government, under which a copy of letter from Bawa Satyanand was also forwarded.

In this connection a copy of letter No. Rev (MR)7/95 dated 6-9-1995, received from the Finacial Adviser & CAO, Revenue Department, Civil Secretariat, Jammu & Kashmir Government, is forwarded for your information.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L. Jad,
Advocate,
Delhi High Court,
53-A, Pocket A-3,
Kalkajee Extension,
New Delhi-110019

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref. No. KNS-1/399

Date : 29-5-95

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar

Thanks for sending to me a copy of the resolution passed by the Sanatan Dharam Sabha, Bhadarwah. It throws ample light on the recent happenings in that area. I assure you that on our part we are putting all possible pressure on the government to deal with the situation with a strong hand.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F. C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah
(J & K State)

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

KNS-1/1027

Date : 14-8-1995

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

Thanks for yours of the 7th instant addressed to Shri Advani ji which has brought along with it a memorandum for the BJP Members of Parliament. Actually they no occasion unused in Parliament to raise the issues you have pointed out in this write-up. This does give vivid description of happenings taken place there. This will be of much help to them.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan
General Secretary.
Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah (Distt: Doda J&K State)
Pin : 182221

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date: November 14, 1995

Ref. No. BJP/DP/521-11/95

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

Just now I have received yours of the 13th October, 1995. After a long time a report has come from you I was hoping and expecting that such reports will be regular. Unfortunately this time much delay has taken place. However, I am gratified to have detailed report giving facts of all the happenings right since 18.9.1995. This will help me in keeping the authorities on their toes.

May I hope that in future you will be sending to me frequent reports. Please convey my regards in Bhadarwah

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F.C.Razdan,
Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah,
District- Doda,
J&K State.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date: 18th June, 1997.

Ref. No. 9614-6/BJP/DP/97

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

Thanks for your kind letter of the 9th June and the report of terrorists doings in the months of April and May 1997. It throws ample light on the present day conditions in that area.

Please find enclosed a copy each of my letters addressed to Shri Indrajit Gupta and Dr. Farooq Abdullah. We are keeping up our pressure on both Govts.

With Namaskar to all friends in Bhadarwah,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha
Bhadarwah,
Jammu & Kashmir

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date: 1 June, 1998

Ref. No. 6167-6/BJP/DP/98

Dear Smt. Sushma ji,

Namaskar!

The enclosed representation was handed over to me at Leh where I had gone last week on an election tour. Smt. Hamra met me and told me that her husband Shri Anayat Ali working as a technician with the A.I.R. was posted at Jammu for the last more than two years. She wanted that Shri Anayat Ali be transferred and posted either at Leh or Kargil as that will enable him to live with his family resolving some of their serious family problems.

I shall feel obliged if the request made by Smt. Hamra is granted on humanitarian grounds.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Smt. Sushma Swaraj,
Minister for Communications,
Govt. of India,
New Delhi.

Note - Sahani ji sent the request of Smt. Hamra to Sushma ji to do the needful if possible to help Shri Anayat Ali husband of Smt. Hamra on humanitarian grounds.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Ref. No. 11962-9/BJP/DP/97 Date : 13/9/97

Dear Shri K. Padmanabhaiah ji,

Namaskar!

I am enclosing a copy of a representation which an eminent advocate and social worker of Anantnag (Kashmir Valley) Shri H.L.Jad has already sent to you. I know this case personally because I have been trying to get his grievance removed. Kindly do go through his repersentation and you will agree with me that inordinate delay has taken place so far as this particular case is concerned. Shri Jad is a person who had flourishing legal practice in Kashmir but at present he is living in a state of penury. The arrears and regular payment of the rent will go a long way to help him in removing much of his difficulties. It is really surprising that while all other similar cases relating to Anantnag were resolved long back, Shri Jad's case is permitted to linger on. I am sure that your personal intervention will be of great help to Shri Jad and his case too will be resolved without any further delay.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri K.P. Padmanabhaiah,
Secretary (Home),
Government of India,
North Block, New Delhi -110001.

Note - Sahaniji raised the genuine issue pertaining to the property of migrant in the disturbed areas of Kashmir occupied by security forces on rent, before the then Home Secretary of Govt. of India for his intervention to resolve the problem.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Ref. No. 7738-3/BJP/DP/97

Date : 17th March,1997

My Dear Dr. Farooq Abdullah ji,

Namaskar!

I am forwarding a representation from an eminent social worker of Anantnag Shri H.L. Jad who presently is a refugee residing in Delhi. The point made in this Representation covers all such properties of the migrants which are presently being used by the security forces in the Kashmir Valley. He has pointed out the probable fate of the properties if vacated immediately. I am sure that you will, as always you have been doing, consider the request of Shri Jad with the sympathy and compassion it deserves.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Dr. Farooq Abdullah,
Chief Minister,
Jammu & Kashmir,
Srinagar.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref : KNS-1/682

Date : October 21, 1991

Dear Shri Bhat ji,

Saprem Namaskar.

This is to thankfully acknowledge receipt of yours of the 12th instant and the enclosed clippings.

As per your wish I shall be speaking to Shri Indresh ji and showing to him these clippings so that desired effect is achieved.

Please send some copies of bio-data of the Bandhu regarding whom you have written. I shall certainly try for him although nothing conclusive can be promised.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri J.K. Bhat,
67, B/D, Gandhi nagar
Jammu.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

दिनाँक :– 17–9–2009

प्रिय श्री. मलिक जी,

नमस्कार।

आशा है आप सकुशल होंगे। लम्बा समय बीत गया आपसे भेंट हुए। क्या बात है? कभी मिलें। आपसे मिलकर मुझे अच्छा लगेगा।

श्री रक्षित गुप्ता हमारे एक अच्छे कार्यकर्ता के परिवार से हैं। काम की तलाश में हैं। शायद आपके सम्बन्धों के कारण इनका काम बन सके। आप कृपया कोशिश करें। यदि काम बन जाए तो मुझे प्रसन्नता होगी।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

कैप्टन एच.सी. मलिक
ई–22, दूसरी मंजिल
ग्रेटर कैलाश भाग–3
नई दिल्ली–110048

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

दिनाँक : 08/02/2010

प्रिय जय प्रकाश अग्रवाल जी

नमस्कार!

आपको सूचित करते हुए प्रसन्नता हो रही है कि कुमार संजय गर्ग जिसके ऑप्रेशन के लिए मैंने आपसे सहायता करने का अनुरोध किया था, का परसों ऑप्रेशन सफल हो गया है। आज उसे आई.सी.यू. से कमरे में ले आएँगे।

कुछ मित्रों की सहायता से यह काम सम्पन्न हो गया है। अब उसे और सहायता की आवश्यकता नहीं है। इस कारण आप अब कष्ट न करें। यदि इस बीच आपने चैक भेज दिया होगा तो वह आपको वापिस कर दूंगा।

फिर कभी इसी तरह की आवश्यकता आ खड़ी हुई तो आपको अवश्य कष्ट दूंगा।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री जय प्रकाश अग्रवाल जी
सूर्या फॉऊन्डेशन, बी–3/330,
पश्चिम विहार,
नई दिल्ली–63

केदार नाथ साहनी
पूर्व राज्यपाल सिक्किम और गोवा

दिनाँक : 27 जनवरी, 2010

आदरणीय विष्णुहरि जी,

नमस्कार,

एक संभ्रान्त एवं प्रतिष्ठित किन्तु गरीब समाज सेविका, जिसने अपना सारा जीवन हिन्दू समाज की सेवा में लगाया है, इस समय गम्भीर आर्थिक संकट में आ फसी है। उनका एक मात्र जवान बेटा इस समय गम्भीर रूप से बीमार है। हाल ही में उसका कैंसर का एक बड़ा ऑप्रेशन हुआ था। जो कुछ घर में था, उसे बेचकर, अस्पताल के बिल तो चुका दिए हैं। किन्तु, दुर्भाग्य से एक सप्ताह बाद ही उसका दिल का ऑप्रेशन होना है। इलाज के लिए, इनको अढाई तीन लाख का खर्च बताया गया है। परन्तु उनके पास तो फूटी कौड़ी भी नहीं है।

इस कारण, सारा जीवन हिन्दू समाज की सेवा में बिताने वाली इस महिला की सहायता होनी ही चाहिए। अनुरोध है कि आप इस संकट की घड़ी में इनकी सहायता अवश्य करें। सहायता राशि अकाउंट पेयी चैक अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा कुमार संजय गर्ग के नाम से इण्डियन ओवरसीज बैंक के लिए, भिजवाने की कृपा करें।

मुझे विश्वास है कि आपकी सहायता इनके बेटे को जीवन दान प्रदान करने में सहायक होगी।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

आदरणीय विष्णुहरि जी,

राज भवन
गोवा–403004

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

नं. : राज्य. गोवा 04 / 2003 / 311

दिनाँक : 10.04.2003

प्रिय श्री राजनाथ सिंह जी,

नमस्कार।

न चाहते हुए भी आपको यह पत्र लिख रहा हूँ। इस सम्बन्ध में काफी समय पहले एक पत्र मैंने श्री. वेंकय्या नायडू जी को भी लिखा था। सोचा तो यही था कि इस सम्बन्ध में उसके बाद मैं किसी को कष्ट नहीं दूँगा।

आज की डाक से श्री हरीशचन्द्र का सन्लग्न पत्र मिला था, जिसे पढ़ने के बाद, मुझे पता चला कि मेरा पत्र मिलने के बाद श्री नायडू जी ने उन्हें बुलवाया था और आपसे मिलने के लिए कहा था। सन्लग्न पत्रावली से ऐसा लगता है कि उन्होंने आपसे मिलने हेतु समय भी मांगा था। परन्तु किन्हीं कारणों से आप उन्हें समय नहीं दे सके होंगे।

वास्तव में श्री हरीशचन्द्र की वर्तमान कठिनाई को मैं जानता हूँ और कुछ सीमा तक उनकी इस कठिनाई के लिए स्वयं को उत्तरदायी मानने के कारण ही न चाहते हुए भी यह पत्र लिख रहा हूँ।

कुछ वर्ष पहले श्री हरीशचन्द्र द्वारा डॉ. राम मनोहर लोहिया सम्बन्धी एक पुस्तक देखने के बाद स्वयं मैंने उस समय के अपने केन्द्रीय नेताओं से परामर्श के बाद, उन्हें बुलाकर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन के बारे में भी वैसी ही पुस्तक तैयार करने की प्रेरणा दी थी। उन्होंने मेरी बात मानकर 2, 3 वर्षों के सतत परिश्रम तथा देश भर में अनेक जगहों पर जा जाकर और स्वयं का पैसा व्यय कर, उन सब लोगों से सम्पर्क किया जिन्होंने कभी भी डॉ. मुखर्जी के साथ काम किया था। इसके लिए उन्हें

कोलकत्ता, जम्मू, जयपुर आदि कई स्थानों पर सामाग्री प्राप्त करने हेतु भी उन्हें काफी परिश्रम करना पड़ा था। कठिन मेहनत और भारी व्यय के बाद उन्होंने जब हिन्दी की पुस्तक प्रकाशित की तो, प. बंगाल के श्री. तपन सिकदर तथा कई अन्य लोगों के आग्रह पर उन्होंने पुस्तक अंग्रेजी में तैयार करना भी मान लिया। पुस्तकें सब लोगों को अच्छी भी लगीं। इसी पत्रावली में श्री वाजपेयी जी की तत्सम्बन्धी टिप्पणी आप देख सकते हैं। प्रकाशन में सारा धन स्वयं उनका ही लगा है।

स्वाभाविक है कि श्री हरीशचन्द्र चाहते हैं कि जिस संगठन के कहने पर उन्होंने स्वयं अपना धन खर्च किया तथा अपना लम्बा समय लगाया, पुस्तकों की बिक्री करवाने में उन्हें उसका सहयोग मिले। इस सम्बन्ध में उन्होंने जो प्रयत्न किए हैं, उनका कुछ उल्लेख उनके सन्लग्न पत्र में मिलता है। अब तक इस मामले में उन्हें प्राप्त हुए सहयोग का वर्णन भी उन्होंने इसमें किया है।

एक अपराध–बोध से ग्रस्त होने के कारण ही मैंने गत बार श्री वेंकय्या जी को पत्र लिखा था और अब भी उसी कारण आपको लिख रहा हूँ। अपराध बोध का कारण यह है कि डॉ. श्यामा प्रसाद जी सम्बन्धी किसी अच्छी पुस्तक के अभाव में, मैंने ही श्री हरीशचन्द्र जी को यह पुस्तक लिखने के लिए तैयार किया था। और मेरे कहने पर ही उन्होंने स्वयं का धन और काफी समय लगाकर पुस्तक छापी थी। इस कारण उनकी वर्तमान कठिन स्थिति के लिए काफी हद तक, मैं स्वयं को जिम्मेवार समझता हूँ। यही वजह है कि यह पत्र लिखा जा रहा है।

वास्तव में, वेंकय्या नायडू जी को पत्र लिखने के बाद श्री हरीशचन्द्र को मैंने इस सम्बन्ध में पुनः मुझसे सम्पर्क करने से मना कर दिया था। शायद इसी वजह से उन्होंने "मेरे कन्धे पर सिर रख अपना दुख प्रकट करने के अपने अधिकार" की बात कही है। इसके लिए मैं उन्हें कैसे मना करूँ? मैं जानता हूँ कि श्री हरीशचन्द्र ने कड़ी मेहनत की है, काफी धन व्यय किया है। साथ ही, मेरा अनुभव है कि इस पुस्तक में दी सामाग्री डॉ. मुखर्जी के सम्बन्ध में लिखी अब तक की छपी सब पुस्तकों से अच्छी है। यह भी सच है कि पुस्तक हमारे कहने पर ही छापी गई थी। इस परिप्रेक्ष्य

में यदि श्री हरीशचन्द्र की समस्या के समाधान हेतु, आप कुछ करना उचित समझे तो कृपया अवश्य करें, मैं आभारी हूँगा।

इसके बाद इस सम्बन्ध में, मैं किसी अधिकारी को कष्ट नहीं दूँगा। आशा है आप सकुशल होंगे।

मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री राजनाथ सिंह जी,
राष्ट्रीय महामन्त्री, भा.ज.पा.
11 अशोक रोड, नई दिल्ली–110001

टिप्पणी – श्री केदार नाथ साहनी जी का केन्द्रीय नेताओं से परामर्श के बाद श्री हरीशचन्द्र जी को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर आधारित पुस्तक तैयार करने की प्रेरणा तथा पुस्तक के लिए श्री हरीशचन्द्र के निजी प्रयासों के लिए उनके सहायतार्थ श्री राजनाथ सिंह को आग्रह।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

दिनाँक :– 23.1.2003

प्रिय श्री सूरज भान जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपको स्मरण होगा कि दिल्ली में हाल में हुए राज्यपाल सम्मेलन में मैंने आपसे सोलन के एक पुराने और समर्पित कार्यकर्ता श्री सत्य प्रकाश गोयल के सम्बन्ध में बात की थी। आपने उनका पता भी पूछा था उनकी जानकारी उसी समय दे पाना मेरे लिए सम्भव नहीं था। मैंने आपको वचन दिया था कि जैसे ही श्री गोयल जी का कोई पत्र मुझे मिलेगा, मैं आपको इस सम्बन्ध में अवश्य अवगत करूंगा।

संयोग से आज ही उनका एक पत्र (फोटो प्रति सनलग्न) प्राप्त हुआ है। कृपया इनकी जो सहायता कर पाना सम्भव हो अवश्य करें। आभारी हूंगा।

मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

सूरज भान जी,
महामहिम राज्यपाल,
हिमाचल प्रदेश,
शिमला
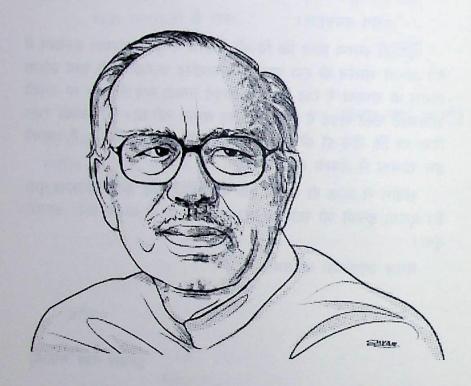
भवदीय

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 3.10.2009

Dear Shri Razdan ji,

Saprem Namaskar.

Thanks for yours of the 23rd ultimo received first now.

Health related problems at this age are very natural and we should accept them with grace and dignity, thinking that the Almighty has ordained this Gita says that we owe these to our 'KARMAS' of this birth and what we sowed in our previous births. None can escape then. And, we should bear with them as almighty's Prasad. You will agree with me that even with these we are living a life much better than millions of others. And we should be grateful to the Almighty for this.

If he has ordained we shall certainly see each other whenever he so desirs. It all depends on his will.

As I said in my earlier letter, till our last breath, we must perform our DHARMA, our duty towards our country, our people. It shall keep us happy and satisfied.

With my best wishes and regards,

Sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F. C. Razdan ji

Note - Sahani ji sighting the philosophy of Bhagwat Geeta to overcome enxiety hardships, related to health and other issues of life.

केदार नाथ साहनी

पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

दिनाँक : 29.9.2011

बन्धुवर श्री धूमल जी,

सप्रेम नमस्कार।

श्री तुलसीराम डोगरा जी अब कुछ समय से अपने गांव में वापिस चले गए हैं, पहले दिल्ली में थे और हमारे बहुत अच्छे कार्यकर्ता थे। हिमाचल के दिल्ली निवासियों का एक सामाजिक संगठन इन्होंने बना रखा था और उन सबका सहयोग हमें दिलवाया करते थे तथा हिमाचल के हर चुनाव में उन सबको, अपना धन खर्च करके वहाँ ले जाकर जनसंघ/भाजपा का काम किया करते थे।

अब वहाँ जाकर उस क्षेत्र में पार्टी का अच्छा काम कर रहे हैं, ऐसी मेरी जानकारी है। उनके पत्र में उन्होंने जो लिखा है, वह कृपया अवश्य देखें और इनके बारे में वहाँ के अधिकारियों की राय जान कर जो उचित लगे, करें।

मेरी निजी राय उनके बारे में बहुत अच्छी है।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमान प्रेम कुमार धूमल जी

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा श्री तुलसीराम डोगरा जी के भाजपा के प्रति निष्ठा तथा उनके समर्पित कार्यकर्ता के रूप में दिल्ली में उनके उल्लेखनीय कार्य की व्याख्या तथा उनके पैत्रिक स्थान हिमाचल में जाने के बाद वहाँ भी संगठन के कार्य में गहन रुचि रखते हुए उसे आगे बढ़ाना। श्री धूमल जी को उनके बारे में अवगत कराना।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

नं: राज्य. गोवा 2/2003/193

दिनाँक : 6.2.2003

प्रिय श्री तुलसी राम जी,

सप्रेम नमस्ते।

आपका 31.12.2003 का लिखा पत्र मुझे अभी–अभी मिला। धन्यवाद।

आपको इस बार भी टिकट नहीं मिला यह जानकर थोड़ा दुख जरूर हुआ है परन्तु मेरा मानना यह है कि भाग्य में जो लिखा है प्रायः वही होता है और उसे कोई टाल नहीं सकता। कृपया पूर्व की भान्ति अपना धर्म निभाते रहें, यही मेरी अपेक्षा है। समाज सेवा के काम में हमें हमेशा निष्काम होकर अपने कर्तव्य का पालन करते रहना चाहिए।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसी राम डोगरा,
1472, सेक्टर 37–बी,
चण्डीगढ़–160036

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 13.10.2006

प्रिय श्री तुलसीराम जी,

सस्नेह नमस्कार।

5.10.2006 का लिखा आपका पत्र मिला और समाचार जाना।

आपकी इच्छानुसार मैं एक बार फिर श्रीमान साहिब सिंह वर्मा से आपके सम्बन्ध में कह दूँगा। किन्तु, अपने पिछले पत्र में मैंने जो कहा था, आज भी मुझे वही ठीक प्रतीत होता है। प्रभारी तो परामर्शदाता है, वह परामर्श मात्र देता है। स्थानीय लोगों को ही अपने पदाधिकारी चुनने होते हैं। उनकी धारणाएँ और विवेक पर उन्हें पूरा विश्वास है, इसका आधार होता है। अन्तिम निर्णय तो उन्हें ही लेना होता है। अस्तु।

मैं पूरी तरह स्वस्थ हूँ। सम्भवतः 27/10 को मैं नेरी (हमीरपुर) के इतिहास संकलन परिषद के कार्यक्रमों में आऊँगा। वह स्थान आपसे बहुत दूर नहीं है। आ सकें तो वहाँ मिलना।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसीराम डोगरा

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा हिमाचल प्रभारी तथा स्थानीय कार्यकार्ताओं सम्बन्धी समस्या के निवारण हेतु पत्र तथा चर्चा।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

दिनाँक : 26 दिसम्बर, 2008

प्रिय श्री चमनलाल जी,

नमस्कार।

इस अनुरोध और अपेक्षा के साथ एक निमन्त्रण पत्र भेज रहा हूँ कि आप इस कार्यक्रम में अवश्य पधारें। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सर कार्यवाह (जनरल सैक्रेटरी) श्री मोहन राव भागवत जी का संवाद पिछले कुछ समय से संघ के सम्बन्ध में किए गए दुष्प्रचार और फैलाई भ्रान्तियों के परिप्रेक्ष्य में, संघ को और अच्छी तरह जानने और समझने में सहायक होगा।

आदर एवं हार्दिक मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

पूर्व राज्यपाल सिक्किम–गोवा

Former Governor-Sikkim & Goa

दिनाँक : 12–3–2010

प्रिय श्री. महेश चड्डा जी,

सस्नेह नमस्कार।

बच्छराज व्यास स्मृति प्रतिष्ठान द्वारा बच्छराज जी की पुण्य तिथि के अवसर पर 'बच्छराज व्यास और भारतीय राजनीति के सरोकार' विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित किए जाने का निर्णय सामयिक भी है और स्तुत्य भी। जहां यह विषय ज्वलन्त है वहाँ बच्छराज जी जैसे श्रेष्ठ–पुरूष के जीवन के अनेक प्रेरणादायी आयामों से वर्तमान पीढ़ी को अवगत करना उससे भी आवश्यक है।

वर्तमान राजनीति और राजनीतिक कार्यकर्ताओं के सम्बन्ध में सर्व साधारण में जो अवधारणाएं बनी हैं, उसके परिप्रेक्ष्य में, बच्छराज जी जैसे नींव के पत्थरों, जिन्होंने जीवन्त पर्यन्त न केवल समाज की सेवा ही की हो अपितु, राजनीति जैसी काजल–कोठरी में शीर्षस्थ स्थानों पर रहते हुए भी, अपनी सफेद चादर पर कभी दाग नहीं लगने दिया हो, का पुण्य स्मरण, सबका मार्ग दर्शन करता है। बच्छराज जी राजनीति में एक सन्त थे। राजनीति उनके लिए देश और समाज की सेवा का माध्यम था, एक मिशन था, व्यवसाय अथवा स्वयं सेवा का साधन नहीं था।

बचपन में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से पाए संस्कार उनके जीवन की अमूल्य निधि थी। उनके चिन्तन और व्यवहार में उन संस्कारों की छाप स्पष्ट दिखाई देती थी। वर्तमान राजनीति और राजनीतिक कार्यकर्ता के लिए उनका सरल, मधुर और निश्छल जीवन एक आदर्श रोल मॉडल होना चाहिए।

'विचार गोष्ठी' की सफलता के लिए शुभ कामनाओं के साथ

भवदीय,

श्री महेश चड्डा जी संयोजक

केदार नाथ साहनी

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

पूर्व राज्यपाल सिक्किम और गोवा

Former Governor-Sikkim & Goa

दिनाँक : 4–2–2009

प्रिय श्री. चमन लाल जी,

सप्रेम नमस्कार,

मुझे हार्दिक खेद है कि स्वास्थ के कारणों से, मेरे लिए आपकी पुस्तक के विमोचन के कार्यक्रम में उपस्थित रहने का अपना वायदा पूरा कर पाना मेरे लिए सम्भव नहीं हो रहा। इन्दौर से लौटने के बाद से बिस्तर पर हूँ। पीठ में भारी पीड़ा के कारण डॉक्टरों ने पूरा समय लेटे रहने को कहा है। बीच में कुछ सुधार हुआ था। किन्तु, कल से फिर कष्ट काफी अधिक हो जाने के कारण चारपाई पकड़नी पड़ गई है। इसलिए अनुपस्थिति के लिए क्षमा चाहता हूँ। मुझे इस बात का भी अफसोस है कि बन्धुवर श्री विजय चोपड़ा जी से भेंट होने से भी वंचित होना पड़ा है।

भारतीय संविधान की धारा 370 के कारण गत 60 वर्षों से जम्मू कशमीर समेत समुचे देश को कितना कुछ भुगतना पड़ा है, आप और मैं उसके प्रत्यक्ष साक्षी हैं। एक व्यक्ति ने अपनी व्यक्तिगत मित्रता, सम्बन्धों, और अहम की तुष्टि के लिए देश हित की किस तरह बलि चढ़ा दी, यह उसका अनुठा उदाहरण है। उनकी इस एक गलती के दुष्परिणाम, न मालूम देश को कब तक भुगतने पड़ेंगे।

संविधान सभा में और सभा के कांग्रेसी सदस्यों की बैठकों में इस धारा के सम्बन्ध में हुई लम्बी बहस के दौरान व्यक्त की गई आशंकाएँ और चेतावनी सत्य सिद्ध हुई हैं। सरदार पटेल के मुख्य निजी सचिव श्री. वी. शंकर के संस्मरणों से इस धारा के स्वीकार करवाए जाने के पीछे का इतिहास उजागर होता है। श्री. गोपाल स्वामी आयंगर और सरदार पटेल के बीच हुआ पत्राचार भी कई परतें खोलता है। शेख अब्दुला का

वास्तविक गन्तव्य जान लेने के बाद भी यह धारा क्यों स्वीकार की गई, यह समझ से बाहर की बात है। देशहित इसी में है कि भारतीय संविधान की संप्रभुता को, जम्मू कश्मीर के शासनकर्ताओं के हाथों गिरवी रखने वाली इस धारा 370 को यथाशीघ्र निरस्त किया जाए।

मुझे आशा है कि सही परिप्रेक्ष्य में रखे ऐसे तथ्यों वाली आपकी पुस्तक देशवासियों के सामने मन की अनेक भ्रांतियों को दूर करने में सहायक होगी।

मंगल कामनाओं सहित

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री चमन लाल जी गुप्ता

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा श्री चमनलाल का संविधान की धारा 370 पर लिखित पुस्तक का उल्लेख तथा संविधान सभा में धारा 370 के परिणाम पर चर्चा तथा श्री वी. शंकर, श्री सरदार पटेल, तथा गोपाल स्वामी आयंगर की टिप्पणियों का विशेष उल्लेख।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

जे 21, साकेत
नई दिल्ली–110017

दिनाँक : 30.1.2007

प्रिय श्री तुलसीराम जी,

सस्नेह नमस्कार।

आपका 17.1.2007 का लिखा पत्र मिला। धन्यवाद।

संगठन के प्रति आपके मन की भावना जानकर बहुत अच्छा लगा है। एक अच्छे कार्यकर्ता की तरह हम सबसे यही अपेक्षा है।

प्रभु सदा आपको स्वस्थ रखें और उनकी कृपा आप पर हमेशा बनी रहे, यही कामना है।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसीराम जी डोगरा

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

जे 21, साकेत
नई दिल्ली–110017

दिनाँक : 10.01.2007

प्रिय श्री तुलसीराम जी,

सस्नेह नमस्ते।

आपका 7.01.2007 का लिखा पत्र मिला। धन्यवाद।

हिमाचल प्रदेश भाजपा संगठन के उज्जवल भविष्य की आपकी भविष्यवाणी के लिए आपके मुँह में घी शक्कर। वर्मा जी से मैं दो बार कह चुका हूँ। शेष तो अब उन पर और आपके माथे पर जो लिखा है। उस पर छोड़ रहा हूँ। अधिक क्या लिखूँ?

हम सकुशल हैं और आपके मंगल की कामना करते हैं।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसीराम जी डोगरा

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 24 मई, 1997

क्र.सं. 9134-5/BJP/DP/97

प्रिय श्री डोगरा जी,

सस्नेह नमस्ते।

आपका 20 मई का लिखा पत्र मुझे मिला है। दिल्ली स्थित हिमाचल निवासियों के निर्णय का स्वागत है। संभवतः कार्य सफलता हेतु आपको घूम–घूमकर अपना निर्णय कार्यान्वित करने के लिए निकलना होगा।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री तुलसीराम डोगरा जी,
66–बी, पॉकेट–ए,
मयूर विहार, फेस–2,
दिल्ली–110091.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 2.6.1998

क.सं. 6269-6/BJP/DP/98

प्रिय श्री गुप्ता जी,

नमस्कार।

आपका लिखा पत्र मुझे आज मिल गया है। धन्यवाद। आपको ज्ञात होगा कि यह मामला पहले से ही अनुशासन समिति के विचाराधीन है। इसलिए आपका पत्र मैं समिति के अध्यक्ष के पास भेज रहा हूँ ताकि निर्णय करते समय आपके पत्र को समिति ध्यान में रखे।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री रामशंकर गुप्ता,
15/288, दक्षिणपुरी विस्तार,
नई दिल्ली–110062

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 31/5/2008

प्रिय रोशन लाल जी

नमस्कार

आपका 26.5.2008 का लिखा पत्र मिला पहला पत्र भी मिला था और अपनी आदत के मुताबिक उसी दिन मैंने आपको जवाब भी दे दिया था आपको मिल भी गया होगा। अब आप ठीक हैं यह जानकर खुशी हुई है। ये दुआ करें कि आपकी सेहत अच्छी रहे।

कर्नाटक की जीत हम सबके लिए बहुत खुशी की बात है। हम भगवान से प्रार्थना करें कि वह हमारे चुने हुए कार्यकर्ताओं को सदबुद्धि का दान दें।

मंगल कामनाओं के साथ,

शुभ चिन्तक,

(केदार नाथ साहनी)

श्री रोशन लाल धवन

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक – 13 फरवरी, 2003

प्रिय श्री सत्य प्रकाश जी,

सप्रेम नमस्ते।

आपका 8 फरवरी, 2003 को लिखा पत्र अभी–अभी मिला है। धन्यवाद।

आशा करता हूँ कि अब तक श्री सूरज भाई जी से आपकी भेंट हो गई होगी। भगवान को मंजूर होगा तो आपके काम में वह जरूर मददगार होंगे और अगर भाग्य में ही नहीं होगा तो बात दूसरी है।

मैं पहले भी कह चुका हूँ कि हमें हर हालात में अपना धर्म निभाना चाहिए। इसमें कसर नहीं होनी चाहिए। इस बार के चुनावों में भी हम अपनी पूरी ताकत संगठन को विजयी बनाने में लगा दें।

भगवान आपको सुखी रखें।

आपका शुभचिंतक,

(केदार नाथ साहनी)

श्री सत्य प्रकाश गोयल जी

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा पार्टी कार्यकर्ता अपितु कार्यकर्ताओं को चुनाव के मध्य आपसी सहयोग और संयम रखने की सलाह।

भवदीय

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
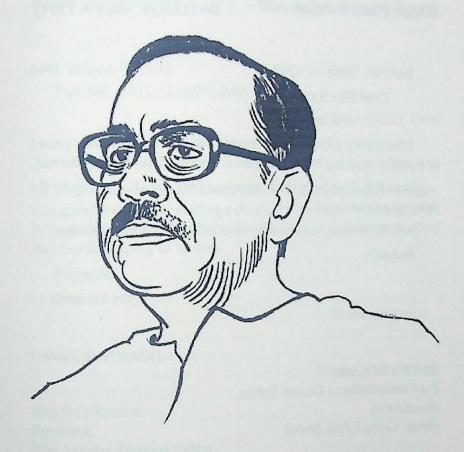
भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref. No. KNS-1/ 4247 Date : 9 August, 1994

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar,

I thankfully acknowledge receipt if a copy if a resolution passed at a public meeting held at Lakshmi Narain Mandir at Bhadarwah.

Shri P.R. Razdan's letter received two days back gave us the detailed proceedings.

Kindly do keep on sending such information in future also.

Regards,

Yours Sincerely

(Kidar Nath Sahani)

Shri F. C. Razdan,
President, Sanatan Dharm Sabha,
Bhadarwah
(Distt. Doda J & K State)

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref. No. 5975-11/BJP/DP/96

Date : 30.11.1996

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar,

Thanks for your regd. Letter dated: 7.11.1996 received today. I am grateful to you for sending a detailed report as to what happened in the district and on which date. It will help us in our documentation and also in keeping us up date.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah,
Distt. - Doda,
J & K State

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date : April 14, 1998

Ref. 2232-4/BJP/DP/98

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

This is to thank you for yours of the 4th instant as also for the monthly report for March, 98.

All of us, including you and me, are happy that the new govt. has been able to win the vote of confidence in the Lok Sabha. Let us now pray nad hope that the Almighty blesses us with the wisdom and capability to come upto the expectations of the common man who is fed up with the mess-up our predecessors have left for us to clear.

Please convey my namaskar to all.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani),
President

Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah,
J & K.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref. No. BJP/CO-838/89 Date : June 14, 1989

Dear Shri Jad ji,

Namaskar.

I have just returned from Palampur where we had our National Executive Committee meeting, and have found yours of 8-6-1989 lying on my table. Many thanks for keeping us informed about what is happening there and also about Brig. Madan's activities.

I entirely agree with you that we should attend the first meeting and then decide about our course of action in regard to the proposed convention. It is really a sad reflection on our functioning that we have not been able to organize this convention idea of which was mooted by us more than two years back. Sheer lack of imagination and initiative on our part is responsible for this. Anyway, we should make the best out of the present situation. Our collective wisdom and thinking and our joint action should always guide us. I am certain that designs of Shri Jattoo shall not succeed. Please do inform us regarding the results of the convention.

With my Namaskar and good wishes to Bhat Ji and all others,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harji Lal Jad,
Advocete,
Anantbhawan Hall (Nagbal,)
ANANTNAG -192101 (J & K State.)

Note - Sahani ji conveyed his concern regarding complacency on the part of party cadre to take intiative to organize conventions and programs pertaining to deteriorating political and administrative situation in Kashmir.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

Date : 7.4.1989

Dear Shri Harji Lal ji,

Namaskar.

I have been trying to contact you on telephone since yesterday, unfortunately the call has not come through till this moment even though the same was booked 'urgent'. You might have received my message by now through Srinagar where I had delivered it yesterday and requested that the same be conveyed to you.

Shri L. K. Advani has issued a statement yesterday (Copy enclosed). A team led by BJP vice president Shri S.S. Bhandari is visiting the Valley on 10.4.1989 for an on the spot study of the situation. Please tie up the programme with our Srinagar friends so that maximum benefit is derived from this visit.

I do not have much to add to this. How is Shri P. N. Bhat ? Please convey my namaskar to him and all other.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Note - Sahaniji informed, and advised Shri Harjilal to make contacts and arrangements with Srinagar office bearer and other people for the visit of a team led by Shri S.S. Bhandari, vice president of the party to have on the spot study of the serious problem and the situation in the Valley.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date : 15.12.89

Dear Jitu,

Namaste

We are in receipt of your letter and are immensely pleased to know that you are doing fine. Only a couple of days back dear Nandu also told us about your welfare. It is our earnest prayer that you are successful in your mission and bring glory to your family.

Yes, the results of Lok Sabha elections this time have been highly satisfactory. The fears and apprehensions being expresed by people everywhere are based on their past experience and are not totally unfounded. Let us hope that past mistakes have taught the people in power at present such lessons and they behave this time properly. Only then such fear will be removed. We are not joining the government but we shall support the present govt. from outside so that they are always on their toes and keep moving on the right tracks.

All of us are perfectly well and send for you our best wishes and greetings for the new year.

With love,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Note - Sahani ji apprised him of BJP'S satisfactory performance in the elections held in the country and hoped that the parties would take utmost care while dealing with the political and administrative affairs of the nation.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date : 19.12.95

Dear Shri Kashmiri Lal ji,

Saprem Namaskar.

I was surprised to learn from Shri Khurana ji that on his telling both Vaid Vishnu Datt ji and Prof. Chaman Lal ji Gupta yesterday that he was visiting Jammu on 27.12.95 for this particular programme and leaving the same afternoon, they showed total ignorance. It appears that you have not taken them into confidence. You ought to have told them about Shri Kaurana ji agree to attend this function long back and sought their advice and cooperation to make the event a great success. Such lapses unnecessarily create misunderstandings and unpleasantness. Please contact them, and our R.S.S. adhikaries immediately, express regrets and seek their cooperation. That will make good for the earlier lapse.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Note - Sahani ji advised Shri Kashmiri Lal ji to manage lapses in organizational work and alleviate misunderstandings pertaining to function related to martyr of Shri Bhat which was to be attended by Shri Madan Lal Khurana from Delhi.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date : 5.1.2001

Dear Shri Razdan ji,

Saprem Namaskar,

I thankfully acknowledge the receipt of your affectionate letter of the 23rd

Ultimo, received first now. It gratifies to learn that you are keeping well and also busy with your multifarious religious and social activities. May the almighty shower on you his choicest blessings and keep you fit to enable you to fulfill your mission.

I am not in a position to comment upon what you have written regarding the state of affairs in Jammu and Kashmir, as I am totally cut off from the developments taking place here in Delhi. If Govt. of India succeeds in creating serious rift in the ranks of the militants and the Muslim leadership in the Valley it will go a long way to control the flow of events in the state. Let us wait and see. The Lord, too, has His own way and designs of tackling the events in the world and let us not forget this while assessing the situation.

It always gives me pleasure to hear from you.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan

Note - Sahaniji mentioned about the efforts taken by Govt. of India to create rift among the rank of militants and their muslim leadership in the Valley.

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani RAJ BHAVAN

राज्यपाल, गोवा GOA-403004

GOVERNOR OF GOA

No. GS/7/2004/667

Date- 2nd July, 2004.

Esteemed Rashtrapati Ji,

Your attention must have been drawn to the news on Aaj Tak, at 7:00 pm., yesterday, when the State Minister of Home Affairs, Shri Jaiswal was shown saying that: "we are determined to remove the Governors of some States before 5th July, 2004." Adding to this, he said that his Government has no problem with the Governors appointed by the previous Government, but their worry was related only to those appointees who have been members of the RSS or have association with that organization or believe in that ideology and, naming some States, he said they will definitely be removed.

The RSS is not a banned organization and its membership is open to all citizens. Therefore, the fact of being or not being a member of the said organization, in my view, should not be a factor for appointment of any person to hold the office of the Governor of a State; much less the ceasure of the pleasure of the President to allow an incumbent to continue in office. The matter will be coming up before Your Excellency for consideration. I wish to point out that the contention of the Hon'ble Minister is against the spirit of the consititution and it should not influence or form the basis for a decision in such matters. Besides setting a very wrong precedent, such an approach of the Government will have wide repercussions on the Indian society and politics for all times to come.

With respectful regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

His Excellency Dr. A.P.J. Abdul Kalam
President of India, Rashtrapati Bhavan, New Delhi

Note - Sahani ji sighting the importance of high value of precedents while dealing with constitutional matter and indicating failure would lead to wide repercussions.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 7–1–2010

माननीय श्री गड़करी जी,

सादर नमस्कार

बिना टिप्पणी के अमरीका से प्राप्त ओ.एफ. बीजेपी के अध्यक्ष श्री अडप्पा प्रसाद के ई–मेल की एक प्रति आपके अवलोकन के लिए भेज रहा हूँ। मैं उनकी दुविधा से यहाँ राष्ट्रीय अध्यक्ष जी तथा अन्य सम्बन्धित लोगों से पहले भी कहता रहा हूँ। श्री प्रभात झा जी से भी एक दो बार बात हुई है। किन्तु, अमरीका के लोगों की शिकायत यथावत बनी हुई है। उनकी इस शिकायत के निवारण हेतु वांछित सावधानी आवश्यक है।

जिन लोगों के ई–मेल में उल्लेख हैं उन्होंने अमरीका में अलग से ओ. एफ. बीजेपी बना रखी है और यहाँ अधिकारियों के साथ भेंटे कर, फोटो खिंचवा कर, वहाँ के समाचार–पत्रों में इस भेंटे के समाचार अथवा फोटो छपवा कर स्वयं को असली ओ.एफ. बीजेपी के रूप में प्रस्तुत कर अपने संगठन के लिए कठिनाईयां पैदा करते हैं। इसलिए आवश्यक है कि उन लोगों को ऐसे अवसर उपलब्ध न हों।

सादर,

आपका,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमान नितिन गडकरी जी
मा. राष्ट्रीय अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी
नई दिल्ली–110001

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 28.1.2011

बन्धुवर श्री विश्वनाथ जी,

सप्रेम नमस्कार।

श्री कलराज मिश्र जी के लिखे पत्र की प्रति भेजने के लिए धन्यवाद।

मैं राष्ट्रीय महामन्त्री (संगठन) श्रीमान रामलाल जी को यह पत्र और उसके साथ भेजे समाचार की कतरन दे रहा हूँ ताकि सब बात उनके ध्यान में आ जाए। एक परामर्श आप के लिए भी है कि आप वहीं भाजपा और संघ के स्थानीय, क्षेत्रीय तथा प्रादेशिक अधिकारियों के साथ सजीव समर्थन बनाए रखें। वह आवश्यक है।

हार्दिक मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

पं. डॉ. विश्वनाथ जी

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

पूर्व राज्यपाल सिक्किम एंव गोवा
Former Governor-Sikkim & Goa

दिनाँक : 4 अक्टूबर, 2010

मान्यवर श्री गडकरी जी,

सादर नमस्कार।

श्री हरीशचन्द्र मुझे मिले थे। उसके बाद उन्होंने सन्लग्न पत्र मुझे लिखा है। उनके मन की पीड़ा जानकर ही मैं आपको कष्ट दे रहा हूँ।

वर्षो पहले श्री हरीश चन्द्र द्वारा प्रकाशित डॉ. राममनोहर लोहिया जी के जीवन और कार्यों सम्बन्धी उनकी दो पुस्तकें देखकर, मुझे लगा कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व और कार्यों के बारे में भी कार्यकर्ता यदि जान सकें तो अच्छा होगा। इनकी पुस्तकें मैंने श्रीमान वाजपेयी जी को दिखाई और यह सुझाव जब उनके सामने रखा तो उन्होंने तत्काल श्री. हरीशचन्द्र से सम्पर्क कर, उनको इस काम के लिए तैयार करने को मुझे कहा। मेरा अनुरोध श्री. हरीशचन्द्र ने स्वीकार कर लिया। और, वह इस काम में जुट गए।

उन्होंने ऐसे लोगों को ढूंढ़ निकाला जिन्हें डॉ. मुखर्जी के सम्पर्क में आने या रहने का अवसर मिला था। वह कई स्थानों पर जाकर उन सब लोगों से मिले और उनके संस्मरण एकत्र किए। इस काम के लिए उन्होंने हमसे कभी एक पैसा भी नहीं मांगा। निजी व्यय से ही वह जम्मू, पंजाब में कई नगरों तथा कलकत्ता आदि जगहों पर गए। वहाँ होटलों में ठहरे और जो सामग्री उन्हें मिली, उसे पुस्तक के रूप में तैयार कर मुझे दिखाया। इस काम में उन्हें दो अढ़ाई वर्ष लग गए।

पुस्तक छपी और उसका लोकार्पण स्वयं वाजपेयी जी ने किया था। वर्षों तक किए गए श्री. हरीशचन्द्र के परिश्रम की उन्होंने प्रशंसा की और उनका धन्यवाद भी किया। कुछ समय बाद बंगाल तथा दक्षिण भारत के कार्यकर्ताओं के सुझाव पर पुस्तक अंग्रेजी में भी प्रकाशित करने के लिए

इन्हें कहा गया था। वह काम भी इन्होंने पूरा कर दिया। यह पूरा काम तत्कालीन कोषाध्यक्ष श्री स्वर्गीय वेद प्रकाश गोयल जी के सानिध्य में हुआ था।

दुर्भाग्य की बात है कि भाजपा से इन्हें सहयोग और सहायता का जो आश्वासन दिया गया था, वह पूरा नहीं हुआ। श्री हरीशचन्द्र बार–बार अपने वरिष्ठ अधिकारियों से मिलते रहे और उनसे बात करने के बाद भी, निराशा ही इनके हाथ लगी। मुझे भी यह मिलते रहे हैं। मैंने तत्कालीन सभी वरिष्ठ नेताओं से इनकी सहायता करने को कहा भी था। किन्तु, परिणाम कुछ नहीं निकला और, अब निराशा में डूबे यह पुनः मेरे पास आए हैं।

अब मुझे जो पत्र इन्होंने लिखा है वह मैंने इसलिए सन्लग्न किया है कि आप कृपया उसे अवश्य पढ़ें। इनकी अबतक की गई उपेक्षा के कारण, मैं अपने मन में एक अपराध–बोध का अनुभव करता हूँ।

इस बात का बोझ सदा मेरे मन पर बना रहेगा कि वाजपेयी जी के कहने पर किए गए मेरे अनुरोध, को इन्होंने माना और मुझ पर भरोसा किया। अब उसके लिए इन्हें इतने वर्षों से कष्ट उठाना पड़ रहा है यही मेरी पीड़ा है।

मैं आपको कदापि कष्ट नहीं देना चाहता था। किन्तु इनकी बात सुनने और समझने के बाद अपने मन के बोझ को आपसे बांटने के लिए यह पत्र लिख रहा हूँ।

संगठन के सभी कार्यकर्ता डॉ. मुखर्जी जिन्हें वह अपना प्रेरणा स्त्रोत मानते हैं उनके व्यक्तित्व और कार्यकलापों के सम्बन्ध में बहुत कम जानकारी रखते हैं।

इसी सन्दर्भ में मेरा एक सुझाव है जिससे इनकी शिकायत भी मिट जाएगी और संगठन भी लाभान्वित होगा। मेरा सुझाव है कि:–

1. सभी स्थाई आजीवन सहयोगी सदस्यों को, संगठन की ओर से जारी की जाने वाली रसीद के साथ ही पुस्तक की एक प्रति, सधन्यवाद दी जाए,

2. अपने सभी मुख्यमन्त्रियों से कहा जाए कि वह अपने राज्यों के सभी प्रमुख पुस्तकालयों में इस पुस्तक की कम से कम एक प्रति अवश्य रखवाएं।
3. भाजपा के सभी सांसदों और विधायकों को पुस्तक खरीदने एवं पढ़ने का आग्रह किया जाए। हमारे संसदीय और विधायी कार्यालयों में भी इस पुस्तक को कम से कम एक प्रति तो अवश्य उपलब्ध हो, और
4. सभी प्रदेश कार्यालयों में भी पुस्तक की कम से कम एक प्रति रखने को कहा जाए। सभी प्रदेश पदाधिकारियों को भी प्रेरित किया जाए कि वह भी पुस्तक खरीदें और पढ़ें।

यदि मेरा सुझाव उचित लगे तो कृपया इसका कार्यान्वन करा दें। इससे श्री हरीशचन्द्र की समस्या का समाधान भी हो जाएगा और संगठन को भी लाभ होगा।

मेरी निश्चित राय है कि इसी तरह का हमारा आग्रह श्री दीनदयाल जी की जीवनी के सम्बन्ध में भी होना चाहिए।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमान नितिन गडकरी जी
माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष
भारतीय जनता पार्टी,
नई दिल्ली–110001

टिप्पणी – डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के जीवन पर आधारित श्री हरीशचन्द्र द्वारा प्रकाशित पुस्तक के बारे में, उनके प्रयासों में पार्टी की भागीदारी तथा सहायतार्थ श्री साहनी जी द्वारा पत्र तथा आग्रह।

केदार नाथ साहनी

पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

दिनाँक : 29.9.2011

प्रिय श्री तुलसीराम जी,

नमस्कार।

आपका पत्र मिला और आपके सुखद होने का समाचार जानकर प्रसन्नता हुई।

आप जान ही गए होंगे कि स्थानीय अधिकारी ही उनके क्षेत्र के कार्यकर्ताओं के बारे में अन्तिम राय देते हैं। तथापि, मैं आपका मुझे लिखा पत्र ही श्रीमान धूमल जी को, आपके सम्बन्ध में अपने अनुभवों के आधार पर टिप्पणी के साथ, भेज रहा हूँ ताकि वह स्वयं अपनी राय बना के उचित कार्यवाही करें।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसीराम डोगरा जी

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 4.12.2006

प्रिय श्री तुलसीराम जी,

सस्नेह नमस्कार।

आपका 30.11.2006 का लिखा पत्र अभी–अभी मिला है। धन्यवाद।

नेरी में आपसे भेंट हुई तो बहुत अच्छा लगा। लौटने की जल्दी होने के कारण आपसे अधिक बात भी न हो सकने का मुझे भी खेद है। किन्तु, आपको स्वस्थ देख लिया, इतना संतोष है।

हिमाचल में भाजपा संगठन का हाल देखकर मन दुखी हो उठता है। सबको समझाने के प्रयत्नों में अब तक सफलता न मिल सकने का यहां भी किसी को अच्छा नहीं लग रहा। मालूम नहीं ऊँट किस करवट बैठता है। ऐसे माहौल में किससे बात की जाए? हाँ, श्री वर्मा जी से अवश्य कह रखा है। देखें, प्रभु इच्छा क्या है। श्रीमान राजनाथ सिंह जी से इस सम्बन्ध में बात करना उनकी उपरोक्त कारणों से उत्पन्न मनःस्थिति को देखकर मुझे न तो उचित ही लगता है और न आवश्यक ही।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा हिमाचल में भाजपा संगठन को एक सूत्र में बांधने तथा उत्पन्न परिस्थितियों के अनुकूल ढालने पर चर्चा।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 10.03.2012

प्रिय श्री रोशन लाल जी

नमस्कार।

आज आप आए और आपको देखकर पहले से अच्छा पाया तो खुशी हुई जिस लड़की को लेकर आप आये थे काफी समझदार लगी। मैंने उसके कागज प्रदेश कार्यलय में भेज दिये हैं। अब फैसला तो वहाँ होगा उसके भाग्य में लिखा होगा तो टिकट मिल जायेगा। लेकिन इस मण्डल के लोगों की सलाह क्या मिलती है उसपर निर्भर करता है। और पंजाब चुनाव के नतीजे सामने हैं। पंजाब में इसबार महाराजा पटियाला से मुकाबला था। उसका काफी जोर और रसूख है। इधर बादल परिवार में भी फूट थी लोग हवा में बह जाते हैं। ऐसे हालात में जो नतीजे आए हैं खराब नहीं हैं।

गोवा में कांग्रेस का भ्रष्टाचार और इस वजह से बदनामी और आगामी उम्मीदवारों को खड़ा करना हमारी जीत का एक कारण था। ब्रेकर जी की ईमानदारी और संघिनी की मजबूती भी एक सफलता पहुँचाने वाली वजह थी। वैसे भारतीय जनता पार्टी के बारे में सिर्फ हिन्दुओं की पार्टी होने की धारणा को ढ़ोना भी जीत की एक और वजह है। अब हमारे नेता और कार्यकर्ता आने वाले दिनों में क्या करते हैं ये हमारे भाग्य पर निर्भर करेगा।

मंगल कामनाओं के साथ,

आपका शुभचिन्तक,

(केदार नाथ साहनी)

श्री रोशन लाल जी

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा पंजाब तथा गोवा में पार्टी की राजनीतिक सफलता पर चर्चा तथा विश्लेषण।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 24.05.2008

प्रिय श्री रोशन लाल जी

नमस्कार!

आपका पत्र अभी–अभी मिला है। जहां आपकी बीमारी का समाचार जानकर दुख हुआ वहाँ इस जानकारी से तसल्ली भी हुई कि अब आप ठीक–ठाक हैं। भगवान बार–बार आपको क्यों इस तरह की तकलीफ देता है समझ में नहीं आ रहा। वैसे कोई कुछ कर भी नहीं सकता है।

छावनी की जीत की खुशी पर अच्छे कार्यकर्ताओं के लिए खुशी का अनुभव करना स्वाभाविक है। मैं आपसे बिल्कुल सहमत हूँ कि अक्सर कार्यकर्ता ऊँचा उठकर अपनी ऊँचाई के लिए जिम्मेदार पार्टी और सदस्यों से खुद को ऊँचा समझने लगते हैं। शायद ये कमजोरी इंसानी फितरत है जिस पर काबू पाना जरूरी है लेकिन बहुत लोग ऐसा कर नहीं पाते हैं। इस वजह से खुद उनका भी नुकसान होता है और पार्टी का भी। भगवान से हम यही प्रार्थना करें कि वह हमारे ऐसे कार्यकर्ताओं को सदबुद्धि दें। वैसे पार्टी का भविष्य उज्जवल है। भगवान की इच्छा भी यही लगती है कि हमारी विचारधारा आगे बढ़े। हाँ हम सब अपना धर्म ईमानदारी से निभाते रहें। ईश्वर हम सब का भला करेगा।

शुभकामनाओं के साथ,

आपका

(केदार नाथ साहनी)

श्री रोशन लाल धवन

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा कार्यकर्ताओं को पार्टी के प्रति अपना उत्तरदायित्व निभाने हेतु सलाह तथा निर्देश।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
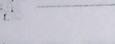
जे–21, साकेत,
नई दिल्ली–110017
दिनाँक : 29 अप्रैल 2005

प्रिय श्री तुलसीराम जी,

सस्नेह नमस्कार।

आपका पत्र मिला और आपका कुशल समाचार जानकर प्रसन्नता हुई।

आपका व्यवसाय आने वाले दिनों में अवश्य अच्छा होगा। ईमानदारी से की गई मेहनत का प्रतिफल अवश्य मिलेगा। प्रभु कृपा होगी ही।

आप अपना धर्म निभाते रहें, दायित्व मिले या नहीं, उसकी परवाह किए बिना। भारद्वाज जी के स्थानीय कार्यकर्ता, जिनके साथ आप काम करते हैं, स्वयं कह कर आपको दायित्व दिलवाएँगे। इसके लिए उनके साथ आपका व्यवहार और कार्य, उन्हें प्रेरणा देगा।

मैं भी प्रभुकृपा से स्वस्थ एवं सानन्द हूँ वहाँ सब को नमस्ते।

मंगलकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसीराम डोगरा
भट्ट समूला, पालमपुर,
हिमाचल प्रदेश–176064

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
पूर्व राज्यपाल सिक्किम और गोवा
Former Governor-Sikkim & Goa

दिनाँक : 9–4–2010

माननीय नितिन गड़करी जी,

सादर नमस्कार।

अपने वरिष्ठ अधिकारियों से अनेक बार अनुरोध किया है कि विदेश जाने वाले प्रमुख कार्यकर्ता यदि अपनी यात्रा से पूर्व केन्द्रीय कार्यालय से सम्पर्क कर लिया करें तो संगठन के लिए उनका सही उपयोग उठाया जा सकता है। परन्तु, ऐसा हो नहीं रहा है। परिणामतः उन देशों में कई बार वस्तुस्थिति से अनभिज्ञ होने के कारण, अपना महत्त्व बनाने के लिए कुछ तत्व उनकी उपस्थिति का अनुचित लाभ उठा लेते हैं। स्थिति संगठन के लिए दुविधापूर्ण हो जाती है।

पिछले दिनों उत्तराखण्ड़ के पूर्व मुख्यमन्त्री श्री. कोश्यारी जी के अमरीका प्रवास के दौरान, ऐसे ही कुछ लोगों ने उनका अनुचित लाभ उठाया। और हाल में सुश्री वाणी त्रिपाठी को ओ.एफ. बीजेपी का नाम लेकर ऐसे लोग अपने कार्यक्रम में ले गए, जिन्होंने मूल संगठन से नाता तोड़कर, अनाधिकृत रूप से उसी नाम का अपना संगठन खड़ा कर लिया था। और अब मूल संगठन का विरोध कर रहे हैं।

भविष्य में ऐसा न हो, इसकी व्यवस्था होनी ही चाहिए। उनके द्वारा सुश्री. त्रिपाठी के कार्यक्रम की प्रेस विज्ञप्ति की प्रति सन्लग्न है। मूल संगठन के अधिकारियों की नाराजगी स्वभाविक है।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमान राम लाल जी
श्री. श्याम जाजू जी
श्री. राम कृपाल सिन्हा जी संसदीय कार्यालय
सुश्री. वाणी त्रिपाठी जी

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं के विदेश यात्रा के समय उचित परामर्श हेतु पत्र।

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

पूर्व राज्यपाल सिक्किम और गोवा

Former Governor-Sikkim & Goa

दिनाँक : 17 नवम्बर, 2009

श्रीमान राजनाथ सिंह जी,

मैंने पहले श्रीमान आडवाणी जी से और बाद में आपसे कई बार अनुरोध किया था कि विदेश जाने वाले अपने वरिष्ठ नेताओं अथवा सांसदों को कहा जाए कि जाने से पूर्व यदि वह मुझसे सम्पर्क कर लिया करें तो वहाँ के अपने बन्धुओं को पहले ही उनके आने के बारे में बताया जा सकेगा और उनकी वहाँ की उपस्थिति से वहाँ का संगठन उसका लाभ उठा सकेगा।

अनुभव यह है कि प्रायः उनके लौट आने के बाद ही उनके वहाँ जाने का पता चलता है। इस कारण उनके वहाँ जाने का लाभ नहीं उठाया जा सकता। कभी–कभी वहाँ ऐसे लोग उनसे सम्पर्क साध लेते हैं जो किन्हीं व्यक्तिगत कारणों से वहाँ के अधिकृत संगठन का विरोध करते हैं। अपनी चौधराहट चमकाने के लिए वह इन्हें अनाधिकृत कार्यक्रमों में ले जाते हैं। स्वाभाविक है कि उससे वहाँ उलझनें पैदा होती हैं।

हाल में श्री. कोश्यारी जी अमरीका गए थे। वहाँ ऐसा ही हुआ। संलग्न 'प्रेस विज्ञप्ति' उन लोगों द्वारा आयोजित कार्यक्रम से सम्बन्धित है। स्वाभाविक है कि वहाँ के ओ.एफ. बीजेपी के पदाधिकारी इससे नाराज हैं। भविष्य में ऐसा न हो इसलिए ही अपना अनुरोध एक बार पुनः दोहरा रहा हूँ।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी

पूर्व राज्यपाल गोवा एवं सिक्किम

Former Governor-Sikkim & Goa

दिनाँक : 19 जुलाई, 2010

मेरे अमरीका जाने से पूर्व मैंने आपको सूचित किया ही था। अब मैं वापस दिल्ली लौट आया हूँ।

अमरीका जाने से पूर्व ही मैंने वहाँ के सब प्रमुख–प्रमुख कार्यकर्ताओं को सूचित कर दिया था। स्वास्थ के कारणों से मैं प्रायः सारा समय घर ही रहा। इधर–उधर कहीं गया नहीं। प्रायः सभी प्रमुख कार्यकर्ताओं से मेरा सम्पर्क प्रायः बना रहा। मेरे निवास पर ही वे आते रहे। अमरीका OF BJP के प्रमुख कार्यकर्ताओं की दिन भर की एक बैठक भी मेरे घर पर रखी थी। न्यू–जर्सी, न्यू–यार्क, के कार्यकर्ताओं का एक सम्मेलन न्यू–जर्सी में रखा गया था। वहाँ मैं चला गया था। श्री. सहस्त्रबुद्धे जी भी उसी दिन आए थे और इस कार्यक्रम में वह भी पहुँच गए थे।

अमरीका पहुँचने पर मुझे पता चला कि श्री. तरूण विजय जी OF BJP की नेशनल काउसिल के राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लेने आ रहे हैं और श्री. रविशंकर प्रसाद जी भी अमरीका आ रहे हैं, अपने किसी निजी कार्यक्रम के निमित। परन्तु, वह कुछ पुराने विद्रोही कार्यकर्ताओं द्वारा गठित अनाधिकृत OF BJP के बैनर के नीचे उसी दिन रखे एक अन्य सम्मेलन में भाग लेंगे।

मुझे श्री तरूण जी तथा श्री रविशंकर जी के अमरीका जाने के बारे में इससे पूर्व कोई जानकारी नहीं थी। मैंने दिल्ली केन्द्रीय कार्यालय से सम्पर्क किया तो मालूम पड़ा कि उन्हें भी इन दोनों के अमरीका जाने के बारे में पता नहीं था। अमरीका में OF BJP के अध्यक्ष श्री अडप्पा प्रसाद और वहाँ के राष्ट्रीय प्रभारी डॉ. महेश मेहता द्वारा बार–बार मुझसे पूछने लगे कि भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री और मुख्य प्रवक्ता श्री. रविशंकर प्रसाद जी विद्रोही और अनाधिकृत OF BJP के कार्यक्रम में कैसे जा रहे हैं, जबकि उसी दिन ह्यूस्टन में, अमरीका के संगठन का अपना कार्यक्रम

हो रहा है।

मैंने दिल्ली में रविशंकर प्रसाद जी से सम्पर्क करने का प्रयत्न किया। उनके घर पर किसी ने फोन नहीं उठाया। मैंने श्री श्याम जाजू जी की सहायता से भी उनसे बात करनी चाही। परन्तु, रविशंकर जी से सम्पर्क नहीं हो सका। जाजू जी से अगले दिन पता चला कि वह तो अमरीका में ही हैं। वहाँ उनसे सम्पर्क कहां किया जाए, इसकी कुछ जानकारी नहीं मिल सकी। मेरा प्रयत्न था कि उनको इस कार्यक्रम में न जाने का आग्रह करूँ। आप युरोप जा चुके थे, राम लाल जी कहीं बिहार में थे। अमरीका के कार्यकर्ताओं में बेचैनी, नाराजगी और रोष बढ़ता जा रहा था। आखिर अमरीका में पता चल गया कि वह अपने बेटे के घर पर ठहरे है।

उसके Graduation समारोह के लिए वह वहाँ गए थे। मैंने वहाँ फोन किया तो पता चला कि वह थोड़ी देर पहले ही घर से एयरपोर्ट के लिए निकल चुके हैं और वह कैलिफोर्नियां जा रहे हैं। वहाँ का फोन नम्बर उनके बेटे के पास नहीं था। मैंने उसे कहा कि जब भी उसकी बात उनसे हो उन्हें मुझसे बात करने के लिए कहें, मुझे उनसे बहुत जरूरी काम है। अगले दिन तक जब सर्म्पक नहीं हुआ तो मैंने उन्हें कहा कि मेरा यह संदेश उन तक अवश्य पहुँचा दें कि उस कार्यक्रम में उन्हें नहीं जाना चाहिए तथा जब भी वह वापस आएँ, तुरन्त मुझसे बात करें।

इस बीच श्री. अडप्पा प्रसाद जी ने आपसे और रामलाल जी से भी बात कर ली थी। साथ ही श्री. अड़प्पा प्रसाद ने उनसे भी सम्पर्क कर लिया था। उन्होंने उनसे उस कार्यक्रम में न जाने का आग्रह किया था। परन्तु रविशंकर प्रसाद जी ने उस कार्यक्रम में न जाने की अपनी कठिनाई बताते हुए उन्हें कहा कि वह वहाँ जाएंगे तो जरूर परन्तु स्थिति को Handle कर लेंगे। श्री अडप्पा प्रसाद ने उन्हें यह भी कहा कि यदि उन्होंने जाने का मन बना ही लिया है तो कम से कम आयोजकों को मना करें कि वह मंच पर OF BJP का बैनर न लगाएं। परन्तु, वैसा हुआ नहीं और उस बैनर के नीचे ही उनका भाषण हुआ।

जिस दिन कार्यक्रम होना था उस दिन प्रातः श्री. रविशंकर प्रसाद जी का फोन मुझे आया था। उनका कहना था कि उन्होंने दो 2–3 मुझे फोन

पर बात करने का प्रयास किया था किन्तु, मेरा फोन उन्हें नहीं मिला। और, अब तो वह कार्यक्रम के लिए निकल रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हाँ कर चुकने के कारण वह कार्यक्रम में तो अवश्य जाएंगे किन्तु वह स्थिति Handle कर लेंगे। इसके बाद मेरे लिए उन्हें कुछ और कहना निरर्थक था।

अपने वरिष्ठ अधिकारियों के सम्बन्ध में मेरे जैसे एक सामान्य कार्यकर्ता कुछ टिप्पणी करे, यह उचित नहीं। संगठन पर ऐसी घटनाओं का और ऐसे वरिष्ठ अधिकारियों का क्या प्रभाव पडेगा, इसका विचार तो आप ही को करना है। आप चाहेंगे तो कभी मिल कर बात अवश्य करूंगा। श्री तरूण विजय जी ह्यूस्टन के बाद न्यू जार्सी भी आए थे। वहाँ भी एक कार्यक्रम रखा था। दोनों जगहों के कार्यक्रम अच्छे और प्रभावी थे। उन्होंने आपको रिपोर्ट दी होगी।

इस सम्बन्ध में भी आप चाहेंगे तो मैं अवश्य कुछ कहना चाहूँगा।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

माननीय श्री नितिन गडकरी जी
राष्ट्रीय अध्यक्ष

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा अमरीका में कुछ भाजपा नेताओं के अनाधिकृत OF BJP के कार्यक्रमों में भाग लेने सम्बन्धी सूचनाओं से अवगत कराना तथा भविष्य में इस सम्बन्ध में अधिक सचेत रहने सम्बन्धी सुझाव।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

प्रिय श्री कोश्यारी जी,

नमस्कार।

अमरीका से OF BJP द्वारा भेजे एक ईमेल से पता चला है कि आपकी अमरीका यात्रा के दौरान OF BJP के विरोध में बने फर्जी OF BJP के एक कर्यक्रम में आपका भाषण हुआ था। उस संगठन द्वारा समाचार–पत्रों को भेजी गई प्रेस विज्ञप्ति की फोटो प्रति संलग्न है।

जाने से पहले आप यदि कार्यालय से सम्पर्क कर लेते तो आपको इस कार्यक्रम के आयोजकों के बारे में वास्तविकता का सही पता चल जाता। OF BJP के संगठनात्मक चुनावों में पराजित होने के बाद इन लोगों ने इसी नाम से यह विद्रोही संगठन बना लिया है। यहां से पूरी जानकारी लिए बिना, अमरीका आने वाले नेताओं को भुलावे में डाल कर उनका इस तरह से यह लोग लाभ उठाते हैं। इस तरह यह लोग अपनी लीडरी भी चमकाते हैं और समाज में अपनी विश्वसनीयता भी बनाते हैं। आप भी इनके चक्कर में आ गए। स्वाभाविक है कि असली OF BJP जिन्हें आपके वहाँ जाने की जानकारी नहीं थी, आपकी उपस्थिति का लाभ नहीं उठा सके। केन्द्रीय कार्यालय से आपके वहाँ जाने की सूचना न दिए जाने के कारण उन्हें नाराजगी का अवसर भी मिला। वह बहुत नाराज हैं।

सधन्यवाद,

शुभेच्छु,

(केदार नाथ साहनी)

श्री भगत सिंह जी कोश्यारी, सांसद
ए, 11 अशोक रोड,
नई दिल्ली–110001

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा श्री कोश्यारी जी की विदेश यात्रा के मध्य छद्म OF BJP से सतर्कता का सुझाव।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

आदरणीय श्री. विश्वनाथ जी

सादर नमस्कार।

आपका लिखा पत्र मिला। अपने मन की बात लिख भेजने के लिए कृपया मेरा हार्दिक आभार स्वीकार करें। कोई सच्चा शुभचिन्तक ही अपने मन की बात इस स्पष्टता से बिना संकोच कहता है। वास्तव में आप सरीखे हमारे हितचिन्तक ढूढ़ने से ही मिलते हैं।

मैं तो पार्टी का सामान्य कार्यकर्ता हूँ। श्री. राजनाथ सिंह जी और श्री. लालकृष्ण आडवाणी जी, दोनों को, आपकी भावनाओं से अवगत कराने हेतु, मैं आपकी अनुमति के बिना ही, आपके पत्र की प्रति उनको भेज रहा हूँ। आशा करता हूँ कि आप बुरा नहीं मानेंगे।

वैसे, जो बिन्दु आपने उठाया है, वह नितान्त महत्त्व का है। स्वयं मैं उस पर कोई टिप्पणी करने की स्थिति में नहीं हूँ। अनेक अन्य लोगों ने इस मामले में भी अपनी प्रतिक्रिया ऐसी ही व्यक्त की है सम्भवतः इसी कारण गुजरात सरकार ने वहाँ की हाई कोर्ट के निर्णय के विरुद्ध अपील न करने का निर्णय किया है।

क्या आशा करूँ कि भविष्य में भी आप भाजपा को अपने परामर्श इसी तरह देकर अनुग्रहीत करते रहा करेंगे।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री विश्वनाथ जी
5, रैकेट रोड,
सिविल लाईन्स,
दिल्ली 110054

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा श्री विश्नाथ जी द्वारा भाजपा, को समय–समय पर दिये गये महत्त्वपूर्ण सुझावों पर धन्यवाद तथा भविष्य में निरंतर और सुझावों का आग्रह।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक – 13 अक्टूबर, 1997

आदरणीय ओम प्रकाश ठाकुर जी,

नमस्ते!

आपका 2 अक्टूबर का लिखा पत्र मिला, धन्यवाद।

डोडा जिला के चुनाव के बारे में मुझे कुछ भी मालुम नहीं है। इसलिए मैं आपका पत्र वैद्य विष्णु दत्त जी के पास भेज रहा हूँ। श्री चमन लाल गुप्ता जी के पास भी इसकी एक प्रति भेज रहा हूँ। इस सम्बन्ध में मुझे सिर्फ इतना ही कहना है कि पुराने लोगों की सदस्यता तो खत्म नहीं की जा सकती है, जो लोग 95 में सदस्य बने थे वह तो 10 वर्षों तक सदस्य रहेंगे ही। उनकी सदस्यता खत्म नहीं हुई और न ही उन्हें दोबारा सदस्यता लेने की जरूरत है। अगर कहीं कोई संदेह हो तो हमारे यह दोनों नेता उसके समाधान की यथासंभव कोशिश करेंगे। ठाकुर भगत राम जी तो हमारे बहुत पुराने और अनुभवी कार्यकर्ता हैं उनकी सदस्यता कौन खत्म कर सकता है वैसे वह तो उन लोगों में से हैं जिन्होंने कभी पद की चाह नहीं रखी। संगठन के लिए हमेशा समर्पित रहे।

मंगलकामनाओं के साथ,

शुभचिंतक,

(केदार नाथ साहनी)

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा पुराने निष्ठावान कार्यकर्ताओं के प्रति सम्मान तथा विश्वास का परिचय।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

क्रमाँक : 783 दिनाँक : 24 / 3 / 1983

प्रिय श्री चमनलालजी,

सप्रेम नमस्कार।

दिल्ली के गत चुनावों में आप दिल्ली पधारे थे और दिल्ली चुनाव अभियान में जो कड़ा परिश्रम कर हमें सहयोग दिया, मैं उसके लिए आपका कृतज्ञ हूँ। दुःख इतना ही है कि हम आपको उपयुक्त चुनाव परिणाम नहीं दे सके।

अपने प्रदेश के दिल्ली में रहने वाले अनेक लोगों से आपका संपर्क आया था। सच बात यह है कि यह पहला अवसर था जब दिल्ली में विभिन्न भाषा–भाषियों से संपर्क किया गया। यदि आप कृपा कर आपके सम्पर्क में आए ऐसे बंधुओं के नाम भेज सकें, तो हमें संगठन को मजबूत करने में सहायता मिलेगी। हमारा यत्न होगा कि ऐसे सभी बन्धुओं को संगठन के साथ जोड़ लें और उनकी कार्यक्षमता का लाभ उठा सकें।

आदर के साथ,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री चमनलाल गुप्ता जी,
एम.एल.ए.,
10, केलिथनगर,
जम्मू तवी (ज. एवं क.)

टिप्पणी – दिल्ली चुनाव अभियान तथा परिणाम और संगठन को विभिन्न वर्गों तक पहुंचाने तथा मजबूत करने के बारे में विचार तथा समाज में लोगों के साथ जुडाव तथा उनकी क्षमताओं का उपयोग, पार्टी के लिए अपेक्षित परिणाम हेतु।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

क्रम. 1693/भाजपा 196

दि. 23 फरवरी, 1996

14 Pt Pant Marg,
New Delhi 11001
Ph-3712323

प्रिय श्री कश्मीर सिंह जी,

सप्रेम नमस्कार।

आशा है आप सकुशल होंगे। श्री वैद्य विष्णु दत्त जी मुझे आज आपका वह पत्र भी दिखाया तथा 2 प्रस्तावों के प्रारूप भी दिये हैं। धन्यवाद।

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यसमिति में इस तरह से प्रस्ताव भेजने की प्रथा नहीं है। वैसे, यदि किसी बिन्दु पर कार्यसमिति को विचार करने के लिए सुझाव देना भी हो तो कई सप्ताह पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के पास उसे भेजना उपयुक्त होगा। पार्टी के पदाधिकारी बैठक से कुछ दिन पूर्व बैठकर कार्यसमिति में चर्चा हेतु विषय सूची बनाते हैं। उस समय उस बिन्दु पर भी अवश्य विचार होकर, यदि उसे सूची में सम्मिलित करना हो, तो कार्य सूची में सम्मिलित कर लिया जाता है। मेरे अपने विचार में इन दोनों बिन्दुओं पर आपकी प्रादेशिक कार्यसमिति में पहले विचार होना चाहिए।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री ठाकुर कश्मीर सिंह जी,
अहाता अमर सिंह,
क्वार्टर नं.– 3 (ओल्ड)
जम्मू तवी।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 6 नवम्बर, 1997

प्रिय बन्धु/बहन जी,

नमस्कार।

भारतीय जनता पार्टी दिल्ली प्रदेश की सक्रिय सदस्यता ग्रहण करने पर कृपया मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करें। निःसन्देह आपकी लग्न, कर्मठता से पार्टी पूरी तरह लाभान्वित होगी। अपने जिला, मण्डल तथा स्थानीय समिति में तो आप सक्रिय रहने ही वाले हैं, किन्तु आपसे एक विशेष काम की अपेक्षा भी है।

आप जानते ही हैं कि पार्टी को आर्थिक दृष्टि से आत्म निर्भर बनाने के लिए कुछ मास पूर्व 'आजीवन सहयोगी सदस्यता' योजना शुरू की थी। इस योजना के अन्तर्गत पार्टी के सभी सक्रिय कार्यकर्ताओं, समर्थकों और प्रशंसकों की सहायता से पार्टी का सारा आर्थिक बोझ उठा लेने की कल्पना है। पिछले कुछ महीनों में इस योजना के अन्तर्गत लगभग दो हजार लोगों ने आजीवन सहयोगी सदस्यता स्वीकर की है। परन्तु, अभी तो दशांस कार्य भी नहीं हुआ। हम सभी कार्यकर्ताओं ने इस काम को पूरा करना है। यदि आप स्वयं अभी तक आजीवन सहयोगी सदस्य नहीं बने तो कृपया सन्लग्न फार्म तथा सदस्यता शुल्क का चैक प्रदेश कार्यालय में जमा करवा दें। अपेक्षा यह भी है कि आप कम से कम दो सदस्य और भी बनायेंगे और उनके चैक भी भेजेंगे। आपकी सक्रियता का प्रमाण इससे अच्छा और क्या हो सकता है? संगठन आर्थिक दृष्टि से अपने पैरों पर खड़ा हो जाये, यह तो हम लोग चाहेंगे ही।

सम्भवतः आपको ज्ञात होगा कि आजीवन सहयोगी सदस्यता तीन तरह की है। जिन पर प्रभु की कृपा है, उनसे अपेक्षा यह है कि वह प्रति वर्ष 10 हजार रूपए पार्टी को दें। जो इतना न दे सकें, वह प्रति वर्ष 5 हजार रूपये देने का संकल्प कर सकते हैं। अधिकांश कार्यकर्ता जो प्रति

वर्ष इतना बोझ वहन नहीं कर सकते, वह 1 हजार रूपए वार्षिक पार्टी को दिया करें। इतना तो बहुत लोग कर सकते हैं।

श्रीमान आडवाणी जी का पत्र जो सन्लग्न है, कृपया अवश्य पढ़ें। उससे योजना को आप भलिभांति जान सकेंगे।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप स्वयं अपना तथा कम से कम दो अन्य लोगों के चैक तथा भरे हुए फार्म इस पत्र की प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर भिजवा देंगे। फार्मो की कमी की स्थिति में आप फार्म की फोटो प्रति करवा सकते हैं।

आभार एवं शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)
अध्यक्ष

केदार नाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**

Kidar Nath Sahani **Bharatiya Janata Party**

प्रिय श्री रामशंकर जी,

नमस्कार!

आगामी विधानसभा चुनावों में प्रत्याशी बनाए जाने के लिए आपने अपना जीवन–परिचय मुझे क्यों दिया है, यह मेरी समझ में नहीं आया। प्रत्याशी चयन में मेरा कोई सरोकार नहीं, न ही मैं चयन समिति का सदस्य हूँ ।

वैसे, मैं आपका जीवन परिचय श्रीमान डॉ. हर्षवर्धन जी, जो दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष हैं, के पास इस अनुरोध के साथ भेज रहा हूँ कि चयन समिति आपके नाम पर भी अवश्य विचार करे।

मेरा विश्वास है कि चयन समिति उनके समक्ष आने वाले सभी नामों पर, संगठन के प्रति उनकी सेवाओं, उनके सर्मपण भाव तथा क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं समर्थकों तथा जनता में उनकी लोकप्रियता और उनके जीत सकने की क्षमता पर विचार करके ही अपने प्रत्याशी चुनेंगे वैसे, चुनाव समिति क्षेत्र के जातिगत समीकरणों को भी ध्यान में रखना होता है। समिति क्षेत्र के प्रभावशाली लोगों तथा अपने परिवार के लोगों से भी अवश्य परामर्श करेगी।

इस कारण, आप कृपया उनकी सामूहिक समझदारी पर भरोसा करें, समिति संगठन के हित को ध्यान में रखकर ही कोई निर्णय लेगी, और मुझे विश्वास है कि आप उसे सहर्ष स्वीकार कर पार्टी को विजयी बनाने में, इस बात की चिन्ता किये बगैर प्रत्याशी आप होंगे या कोई और पूरी शक्ति से लग जाएंगे।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दि. 25 मार्च, 1998

संदर्भ संख्या – 1608–3/BJP/DP/98

प्रिय श्री राजदान जी,

नमस्कार।

लोक सभा चुनावों में भाजपा की शानदार जीत पर भेजे आपके बधाई पत्र के लिए कृपया मेरी हार्दिक कृतज्ञता स्वीकार करें। प्रभुकृपा से ही यह सम्भव हो सका है। अब हमें प्रार्थना करनी चाहिए कि प्रभु हमारे नेतृत्व को इतना सामर्थ्य प्रदान करें कि जनता जनार्दन की अपेक्षाएं पूरी कर सकें।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री एफ.सी. राजदान,
भद्रवाह,
पो.ओ. भद्रवाह,
जम्मू कशमीर

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दि. 10 सितम्बर, 1997

संदर्भ संख्या - 11855-9/BJP/DP/97

प्रिय श्री भगवान दास जी,

नमस्कार।

आज प्रातः काल आपसे विस्तार से चर्चा हो ही चुकी है। श्री बलराम यादव के आने पर फिर जो बिन्दु आपने अपने पत्र में उठाये हैं, उनके बारे में भी बात हुई थी। मैं आप सब के त्याग पत्र देने के सुझाव को बिलकुल स्वीकार नहीं करूंगा। कृपया संगठनात्मक चुनाव में अच्छे और ढंग के लोग चुन कर आयें, ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए। यदि अभी भी कोई शंका अपने किसी बन्धु के मन में रह गई है तो मुझे आप पुनः मिल सकते हैं। मैंने आपसे कहा ही था कि यदि चुनाव में कहीं कोई धांधली होती है तो उसकी रिपोर्ट आपको अपने जिला चुनाव अधिकारी के पास अविलम्ब करवानी चाहिए। मुझे विश्वास है कि जिला चुनाव अधिकारी किसी भी मण्डल चुनाव अधिकारी को अथवा उसके सहायक अधिकारियों को मनमानी और धांधली करने की अनुमति नहीं देंगे। इतना ही नहीं वो उस चुनाव को अवैध भी घोषित कर सकते हैं और वैसा कृत्य करने वाले चुनाव अधिकारी को हटा भी सकते हैं।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री भगवान दास,
11, राज नगर, पीतमपुरा, दिल्ली–110034
प्रतिः श्री मेवाराम आर्य
चुनाव अधिकारी, केशवपुरम् जिला

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दि. 22 जून, 1998

संदर्भ संख्याः 6876-6/BJP/DP/98

प्रिय श्री रतन सिंह जी,

नमस्कार।

कृपया 22/6/1998 के लिखे पत्र का अवलोकन करें। संघ परिवार और अन्य सहयोगियों से परामर्श के बाद आपने संगम विहार मण्डल के संयोजक पद के लिए 2 नाम सर्वश्री रामशंकर गुप्ता तथा जितेन्द्र कुमार दिए हैं। उनमें से मैं श्री राम शंकर गुप्ता को उस मण्डल का संयोजक नियुक्त कर रहा हूँ। जब तक श्री आजाद सिंह के विरूद्ध चल रही अनुशासन सम्बन्धी कार्यवाही का निर्णय नहीं हो जाता, तब तक श्री रामशंकर गुप्ता उस मण्डल के संयोजक पद का कार्यभार संभालेंगे। आप कृपया उन्हें इस दायित्व के दिए जाने की सूचना दे दें।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

चौ. रतन सिंह,
जिला संयोजक,
भाजपा, महरौली जिला,
गाँव मदनपुर खादर,
नई दिल्ली–110044

केदारनाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 2 नवम्बर, 1993

संदर्भ संख्या : KNS-1/1781

प्रिय श्री ठाकुर जी,

नमस्कार।

आपका 9.10.93 का लिखा पत्र मुझे अभी–अभी मिला है। धन्यवाद।

देश की परिस्थिति के सम्बन्ध में आपका कथन बिल्कुल सही है। हमारा दुर्भाग्य ही तो है कि अपने ही देश में हमारे लाखों भाई–बहनों को शरणार्थी बनना पड़ा है।

चुनाव तो उत्तर प्रदेश में भी हैं। इस कारण आप कृपया अपने क्षेत्र में भाजपा को विजयी बनाने हेतु प्रयत्न करें।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री ओ.पी. ठाकुर,
संरक्षक, चिपको इन्फोरमेशन सेंटर,
डोडा–182202
(जम्मू काशमीर)

टिप्पणी – जम्मू काशमीर से विस्थापित शरणार्थियों के बारे में तथा राज्य में चुनाव के संदर्भ में चर्चा।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दि. 23–10–1996

संदर्भ संख्या 5354-10/BJP/DP/96

प्रिय श्री छत्रपाल सिंह जी,

सप्रेम नमस्कार।

कृपया इस पत्र के साथ श्री रामशंकर गुप्ता द्वारा मुझे भेजे पत्र की प्रतिलिपि देखें। संगम विहार मण्डल के अध्यक्ष श्री लाल जी के बारे में जो शिकायत लिखी गई है और जिस की सम्पुष्टि के लिए उन्होंने अखिल भारतीय जन कल्याण मंच द्वारा जारी किये पत्र की प्रति भी भेजी है, काफी गम्भीर है। नगर निगम चुनाव के लिए चन्दा इक्ट्ठा करके चौ. प्रेम सिंह को श्री लाल जी द्वारा देने का आरोप यदि सत्य है तो पार्टी को इसका नोटिस लेकर उचित कार्यवाही करनी होगी। मैं चाहूँगा कि आप इसकी पड़ताल भी करें और मुझे अवगत करें कि इस मामले में आगे क्या किया जाये।

शुभकामनाओं सहित

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री छत्रपाल सिंह
अध्यक्ष, महरौली
जिला – भाजपा

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 17.3.1998

प्रिय बन्धु/बहन जी,

नमस्ते।

हाल में हुए लोकसभा चुनावों में दिल्ली में भाजपा की शानदार जीत पर आपको तथा आपके सभी सहयोगी कार्यकर्ताओं को अपनी हार्दिक बधाई देने तथा उनका धन्यवाद करने के लिए यह पत्र लिख रहा हूँ। इस विजय का श्रेय आप सभी के अथक परिश्रम को ही जाता है। उसी कारण जनता के मन में अंकित हो सका कि श्रीमान अटल बिहारी वाजपेयी के कुशल नेतृत्व में भाजपा ही स्थिर सरकार दे सकती है और देश को वर्तमान दलदल से निकालने का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। दिल्ली की जनता ने भी हमें भरपूर सहयोग दिया है। हम उनके भी आभारी हैं।

कृपया सभी कार्यकर्ताओं तथा अपने क्षेत्र में हमें सहयोग देने वाले सब गणमान्य बन्धुओं तक मेरी यह भावनाएँ अवश्य पहुँचा दें। उनके घर जाकर उन्हें मिलकर धन्यवाद करें तो बहुत अच्छा होगा।

अपने क्षेत्र के सभी विशिष्ट लोगों को भी कृपया व्यक्तिगत रूप से मिल कर उन्हें धन्यवाद दें। विशेष रूप से अकाली दल, आर्य समाज, श्री सनातन धर्म सभा, व्यापार, उद्योग, रैजीडैण्ट एसोसिएशन आदि संगठनों के वरिष्ठ लोगों को।

एक बात और, आजीवन सहयोगी सदस्यता के लिए भेजे गए फॉर्म भरवाकर भारतीय जनता पार्टी के नाम के चैक के साथ प्रदेश कार्यालय में जमा करवाना न भूलें।

पुनः बधाई एवं धन्यवाद।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

अध्यक्ष

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा दिल्ली में लोकसभा में भाजपा की जीत पर सभी वर्गों का सहयोग तथा उनका धन्यवाद तथा आजीवन सदस्यता अभियान के संदर्भ में पत्र।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 6 अप्रैल, 1998

प्रिय श्री ओम प्रकाश जी,

नमस्कार।

आपका 3 अप्रैल का लिखा पत्र अभी–अभी मिला है। धन्यवाद।

भारतीय जनता पार्टी की जीत का सेहरा तो उन लाखों कार्यकर्ताओं और शुभ चिंतकों को जाता है जिन्होंने निःस्वार्थ सेवा और तपस्या के बल पर लोगों के मन में पार्टी के लिए जगह बनाई है। वैसे, हालात अभी बहुत अनुकूल नहीं हैं और पार्टी के विचारों को जन–जन तक पहुँचाने के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। अभी जरूरी फैसलों के लिए उसे दूसरी पार्टियों पर निर्भर भी रहना होगा। इसलिए कठिनाईयाँ बहुत आने वाली हैं। भगवान से मेरी प्रार्थना है कि वह हमारे नेताओं को समझदारी और हिम्मत दे कि ऐसे भँवर से देश को निकाल ले जाने में उन्हें कामयाबी मिले। वहाँ सब कार्यकर्ताओं को खासकर श्री भगतराम एवं श्री कुलभूषण जी को मेरा नमस्ते कहें।

मंगलकामनाओं के साथ,

आपका,

(केदार नाथ साहनी)

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा भारतीय जनता पार्टी की चुनावों में विजय पर पार्टी कार्यकर्ताओं की विभिन्न कठिनाईयों के बावजूद उनके अथक प्रयासों की सराहना तथा राष्ट्रहित में कार्य करने हेतु प्रेरणा।

केदारनाथ साहनी
महामन्त्री

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या BJP/CO-918/90

दिनाँक : 23.3.90

प्रिय श्री चमनलाल जी। भगवत स्वरूप जी,

नमस्कार।

यहाँ लौटने पर श्रीमान आडवाणी जी से बात हुई थी। उससे पूर्व ही आपकी इच्छानुसार वह ठाकुर बलदेव सिंह जी को पत्र लिख चुके थे। अभी तक ठाकुर साहब की ओर से उन्हें कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है। इसलिए अब आगे जो भी करना आवश्यक होगा वह 1 अप्रैल को श्रीमान आडवाणी जी के यहाँ आने तथा आपसे सलाह करने के बाद ही होगा। आपके आग्रह के संदर्भ में मैंने अध्यक्ष जी से बात की थी। 50 हजार रूपये का ड्राफ्ट इस पत्र के साथ भेजा जा रहा है। जैसा कि मैंने कहा था यह राशि जम्मू काशमीर भाजपा का रोज़ाना का खर्च चलाने के लिए नहीं है। यह इसलिए है कि शरणार्थियों की समस्याओं के लिए आपको किसी तरह की कठिनाई न हो।

1 अप्रैल की तैयारी में आप सभी लगे होंगे। आशा है आपका सम्मेलन खुब सफल होगा।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय

श्री चमन लाल गुप्ता, एमएलए,

अनुलग्नक–ड्राफ्ट
10 क्लीथ नगर, जम्मू तवी।

(केदार नाथ साहनी)

टिप्पणी – जम्मू शरणार्थी समस्याओं के निवारण हेतु राशि का प्रबन्ध तथा श्री आडवाणी जी के जम्मू आगमन पर कार्यकर्ताओं द्वारा आयोजित सम्मेलन हेतु।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक – 23 जनवरी, 2003

प्रिय श्री प्रकाश जी,

नमस्कार।

अभी–अभी आपका 17 जनवरी का लिखा पत्र मिला है। ये जानकर खुशी हुई कि आप सकुशल हैं लेकिन आगामी चुनाव में अपनी भूमिका के बारे में आपके फैसले की जानकारी ने मुझे बहुत दुख पहुँचाया। आपके मन को जो तकलीफ पहुंची है उसकी जानकारी मुझे है, उनके इस फैसले को मैं बिलकुल गलत और गैर जरूरी मानता हूँ जिस संगठन को अपने खून से हमने सींचा और ऊँचाइयों तक पहुंचाया है उसे हमारी कोई भी कोशिश अगर नुकसान पहुंचाने वाली हो तो वह हमें हमारे धर्म से गिराने वाली बात होगी। इसकी बात तो ज़हन से उठने देना भी हममे से किसी को शोभा नहीं देता है। इसलिए मैं चाहूंगा कि हमेशा की तरह खुद को नुकसान होने के बावजूद हमें अपने उस पौधे को मजबूत करते रहना चाहिए। मैं अपनी किसी हरकत से पार्टी को नुकसान पहुंचाने की जगह शायद आत्महत्या कर लेने को प्राथमिकता दूंगा। मेरी सलाह है कि आप अपने फैसले पर फिर से विचार करें। पिछले सप्ताह में, मैं गवर्नर कांफ्रेंस के लिए गया था तो वहां श्री सूरज भान जी से भी भेंट हुई। मैंने आपके बारे में उनसे बात की थी। कृपया आप उन्हें पत्र लिखकर मिलने का समय मांगे। मुझे विश्वास है कि वह अपकी पूरी मदद करने की कोशिश करेंगे।

मंगल कामनाओं के साथ,

शुभ चिंतक,

(केदार नाथ साहनी)

श्री सत्य प्रकाश गोयल जी
सोलन

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 13. जुलाई, 1994

संदर्भ संख्या KNS-1/4153

प्रिय श्री मनहास जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 4 जुलाई का लिखा पत्र आज मिला है। धन्यवाद।

कृपया इसी तरह नियम से वहाँ के समाचार भेजते रहें। हम लोग इस जानकारी को सरकार के समक्ष रख कर कुछ करने के लिए दबाव डालने का यत्न करते रहते हैं। यह सारी जानकारी आपका नाम लिए बिना प्रधानमंत्री और गृहमंत्री तक पहुँचाई जाएगी।

जम्मू के 14 दिवसीय सत्याग्रह का विवरण तो आपको मिल चुका होगा। अब 15 जुलाई से 15 सितम्बर तक 'भारत परिक्रमा' कार्यक्रम के अन्तर्गत भाजपा के सभी वरिष्ठ नेता देश भर में घूम–घूम कर अन्य बिन्दुओं के अलावा जम्मू काशमीर और विशेष रूप से डोडा की स्थिति जनता के सामने रखेंगे। उसके बाद के कार्यक्रम के बारे में सितम्बर में पटना में होने वाली राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक में विचार किया जाएगा।

कृपया सभी बुन्धुओं को आश्वस्त करें कि हम लोग अपनी ओर से कोई कसर नहीं रखेंगे। श्री मनमोहन जी को पत्र जरूर पढ़वा दें।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गोपाल मनहास,
विजय किराना स्टोर,
मेन बाजार किश्तवाड़–182204

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा जुलाई से सितम्बर के बीच भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के सत्याग्रह तथा देशभर में कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियों के विरूद्ध प्रचार के बारे में कश्मीरी कार्यकर्ताओं को अवगत कराना तथा उनको पूर्ण सहयोग का भरोसा।

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

दिनाँक – 21 जून, 2004

प्रिय श्री सेठी जी,

नमस्कार

श्री नकवी जी को लिखे पत्र की छायाप्रति और उसके साथ संलग्न सभी कागज मिल गए हैं। धन्यवाद।

मैं आपके हृदय की पीड़ा को समझ सकता हूँ। हम सभी का दिल बैठा है। आप जानते होंगे कि संगठन में चुनाव सम्बन्धी और दूसरे फैसले कोई एक आदमी नहीं करता, बल्कि बहुत लोगों के सामूहिक निर्णय के आधार पर फैसले होते हैं। आपकी तरह हजारों कार्यकर्ताओं के पत्र आए होंगे। पत्र भेजने वाले सभी अपने विचार परिवार और संगठन का शुभ चाहने वाले ही होंगे इसके बावजूद सबने इस मुद्दे पर अलग–अलग राय व्यक्त की है। हो सकता है आप मुझसे सहमत न हों। लेकिन मेरा मानना है कि ईश्वर ने हम सभी के लिए कुछ न कुछ सोचा ही होता है। और इस दुनिया में जो कुछ भी होता है वह ईश्वर की उस सोची हुई योजना का हिस्सा होता है। मगर हम हर अच्छे काम के लिए स्वयं की पीठ थपथपाते हैं। लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम सब उसके हाथ के छोटे–छोटे पुर्जे हैं और ईश्वर हमसे बनायी योजना के अनुसार काम लेते हैं। हम समझते हैं कि यह हमारी समझदारी का नतीजा है। यह सब पिछले साठ सालों से ज्यादा लम्बे सामाजिक जीवन के अनुभव और घटनाओं के आधार पर लिख रहा हूँ। खैर अपनी सेहत का ध्यान रखें और हमें शुभ सलाह देते रहें। आभारी रहुँगा।

मंगल कामनाओं के साथ,

आपका,

(केदार नाथ साहनी)

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा श्री सेठी जी को संगठन के सामुहिक नेतृत्व और उसके द्वारा लिये गये निर्णय के महत्त्व पर प्रकाश तथा विचारों से अवगत कराने हेतु पत्र।

केदार नाथ साहनी

दूरभाषः निवास : 6805011

कार्यालय : 3312809, 3736798

दिनाँक : 4.9.98

'ऐसे थे कालकादास जी'

अपने पुराने सहयोगी स्वर्गीय श्री. कालकादास की स्मृति के साथ पुरानी यादें जुड़ी हैं। वे सुखद तो हैं ही प्रेरणा भी देती हैं।

बात 1970 की है। पूर्वी पाकिस्तान में पाकिस्तानी शासकों द्वारा किए जा रहे बर्बरतापूर्ण अत्याचारों के कारण एक करोड़ से अधिक शरणार्थी पूर्वी पाकिस्तान से भारत आ चुके थे तथा लाखों और नित्य आ रहे थे। भारतीय जनसंघ ने भारत सरकार पर उन अत्याचारों को रुकवाने तथा शरणार्थियों के भारत आने को बन्द करवाने हेतु ठीक तथा प्रभावकारी पग उठाने के लिए दबाब डालने के लिए दिल्ली में सत्याग्रह शुरू कर दिया था। देश भर से नित्य हजारों सत्याग्रही दिल्ली आते थे तथा गिरफ्तारी देते थे। उस दिन मध्य प्रदेश से 15 हजार कार्यकर्ता सत्याग्रह कर रहे थे। जत्थे का नेतृत्व ग्वालियर के महाराजा तथा ग्वालियर से भजपा सांसद श्री. माधवराव सिन्धिया तथा पन्ना के महाराज कर रहे थे। सत्याग्रही कॅनाट प्लेस में रीगल सिनेमा के सामने पहुँचे तो पुलिस ने उन्हें रोक दिया। सत्याग्रही आगे बढ़ना चाहते थे। अचानक पुलिस ने बिना चेतावनी दिए सत्याग्रहियों की पहली पंक्ति पर लाठियाँ बरसाना शुरु कर दिया।

कालकादास जी उन दिनों प्रदेश जनसंघ के मन्त्री थे और सत्याग्रह का प्रबन्ध देख रहे थे। वह कूद कर बीच में आ गए और पुलिस अधिकारियों को समझाने लगे कि सत्याग्रही जब शान्तिपूर्वक गिरफ्तारी देने को तैयार हैं तो उन्हें लाठी प्रहार नहीं करना चाहिए। उनकी बात सुनने के बजाए 4, 5 सिपाहियों ने उन्हें पकड़ा और एक तरफ ले जाकर उन्हें लाठियों से बुरी तरह पीटना शुरु कर दिया। सिपाही अपने वरिष्ठ अधिकारियों की बात भी नहीं मान रहे थे। दूसरी ओर सत्याग्रही भड़क गए और स्थिति काफी गम्भीर हो गई। मेरे कालकादास जी के ऊपर लेट जाने तथा अन्य पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप से कालकादास जी को बचाया जा सका किन्तु तब तक उनके शरीर पर लाठी प्रहार में 10, 12 नीले निशान पड़ चुके थे। श्री.

अटल बिहारी वाजपेयी जी सत्याग्रह देखने आए हुए थे। पुलिस की बर्बरता देख वह स्वयं को नहीं रोक सके और वह वहीं रीगल सिनेमा के सामने धरने पर बैठ गए और घोषणा कर दी कि जब तक दोषी सिपाहियों को निलम्बित नहीं किया जाता तब तक वह धरना नहीं छोड़ेंगे। सत्याग्रही तो पहले ही भड़क चुके थे। स्थिति को अति गम्भीर होते देख वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आए और उन्होंने श्री. कालकादास से किए गए व्यवहार पर खेद भी व्यक्त किया तथा उन सिपाहियों के निलम्बन की घोषणा भी। तब जाकर स्थिति संभली और सत्याग्रहियों ने नित्य की भान्ति शान्ति से गिरफ्तारी दी। बुरी तरह खाई चोटों के बाद भी श्री कालकादास उसी उत्साह और कर्त्तव्य निष्ठा से पूर्ववत अपने काम में लग गए।

ऐसे थे कालकादास जी। स्वर्गीय श्री. धनराज ओझा जो उन दिनों दिल्ली में जनसंघ के संगठन मन्त्री थे के साथ उनके मोटर साईकल पर पीछे बैठ कर नित्य दिल्ली के ग्रामीण क्षेत्र में घूमना और जनसंघ के पौधे के सींचने का ही परिक्रम है कि वह छोटा पौधा आज एक सुन्दर और विराट संगठन के रूप में राजधानी निवासियों की सेवा कर रहा है, उनका विश्वास अर्जित कर सका है। इसका श्रेय भी हमारे कालकादास जी जैसे अनेक कार्यकर्ताओं को जाता है।

आपातकाल के 19 महीनों में जो दृढ़ता, धैर्य और कर्त्तव्यनिष्ठा श्री. कालकादास जी ने दिखाई है उससे सभी कार्यकर्ता हमेशा प्रेरणा पाते रहेंगे। अपने सिद्धान्तों पर अडिग रहकर तथा यातनाओं की परवाह किए बगैर उन्होंने उस कठिन समय में अनेक कार्यकर्ताओं को डिगने नहीं दिया।

कालकादास जी एक साधारण कार्यकर्ता रहे हों या प्रदेश अथवा राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी, महानगर पार्षद रहे हों या महानगर परिषद के अध्यक्ष और सांसद, उन्होंने सभी रूप में उस पद की गरिमा के अनुरूप, पूर्ण समर्पण भाव एवं कर्त्तव्यनिष्ठा से अपना दायित्व निभाया है। उन्होंने बहुत कठिनाई के समय में भी अपनी शालीनता नहीं छोड़ी।

उनकी स्मृति हम सब को हमेशा प्रेरणा देती रहे।

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)
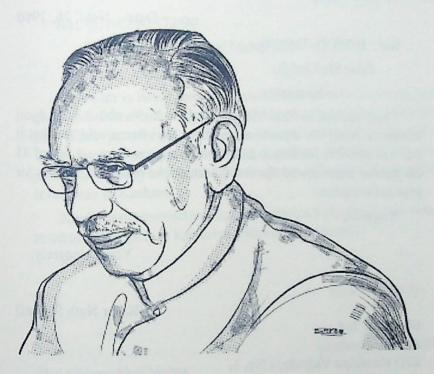
भवदीय

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : Nov. 26, 1990

Ref. BJP/CO-7265/90

Dear Shri Jad ji,

Namaskar.

I had spoken to Shri Vishwa Nath Ji Arora about Smt. Jyoti Wangroo. After the interview was held Shri Arora told me that it was not possible for him to help Smt. Wangroo, because out of 45 candidates interviewed she stood 34th on the merit list. This is for your information.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L. Jad,
Advocate,
C/O Kendriya Vidyalaya No. 1,
Gandhi Nagar,
JAMMU TAWI.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : May 26, 1990

Ref. BJP/CO-3372/90

Dear Shri Chimanbhai Mehta ji,

Namaskar.

Herewith is being sent a representation on behalf of two girls (migrants from Kashmir). They had represented their case earlier also. Their parents do not foresee any perceptible change in the Valley in near future. It is necessary, therefore, that the children are permitted to study in schools of their choice in Jammu till normalcy is restored in Kashmir.

Kindly issue instructions to the Kendriya Vidyalaya authorities to admit these girls in Kendriya Vidyalaya in Jammu.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Chimanbhai Mehta,
Minister of State for human
Resources Development,
Government of India,
NEW DELHI.

Note - Sahani ji asked to help Kashmiri migrant girls in their education, disturbed due to militancy. Requested Minister to pave the way for their admission in Kendriya Vidyalaya in Jammu.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date: 2 June, 1998

Ref. No. 6165-6/BJP/DP/98

Dear Shri Advani ji,

Namaskar!

I was in Leh for about a week where I had gone for the election campaign of our candidate for the Lok Sabha election to be held on 3.6.98.

In Leh I happened to meet Shri Sonam Wangyal, a highly respected retired officer of the I.B. Shri Wangyal, known as hero Wangyal, has been decorated with a Padmashri. He is an Arjun Award winner, a gold medalist in addition to have won over twenty other medals and has lots of commendations for his meritorious services to his credit.

He reached Mount Everest in his first attempt in 1965 and as a Principal of the SGMI in Gangtok is responsible for having trained a large number of mountaineers who successfully climbed the highest peak in the world. Shri Wangyal feels that after putting in his best in the service of the Nation for more than 38 years, he has been given a very raw deal and great injustice has been done to him for no fault of his.

Having gone through all the papers in the accompanying file, which gives full facts about his case, I have come to the conclusion that in the year 1984 somewhere in the MHA his cadre was changed without his knowledge or consent and, that is the root cause of his problem He feels that with this change of his cadre he has been put to great loss.

Many years later when he learned about this change in his cader, he started representing his case But, time and again his request was turned down on the plea that the rules did not permit The result is

that officers who were previously working alongwith him or were junior to him got promotions and Shri Wangyal was left much behind them in position and status. At present he is drawing pension at almost half of what his other abovesaid mates are getting Naturally he is feeling hurt and humiliated.

My earnest feeling is that some way should be found out to compensate him and give him a feeling that the government cares for such sons of Mother India By reemploying him, his services could be used in many sectors. At present he is only 58 years of age. If possible please do find a way out to help him.

With kind regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri L.K. Advani
Minister, Home Affairs,
Govt. of India,
New Delhi.

Note - Sahani ji showed his deep concerns about the grievances of Shri Sonam Wangyal, retired personnel of IB, decorated with various achievements. Sahaniji requested the then Home Minister Shri Advaniji to look into the matter pertaining to Shri Wangyal's pension and change of cadre, and also make use of the services of such a talented person.

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date:1 June, 1998

Ref. No. 6175-6/BJP/DP/98

Dear Shri George ji,

Namaskar!

I was in Leh last week in connection with the Lok Sabha election to be held there on 3.6.98. The enclosed two representations were handed over to me by some social workers of that district. They told me that they had met you also during your recent visit.

I honestly feel that there must not have been any discrimination in regularization of the daily wagers working for different wings of the Defence Services. It is really surprising that while the services of daily wagers in some of the Defence Services units like the MES and the ASC have been regularized, the daily wagers working with the Engineering Battalions, the Signal Corps, EME Bn. (Workshop), the Air O.P. Bn. And the ASC, still remain irregulars.

Having been associated with the cause of such people during all your life, it should not be difficult to appreciate the feelings of disappointment and heart burning among the affected people. I request you to very kindly to have the request examined and the needful done. In yet another memorandum addressed and delivered to you during your recent visit request has been made by the President Nyom Block of the Changthamg BJP for allocation of Border funds, Providing seats in the Sainik Schools You must have got this request examined Also, I am certain that you will accommodate it to the extent it is possible.

Regards

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri George Farnandez,
Defence Minister, Govt. of India, New Delhi

Note - Sahani ji raised the issues, legally amicable, related to daily wagers in the different wings of the defence services to regularise them according to the norms already implimented.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref. No. BJP/CO-799/89 Date : 30.5.1989

Dear Shri Jad Ji,

Saprem Namaskar.

I have received your kind letter of the 25th instant. It is nice to know about Shri Madan. Now that we know all about him we would be careful in dealing with him. For your information I write to inform you that we had expressed our frank opinion about Shri Jattu and he concurred with our views. Since we met last he has not contacted us again. I think he will be contacting us only when something concrete is decided about the conference at Srinagar.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harji Lal Jad
Advocate,
Anantbhawan Hall (Nagbal),
Anantnag - 192101
J & K State.

Note - Sahani ji expressed his views to take concrete steps regarding conference to be held in Srinagar.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref : KNS-1/372

Date : May 06, 1992

Dear Shri Bhat ji,

Namaskar.

Thanks for yours of the 22nd April, 1992. I have circulated the bio-data of Shri Bhushan Lal amongst a large number of friends with a request that they will be doing me a favour if they could absorb Shri Taploo in their Organisation. Unfortunately there has been no positive response. I shall let you know if and when I hear from somewhere.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri J. K. Bhat,
67/B-D,
Gandhi nagar,
Jammu

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref : KNS-1/2021

Date : January 21, 1994

Dear Shri Bhat Ji,

Namaskar.

I have just now received yours of the Nil date and noted the contents.

I have not been able to recollect as to what you asked me after the 'Baithak' at the Jammu Government guest house. I regret very much that the answer I gave you did not satisfy you. After all I too am a human being and I too have my failings. It is not necessary that whatever I say will satisfy one and all or that the same is always the correct answer. About one thing I am very certain that I try to discharge my responsibility to the best of my capacity, wisdom and sincerity. Even then there could be my lapses.

If Shri Bhushan Lal Taploo has some place to stay in Delhi then he should come over here. We Shall find some placement for him although it might take 2, 3 weeks.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri J. K. Bhat,
I-A/B, Kohli Nivas,
Excelsior Steet,
Power House; Old Janipur,
Jammu.

Note - Sahaniji sighting the importance of sincerity and wisdom while discharging responsibility.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date : September 4, 1998

Ref. No. 658-9/KNS/98

Dear Shri Jaitley ji,

Namaskar!

I seek your intervention and help in the enclosed case of a migrant Kashmiri Shri H.L. Jad, Advocate and an eminent social worker of Anantnag. He is staying in Delhi these days.

After a prolonged correspondence and efforts the B.S.F. authorities have fixed rent for his Anantnag bungalow which they have been occupying since 1994. Shri Jad has been representing to the I.G. Police, Kashmir for the payment of the rent since March' 98 with no result so far.

We can appreciate the plight of these migrant and hence the financial needs. His payment can mitigate Shri Jad's sufferings to some extent. I, therefore, request you to kindly put in a word to the Police Chief to do the needful, which I am sure you will certainly do.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Ashok Jaitley, I.A.S.,
Chief Secretary, Govt. of
J&K, Srinagar.

Note : Regarding the rent to be realized to Shri H.L. Jad, Kashmiri forced migrant, of his property occupied by B.S.F. in Kashmir.

His grievances, about the above said prolonged problem.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

Ref. No. G/2/2003/207

Date : February 27, 2003

Dear Shri Satarkar ji,

Namaskar.

I thankfully acknowledge the receipt of yours No. SP/GLA/1/ 2003/ University/117 dated 24/2/2003, where in you have forwarded the case of Shri Arun M. Naik for my consideration. I will certainly like to help him, rules permitting. You know very well that such matters are decided by the University as per the rules framed by the Senate. I have sought the comments of the Vice Chancellor in this regard.

Regards

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Adv. Vishwas Satarkar,
Hon'ble Speaker,
Goa Legislative Assembly,
Porvorim,
Bardez-Goa

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No.G/2/2003/203

February 25, 2003

Dear Shri Satish kumar ji,

Namaste

Thanks for yours of the 5th instant, received just now.

I did request 3-4 friends for your service. Unfortunately, they have not been able to do anything so far. In Goa, again, only a person who is a domicile of the State for at least 15 years, can apply for a government Job. Naturally, it has not been possible for me to help you. I do want to do something for you. But so far I have not succeeded. I can only try but the ultimate result is in the hands of the Almighty. Unless He so wishes, nothing can be achieved.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Satish Kumar Sharma,
Village Gowari (Bhelessa),
P.O. and the. Gandoh
District. Doda.

Note - Showing concern to the person in his difficult time.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
Convenor,
Overseas Friends of BJP
&
Former Governor, Goa & Sikkim

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date: September 14, 2007

Dear Shri Dadwal ji,
Namaskar

We have not met so far. You might not be Knowing me.

I take this opportunity to extend to you a hearty welcome and wish you all the best on your being appointed as the Commissioner of Police, in the National Capital.

I am enclosing a letter which I have received from an eminent social worker, Shri T.R. Dogra, who presently resides in Himachal Pradesh. Earlier he was in Delhi and was doing very useful work in a number of social fields. I Know him since then. The letter speaks for itself and does not need any further explanation. It is yet another example of how the image of the Police gets a beating and earns an adverse image. I, therefore, request you to kindly look into the matter and find out as to why no action has been taken on the complaint of shri Dogra so far.

Regards,

Sincerely Yours,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Y.S. Dadwal
I.P.S.
Commissioner of Police, Delhi
Police Headquarters
New Delhi-11002

Note - Sahaniji sighting and cautioning Police Commissioner about the complacency and negligence on the part of Delhi Police about the grievances and complaint of eminent Social worker Shri T.R. Dogra.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा
Former Governor Sikkam & Goa

Date: 7-10-2011

Dear Shri Jad Ji,

Namaskar.

It is to inform you that Smt. Sushma ji has just now telephoned to tell me that she had spoken with the Ambala college people and they have agreed to exempt the girl you had refered to, from paying her college tution fees. She too has been informed about the remission of her college fees. The hostel charges, she will have to pay. I think this is great help to her and enables her to continue with her studies.

The college people through know to sushma ji have no contact with the B.J.P. I shall be happy if you write to Sushma ji thanking her.

With best wishes

Sincerely Yours,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L. Jad

Note - Sahaniji requested Smt. Sushma Swaraj for full exemption of college fees in favour of a needy Ambala college student.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 23 मई, 2012

आदरणीय श्री तेजेन्द्र खन्ना जी,

नमस्कार!

'आर्य अनाथालय' के अध्यक्ष पदमश्री वीरेश प्रताप चौधरी द्वारा आपको भेजे ज्ञापन की प्रति मुझे भी मिली है। उसे देखकर मुझे आश्चर्य भी हुआ है और दुख भी।

कुछ सप्ताह पूर्व दिल्ली के कुछ अन्य गणमान्य लोगों के साथ आपसे हुई भेंट के बाद, हम सब सन्तुष्ट होकर लौटे थे। हम आश्वस्त थे कि दो–चार दिनों के बाद ही अनाथालय के प्रबंध पर लगे सभी सरकारी बन्धन समाप्त हो जाएंगे और स्थिति सामान्य हो जाएगी। ज्ञापन देखकर ही पता चला कि अनाथालय अब भी सरकारी प्रशासक के अधीन काम कर रहा है।

लगभग एक सौ साल से चलते आ रहे इस नामी अनाथालय की प्रशासन व्यवस्था में कोई विशेष कमी नहीं होने की रिपोर्ट आ जाने के बाद भी अनाथालय पर सरकारी प्रशासक का बना रहना न तो न्याय संगत है और न उचित है।

श्री वीरेश प्रताप चौधरी के ज्ञापन के साथ लगी उस रिपोर्ट की प्रति पढ़कर मुझे यही उचित लगा कि आपसे अनुरोध करूँ कि आप कृपया सरकारी प्रशासक को वहाँ से तुरन्त हटवा दें ताकि लगभग एक सदी से निष्काम भाव से काम कर रहे इस नामी अनाथालय की साख फिर से बहाल हो सके।

अनाथालय पर विश्वास होने के कारण ही लोग इसे आर्थिक सहायता देते थे और अनाथालय सुचारू रूप से चल रहा था। पिछले दिनों के इस

एक घटना को, तिल का पहाड़ बनाकर जिस तरह प्रचारित और बदनाम किया गया है, उसने अनाथालय की साख को गहरी चोट पहुँचाई है। इससे भारी आर्थिक हानि भी हुई है। उस साख को फिर से बनाना आवश्यक है। प्रशासक का तुरन्त हट जाना ही उस साख को बहाल करने में सहायक हो सकता है। यह जितनी जल्दी हो जाए उतना अच्छा होगा।

अनुरोध है कि आप कृपया व्यक्तिगत रूचि लें ताकि अनाथालय की इस दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का अन्त हो जाए।

सादर,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

महामहिम श्री तेजेन्द्र खन्ना जी

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा दिल्ली स्थित आर्य अनाथालय के उचित प्रबन्धन तथा सुचारू संचालन हेतु अनाथालय को सरकारी प्रशासन के नियंत्रण से तुरंत हटाने हेतु उपराज्यपाल से शीघ्र निर्णय के लिए आग्रह।

केदार नाथ साहनी

पूर्व राज्यपाल सिक्किम और गोवा

दिनाँक : 4 सितम्बर, 2009

प्रिय बहन श्रीमती शीला दीक्षित जी,

सप्रेम नमस्कार।

पिछले कुछ दिनों से समाचार पत्रों में बिजली के बिल पहले की तुलना में कई–कई गुना आने के समाचार देखने को मिल रहे थे। उनकी सत्यता के बारे में मुझे विश्वास नहीं होता था। किन्तु, आज घर पर आया बिजली का बिल देखकर उन समाचारों की सत्यता प्रमाणित हो गई। दो वर्षों के पुराने बिल जब निकाल कर देखे तो देखा कि गत 15, 20 महीनों में बिल कभी ही 3000 रुपये, से अधिक का रहा होगा। इस बार का बिल लगभग 17000 रूपये का है। इतना तो पता चल चुका है कि बीएसईएफ को सरकार से मिलने वाला 10 प्रतिशत का अनुदान अब बन्द हो चुका है। परन्तु, उसके कारण बिल में इतनी वृद्धि हो जाना तो समझ से बाहर है। गत दो वर्षों में हमारे यहां न तो कोई नया फ्रिज आया है और न नया AC ही लगा है। फिर बिजली की खपत इतनी कैसे बढ़ सकती है?

17 जुलाई 2009 तक के हर बिल का भुगतान समय से पहले ही कर दिया जाता रहा है। गत मास के बिल का भुगतान तो 17.7.2009 को हो चुका है फोन करने पर बताया गया है कि इस बार का बिल गत दो महीनों का है। ऐसा प्रतीत होता है कि बिल 17.7.2009 को किए भुगतान वाले बिल पर अंकित मीटर रीडिंग के आधार पर नहीं बनाया गया अपितु किसी अन्य के समझ में न आ सकने वाले, गणित के आधार पर बनाया गया है। मैं पिछले 7, 8 बिलों की प्रतियां भी इसलिए आपको भेज रहा हूँ कि आप स्वयं उन्हें देखकर समझ सकें कि इतनी शिकायतें क्यों आ रही हैं। इन बिलों का सारांश इसके साथ लगे बिलों की प्रतियों के ऊपर लगा

है। वरन् आज के समाचार पत्र भी ऐसी ही अनेक शिकायतों से भरे पड़े हैं। अच्छा हो, आप स्वयं मामले को देखें। यदि जो हो रहा है, वह सही और युक्तिसंगत है तो कृपया वास्तविकता का स्पष्टीकरण दें ताकि लोगों का समाधान हो जाए। अन्यथा, बिजली कम्पनी, को अपनी गलती स्वीकार करने तथा उसे सुधारने के आदेश जारी करें।

मुझे आपके उत्तर की प्रतीक्षा रहेगी। आभारी हूँगा।

आदर सहित,

शुभेच्छु,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमती शीला दीक्षित जी
दिल्ली राज्य की माननीय मुख्यमन्त्री
नई दिल्ली।

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा दिल्ली में अप्रत्याशित रूप से कई गुना बढ़े हुए बिजली के बिलों पर तुरंत कार्यवाही हेतु पत्र।

केदार नाथ साहनी
पूर्व राज्यपाल गोवा एवं सिक्किम

दिनाँक : 12 अगस्त, 2010

प्रिय बन्धु श्री शिवकुमार जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 5 अगस्त, का लिखा पत्र मिला। आभारी हूँ। इससे पहले तो आपका कोई पत्र तो मिला नहीं। अन्यथा, आपको उसकी पावती अवश्य मिल जाती। यह न केवल प्रसन्नता की बात है अपितु हमारे लिए गौरव की बात भी है कि महन्त अवैद्यनाथ जी महाराज के अभिनन्दन हेतु एक ग्रन्थ तैयार करने की योजना बनी है। इसकी कल्पना स्तुत्य है। महन्त जी ऐसे सन्तों में अग्रणी हैं जिन्होंने अपने तेजस्वी एवं प्रेरणादायी व्यक्तित्व से हिन्दू समाज को धर्म से जोड़ने, तथा अपनी हिन्दू अस्मिता के प्रति गौरव की अनुभूति कराई है। हिन्दू समाज के लिए वह एक वरदान हैं। समाज की कुरीतियों से लड़ने, उन्हें दूर करने, तथा निर्भीकता से हिन्दू हितों की रक्षार्थ सदा महन्त जी आगे रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में हिन्दुओं ने स्वाभिमान और गौरव से जीना सीखा है।

महन्त जी योगी तो हैं ही किन्तु वह ऐसे सन्त भी हैं जिन्होंने हिन्दू धर्म को पूजापाठ अथवा कर्मकाण्ड की सीमाओं से आगे बढ़कर देश और समाज के प्रति अपने दायित्व को समझने की प्रेरणा दी है। स्वयं उनका आश्रम लाखों असहाय और निराक्षितों, अनाथों, विधवाओं तथा छात्रों को सहायता प्रदान करता है। समाज में घुस आई छुआछूत जैसी बुराईयों से लड़ने, तथा देश पर आई हर विपत्ति में स्वयं महन्त जी तथा उनकी पीठ सदा सबसे आगे की पंक्ति में खड़ी मिली है। देश की राजनीति को भी उन्होंने अपने व्यावहारिक चिन्तन से प्रभावित किया है। हर उस सरकारी नीति का जो हिन्दू हित विरोधी है उन्होंने डट कर और बहुत प्रभावी ढंग से विरोध किया है। ओजस्वी भाषण कला से उन्होंने हिन्दू समाज को हमेशा जागृत रखा है।

महन्त जी हिन्दू हितों की रक्षा हेतु लड़ने वाले एक अथक योद्धा हैं। निःसन्देह, उनके तेजस्वी तथा हिन्दू समाज के प्रति समर्पित जीवन सम्बन्धी इस ग्रन्थ में छपे लेख तथा अन्य सामग्री मेरे जैसे अनेक लोगों को प्रेरणा देगी। वर्तमान पीढ़ी तो प्रेरित होगी ही, आने वाली पीढ़ियां भी लाभान्वित होंगी।

इस प्रकल्प के आयोजकों को मेरी बधाई भी और हार्दिक शुभकामनाएँ भी।

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री शिव कुमार गोयल जी (पत्रकार) द्वारा
श्रीमान योगी आदित्यनाथ जी
संसद सदस्य, गोरखनाथ मन्दिर
गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा महन्त अवैद्यनाथ जी महाराज के अभिनन्दन हेतु ग्रन्थ तैयार करने की योजना का स्वागत तथा महन्त जी के धर्म, राष्ट्र, समाज के प्रति दायित्वों व उनके द्वारा चलाये जा रहे कल्याणकारी कार्यों का उल्लेख।

केदार नाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**

Kidar Nath Sahani **Bharatiya Janata Party**

क्रमांक: KNS-1/258

दिनाँक : 22–2–95

प्रिय श्री मेवाराम जी,

सप्रेम नमस्कार।

हमारे बुजुर्ग सहयोगी श्री. एच.डी. सडाना का संलग्न पत्र कृपया देखें। पहले भी आप ही के हस्तक्षेप एवं सक्रिय सहयोग से खन्ना मार्केट वाले पार्क में सुधार का काम शुरू हुआ है। अब सडाना जी ने बात कही है उस पर भी विचार कर लें तथा यदि उनका आग्रह उचित और सम्भव हो तो कृपया उसे भी पूरा करवा दें।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री मेवाराम जी आर्य
एम.एल.ए
दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दि. 6 नवम्बर, 1996

संदर्भ संख्या: 5632&11/BJP/DP/96

प्रिय श्री मेवाराम जी,

सप्रेम नमस्कार।

इस पत्र के साथ में श्री सुरेश प्रसाद मेहरा जो दिल्ली प्रदेश भाजपा के राज्य परिषद के सदस्य हैं, का पत्र भेज रहा हूँ। पत्र में उन्होंने लिखा है कि बार–बार अनुरोध करने के बाद भी हिम्मत पुरी में बिजली नहीं लगी। अब जबकि डेसू ने यह निर्णय कर लिया है कि 15/– रूपए प्रति बल्ब देकर झुग्गीवासी बिजली लगवा सकते हैं तो इनके यहाँ बिजली लगना सम्भव हो सकता है। आप श्री सुरेश प्रसाद मेहरा को बुलवा कर बात कर लें तथा देखें कि रूकावट कहाँ है।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री मेवाराम आर्य,
अध्यक्ष, दिल्ली स्लम सुधार बोर्ड,
25/11, वेस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली–110008

टिप्पणी – दिल्ली स्लम में बिजली आपूर्ति सम्बन्धी समस्या के संदर्भ में।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दि. 10 जुलाई, 1998

संदर्भ संख्याः 109-7/KNS/98

प्रिय बहन श्रीमती सुषमा स्वराज जी,

सप्रेम नमस्कार।

भद्रवाह (जिला–डोडा) जम्मू कशमीर से प्राप्त आपको सम्बोधित ज्ञापन की संलग्न प्रति कृपया देखें। मैं व्यक्तिगत रूप से जानता हूँ कि ज्ञापन में जो बिन्दु उठाये गये हैं, वह बिलकुल सही हैं। स्वयं मैंने तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मन्त्री के पीछे पड़कर इस काम को स्वीकृति दिलवाई थी। मैं नहीं जानता था कि निर्माण तथा सम्पूर्ण मशीनरी लग जाने के बाद भी वहाँ काम अभी तक प्रारम्भ नहीं हुआ। सम्भवतः भगवान ने इसका यश आपको ही देना था। मैं अनुग्रहीत हूँगा यदि आप समय निकाल कर स्वयं वहाँ जाएं और अपने हाथों से इस केन्द्र को प्रारम्भ करें।

वैसे भी आपको उधर जाना है। श्री चमन लाल गुप्ता जी के चुनाव अभियान में अचानक अस्वस्थ हो जाने के कारण आप नहीं जा सकी थीं। मैंने वहाँ के लोगों को वचन दिया था कि चुनावों के बाद आप वहाँ अवश्य आवेंगी। आपके वहाँ जाने से मेरे दिए हुए उस वचन की पूर्ति भी हो जावेगी।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमती सुषमा स्वराज,
केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मन्त्री,
भारत सरकार, नई दिल्ली

टिप्पणी – भद्रवाह, डोडा, जम्मू कशमीर में निर्माण सम्बन्धी कार्य को प्रगति देने के लिए श्रीमती सुषमा स्वराज को वहाँ जाने का आग्रह।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या KNS-3/382

दिनाँक : 16 फरवरी, 1993

प्रिय श्री पायलट जी,

नमस्कार।

काशमीर के अनन्तनाग से विस्थापित हुए वहाँ के विख्यात समाजसेवी श्री एच.एल. जड द्वारा मुझे लिखा संलग्न पत्र कृपया देखें। इसके साथ उन्होंने आपको भेजे ज्ञापन की एक प्रति भी लगाई है।

ज्ञापन में किये उनके अनुरोध पर कृपया शीघ्र कार्यवाही करवाएँ। इससे इन्हें राहत मिलेगी। मेरा विश्वास है कि आपके हस्तक्षेप से मामला जल्दी तय हो जाएगा।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री राजेश पायलट,
आंतरिक सुरक्षा मंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली।

केदार नाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**

Kidar Nath Sahani **Bharatiya Janata Party**

दिनाँक : 15 दिसम्बर, 1993

संदर्भ संख्या KNS-3/334

प्रिय श्री कृष्णराव जी,

नमस्कार।

कृपया अनन्तनाग प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष श्री एच.एल. जड द्वारा आपको भेजे ज्ञापन की संलग्न प्रति देखें।

श्री जड ने बात तो सही लिखी है। जिस स्थान का उपयोग सुरक्षा बल लम्बे समय से कर रहे हैं उसका किराया तो उस स्थान के स्वामी, अनन्तनाग प्रबन्धक कमेटी, को मिलना ही चाहिए। कृपया सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश देकर इनके किराये का भुगतान करवाएं।

सादर,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री के. वी. कृष्णराव,
राज्यपाल,
जम्मू काशमीर,
जम्मू।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 1 जून, 1998

क.म. 6150-6/BJP/DP/98

आदरणीय श्री आडवाणी जी,

नमस्कार।

अनन्तनाग के विख्यात समाजसेवी श्री एच.एल. जड का मकान सीमा सुरक्षा बल द्वारा वर्षों तक अपने कार्यालय आदि के लिए कब्जे में लिया हुआ है। लम्बे पत्राचार के बाद अनन्तनाग के डिप्टी कमिश्नर ने श्री जड को सूचित किया है कि उनके मामले का निपटारा 30 मार्च को किराया तय कर निपटा दिया गया है। परन्तु उन्हें किराया अभी तक नहीं मिला। 10 जनवरी, 1994 से उनका मकान सीमा सुरक्षा बल के कब्जे में था। सम्भवतः आपके कार्यालय से सीमा सुरक्षा बल को लिखने के बाद इनके किराये का भुगतान हो जायेगा। यदि ऐसा होता है तो इस विस्थापित परिवार की अनेक कठिनाईयाँ दूर हो जायेंगी।

आदर के साथ,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी,
केन्द्रीय गृह मन्त्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

केदार नाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**

Kidar Nath Sahani **Bharatiya Janata Party**

दिनाँक : 16 नवम्बर, 1994

प्रिय श्री अशोक कुमार जी,

नमस्कार।

अनन्तनाग के वकील श्री एच.एल. जड तथा उनके भाई श्री बाल कृष्ण जड के गंजीवाड़ा, अनन्तनाग स्थित मकान 14–1–1994 से सीमा सुरक्षा बल द्वारा प्रयोग किए जा रहे हैं। जिला अनन्तनाग के पुलिस अधीक्षक को 16–5–94 को कश्मीर रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक ने अपने पत्र क्रमांक बिल्ड 5/94–3727–31–के आर में कहा था कि यह जिला रैण्ट असैसमेण्ट कमेटी से इन मकानों के किराये का अनुमान लें तथा अपनी सिफारिशें भेजें। ऐसा प्रतीत होता है कि इस दिशा में अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई क्योंकि जड बन्धुओं को अभी तक किराया तय हो जाने की सूचना नहीं मिली। न ही उन्हें किराये का भुगतान किया गया है। इस बीच श्री जड ने अनन्तनाग के जिला विकास आयुक्त (डिप्टी कमिश्नर) जो रैण्ट असैसमेण्ट कमेटी के अध्यक्ष भी हैं, को इस मामले को जल्दी तय करवाने हेतु पत्र भी लिखा था। साथ ही उन्होंने उन्हें मैसर्स एन.जी. बदलानी जो भारत सरकार के रजिस्टर्ड वैल्फअर है द्वारा अपने जायदाद का एक अनुमान–पत्र भी भेजा है। स्वाभाविक है कि श्री जड चाहते है कि यह मामले जल्दी तय हो जाएं जिससे उन्हें नियमित रूप से किराया मिलना शुरू हो जाए ताकि उनकी वर्तमान मुसीबतों में कुछ कमी हो जाए।

शायद अनन्तनाग के डिप्टी कमिश्नर से इस मामले के संबंध में एक बार आपके द्वारा पूछे जाने से ही श्री जड की समस्या हल हो जाए। इसलिए मैं चाहूँगा कि आप कृपया उन्हें इसकी जल्दी तय करवाने हेतु कहें। कष्ट के लिए क्षमा चाहता हूँ।

सादर

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री अशोक कुमार,
आई.ए.एस., चीफ सेक्रेटरी, जम्मू कश्मीर
जम्मू–तवी (जे. एण्ड के. स्टेट)

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 30.11.90

संदर्भ संख्या: BJP/CO-7394/90

प्रिय श्री सक्सैना जी,

इस पत्र के साथ मैं ऑल स्टेट कश्मीरी पण्डित कॉन्फ्रेंस तथा श्री सनातन धर्म युवक सभा के कार्यकारी अध्यक्ष श्री हरजीलाल जड द्वारा श्री भूषण लाल का मुझे भिजवाया एक ज्ञापन आपके विचारार्थ भेज रहा हूँ। श्री भूषण लाल जम्मू काशमीर राज्य के होमगार्ड की पहली बटालियन में काम करते हैं। कश्मीर घाटी की विशेष परिस्थिति के कारण ये हजारों अन्य सरकारी कर्मचारियों की भांति विस्थापित होकर जम्मू आ गये हैं। समय-समय पर उन्हें मिलने वाले नोटिसेज की फोटोप्रति ज्ञापन के साथ लगी हुई है। स्वाभाविक है ऐसी परिस्थिति में श्री भूषण लाल काशमीर घाटी में जाने से डरते हैं। इनके कमान्डेंट ने समाचारपत्रों में विज्ञापन देकर इन्हें नौकरी पर हाजिर होने के लिए कहा है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि श्री भूषण लाल एक महीने के भीतर नौकरी पर हाजिर नहीं हो जाते, तो उन्हें सेवा मुक्त कर दिया जाएगा।

श्री भूषण लाल की विशेष परिस्थिति समझ कर ही इस सम्बन्ध में राज्य सरकार को कोई फैसला करना चाहिए। यदि स्वयं आपको यह लगता हो कि काशमीर घाटी की स्थिति ऐसी है कि श्री भूषण लाल अपनी नौकरी पर सुरक्षित रह सकते हैं तो फिर मुझे कुछ नहीं कहना। यदि आप स्वयं यह अनुभव करते होंगे कि वर्तमान परिस्थितियों में श्री भूषण लाल अपनी नौकरी पर सुरक्षित नहीं रह सकते तो फिर उन्हें नौकरी से

निकालना कहाँ तक उचित होगा। आप कृपया इस मामले पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके अंतिम निर्णय करें।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गिरीश चन्द्र सक्सैना,
राज्यपाल, जम्मू काशमीर राज्य,
जम्मू।

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा आतंकवादी अलगाववादी समस्याओं के चलते विस्थापित कश्मीरियों विशेषकर सरकारी कर्मचारियों तथा उनके परिवार की सुरक्षा हेतु पत्र। इस संदर्भ में विस्थापित कश्मीरी सरकारी कर्मचारी के निलंबन तथा उसके स्थानांतरण पर सहानुभूति–पूर्वक विचार के लिये राज्यपाल से आग्रह।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दि. 30 दिसम्बर, 1995

भाजपा/दिप्र./1140–12/95

आदरणीय श्री चव्हाण जी,

नमस्कार।

इस पत्र के साथ में कश्मीर के विस्थापित श्री एच. एल. जड के मुझे भेजे कागज आपके अवलोकनार्थ भेज रहा हूँ। श्री जड अनन्तनाग के रहने वाले हैं। 14 जनवरी, 1994 से इनका तथा इनके भाई का मकान सीमा सुरक्षा बल के अधिकार में है। तबसे ही श्री जड किराये के लिए अलग–अलग अधिकारियों को लिखते आ रहे हैं। कश्मीर घाटी में एक अति सम्पन्न वकील होने के बाद वर्तमान में एक शरणार्थी के रूप में रह रहे श्री जड किस आर्थिक कठिनाई से गुजर रहे होंगे, इसका अनुमान आप लगा सकते हैं। यदि इन्हें यह किराया मिल जाता है तो इनकी अनेक कठिनाईयां दूर हो जायेंगी। सम्भवतः आपके हस्तक्षेप से 2 वर्ष से चलती आ रही इनकी लम्बी प्रतीक्षा का अन्त हो जाए और इनकी कठिनाई कुछ अंशों में दूर हो सके।

संलग्न कागजों से स्पष्ट हो जायगा कि कश्मीर के उस पुलिस महानिरीक्षक ने इस बात की पुष्टि की है कि इनके मकान सीमा सुरक्षा बल के उपयोग में उक्त तिथि से है। मेरा अनुरोध होगा कि आप कृपया सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों को कहकर उन्हें किराये का भुगतान करवायें। आभारी हुँगा।

सादर,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री एस.बी. चव्हाण जी,
केन्द्रीय गृहमन्त्री,
भारत सरकार, नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 7 नवम्बर, 1998

संदर्भ संख्या – 5620-11/BJP/DP/96

प्रिय श्री ओम प्रकाश ठाकुर जी,

नमस्कार।

आज की डाक से 21 अक्टूबर का लिखा आपका पत्र मिला। विस्तृत रूप में हालात की जानकारी देने के लिए धन्यवाद। पिछले सप्ताह भद्रवाह से दो–तीन लोग आए थे। उन्होंने डोडा जिले कि समस्याओं की पूरी जानकारी दी।

आप इसी तरह पत्र लिखकर वहां के हालात की जानकारी देते रहा करें। मैं अपने तौर पर भारत सरकार पर दबाव बनाए रखने की कोशिश करता रहूँगा। वैसे अब फैसले श्रीनगर और जम्मू में होने हैं। इसलिए जरूरी है कि आप श्री चमन लाल गुप्ता जी व विष्णु दत्त जी और श्री शिवचरण गुप्ता जी से सम्पर्क बनाए रखें और उन्हें वहां के हालात की पूरी जानकारी देते रहा करें। ताकि जो कुछ भी संभव हो वह कर सकें।

श्री भूषण जी और भगत राम जी को मेरा नमस्कार कहें।

आपका शुभचिंतक,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**

Kidar Nath Sahani **Bharatiya Janata Party**

संदर्भ संख्या KNS-1/582

दिनाँक : 29–7–92

प्रिय श्री कपूर जी,

नमस्कार।

एक साधारण से काम के लिए आपको कष्ट देना पड़ रहा है। 27 दिसम्बर 1979 को अनन्तनाग में प्रसिद्ध समाजसेवी श्री. प्रेमनाथ भट्ट की हत्या कर दी गई थी। पं. प्रेमनाथ भट्ट मैमोरियल सोसाइटी को अथवा उनके परिवारजनों को उनकी हत्या की वैरीफिकेशन रिपोर्ट अभी तक नहीं मिल सकी। आप कृपया पुलिस महानिदेशक से कह कर उपरोक्त रिपोर्ट दिलवा दें। मैं कृतज्ञ हूँगा। सोसाइटी द्वारा पारित प्रस्ताव सन्लग्न है।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री विजय कपूर,
मुख्य सचिव, जम्मू काशमीर राज्य,
श्रीनगर।

केदार नाथ साहनी
महामंत्री

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 26 मई, 1990

संदर्भ संख्या : BJP/CO-3369/90

बन्धुवर श्री ज्योति स्वरूप जी,

सप्रेम नमस्कार।

श्री आनन्द जी द्वारा आपका 23.5.1990 का लिखा पत्र मुझे अभी–अभी मिला है। आप वाराणसी में हैं और सकुशल एवं सानन्द हैं जानकर प्रसन्नता हुई है। श्री प्रेम नाथ भट्ट जी की हत्या अत्यन्त दुखदायी है। मेरा भी उनसे अच्छा परिचय था। मैं जम्मू में उनके घर जाकर उनके परिवार के लोगों को मिला था। श्री हरजीलाल जड मेरे साथ थे। श्री कशमीरी लाल, श्री कुमार जी आदि सब उस दिन वहाँ थे। अपनी ओर से हर तरह की सहायता का उन्हें आश्वासन भी दिया था। श्री कुमार जी की इच्छा दिल्ली में वकालत करने की थी। उन्हें मैंने दिल्ली की टेक्सेशन बार के सबसे अच्छे वकील श्री सांगल का सहायक बनवा दिया है। पिछले 3, 4 सप्ताह से वह मुझे मिले नहीं। उन्हें 2, 3 सन्देश भिजवाए हैं मुझे आकर मिलें।

श्री कशमीरी लाल के बारे में श्री जगमोहन से और जम्मू काशमीर के मुख्य सचिव श्री आर. के. टक्कर से मैंने दो बार बात की थी। दुर्भाग्य से वचन देकर भी उन्होंने इस मामले में कुछ किया नहीं। लगभग एक मास पूर्व जब श्री कुमार जी मुझे मिले थे तब उन्होंने कहा था कि श्री कशमीरी लाल भी दिल्ली आकर वकालत करना चाहते हैं सुप्रीम कोर्ट के एक बहुत अच्छे वकील से उन्हें अपना सहायक बनाने की स्वीकृति ले रखी है। परन्तु, अभी तक श्री कशमीरी लाल दिल्ली आए नहीं। जैसे ही वह आवेंगे उनकी व्यवस्था करवा दूँगा। पता नहीं कुमार जी अथवा अन्य बन्धुओं ने उन तक जल्दी दिल्ली आने का सन्देश पहुँचाया है या नहीं। मैं उनकी प्रतीक्षा कर रहा हूँ।

परिस्थितियां असामान्य हैं। इसलिए चाहने पर भी कुछ बातें हमारी क्षमता से बाहर हो जाती हैं। अब तो श्री जगमोहन भी वहाँ नहीं रहे। इसलिए हमारे लिए परिस्थिति के यथार्थ को समझना आवश्यक हैं। मार्ग तो इनमें से ही निकलेगा। हम सब कार्यकर्ता अपनी ओर से पूरा यत्न कर रहे हैं कि काशमीर से विस्थापित हुए हर हिन्दू और विशेषकर अपने परिवार के सदस्यों का कष्ट कम कर सकें। यदि आपके पास कुछ अन्य विशिष्ट सुझाव हो तो कृपया लिख भेजें। अवश्य उस पर विचार कर लेंगे। मैं इस पत्र की एक प्रति श्री कशमीरी लाल जी को भी भेज रहा हूँ।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री ज्योति स्वरूप,
घटाटे राम मंदिर,
गोदौलिया, वाराणसी – (उ.प्र.)

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा प्रेमनाथ भट्ट की हत्या पर अपनी संवेदना प्रकट करते हुए उनके परिवार के सदस्यों की हर स्थिति में सहायता का आश्वासन तथा उनके परिवार के सदस्यों की आजीविका सम्बन्धी सहायतार्थ पत्र।

केदारनाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**

महामंत्री **Bharatiya Janata Party**

संदर्भ संख्या BJP/CO688/90

दिनाँक : 10–3–90

प्रिय श्री हरजी लाल जी,

नमस्कार।

इस पत्र के साथ मैं श्रीमती दर्शन कौर का एक ज्ञापन आपके पास भिजवा रहा हूँ। ज्ञापन में जो मुद्दे उठाये गये हैं वे काफी गम्भीर हैं। निश्चित रूप से इस मामले की पूरी छानबीन होनी चाहिए। श्रीमती दर्शन कौर को शिकायत है कि इनके मामले को गम्भीरता से नहीं लिया जा रहा। आशा करता हूँ कि मामला आपके ध्यान में आने के बाद ऐसा नहीं होगा।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री हरजी लाल जड,
ऐडवोकेट

द्वारा,
प्रधानाचार्य केन्द्रीय विद्यालय नं.–1
गांधी नगर,
जम्मू।

टिप्पणी – 1984 दंगों की भुक्तभोगी महिला को उसका न्यायोचित अधिकार दिलाने हेतु पत्र।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh
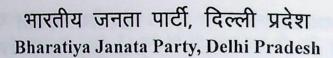
दिनाँक : 10.10.97

क्रमांकः 2794-10/BJP/DP/97

आदरणीय श्री कल्याण सिंह जी,

नमस्कार।

सम्भवतः आपको स्मरण होगा कि हरिद्वार में श्री अशोक सिंघल जी ने एक मामले के बारे में आपसे बात की थी। श्री दीपक राठी, जो उस समय उनके साथ आपको मिले थे, को आपने एक नोट बनाकर देने को कहा था। श्री राठी नोट के साथ लखनऊ आए भी थे। उन्होंने आपसे मिलने का प्रयत्न भी किया था। परन्तु, उन्हें आपसे मिलने का अवसर नहीं मिल सका। सम्भवतः आप अत्याधिक व्यस्त थे।

पंजाब–हरियाणा–दिल्ली चैम्बर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री द्वारा आपको सम्बोधित सन्लग्न ज्ञापन ही वह नोट है, जिसमें वे सब बातें लिखी हैं, जिनकी चर्चा श्री राठी आपसे करना चाहते थे। आपको ज्ञात ही है कि दिल्ली में उच्चतम न्यायालय के एक निर्णय के कारण 168 बड़े उद्योग को बन्द कर दिया गया है। कई राज्य सरकारें इन बड़े उद्योगो को अपने राज्य में आमन्त्रित करने के लिए कई तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है। उत्तर प्रदेश की सरकार यदि इस प्रतिवेदन में उल्लिखित सुविधाएं प्रदान करती हो तो इनमें से अधिकांश लोग उत्तर प्रदेश में अपने उद्योग लगाना पसन्द करेंगे। वैसे, तो बिक्री कर के मामले में उत्तर प्रदेश सरकार ने कुछ सुविधा दे कर इस दिशा में प्रयत्न भी किया है। परन्तु, भूमि के आवंटन, उसके मूल्य तथा बिजली उपलब्ध करवाने के सम्बन्ध में भी यदि कुछ सुविधाएं प्रदान हो सके तो राज्य सरकार को इस उद्देश्य में सफलता

मिल सकती है।

कृपया इस सुझाव पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करें।

इस पत्र की एक प्रति मैंने श्री दीपक राठी जी को भी दी है। यदि आपके कार्यालय से उन्हें सूचित कर दिया जाए कि वह आपसे कब मिल सकते हैं, तो वह स्वयं आपको मिल लेंगे। मैंने फोन पर आपसे बात करनी चाही थी, परन्तु आप उस समय उपलब्ध नहीं थे।

आदर के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री कल्याण सिंह जी,
मुख्यमंत्री,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

टिप्पणी – दिल्ली से विस्थापित उद्योगों को उत्तर प्रदेश में स्थापित करने तथा उनका और राज्य का विकास करने हेतु पत्र। इस संदर्भ में उद्योगों को कुछ सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु आग्रह।

केदारनाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या KNS-3/302

दिनाँक : 21 जुलाई, 1993

प्रिय श्री पायलट जी,

सप्रेम नमस्कार।

काश्मीर से विस्थापित हुए एक विख्यात वकील श्री हरजी लाल जड का एक पत्र मुझे प्राप्त हुआ है। उसके साथ वहाँ के राज्यपाल को भेजे उनके एक ज्ञापन की प्रति भी है। पत्र तथा ज्ञापन संलग्न है। अनन्तनाग (काश्मीर) में उनका मकान जलाकर राख कर दिया गया है। उनके कथनानुसार वर्षा और बाढ़ से उनके दूसरे मकान को भी भारी क्षति पहुँची है।

ज्ञापन में अनुरोध किया गया है कि अन्य लोगों की भांति ही श्री जड को भी उनकी क्षति का मुआवजा दिया जाए। राज्य सरकार बीच–बीच में किसी–किसी को चुन कर मुआवजा दे यह तो अच्छी बात नहीं। इसलिए कृपया राज्यपाल महोदय को कहें कि वह इस मामले पर भी यथाशीघ्र कार्यवाही करें।

आभार एवं मंगलकामनाओं के साथ,

भवदीय

(केदारनाथ साहनी)

श्री राजेश पायलट,
गृह राज्य मंत्री, भारत सरकार
नई दिल्ली–110001

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
संयोजक
ओवरसीज फ्रेंडस ऑफ बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 20 जुलाई, 2005

प्रिय बन्धु श्री कटारिया जी,

सप्रेम नमस्कार

लम्बे समय के बाद, श्रीमान भण्डारी जी के अन्तिम संस्कार के अवसर पर आपसे भेंट हुई थी और बहुत अच्छा लगा था। आपके कार्यकलापों के बारे में, इधर–उधर से जो भी सुनने को मिलता है, उससे मन प्रसन्न हो उठता है। भगवान आपको शक्ति दे कि आप हमेशा इसी तरह राजस्थान की जनता की सेवा करते रहें तथा अपने संगठन के लिए और भी कीर्ति अर्जित करते रहें।

आज प्रातः राजस्थान के एक दुखी, दिल्ली निवासी सज्जन मुझे मिले थे। उनकी बात सुनकर दुख तो हुआ ही, आश्चर्य भी कम नहीं हुआ। संलग्न ज्ञापन में उन्होंने अपनी सारी कहानी लिख रखी है। साथ ही, अपनी कथनी की पुष्टि में उन्होंने घटनाक्रम के तीन प्रत्यक्ष–साक्षी व्यक्तियों के शपथ–पत्र भी लगा रखे हैं।

अपनी व्यथा उन्होंने अपने क्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों तक पहुँचाई है। किन्तु उसका कोई परिणाम नहीं हुआ। उन्होंने यह ज्ञापन राजस्थान पुलिस के महानिदेशक को भेजा है। अब तक कोई परिणाम न निकलने के कारण ही दिल्ली के एक प्रमुख कार्यकर्ता को साथ लेकर वह मुझे मिलने आए थे।

मैंने उन्हें भरोसा दिया है कि आप निश्चित रूप से इस मामले की निपक्ष जांच करवाएंगे तथा यदि जो कुछ ज्ञापन में लिखा है, वह सत्य सिद्ध हुआ तो दोषी अधिकारियों को अवश्य दण्डित करेंगे। आशा है कि आप भी मुझसे सहमत होंगे। पत्र लिखने का मेरा मनतव्य यही है कि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए तथा न्याय हो और दोषी बच न पाएं।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गुलाब चन्द जी कटारिया
माननीय गृहमंत्री,
राजस्थान सरकार,
जयपुर

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा राजस्थान के दिल्ली निवासी की व्यथा के संदर्भ में राजस्थान के तत्कालीन गृहमंत्री श्री गुलाब चन्द कटारिया को पुलिस तथा कानून से सम्बन्धित समस्या के निवारण हेतु पत्र।

भवदीय

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश

Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh
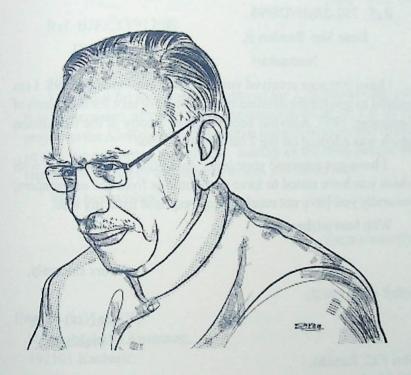
February 4, 1998

Ref. 752-2/BJP/DP/98

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

I have just now received yours of the 28th January, 1998. I am grateful to you for the detailed report you have sent for the month of December, 1997. Also has been received a copy of the Resolution which was adopted on the 27th January, 1998.

I have not received your letter dated the 5th December with which you have stated to have sent cuttings from the newspapers, Naturally you have not received any response from my side.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah,
Jammu & Kashmir

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 4.12.1989

Ref. BJP/CO/917/89

Dear Shri Jad ji,

Namaskar!

I am thankful for your kind letter of the 27th November, 1989. It is an occasion of pride and happiness for all of us. Let us now pray… to the Almighty Lord to give us enough wisdom and strength so that we can prove ourselves… worthy of the trust people have reposed. Kindly pay my regards to shri P.N.Bhatt also.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L. Jad,
Nazuk Mohalla Anantnag,
192101 Kashmir.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : October 12 , 1990

Ref. No. BJP/CO-6774/90

My dear Vaishnavi ji,

Namaskar:

I am enclosing a photo-copy of a letter which I have received to- day from the Home Secretary, Govt. of India. This is in response to one of my letters written to him sometime back.

I shall like you to react to this letter point by point explaining the ground realities.

With best wishes.

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri A.N.Vaishnavi,
Jammu Kashmir Sahayata Samiti,
Room NO. 10 Geeta Bhawan
JAMMU TAWI

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date : 22nd July, 1997

Ref. No. 10560-7/BJP/DP/97

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

I thankfully acknowledge the receipt of your letter dated 13th July, 1997, received just today. I have noted with concern and interest the contents of your letter which give an elaborate account of what had happened during the month of June. Also I have noted the general observations you have made. Please do keep on sending such a report in future also.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

President
Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha
Bhadarwah,
Jammu & Kashmir

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date : April 11, 1996

Ref. No. 3140-4/BJP/DP/96

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

Just today I have received your detailed letter dated 2.4.1996. Thanks.

I am grateful, for sending detailed information which is always helpful. As I explained in my previous letter that it will not be possible to attend to letters received during the next three weeks. Kindly excuse me if your letters are not responded to.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F. C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah,
District- Dada,
J&K State.

केदार नाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**

Kidar Nath Sahani **Bharatiya Janata Party**

General Secretary

Date : 28.4.1989

Ref. BJP/CO-645/89

Dear Shri Harji Lal ji,

Namaskar.

Please find enclosed photo-copy of a letter I have received today from the J & K Chief Minister Shri Farooq Abdullah. Let us hope that he acts as per his words. This is just for your information and perusal.

With my regards to Shri P.N. Bhat and other friends,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harji Lal Jad
Advocate
Anantnag (J & K State)

Note - Sahani ji was assured by the then Chief Minister of J. K. Shri Farooq Abdullah in reply to his letter to safequard the interest of entire minority community in the State, which Sahaniji Conveyed to Shri H. L. Jad.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref. No. KNS-1/1926

Dated : 19-1-96

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar

Just today I have received your two letters dated 6th & 10th January, 1996. I was really surprised to see your complaint that I had not replied to one of your earlier letters which was sent by register post. You know me for the last five years and you must have noticed that I acknowledge readopt your letters send replies the same day I receive thus. It is just possible that my letter in question did not reach you because of the problems of the postal department.

Please be assured that each of your letters is being attended to. The contents are conveyed to the PMO the same day with a request that appropriate measures be taken to save the situation. In future also we shall be doing the same although any action on the part of the GOI connot he ensured. Yet, we shall keep up our pressure.

With regards,

Yours Sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan ji,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah,
JAMMU

केदार नाथ साहनी **भारतीय जनता पार्टी**

KIDAR NATH SAHANI **Bharatiya Janata Party**

Ref. No. KNS-1/183

Date : 06-2-1995

Dear Shri Razdan ji,

Saprem Namaskar.

I thankfully acknowledge the receipt of a copy of the resolution you have very kindly sent to me. The resolution very aptly projects the hard realities of the situation there which not many in the country know.

Please do keep knocking the door of the authorities who are behaving as deaf and blind spectators.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
BHADARWAH - (Jammu)

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date: 9th March, 1997

Ref. No. 7546-3/BJP/DP/97

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar.

Thank you very much for your kind letter of 25th February, 1997. Your letter gives a very clear picture of the state of affairs in Doda district. I shall certainly use this Information to ask the concerned authorities at Delhi to do something in the matter.

With kind regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Dharam Sabha,
Bhadarwah,
Jammu & Kashmir

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref : KNS-1/457

Date : Aug.13, 1991

Dear Shri Bhat ji,

Namaskar.

Thanks for yours of the 8th instant and specially for the press clippings. As desired these will be delivered to Shri Khurana ji, so that, if need be, he could use it in the Lok Sabha.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri J.K. Bhat,
67, B/D, Gandhi nagar
Jammu.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : Dec. 09, 1991

Ref : KNS-1/804

Dear Shri Bhat ji,

Namaskar.

Thanks for sending to me a copy of your letter addressed to Shri Indresh Ji, a clipping of Kashmir Times and a photo-copy of a letter which Indresh ji wrote to you. Let us hope that God guides us all to follow the correct path and we succeed in facing the present unfoutunate and difficult situation with sagacity and courage.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri J. K. Bhat,
67, B/D Gandhi nagar,
Jammu

Note - Sahaniji advised that the then prevailing difficult situation in Kashmir would be tackled with wisdom and courage.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
Ex. General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Ref : BJP/CO-1366/91

Date : 11th February, 1991

Dear Shri Bhat Ji,

Namaskar.

Thanks for sending to me a clipping of the "Kashmir times". It shows the perverted thinking of our so called secular friends and Shri Bhasin is one from amongst them. Such opposition should not bother us unnecessarily as it is bound to grow with the increasing strength of the B. J. P.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Jai kumar Bhat,
67, B/D Gandhi nagar,
Jammu

Note - Sahaniji was of the view that wicked designs of so called secular parties against BJP, would make it more firm in its resolve to work against seperatists.

कुशल संचालक

केदारनाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 26 अप्रैल, 1994

प्रिय श्री राजदान जी,

नमस्कार।

25 अप्रैल, 1994 को संसद में भारतीय जनता पार्टी के राज्य सभा सदस्य श्री कृष्ण लाल शर्मा ने डोडा जिला में फैल रहे उग्रवाद के सम्बन्ध में जो भाषण दिया था, उसकी एक प्रति आपकी जानकारी के लिए भेज रहा हूँ।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री एफ. सी. राजदान,
सचिव
सनातन धर्म सभा
भद्रवाह
जिला– डोडा (जम्मू काशमीर)

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

क्रमांकः 387107/भाजपा/दिल्ली/96

दिनाँक : 6 जुलाई, 1996

प्रिय श्री राजदान जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका पत्र मुझे आज ही मिला है। इस बार पत्र विस्तार से और साथ–साथ टाईप अच्छा होने के कारण मैं पत्र अच्छी तरह पढ़ पाया हूँ। मैं आज ही जम्मू काशमीर राज्य के मुख्य सचिव श्री अशोक कुमार जी को पत्र लिखकर आग्रह कर रहा हूँ कि नियमों के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए इन सब लोगों की समस्याओं का समाधान करवा दें। आशा करनी चाहिए कि वह ऐसा अवश्य करवाएंगे।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री फकीरचन्द राजदान,
अध्यक्ष,
श्री सनातन धर्म सभा,
भद्रवाह (जिला डोडा),
(जम्मू काश्मीर)

टिप्पणी – डोडा की समस्याओं के बारे में J &K. के सचिव को पत्र।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

केदार नाथ साहनी

14, Pt Pant Marg,
New Delhi 11001
Ph- 3712323

3709–6 / भाजपा / दिल्ली / 96

दिनाँक : 25 जून, 1996

प्रिय श्री राजदान जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 15 जून, 1996 का लिखा पत्र मुझे आज मिला है। धन्यवाद।

पत्र में लिखी जानकारी का पूरा लाभ उठाया जायेगा। वैसे, अब तो श्री चमनलाल गुप्ता डोडा जिला की बात संसद में भी उठाते रहेंगे, और साथ ही एक संसद सदस्य के अधिकार से अधिकारियों से भी कहेंगे। मुझे विश्वास है कि उनके लोकसभा सदस्य चुने जाने के कारण डोडा जिला के लोगों के कष्ट दूर करने में काफी सहायता मिलेगी।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री. एफ.सी. राजदान जी,
सनातन धर्म सभा,
(भद्रवाह जम्मू काश्मीर)

टिप्पणी – श्री चमनलाल गुप्ता जी के संसद सदस्य चुने जाने पर उनके द्वारा, डोडा की समस्याओं को संसद में उठाने के संदर्भ में।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या KNS-1/583

दिनाँक : 29–7–92

प्रिय श्री कौल जी,

नमस्कार।

मैं विदेश से कल ही लौटा हूँ। आपका 30–6–92 का पत्र मुझे मिल गया है। राज्यपाल श्री जी.सी. सक्सैना तथा मुख्य सचिव को लिखे पत्रों की प्रतियां भेज रहा हूँ। आशा करनी चाहिए कि वैरीफिकेशन रिपोर्ट आपको जल्द मिल जाएगी।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री बी. एल. कौल,
महामन्त्री,
पंडित प्रेम नाथ भट्ट मैमोरियल सोसाइटी
336, लेन नम्बर 11 तालाब टिल्लू
जम्मू–180002

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दि. 18 अगस्त, 1998

संदर्भ संख्या: 527-8/KNS/98

प्रिय श्री ओम प्रकाश जी,

नमस्कार।

आपका 8 अगस्त 1998 का लिखा पत्र मुझे अभी–अभी मिला है। वैसे तो श्रीमान आडवाणी जी डोडा जिला की परिस्थिति पर नजर रखे हुए हैं। वहाँ के आतंकवाद से निपटने के लिए उन्होंने विशेष योजना भी बनाई है जिसके परिणाम सम्भवतः अगले कुछ सप्ताह में दिखाई देने लगेंगे। तथापि मैं आपका पत्र उन तक पहुँचा दूँगा ताकि इसमें उठाये सभी बिन्दु भी उनके ध्यान में रहें।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री ओम प्रकाश ठाकुर,
एडवोकेट,
डोडा,
(जम्मू काशमीर)

टिप्पणी – श्री आडवाणी जी को डोडा जिले की परिस्थिति के बारे में अवगत कराने तथा गृह मंत्रालय द्वारा आतंकवाद से निपटने के लिए बनाई योजना हेतु उठाये सभी बिन्दुओं की चर्चा के बारे में।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 14–9–2001

प्रिय श्री तुलसीराम जी,

सप्रेम नमस्ते।

आपका 4 सितम्बर का लिखा पत्र अभी–अभी मिला है। मैं चिन्तित था कि आपका प्रति उत्तर क्यों नहीं आया था। अस्तु।

दिल्ली में नए पुलिस कमिश्नर आए हैं। मैं उन्हें नहीं जानता। वैसे, उन्हें मैंने आपकी शिकायत के सम्बन्ध में एक पत्र आज ही भेजा है। उसकी प्रति आपकी जानकारी के लिए भेज रहा हूँ। कह नहीं सकता कि वह क्या कुछ करेंगे।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसीराम डोगरा जी।
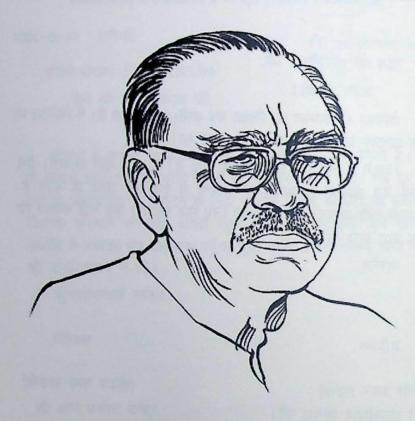
भवदीय

Former Governor of Sikkim and Goa

Date :- 19-08-2009

Dear Shri Chidambram Ji,

Saprem Namaskar.

I am enclosing herewith copy of a petition addressed to the Prime Minister, regarding Jammu Kashmir from Goa Freedom Fighters Association, complaining that although Goa freedom fighters, spread all over the country, were getting freedom fighters pension, the freedom fighters from J & K State, in spite of the court orders, were being denied the same. They have been representing their case for the grant of pension for last several years. This writing makes them feel humiliated. It is a matter of shame for all of us that they have to remind the Govt. of India in this regard, again and again.

I shall request to you to kindly send for the file and see for yourself as to what the State Government and the local MPs including Dr. Karan Singh have been saying about this case. Please take personal interest in the matter and see that the Govt. of India, at the earliest, makes amends and the injustice done to these patriots was undone at the earliest. Their pension should be released at the earliest. Most of the freedom fighter them are over 80 Years of age. Let they have a feeling, that the nation recognizes their sacrifices. The nation owes a lot.

Kind regards,

Sincerely Yours,

(Kidar Nath Sahani)

Shri P. Chidambram Ji
Hon'ble Home Minister & Finance Minister
Govt. of India, New Delhi

Note - Sahaniji raised the issue of pension of Goa Freedom Fighters from Jammu and Kashmir which was denied to them in spite of the court orders. Requested the then Home Minister to look in to the matter personally and did Justice to them.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 1.3.2008

प्रिय श्री तिलकराज जी,

सस्नेह नमस्कार।

आज ही श्री शिवराज पाटील गृहमन्त्री भारत सरकार द्वारा मेरे 13.2.2008 को उन्हें लिखे पत्र की पावती मिली है। उसकी प्रति आप सबकी जानकारी के लिए भेज रहा हूँ। देखें क्या परिणाम निकलता है।

मेरा सुझाव है कि आप भी वहाँ से उन्हें पत्र लिख कर तथा वहाँ के किसी न किसी मन्त्री/सांसद से समय-समय पर इन्हें याद करवाते और जल्दी निर्णय करने का दबाव बनाए रखें।

बाबू परमानन्द जी का पत्र भी सहायक हो सकता है।

शुभेच्छु,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तिलकराज जी शर्मा

टिप्पणी – तत्कालीन गृहमंत्री श्री शिवराज पाटिल को पत्र द्वारा व्योवृद्ध गोवा मुक्ति संग्राम सेनानियों को पेंशन सुविधा हेतु तथा उचित कार्यवाही, यथाशीघ्र करने के लिए आग्रह।

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा – 403004

राज्यपाल, गोवा

Governor of Goa

नं : राज्य गोवा 11/2002/46

दिनाँकः 25.11.2002

प्रिय श्री विवेके जी,

सस्नेह नमस्ते।

आपका पत्र मिला तथा उसके साथ लगी श्री पर्रिकर जी तथा श्री नाईक जी को लिखे पत्रों की प्रतियाँ भी प्राप्त हुई। धन्यवाद।

अपने पत्र में आपने जम्मू काश्मीर के उन नौ बन्धुओं के नाम और पते तो लिखे ही नहीं, जिन्होंने गोवा मुक्ति संग्राम आन्दोलन में भाग लिया था। उनके नाम कृपया लिख भेजें। वैसे, मैं आपका यह पत्र माननीय मुख्यमंत्री श्री पर्रिकर जी को उचित कार्यवाही के लिए भेज रहा हूँ।

अन्य राज्य सरकारों ने ऐसे आंदोलनकारियों को किस तरह सम्मानित किया है, कृपया यह भी लिख भेजें।

वैसे, कल रात जम्मू काश्मीर के रघुनाथ मंदिर पर आतंकवादियों के द्वारा दूसरी बार आक्रमण किये जाने का समाचार अत्यंत दुखदायी है। आशा करता हूँ कि आप सकुशल होंगे।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री विवेके दाडकर,
भा.ज.पा. जम्मू और काश्मीर,
पं. प्रेमनाथ डोगर भवन,
कच्ची छावनी जम्मू

टिप्पणी – गोवा मुक्ति संग्राम के आन्दोलनकारियों से सम्बन्धित पत्र को गोवा के मुख्यमन्त्री तक पहुंचाने तथा उस पर कार्यवाही हेतु परामर्श तथा आग्रह।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
पूर्व गवर्नर, सिक्किम एवं गोवा
Former Governor Sikkim & Goa

दिनाँक : 01 फरवरी, 2008

प्रिय श्री पाटिल जी,

सप्रेम नमस्कार।

मैं इस पत्र के साथ एक फाईल भेज रहा हूँ जिसमें गोवा मुक्ति संग्राम में भाग लेने वाले जम्मू–कश्मीर के उन 9 लोगों को अब तक स्वतंत्रता सेनानी पेन्शन न दिए जाने का मामला उजागर होता है। जिनके नाम गृह मन्त्रालय द्वारा स्वीकार किए जा चुके हैं।

विशेष रूप से, मुझे आपका ध्यान इस तथ्य की ओर दिलाना है कि इन लोगों को पेन्शन देना 25.04.2007 को गृह मन्त्रालय के लोकनायक भवन, खान मार्केट स्थित कार्यालय में हुई बैठक में तय हो गया था। उस बैठक की कार्यवाही की प्रति इस फाईल में पताका 'क' तथा नामों की सूची पताका 'ख' दोनों फाईल में लगी है।

इस निर्णय का अब तक कार्यान्वित न होना, मेरी समझ में नहीं आ रहा है। वैसे, आप देखेंगे कि इस मामले के बारे में अनेक नेताओं ने समय–समय पर भारत सरकार को पत्र लिखा है।

इस कारण, अनुरोध है कि आप कृपया रूचि लेकर इन्हें तुरन्त पेन्शन दिए जाने का आदेश जारी करें। आप तो गोवा मुक्ति संग्राम के प्रत्यक्ष दर्शी हैं। कहने की आवश्यकता नहीं कि ये सभी लोग अब काफी बूढ़े हो चुके हैं और यदि इनके जीवनकाल में ही इन्हें पेन्शन मिल जाए तो अच्छा होगा।

सधन्यवाद!

भवदीय

(केदार नाथ सहानी)

श्री शिवराज पाटिल जी
मानीय गृहमंत्री, भारत सरकार
सं. 4327 / एच.एम.पी. / 08
प्रतिः श्री तिलकराज शर्मा जी

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

नंः राज्य.गोवा 1/2004/804 दिनांक : 2..1.2004

आदरणीय श्री आडवाणी जी,

सादर नमस्कार।

गत 19 दिसम्बर 2003 को गोवा सरकार ने देश के विभिन्न भागों से, उन सभी लोगों को जिन्होंने गोवा मुक्ति आन्दोलन में भाग लिया था, गोवा मुक्ति दिवस के अवसर पर आमंत्रित कर सम्मानित किया था। स्वाभाविक है वह सभी 155 लोग, जो जम्मू कश्मीर से लेकर तमिलनाडु तक तथा गुजरात से लेकर पश्चिम बंगाल तक के राज्यों से आए थे, अति प्रसन्न थे और स्वयं को गौरवान्वित अनुभव कर रहे थे।

उनमें से अधिकांश लोगों को मैं व्यक्तिगत रूप से जानता था। ऐसे सभी लोगों को मैंने, राजभवन में अलग से चाय पर आमंत्रित किया था। मुझे यह जानकर आश्चर्य भी हुआ और दुख भी कि जम्मू कश्मीर के जिन सत्याग्रहियों ने गोवा मुक्ति आन्दोलन में भाग लिया था, उन्हें भारत सरकार से पेंशन इसलिए नहीं दी जा रही कि जम्मू कश्मीर सरकार ने उनके नामों की सिफारिश नहीं की। इससे मुझे काफी कष्ट हुआ है।

इस सम्बन्ध में मैंने जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री श्री मुफ्ती मुहम्मद सैयद को एक पत्र (प्रति सन्लग्न) लिखा है। मैं नहीं जानता हूँ कि इस पत्र का उन पर कितना असर होगा। यह भी संभव है कि इस पत्र के बाद

भी वह इन नामों की अनुशंसा न करें। उसके कारणों में मैं जाना नहीं चाहूँगा। क्या इन लोगों को, जो गोवा मुक्ति आन्दोलन में सक्रिय थे, और जिन्होंने सत्याग्रह किया था, केवल इसलिए भारत सरकार पेंशन नहीं देगी कि जम्मू कश्मीर की राज्य सरकार उनके नामों की अनुशंसा करने को तैयार नहीं?

मैं चाहूँगा कि आप कृपया व्यक्तिगत रुचि लेकर इस समस्या का समाधान करवायें।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी,
माननीय उप प्रधानमंत्री, भारत सरकार,
नॉर्थ ब्लॉक, नई दिल्ली।

टिप्पणी– श्री साहनी जी द्वारा तत्कालीन उप प्रधानमंत्री श्री आडवाणी जी को लिखे इस पत्र में जम्मू कश्मीर के गोवा मुक्ति आन्दोलन में भाग लेने वाले सत्याग्रहियों को उचित पेंशन दिलवाने के लिये आग्रह।

भवदीय

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
Convenor,
Overseas Friends of BJP
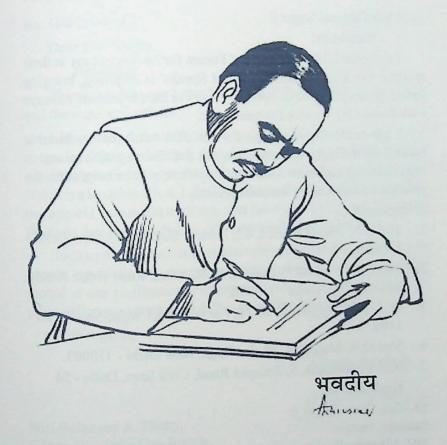
भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 9 October, 2009

Dear General Sagar ji

Namaskar!

I am grateful to the 'Patriots' Forum for having put me in their mailing list. Every issue of 'Bharat Speaks' is inspiring, bringing facts and thoughts, which not many know or dare to publish. I always look forward to receive the next issue.

I am enclosing a cheque for Rs. 500/- only as my humble contrubution for the cause and request that the magazine be sent to the following addresses who in my opinion, will be helpful for the mission undertaken by the publication.

Addresses Are :

1. Shri L N Jhunjhunwala, 63, Friends Colony (E), New Delhi - 110065.
2. Shri S. R. Jindal, Naturelle, D-3, Bhatta Road (Mall Road), Vasant Kunj, Delhi - 110070.
3. Shri. B.D. Aggarwal, 36/78, Punjabi Bagh West, New Delhi - 110026.
4. Shri D.N. Malhotra, 30, Jor Bagh, New Delhi - 110003.
5. Shri Vishwanath, 5, Racquet Road, Civil lines, Delhi - 54

Kind regards,

Sh. Gen. Prem Sagar ji
Patriots, Forum
204, Munirka Enclave,
New Delhi-110067
011-26169423

Sincerely yours,

(Kidar Nath Sahani)

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/6/2004/662 June 23, 2004

Dear Shri Shetty,

Namaskar.

Thank you for your letter No. OOIOP/SAS/1182(8) dated Nil, and the copies of articles.

I have found the articles very informative and useful. The magazine "One India One People" has been publishing articles concerning various topics that help generate a feeling of one country, which is a laudable effort. I shall appreciate if more articles regarding our age-old values and tradition, that have kept India one, inspite of the facts that it was ruled by different kings, are published.

Such a publication has a crucial role to play in enlightening our people, especially the younger generation, about how rich and deep-rooted is our civilization, culture and values, which perhaps, no other nation possesses. I wish this magazine every success.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Sadanand A. Shetty,
Editor, One India One People,
One India One People Foundation,
4th Floor, Mahalaxmi Chambers,
22, Bhulabhai Desai Road, Mumbai - 400026

Note - Praising magazine "One India One People" for publishing articles on age-old values and tradition that have kept India one.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/2/2003/190

February 17, 2003

Dear Shri Ojha ji,

Namaste.

It was so nice of you to call on me this morning. It was a pleasure to see you after such a long time and also to know that presently you are well settled. May the Almighty be always kind to you.

While I appreciate your gesture to bring for me our President, Dr. Kalam's book 'India 2020', I am surprised to see that you have left an embroidered Kurta-Pajama for me, knowing fully well that I am a very simple person who never uses such clothes. I wish you ought not have brought any present. You might be knowing that I do not like it.

With my best wishes for you and the family,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Mukesh Ojha,
UCIL SYNCHEM PVT. LTD.,
12/A, Champsi Bhimji Road,
Anjirwadi 'A',
Thakkar Industrial Estate,
Mazgaon,
Mumbai - 400010.

Note - Sahani ji upholding the principle of "Austerity and Honesty".

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

No. G/2/2003/210

February 27, 2003

Dear Shri Adi H. Doctor ji,

Namaskar

By now, I have gone through all the articles you have written in various publications and the book 'Political Thinkers of Modern India', as also the pamphlet giving in brief, the 600 years long, history of the Parsi community. I am grateful to you for enlightening me on many things regarding which I did not know much earlier, although I was very well aware of the valuable contribution this community has made towards the freedom struggle and the various development processes of our nation.

Your book has rightly chosen a few of our such nation-builders, who have at times, set the tone of the national movement which ultimately brought us our freedom and the Indian Constitution.

I am grateful

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Adi H. Doctor,
B.V.Borkar Road,
Opp. Xaviers Centre of Historical Research,
Alto Porvorim, Bardez - Goa

Note - Sahani ji made valuable comments on the book 'Political Thinkers' of Modern India and on six hundred year long history of Parsi community and their Contribution in India.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No.G/2/2003/194

February 17, 2003

Dear Shri Pant ji,

Namaskar.

I am in receipt of the copy of your Key Note Address on Combating Terrorism- at the International Parliamentary Conference held at New Delhi from 22nd- 24th January, 2003. Thanks.

I have gone through this Address, and found that some effective measures have been included, which if acted upon, I am sure, will definitely combat terrorism.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahan)

Shri K.C.Pant,
Deputy Chairman,
Planning Commission,
Government of India,
NEW DELHI.

Note - Effective measures should be taken to combat terror menace.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/MSG/2/2003/342

February 3, 2003

Dear Shri Sinhaji,

Thank you for your letter dated 27th January, 2003 and copies of the publications: 'Vaward' and 'Spandan' of Jindal Modern School.

I have glanced through the publications. They amply reveal the dedication and steadfastness of the purpose with which you are all engaged in the pursuit of education. You are undoubtedly doing a noble job which is in the interest of the nation. My sincere greetings and the best wishes to you and all others for continued service in this important field.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri A. K. Sinha,
Principal,
Jindal Modern School,
6th KM Stone, Delhi road,
Hisar - 125005

Note - Encouraging school management in the pursuit of dedicated purposeful education.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

RAJ BHAVAN
GANGTOK-737103
(SIKKIM)

राज्यपाल, सिक्किम
GOVERNOR OF SIKKIM

No.SKM/GOV/2002. Dated: 26th August, 2002

Dear Shri Shadi Lal ji,

Saprem Namaskar,

Thanks for your affectionate letter dated 12th Aug., 2002.

I quite agree with you that 15th August reminds us of the sacrifices made by our great martyrs as also of the heavy responsibilites the occasion throws on our shoulders. It is also expected of us that on this day we rededicate ourselves to the service of our Motherland.

Smt Sahani had some problem with her knees for the last three -four years. On 29th July 2002 she got operated upon and both of her knees were replaced at the All India Institute of Medical Sciences in New Delhi. While, I was there for her operation, it was detected that in my right eye a small tumor had grown and that it was necessary that the same was removed immediately. On 2nd Aug. 2002 the operation was conducted and the tumor was removed. Both operations, mine and that of Smt. Sahani have been successful and our wounds are fast healing with the good wishes of well wishers like you and blessings of the Almighty everything is going fine, I am leaving for Delhi on 28th august, 2002 and Smt. Sahani will be accompanying me back to Sikkim in the first week of next month.

Please convey my Namaste to all in the family and also to all friends known to me.

With my best wishes,

Yours sincerely,

(KIDAR NATH SAHANI)

Shri S.L. Tikoo,
149-G, Govt. quarters, Rehari Post Office,
Subash Nagar, Jammu - 180005

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date: 15 April, 2005

Dear Shri Gadoo ji,

Namaskar.

I am grateful to you for sending a number of copies of your write-up, 'Census of India 2001, 'Kashmir and Religious Demography'. It is not only interestingly revealing but is also full of information, which not many know. Also, it shows as to how much pains you have taken to prepare this paper. My kudos!

I shall try to make the best use of each of the copies I have received.

With Regards,

Sincerely Yours,

(Kidar Nath Sahani)

Shri C.L. Gadoo ji
71, Sunder Block, Shakarpur,
Delhi-110092

Note - Sahaniji acknowledging the importance of write-up, 'Kashmir and Religious Demography'.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
संयोजक
ओवरसीज़ फ्रेन्ड्स ऑफ बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 11 फरवरी, 2008

प्रिय श्री संजय

सस्नेह नमस्ते।

आपका भेजा कैलण्डर भी मिला और उसके साथ भेजा 3.1.2010 का लिखा आपका पत्र भी।

टेबल कैलण्डर बहुत अच्छा और सुन्दर है।

बिटिया प्रिया की कल्पनाशीलता तथा उसके शास्त्र ज्ञान के लिए उसे मेरा साधुवाद और आशीर्वाद भी। हर मन्त्र को उसके अनुरूप योग्य और नितान्त उचित रंग और ढग से प्रस्तुत करने के लिए उसे मेरी हार्दिक बधाई। प्रभु उसे चिरायु प्रदान करें और उसकी आध्यात्म और कला में रूचि को और प्रगाढ़ करें।

प्रिया 'दशावतार' की हिन्दू कल्पना को गहराई से देखेगी तो उसे इसमें सृष्टि की उत्पत्ति और उसके विकास के दर्शन होंगे।

स्वर्गीय बाबा साहब आपटे जी ने इस सम्बन्ध में एक छोटी पुस्तक 'दशावतार' लिखी थी। उसमें इसकी व्यापक व्याख्या की गई है। कहीं से वह पुस्तक मिल सके तो प्रिया को वह अवश्य पढ़ाए।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री संजय टण्डन जी

केदार नाथ साहनी
पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

दिनाँक : 13.10.2011

प्रिय श्री भाटिया जी,

नमस्कार।

आपका कल सायंकाल दिया आहूवान, कविता तथा उसके साथ लगा नोट भी देखा और दैनिक हिन्दुस्तान में छपा पत्र पढ़ा। बहुत अच्छा लगा। धन्यवाद।

इतनी सलाह अवश्य मानिए कि समय और अवसर देख कर ही अपनी कविताएं/अभिलेख दिया करें तो उसका अधिक लाभ होगा।

धन्यवाद।

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गुरूचरण लाल भाटिया जी

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 30 जनवरी, 2003

बहन बेगम तसनीम फ़ज़ल जी,

नमस्कार।

'तुशे शीरी' मिलने की खबर मैंने उसी दिन कर दी थी, मेरा पत्र मिल गया होगा, मैंने किताब पढ़ ली है। हर कहानी दिल को छू जाने वाली और सबक महत्त्वपूर्ण है। उर्दू में अनुवाद करके आपने न सिर्फ उर्दू अदब की सेवा की है बल्कि पढ़ने वाले को कुछ सीखने और समझने का मौका भी दिया है। अनुवाद भी बहुत अच्छा है। खालिस उर्दू ज़बान में होने की वज़ह से न सिर्फ पढ़ने वाले को बल्कि कहानियां सुनने वालों को भी इनका असली मकसद समझने में आसानी होगी। मेरी बहुत–बहुत मुबारक इस सफल किताब पर।

ज़नाब फ़ज़ल साहब को मेरा नमस्कार कहें।

मंगलकामनाओं के साथ,

आपका भाई,

(केदार नाथ साहनी)

बेगम तसनीम फज़ल साहिबा,
राज भवन, मुम्बई।

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा श्रीमती तसनीम फ़ज़ल के द्वारा उर्दू साहित्य की पुस्तक के अनुवाद पर धन्यवाद तथा पाठकों के लिए उसकी उपयोगिता पर अपने विचार।

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani दिनाँक 9 मार्च, 2010

आदरणीय चोपड़ा जी,

नमस्कार।

आपका 23 फरवरी, 2010 का लिखा पत्र मुझे यथा समय मिल गया था। वास्तव में यह पत्र गुजरात के मुख्यमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को लिखे पत्र की पत्रलिपि थी। मुझे प्रसन्नता है कि अपको पुस्तक *'Pride of India'* अच्छी लगी।

होशियारपुर के जिस पुस्तकालय का आपने उल्लेख किया मैं उससे भली भांति परिचित हूँ। जब श्री विश्व बन्धु जी उसके सर्वेसर्वा थे और *'साधु आश्रम'* विख्यात था और जब श्री कैलाश नाथ कालिया उसके प्रबन्धक थे, तबसे मैं इस पुस्तकालय के बारे में जानता था। निसन्देह, विश्व बन्धु जी ने वह अवलौकिक एवं महान कार्य किया है, जिससे समस्त जगत में भारत का गौरव बढ़ा है। यहाँ जो शोध कार्य हुए हैं, वह अद्‌भुत हैं। मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक भी उस विश्व विख्यात पुस्तकालय की शोभा को और बढ़ाने में सहायक होगी।

इस पत्र के साथ में जालन्धर के हमारे एक प्रमुख कार्यकर्ता श्री0 अमृत लाल जी गत पिछले 50 से भी अधिक वर्षों से *'समाज कार्य'* में लगे हैं, द्वारा मुझे लिखा एक पत्र और उसके साथ भिजवाया आप के नाम का एक ज्ञापन भेज रहा हूँ।

सम्भवतः आपको मालूम होगा कि मैं कभी किसी की सिफारिश नहीं करता। इसलिए आशा करता हूँ कि अमृत लाल जी के पत्र तथा ज्ञापन को उसी सन्दर्भ में देखेंगे। योग्यता और उनके सेवा काल के अनुभवों के आधार पर यदि डॉ. श्रीमती अजय सरीन स्वीकार्य हो सकती हों तो अवश्य कृपा करें।

आदर के साथ,

आपका

(केदार नाथ साहनी)

श्री ज्ञान चन्द जी चोपड़ा

केदार नाथ साहनी

पूर्व राज्यपाल सिक्किम और गोवा

प्रिय श्री मोहम्मद इकबाल जी   दिनाँक : 20 अगस्त, 2010,

सप्रेम नमस्कार।

आपके भेजे दो पैम्फलेट *'कुफ्र काफिर और शिर्क''* और *''रोजा–क्या और क्यों''* मिल गए है। मैं आपका आभारी हूँ।

मैंने दोनों पैम्फलेट ध्यान से पढ़े हैं। हर पढ़ने वाले को इनसे इस्लाम को जानने और समझने में मदद मिलेगी। इस तरह के पत्रकों का सिलसिला जारी रहना चाहिए। गत अनेक वर्षों की घटनाओं और हालात के कारण सर्वसाधारण में इस्लाम के बारे में जो धारणाएँ बन गई हैं, उन्हें दूर करने के लिए यह आवश्यक है।

हाल ही में पाकिस्तान में आई बाढ़ में पहाड़ी इलाके से बहकर आई लाशों में प्रायः सभी मुसलमानों की थी। किन्तु, उनमें एक लाश हिन्दू की भी थी। आपने भी पढ़ा होगा कि जिस ताबूत में वह लाश रखी थी, उसपर लिखा था महुआ ''काफिर'' स्वाभाविक है कि आम आदमी के मन पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। वह उसका जो अर्थ लगाएगा, वह उससे अलग है जो आपने इस पत्रक में लिखा है।

मेरा मानना यह है कि आम मुस्लिम समाज को ऐसी हरकतों का खुलकर विरोध करना चाहिए। समाज में पनप रही धारणाओं को बदलने के लिए यह बहुत आवश्यक है। कभी आप से भेंट होगी तब इस विषय पर विस्तार से चर्चा होगी।

वैसे ऐसे पैम्फलेट प्रकाशित करने के लिए मेरा साधुवाद।

शुभेच्छु,

(केदार नाथ साहनी)

प्रिय श्री मोहम्मद इकबाल जी
डी– 317 दावत नगर,
ए. एफ. इन्कलेव ओखला–जामियानगर नई दिल्ली–110025

टिप्पणी – श्री साहनीजी द्वारा हिन्दुओं के प्रति कुछ मुस्लिमों के संकीर्ण तथा भेद–भावपूर्ण रवैयों का उल्लेख।

केदार नाथ साहनी
पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

दिनाँक : 1 सितम्बर, 2010

प्रिय श्री त्रिपाठी जी,

नमस्कार।

यह जानकर कि आपकी पत्रिका **'चेतना'** का अगला अंक भारत के अनन्य स्पूत महामना मदनमोहन मालवीय जी जिनके बारे में वर्तमान पीढ़ी बहुत कम जानती है को समर्पित होगा, बहुत प्रसन्नता हुई है। आपके इस सद्प्रयास के लिए मेरा हार्दिक साधुवाद स्वीकार करें।

महामना मालवीय जी को जानने वालों में अधिकांश लोग इस सम्बन्ध में मात्र इतना ही जानते हैं कि उन्होंने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय जैसी महान संस्था को जन्म देकर भारत राष्ट्र के उज्जवल भविष्य की नीव रखी थी। राष्ट्र निर्माण में इस विश्वविद्यालय द्वारा प्रशिक्षित हजारों लाखों वैज्ञानिक, इंजीनियर आदि बुद्धिजीवी अपने योगदान से उनका सपना पूरा कर रहे हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि न केवल शिक्षा के क्षेत्र में अपितु राजनीति धर्म और समाज सुधार जैसे अनेक क्षेत्रों में भी मालवीय जी का अतुल्य योगदान रहा है। सम्भवतः विरले ही जानते हैं कि मालवीय जी ने चार बार आल इण्डिया कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष पद सुशोभित किया था। यह गौरव भारत के किसी अन्य नेता को प्राप्त नहीं हुआ।

मालवीय जी धर्म को पूजापाठ और कर्मकांड की सीमाओं से बाहर निकाल कर लोगों को देश और समाज के प्रति दायित्त्व बोध कराने वाले महापुरूष थे। समाज को छुआछूत और मन्दिरों में हरिजन प्रवेश पर मनाही जैसी सभी कुरीतियों से लड़ने में महामना सबसे आगे थे। स्त्री–शिक्षा, गोरक्षा जैसे विषय उनको बहुत प्रिय थे। सैन्ट्रल असैम्बली में उनके भाषा, राष्ट्र निर्माण हेतु अनेक व्याख्यान रचनात्मक चिन्तन की

गहराई दर्शाते हैं। वह अजातशत्रु थे। उनके निधन पर सभी धर्मों सम्प्रदायों और दलों के नेताओं ने, उनकी महानता का जो गुणगान किया है उसकी मिसाल नहीं मिलती।

दुर्भाग्य की बात है कि स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद ऐसे देवता स्वरूप और श्रेष्ठ महापुरुष को जो अजातशत्रु था और जिन्हें भारत माता के विभाजन और हिन्दुओं पर होने वाले अमानवीय अत्याचारों की पीड़ा खा गई, भारत के वर्तमान नेतृत्व ने भुला सा दिया है। प्रसन्ता की बात है कि *'चेतना'* के माध्यम से आपके पाठक उनके महान व्यक्तित्व को अनेक पहलु जान सकेंगे। आने वाली पीढ़िया भी इस विशेषांक से लाभान्वित होगी और प्रेरणा भी लेगी।

मेरी शुभकामनाएं स्वीकार करें।

शुभेच्छु,

(केदार नाथ साहनी)

श्री श्याम त्रिपाठी जी,

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा महामना मदन मोहन मालवीय जी के उनके राष्ट्र निर्माण, शिक्षा, राजनीति, धर्म तथा समाज में उनके अतुलनीय योगदान की चर्चा तथा राष्ट्रभाषा, रचनात्मक चिन्तन की उनकी बौद्धिक सम्पदा के बारे में विवेचना।

केदार नाथ साहनी
पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

दिनाँक : 4 अक्टूबर, 2010

प्रिय श्री जैन जी,

नमस्कार।

आपसे उस दिन अचानक भेंट हुई मिलकर बहुत अच्छा लगा। पुरानी स्मृतियां हरी हो गई और स्वर्गीय जम्बू प्रसाद जी का स्मरण भी हो आया।

"Human in Khaki" पुस्तक भेंट करने के लिए कृपया मेरा आभार स्वीकार करें। श्री अशोक कुमार और श्री. लोकेश ओहरी द्वारा लिखी यह पुस्तक प्रकाशित करने के लिए मेरा साधुवाद भी।

पुस्तक सुन्दर है, शिक्षाप्रद और प्रेरणादायी भी। न केवल जनसाधारण में पुलिस कर्मियों की छवि खराब है अपितु, इलाहाबाद के एक भूतपूर्व न्यायधीश श्री मुल्ला ने इस सम्बन्ध में तो अपनी टिप्पणी में पुलिस विभाग को 'गुण्डों का सबसे बड़ा संगठन' दल तक कह डाला था। परन्तु, ऐसे कर्तव्यनिष्ठ और संवेदशील लोगों और उनके कारनामों को उजागर करने वाले विरले ही हैं। पुस्तक पढ़कर बहुत अच्छा लगा।

मेरी व्यक्तिगत राय में अभी भी देश में ऐसे कर्त्तव्य परायण अधिकारी काफी हैं जो नींव के पत्थरों की तरह गुमनाम रहकर अपने कार्यकलापों को आत्म श्लाघा न समझे जाने के लिए सामने नहीं आते। किन्तु समाज में भरोसा पैदा करने और उज्जवल भविष्य के लिए आशा पैदा करने के लिए उनके सामने आना ही चाहिए।

मंगल कामनाओं के लिए

भवदीय

(केदार नाथ साहनी)

श्री आर.के. जैन

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा पुलिस विभाग पर आधारित पुस्तक 'Human in Khaki' की प्रशंसा तथा पुस्तक में वर्णित कर्त्तव्य परायण अधिकारियों तथा पुलिस कर्मियों के उल्लेख पर विशेष टिप्पणी।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 27/11/09

प्रिय श्री जगदीश चावला जी

नमस्कार।

'साँई सागर' का जो अंक आपने दिया था। मैंने पढ़ा है। पत्रिका में प्रकाशित सामग्री जहां बहुत अच्छी लगी, वहाँ उससे मन को शान्ति भी मिली। सभी लेख उद्‌बोधक भी हैं और शिक्षाप्रद भी। देश के वर्तमान वातावरण में इस तरह के साहित्य की नितान्त आवश्यकता है। यह जरूरी है कि लोगों को अध्यात्म की तरफ मोड़ा जाए और पाश्चात्य संस्कारों से बचाया जाए। समय की आवश्यकता है कि साँई बाबा जैसे श्रेष्ठ संतों के बारे में अधिक से अधिक लोग जाने और उनकी शिक्षा के अनुरूप अपना जीवन ढ़ालें।

इस दिशा में आपकी पत्रिका जो काम कर रही है, उसके लिए आपको साधुवाद। आशा है कि पत्रिका का यही स्तर आगे भी बना रहेगा।

पत्रिका तथा 'साई प्रेरणा ट्रस्ट' के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

शुभेच्छु,

(केदार नाथ साहनी)

श्री जगदीश चावला जी
सम्पादक, साँई सागर
805, कृष्णा अपार्टमेन्ट,
बिजनेस स्कवायर, नेताजी सुभाष प्लेस
नई दिल्ली–110034

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक– 17.4.2012

आदरणीय श्री डालमिया जी,

नमस्कार।

आप की भिजवाई दैनिक जागरण में छपे *'क्या अब गंगा प्रदूषण मुक्त हो जाएगी'* और उदय इण्डिया में छपे *'Shrinking Military Capabilites'* की फोटो प्रतियां मिल गई हैं। आभारी हूँ।

वैसे, मैं इन दोनों पत्रिकाओं का नियमित पाठक होने के कारण, इन्हें पहले ही पढ़ चुका हूँ। निःसन्देह दोनों विषय चिन्तनीय हैं। लोकसभा के अगले सत्र में इस सम्बन्ध में चर्चा उठाई जाएगी। मैं दोनों प्रतियाँ श्रीमती सुषमा स्वराज जी को दे रहा हूँ।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमान विष्णुहरि जी

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 15.1.1992

प्रिय श्री चमन लाल जी,

नमस्कार।

अमरीका में कुछ हितैषी बन्धुओं ने एक पत्रिका 'फोकस' प्रकाशित करना शुरू किया है। उसकी एक फोटो प्रति आपके सूचनार्थ भेज रहा हूँ।

शुभ कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री चमन लाल गुप्ता
जम्मू.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 21.3.2012

प्रिय श्री साठे जी,

सप्रेम नमस्कार।

स्वर्गीय श्रीमान माधवराव जी सम्बन्धी आपकी हिन्दी में लिखी पुस्तक की प्रति भिजवाने के लिए कृपया मेरा आभार स्वीकार करें। पुस्तक सुन्दर है और इसकी सामग्री एकत्र करने में आपके परिश्रम और विषय को सार्थक बनाने हेतु आपकी प्रतिबद्धता स्तुत्य है। आज हम सब उन कार्यकर्ताओं को आपका कृतज्ञय होना चाहिए जिन्होंने माधवराव जी के सानिध्य और मार्गदर्शन में बहुत कुछ पाया है।

इस पुस्तक मैं कुछ तथ्यात्मक त्रुटियाँ रह गई हैं। उन्हें ठीक करने हेतु आपको पुनः परिश्रम करना होगा। जिन–जिन को आपने पुस्तक भेजी है उन्हें अगर आप लिखेंगे कि अगर उन्हें कहीं ऐसी कमी दिखाई दे तो वह आपको अवगत करें। उनके कथन की फिर 'क्रास चैकिंग' कर, यदि उनका कहना ठीक निकले तो पुस्तक के अगले संस्करण में उन्हें सुधारा जा सकता है।

जो भी हो पुस्तक बहुत अच्छी और उपयोगी है। आपके सद्प्रयास को नमन।

पुस्तक भेजने के लिए कृपया मेरा आभार स्वीकार करें।

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमान सुरेश साठे जी

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा श्री माधवराव जी से सम्बन्धित पुस्तक के संकलन पर साधुवाद तथा कुछ त्रुटियों के निवारण सम्बन्धि विषय पर पत्र

केदार नाथ साहनी

पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

दिनाँक : 23 जुलाई, 2011

आदरणीय बन्धुवर,

नमस्कार।

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि अपने आदर्श जीवन और मार्गदर्शन से हम अगणित स्वयंसेवकों को प्रेरित तथा प्रभावित करने वाले माननीय श्री माधवराव जी मूले की जीवन कथा हिन्दी में लिखी छप कर तैयार हो गई है। आपसे अनुरोध है कि पुस्तक के लोकार्पण कार्यक्रम में अवश्य पधारें।

सभी पुराने बन्धुओं से मिल सकने के इस सुखद अवसर पर आपकी उपस्थिति से मुझे अतीव प्रसन्नता होगी। आशा है आपको भी अच्छा लगेगा।

सधन्यवाद,

शुभेच्छुः

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमान सुरेश साठे जी
जी–12 एनडीएसई–II
नई दिल्ली–49

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 11.12.2010

प्रिय श्री कशमीरी लाल जी,

नमस्कार।

लम्बे समय बाद आज श्री संजय कौल के हाथों आपका पत्र मिला तो बहुत अच्छा लगा। श्री प्रेम नाथ जी सम्बन्धी पुस्तक भेजने के लिए धन्यवाद।

मैं उसे भारतीय जनता पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय के पुस्तकालय में रखवा दूंगा ताकि और लोग भी उनके बारे में जान सकें। मेरा फोन कुछ दिनों से खराब है। एकाध दिन में ठीक हो जाएगा।

श्री कौल से आप सबका कुशल समाचार जानकर प्रसन्नता हुई। श्री कुमार जी से भी मिले मुद्दत हो गई है। कभी–कभी अपना कुशल समाचार भेजते रहा करें। श्री. रविशंकर प्रसाद जी से भेंट होने पर मैं भी उन्हें जरूर कहूंगा।

अपनी माता जी को मेरा नमस्कार कहना।

शुभेच्छु,

(केदार नाथ साहनी)

श्री कशमीरी लाल भट्ट

टिप्पणी – श्री संजय कौल जी के द्वारा प्राप्त श्री प्रेमनाथ जी सम्बन्धित पुस्तक को पार्टी कार्यालय के पुस्तकालय में रखवाने हेतु तथा कशमीर से सम्बन्धित संघ परिवार तथा अन्य लोगों के बारे में कुशल क्षेम तथा समाचार हेतु पत्र।

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

राज्यपाल, गोवा

Governor of Goa

नं. राज्य. गोवा 6/2004/1083

दि.: 23.6.2004

श्रद्धेय सुदर्शन जी,

नमस्कार।

इस पत्र के साथ एक विद्वान कशमीरी बुद्धिजीवी डॉ. के. एल. चौधरी के एक लेख की प्रति भेज रहा हूँ। मुझे लेख विचारोत्तेजक, रोचक और रचनात्मक लगा। यह सोचकर कि सम्भवतः आपकी निगाह से यह न गुजरा हो, इसे आपकी जानकारी के लिए भेज रहा हूँ।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री के. सुदर्शन जी,
केशव कुंज
झण्डेवालान,
नई दिल्ली–110055

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

दिनाँक : 18.2.2003

नं : राज्य. गोवा 2/2003/220

प्रिय श्री पर्रिकर जी,

नमस्कार।

कुछ दिन पूर्व मैंने आपसे कहा था कि मैं दो पुस्तक पढ़ रहा हूँ जो मुझे न केवल अच्छी लगी हैं बल्कि मैं चाहूँगा कि आप भी इन्हें अवश्य पढ़ें। अपने अन्य गुणों के अलावा दोनों पुस्तकें (कुशल प्रशासन) "e-governance" के बारे में भी अच्छी सीख देती हैं।

पुस्तकें : "Arrow of the blue-skinned God" and "Bush at War"

कृपया पढ़ने के बाद पुस्तकें लौटा दें। राजभवन पुस्तकालय में आपका नाम लिखवा दिया है।

मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री मनोहर पर्रिकर जी,
माननीय मुख्यमंत्री, गोवा,
सचिवालय, पण्जी, गोवा

राज भवन
गोवा–403004

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

दिनाँक : 23.6.2004

नं : राज्य. गोवा 6/2004/1083

आदरणीय श्री वाजपेयी जी,

नमस्कार।

इस पत्र के साथ एक विद्वान काशमीरी बुद्धिजीवि डॉ. के.एल. चौधरी के एक लेख की प्रति भेज रहा हूँ। मुझे लेख विचारोत्तेजक, रोचक और रचनात्मक लगा। यह सोचकर कि सम्भवतः आपकी निगाह से यह न गुजरा हो, इसे आपकी जानकारी के लिए भेज रहा हूँ।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी,
3–ए, रेस कोर्स रोड,
नई दिल्ली–110011

राज भवन
गोवा–403004

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

दिनाँक : 10 जनवरी 2003

आदरणीय श्री आडवाणी जी,

नमस्कार।

अमरीका स्थित मेरे एक बन्धु ने वहाँ हाल ही में प्रकाशित एक पुस्तक "BUSH AT WAR" मुझे भेजी है। अमरीकी राष्ट्रपति श्री बुश द्वारा, 11 सितम्बर के बाद वहाँ जो कार्यवाही की गई और किस तरह की गई, इसमें उसका विस्तृत वर्णन किया गया है। लेखक ने काफी परिश्रम और खोज करके पुस्तक में, इस सम्बन्ध में पर्याप्त जानकारी दी है। मुझे उचित लगा है कि आप यह पुस्तक अवश्य पढ़ें। इसलिए पुस्तक की फोटो प्रति तैयार करवा कर भेज रहा हूँ। पुस्तक रोचक भी है और श्री. बुश की कार्यशैली पर पर्याप्त प्रकाश भी डालती है। आपको अवश्य अच्छी लगेगी।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री लालकृष्ण आडवाणी जी,
माननीय उप–प्रधानमंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा श्री आडवाणी जी को अमरीका में तत्कालीन परिस्थितियों के संदर्भ में भेजी गई पुस्तक "BUSH AT WAR" की प्रासंगिकता की चर्चा।

राज भवन
गोवा–403004

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

राज्यपाल, गोवा

Governor of Goa

दिनाँकः 29 जनवरी, 2004

अजीज बहन श्रीमती तसनीम फ़ज़ल जी

नमस्कार

27, जनवरी का लिखा पत्र भी मिला और उसके साथ भेजी आपकी लिखी 'तुर्श व शीरी' की प्रति भी, शुक्रिया। इस किताब को पढ़कर गोवा राज भवन के पुस्तकालय में भी रखवा दूंगा ताकि और लोग भी इसका लाभ ले सकें।

फ़ज़ल साहब को मेरा नमस्कार कहें।

मंगल कामनाओं के साथ,

आपका भाई

(केदार नाथ साहनी)

बेगम तसनीम फ़ज़ल साहिबा
मुम्बई

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 22 जनवरी, 2003

आदरणीय श्री के. नरेन्द्र जी,

नमस्कार!

मैं दिल्ली में गवर्नरों की कांफ्रेंस के लिए गया था, लेकिन आपसे नहीं मिल सका, उसका मुझे अफसोस है, वहाँ प्रोग्राम ही इस तरह का था कि वक्त निकाल पाना मुश्किल हो गया था। अगली बार वहाँ आने पर आपके दर्शन जरूर करूंगा। आपसे मिलकर खुशी तो होती ही है, प्ररेणा भी मिलती है।

इस वक्त मेरे सामने एक वार्ता में छपा आपका कुरआन शरीफ में संशोधन की मांग वाला लेख पढ़ा है। पढ़ कर कैसा लगा, लिख नहीं सकता। आप ही ऐसा लेख लिख सकने की हिम्मत कर सकते हैं। देश में बहुत थोड़े लोग रह गए हैं, जो असलियत को उजागर कर रहे हैं। उन्हें देखकर और ये महसूस करके कि उनकी तादाद भले ही कम हो लेकिन धीरे–धीरे बढ़ रही है, मदारिस में छपे एक लेख की फोटो कॉपी इस पत्र के साथ भेज रहा हूँ। अपने ढंग से इसे भी लिखा है, पढ़ने और दाद देने लायक है।

सिक्किम में तो हम इंतजार करते रहे लेकिन आपका आना नहीं हो सका। क्या उम्मीद करें की आप कभी यहां आने का प्रोग्राम बना लेंगे। अगर श्री अनिल और उसका परिवार भी साथ आ सके तो सोने पर सुहागा हो जाएगा। आप आएँ तो हमें बहुत अच्छा लगेगा।

मंगल कामनाओं के साथ

आपका ही,

(केदारनाथ साहनी)

श्रीमान के. नरेन्द्र जी,
नई दिल्ली

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा श्री के. नरेन्द्र के धार्मिक पुस्तक में सुधार तथा संशोधन सम्बन्धी विचारों का अनुमोदन विशेषकर कुरआन शरीफ के संदर्भ में।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 3.8.2009

प्रिय श्री. संजय टण्डन जी,

सस्नेह नमस्ते।

आपकी पत्रिका समय पर मिल जाती है। उनकी छपायी, संपादन और पत्रिका में छपी सामग्री देखकर प्रसन्नता होती है, आपने उनका ऊँचा स्तर बनाए रखा है, मेरा साधुवाद।

1835 में लार्ड मैकाले द्वारा अपने भारत के दौरे के बाद ब्रिटिश संसद में दिए गए भाषण का एक अंश संलग्न है। आपके पाठकों को अंग्रेजों के शासन से पूर्व का भारत और भारतवासियों की वास्तविक स्थिति और उन्हें अपनी सांस्कृतिक विरासत से विमुख करने की ब्रिटिश कुचाल का यह प्रमाण है। आपके पाठक इस वास्तविकता को जांच सकें, इस कारण इसे भेजा है।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री संजय टण्डन जी,

टिप्पणी – 1835 में लॉर्ड मैकाले द्वारा दिये गये भाषण के अंश का सार्वजनिक हित में 'कमल संदेश' अंक में प्रकाशन हेतु परामर्श

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
संयोजक
ओवरसीज फ्रेन्ड्स ऑफ बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 12 मई, 2009

प्रिय श्री. संजय जी,

सस्नेह नमस्ते।

'चण्डीगढ़ कमल समाचार' का तीसरा अंक मिला। बहुत अच्छा लगा। छपाई, संपादन और छपी सामग्री का प्रस्तुतिकरण अति उत्तम है। छपाई का टाईप यदि थोड़ा बड़ा हो सके तो पाठक की आंखों पर बोझ कम पड़ेगा। कई बार बारीक छपाई, चाहने के बाद भी लेख पढ़ने में बाधा बन जाती है।

कृपया श्रीमान बलरामजी को मेरा नमस्कार कहें।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री संजय टण्डन जी,
1556 सैक्टर–18–डी,
चण्डीगढ़–160018

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
संयोजक
ओवरसीज फ्रेन्ड्स ऑफ बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 16 जून, 2009

प्रिय श्री. संजय जी,

सस्नेह नमस्कार।

कमल संदेश, चण्डीगढ़ जून का अंक मिला धन्यवाद।

प्रसन्नता है कि पत्रिका का स्तर समय के साथ–साथ और भी अच्छा हो रहा है। कामना है कि उन्नति का यह सिलसिला सतत बना रहे।

एक सुझाव दे रहा हूँ। कार्यक्रमों, भाषणों तथा वक्तव्यों की जानकारी कार्यकर्त्ताओं तक पहुंचाना आवश्यक है। साथ ही, एक ऐसा स्तम्भ भी हो जाए जो उनके लिए जीवन स्पर्शी तथा प्रेरणादांयी भी हो तो सोने पर सुहागा होगा। अपने पुराने–पुराने नेताओं के, जो अभी भी जीवित हैं से अनुरोध करें कि वह अपने जीवन के एक, दो ऐसे प्रसंग जो प्रेरणादायी हों, लिख भेजें। हर अंक में ऐसे एक, दो प्रसंग छप जाने से पत्रिका रोचक भी हो जाएगी तथा कार्यकार्ताओं को प्रेरणा भी मिलेगी।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री संजय टण्डन जी
1556, सैक्टर 18–डी
चण्डीगढ़–160018

टिप्पणी – 'कमल संदेश' चण्डीगढ़ पत्रिका में पुराने अनुभवी नेताओं के प्रेरणादायिक प्रसंग, संस्मरण, भाषण, और वक्तव्य आदि के प्रकाशन हेतु।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दि. 10.12.2009

प्रिय श्री संजय जी,

सस्नेह नमस्कार।

पत्रिका का अंक मिला पढ़कर अच्छा लगा।

एक उद्बोधक प्रसंग पत्रिका के लिए भेज रहा हूँ। प्रसंग भले ही बहुत पुरानी घटना से सम्बन्धित हो किन्तु जीवन की दिशा के सम्बन्ध की प्रेरणा देने वाला है। शायद आप इसे पाठकों के समक्ष रखना पसन्द करें।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री संजय टण्डन जी,

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 6 नवम्बर, 2009

प्रिय संजय जी,

सस्नेह नमस्कार।

कमल समाचार का नवम्बर अंक मिला। धन्यवाद।

पत्रिका का ऊँचा स्तर बनाए रखने के लिए साधुवाद। सामग्री कुछ अधिक लगी, जिस कारण लगा कि थोड़ी कम होती, तो खुला–खुला होने की वजह से पाठक को अधिक सुविधा होती।

श्रीमान बलराम जी एवं अपनी माता जी को मेरा नमस्कार एवं अन्य सभी को स्नेहभरा नमस्ते कहना।

स्नेहांकित,

श्री संजय टण्डन जी

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

संयोजक

ओवरसीज फ्रेन्डस ऑफ बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी

Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 10 जुलाई, 2009

प्रिय श्री संजय जी,

सस्नेह नमस्ते।

कमल संदेश का अंक भी मिला और आपका पत्र भी।

लगभग 8, 10 दिन पूर्व मैंने, सन् 1835 में ब्रिटिश पार्लियामेंट में दिए लार्ड मैकाले के भाषण का एक 'अंश' आपको सुझाव के साथ भेजा था कि उसे पत्रिका में प्रकाशित करें। वह आपको मिला था अथवा नहीं। यदि न मिला हो तो सुचित करें मैं पुनः भेज दूँगा।

मेरी राय में पत्रिका में कभी–कभी किसी समाचार–पत्र में छपा अच्छा कार्टून उधार ले लेना अथवा कोई छोटी सी बोध कथा या फिर कोई संस्मरण और चुटकुला छापना पत्रिका को अधिक रोचक और पठनीय बना सकता है।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री संजय टण्डन जी

टिप्पणी – किसी दूसरे माध्यम में प्रकाशित उपयोगी सामग्री का कमल संदेश अंक में प्रकाशन सम्बन्धि विचार।
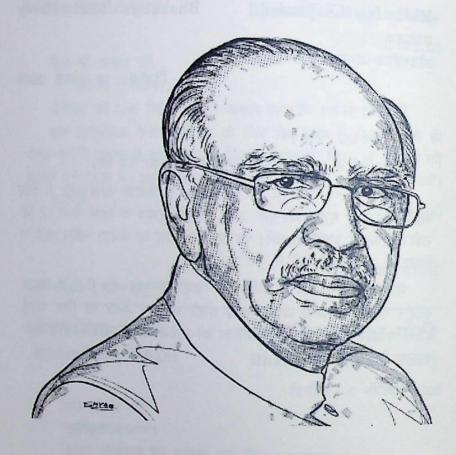
भवदीय

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

Convenor,
Overseas Friends of BJP

भारतीय जनता पार्टी

Bharatiya Janata Party

Date : November 3, 2009

Dear Friend,

Namaskar,

The enclosed copy of a speech delivered by a Duch M.P. Shri Geert Wilders delivered at Columbia University, New York, I am Sure Will be of interest to you as therein the learned speaker has brought forth certain hard facts which not many know and, who know will not dare to speak out.

I hope you will Find the speech useful.

Regards,

Yours Sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath sahani

Convenor,
Overseas Friends of BJP

भारतीय जनता पार्टी

Bharatiya Janata Party

Date : May 25, 2009

Please find herewith a copy of the 'Campaign Trail' Which covers over three dozen interviews of Shri L.K. Advani, the printed media as also with the different T.V. channels.

You will find the publication interesting and useful, as it answers all such questions which could possibly be asked about the BJP.

Comments, if any, shall be appreciated.

With my compliments and regards,

Kidar Nath Sahani
Former Governor, Sikkim & Goa

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

ए–1, नीति बाग,
नई दिल्ली–110049
दूरभाष–668441

दिनांक – 17.9.1991

आदरणीय बन्धु श्री चमनलाल जी,

नमस्कार।

कृपया श्री प्रफुल पटेल द्वारा हमारे अध्यक्ष डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी को लिखा पत्र तथा उसके साथ भेजे नोट की सन्लग्न फोटो प्रति देखें। अप्रवासी भारतीयों को दोहरी नागरिकता प्रदान करने सम्बन्धी चर्चा बहुत बार होती रहती है। यदि आप कृपया अपनी टिप्पणी और सुझावों से शीघ्र अनुग्रहीत कर सकें तो कृपा होगी।

धन्यवाद एवं मंगलकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री चमनलाल जी,

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनांक: 9–1–2010

आदरणीय श्री झा जी,

नमस्कार।

परसों और कल आप की प्रतीक्षा करता रहा। आप पर संगठन के अनेक दायित्वों का भार है। इसी कारण, सम्भवतः आप इतने व्यस्त रहे होगें कि आपके लिए समय तय करने के बाद भी, आ पाना सम्भव न हो सका है।

मेरा इतना मात्र अनुरोध है कि विदेश में, खास तौर पर अमरीका में, कुछ विद्रोही जो ओ.एफ. बीजेपी के सम्बन्ध में भ्रम फैला रहे हैं कि वही असली ओ.एफ. बीजेपी हैं, को दूर करने के लिए ओ.एफ. बीजेपी द्वारा समय–समय पर आने वाले समाचारों को कमल संदेश में छपवा दिया करें। कल ही, आप को उनकी एक विज्ञप्ति इसी निमित भिजवाई है। नए पदाधिकारियों की सूची भी उसके साथ है। कमल संदेश में इसके छप जाने से वहाँ फैली भ्रांतियां दूर होंगी।

सादर

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री प्रभात झा जी

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 4 जनवरी, 1999

प्रिय श्री ओम प्रकाश ठाकुर जी,

नमस्ते।

आपका 25 दिसम्बर का लिखा पत्र अभी–अभी मिला है। धन्यवाद।

नए साल की शुभकामनाओं के लिए मेरा आभार स्वीकार करें। भगवान से प्रार्थना है कि नया साल खुद आपके लिए और आपके घर के सभी लोगों के लिए मंगलकारी हो।

देश की राजनीति जो मोड़ ले रही है उसे भगवान की कृपा समझना चाहिए। शायद भारत का भाग्य जाग जाने वाला है। अगर आपकी सेवाओं की ज़रूरत बाहर होगी तो ज़रूर आपको तकलीफ देंगे। वैसे चुनाव कमीशन की हिदायत ने मुल्क भर में प्रचार सभाओं की तादाद काफी कम कर दी है। इसलिए कहना बहुत मुश्किल है कि ज़रूरत पड़ेगी या नहीं। अभी तो यही समझें कि बाहर शायद न जाना पडेगा।

वहाँ के सभी कार्यकर्ताओं को मेरा नमस्कार कहें।

मंगल कामनाओं के साथ,

आपका शुभ चिंतक,

(केदार नाथ साहनी)

श्री ओम प्रकाश ठाकुर जी,
भू मित्र,
डोडा जिला
(जम्मू काश्मीर)

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा प्रवासी भारतीयों के द्वारा राष्ट्र तथा पार्टी हित में दिये गये सुझावों तथा उनके द्वारा प्रदत्त सेवाओं के लिए धन्यवाद।

भवदीय

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
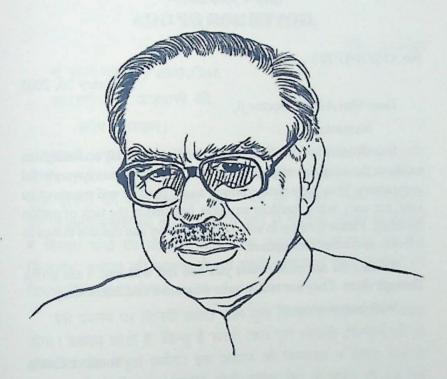
RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/2/2003/205

Febuary 26, 2003

Dear Shri Adi H. Doctor ji,

Namaskar

It was nice of you to come to Raj Bhavan, yesterday and enlighten us about the activities of the Parsi community. Parsis are a wonderful community. They have always played a very positive and constructive role, not only in the freedom struggle, but also in the task of nation building. Please do drop in sometime when we can discuss things in a better and calm atmosphere.

Thanks for the publication you had left with me. I am going through them. They are really quite educative and interesting.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Adi H. Doctor,
B.V. Borkar Road,
Opp. Xaviers' Centre of Historical Research,
Alto Porvorim, Bardez-Goa

Note - Praising Parsi community for their constructive role in nation building.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

दि : 4.3.2003

नं. राज्य.गोवा 3/2003/246

आदरणीय श्री आडवाणी जी,

सप्रेम नमस्कार।

पहली जनवरी 2003 को जब प्रधानमंत्री श्री वाजपेयी जी यहाँ आए थे तब उन्होंने गोवा के लिए 'स्काई बस सर्विस' के प्रकल्प के सम्बन्ध में कुछ घोषणा की थी। सम्भवतः कुछ समय पूर्व कोंकण रेलवे कॉर्पोरेशन लि. के महाप्रबन्धक श्री बी. राजाराम ने आप से भी इसी प्रकल्प के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की थी और आपने इस योजना की सराहना की थी। निःसन्देह, प्रकल्प की घोषणा से पूर्व इससे सम्बन्धित सभी पहलुओं पर विचार किया गया होगा।

इस प्रकल्प पर जिनती जल्दी काम शुरू किया जा सके उतना अच्छा होगा। प्रकल्प छोटा है, किन्तु है सस्ती तथा पूर्ण स्वदेशी टेकनॉलोजी पर आधारित एक अनूठा प्रयोग। इस प्रकल्प की सफलता न केवल देश के अन्य नगरों के लिए अनुकरणीय होगी अपितु देश के बाहर भी इस नई सस्ती अनूठी टेकनॉलोजी के कारण इसका निर्यात करने तथा देश के लिए विदेशी मुद्रा कमाने के द्वार भी खुल जाएंगे। मेरी जानकारी के अनुसार 4, 5 देश तो अभी से इस सम्बन्ध में अपनी उत्सुकता दिखा रहे हैं।

कहीं–कहीं हो रही चर्चा से ऐसा प्रतीत होता है 'स्काई' बस सम्बन्धी प्रधानमंत्री जी की घोषणा से कुछ अन्य तकनीकी विशेषज्ञों का अहम आहत हुआ है। उन्हें लगा है कि इस प्रकल्प की स्वीकृति के कारण, प्रतिष्ठा में उनसे कहीं नीचे का एक विशेषज्ञ उनसे आगे निकल गया है। स्वयं को ऐसे मामलों का विशेषज्ञ मानने वाले इन सज्जन को किसी अन्य

का स्वयं से आगे निकल जाना अच्छा नहीं लगा। यही कारण है कि वह नहीं चाहते कि यह प्रकल्प आगे बढ़े। सीधा विरोध करना तो उन्होंने भी उचित नहीं समझा। अब कोई न कोई उपाय कर, वह इसे लटकाए रखना चाहते हैं। सम्भवतः वह चाहते हैं कि इस प्रकल्प में इस्तेमाल की गई टेकनॉलोजी पर नए सिरे से पुनर्विचार के लिए अब एक नई विषेशज्ञ कमेटी गठित की जाए।

पिछले दिनों किसी अन्य संदर्भ में कोंकण रेलवे के कुछ वरिष्ठ अधिकारी यहाँ आए थे, मुझे मिले भी थे। जब मैंने इस सम्बन्ध में उनसे बात की तो उन्होंने तो कोई टिप्पणी करना उचित नहीं समझा। 'स्काई बस' के प्रकल्प सम्बन्धी प्रगति के बारे में पूछने पर गोवा के मुख्यमंत्री श्री पर्रिकर जी ने अवश्य कहा कि भारत सरकार का कोई तकनीकी सलाहकार इस प्रकल्प के जल्दी शुरू होने में रुकावटें खड़ी कर रहा है।

संभवतः कोंकण रेलवे के अधिकारियों ने मुंबई लौटने पर मेरे प्रश्नों के बारे में अपने महाप्रबन्धक श्री. बी. राजाराम से बात की होगी। आज की डाक से मुझे श्री बी. राजाराम का सन्लग्न पत्र प्राप्त हुआ है। कृपया आप भी इसका अवलोकन करें। इस प्रकल्प का शीघ्र तथा समय पर पूरा होना गोवा के हित में तो है ही, राष्ट्रीय हित में भी है। श्री राजाराम के पत्र तथा उसके साथ लगे पोस्टर से स्पष्ट है कि प्रकल्प को सब तरह की जांच के बाद ही उच्चस्तरीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। केवल किसी एक व्यक्ति के अहम की तुष्टि के लिए इस प्रकल्प को बलि नहीं चढ़ने दिया जाना चाहिए। किसी अन्य विशेषज्ञ समिति के सुपुर्द पुर्नविचार हेतु सौंपने से अकारण विलम्ब तो होगा ही और अनावश्यक व्यय भी बढ़ेगा। मेरा अनुरोध है आप कृपया सम्बन्धित मंत्रालय के मंत्री जी से बात कर के इस प्रकल्प को तुरन्त आगे बढ़वाएं।

संयोग ही है कि आज डॉ. अनिक काकोडकर गोवा विश्वविद्यालय में दीक्षान्त समारोह में मुख्य अतिथि थे। मैंने जब उनसे इस प्रकल्प के सम्बन्ध में पूछा तो उन्होंने मुझे बताया कि इस प्रकल्प से सम्बन्धित हर तरह की पड़ताल करने वालों में वह भी थे। उन्होंने उस पड़ताल के अपने सहयोगी कुछ अन्य विशेषज्ञों के नाम भी लिए और, कहा कि बढ़िया,

सस्ती तथा पूर्णरूपेण स्वदेशी टेकनॉलोजी को देखने तथा परखने के बाद ही हम सब ने इसके स्वीकृति किए जाने की अनुशंसा की थी। उन्होंने यह भी कहा कि अब और कौन बड़ा विशेषज्ञ इसकी समीक्षा करेगा? उनकी भी यही राय थी कि बिना समय खोए, प्रकल्प को यथाशीघ्र पूरा कर लेना चाहिए।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री लाल कृष्ण आडवाणी जी,
माननीय उप प्रधानमंत्री,
भारत सरकार,
नई दिल्ली

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा गोवा के लिये 'स्काई बस सर्विस' के प्रकल्प के संदर्भ में उसके समस्त पहलुओं पर विचार हेतु। तथा उसके निर्यात द्वारा विदेशी मुद्रा अर्जित करने की उपयोगिता के संदर्भ में चर्चा।
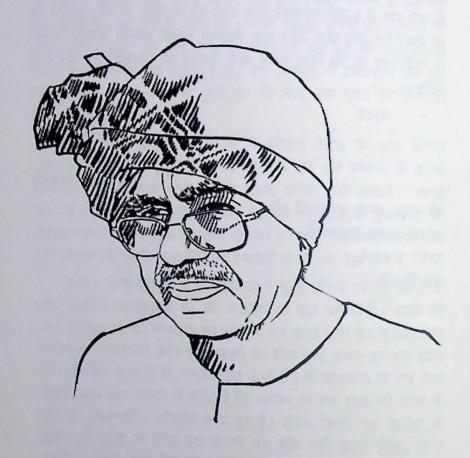
भवदीय

केदार नाथ साहनी
पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

Date : September 2, 2011

Dear Shri Purushottam Lal ji,

Namaskar.

I have significantly reduced my movements. We have not met for a long time. Meanwhile, associating with the Swadeshi Jagran Foundation, I have undertaken responsibility for an apolitical project 'CHAUPAL' for which I need your cooperation and help.

You are aware even after 63 years of independence over 31% of our population is still living below the poverty line. This project aims at assisting those among the poor who wish to make an honest living and lead a life of dignity, but who are unable to do so because of their inability to get credit from banks since they cannot provide any collateral or guarantor. Taking loans from loans sharks will create a bigger problem for them in the shape of a debt trap. Such persons may be poor but possess self- respect and do not seek charity but only some support.

This project aims to provide micro loans at nominal rate of 1% per annum to such people so that they can become self-supporting. Since the loan will be repaid on weekly or monthly instalment basis the money can be recycled to assist more persons. In the last 8-10 months we have been able to help about 900 such families. I am happy to say that so far there is not a single instance of even one instatement of repayment not being received. In selecting beneficiaries under the scheme considerable time and effort is put in and care exercised. In particular we seek out women in these families who are either already self-employed in a small way or are seeking opportunities to this end. Our small monetary help is a boon for such women not only in economic terms but also in improving their own status in the family and thus truly empowering them.

You will agree with me that it is our national responsibility to help this poor but honest and self-respecting section of our society.

For the success of this plan we need to build up a corpus of at least 3 crores rupees. I believe this project will not only be beneficial to the poor but also contribute to the nation's progress. The project has been highly successful in its limited form. We need now to scale it up to benefit many more people.

I am aware that you and your family are already engaged in different forms of social service. I am writing to request you to bless this nation buiding venture also and provide us with your generous financial contribution for its success.

The account payee cheque/bank draft should be drawn in the name of Swadeshi Jagran Foundation.

I am sure that I will not be disappointed.

Kind regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Purushttam Lal D. Bhoot
20-C, Belvedera Road
Kolkata-700027

Note - Sahaniji described benevolent and philanthropic activities of a apolitical organization named 'CHAUPAL' to assist and aid people below the poverty line. CHAUPAL'S consistent efforts to provide for them micro loans at nominal rate of 1% so that they could become self-supporting and lead a life of dignity, and asked Shri Purushottam to come forward and contribute generously in this pious venture.

केदार नाथ साहनी

पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

दिनाँक : 7 अक्टूबर, 2010

आदरणीय/प्रिय शेर सिंह डागर जी,

नमस्कार।

आप जैसे कुछ ऐसे समाज सेवा व्रतियों को जिन्हें मैं वर्षों से जानता हूँ और जिन्हें मैंने स्वयं सततः निस्वार्थ भाव से लोगों की सेवा और सहायता करते देखा है से कुछ अनुरोध करना चाहता हूँ।

समाज के उन लोगों को जो केवल इसलिए कि वह गरीब और साधनहीन हैं, गरीबी से परेशान होकर असामाजिक तत्वों के साथी बनने अथवा आत्महत्या करने पर विवश हो जाते हैं, को दान से नहीं, उनकी आर्थिक सहायता करके उन्हें अपने पैरों पर खड़ा होने तथा सम्मान का जीवन जी सकने के लिए स्वदेशी जागरण फाउण्डेशन द्वारा चौपाल chaupal (Non profit company) का गठन कर माईक्रो यानि छोटी–छोटी राशि का ऋण उन अभावग्रस्त क्षेत्रों (स्लम एवं झुग्गी बस्ती) में रहने वाले गरीब–असहाय मेहनतकश व अपना छोटा व्यवसाय करने वाली महिलाओं को अपना व्यापार चलाने व बढ़ाने के लिये उनको ऋण उपलब्ध कराकर आत्मसम्मान के साथ कारोबार कर सके इस हेतु एक प्रकल्प प्रारम्भ किया जा रहा है। इसका शुभारम्भ स्लम एरिया जे.जे. कॉलोनी (निमड़ी कॉलोनी) वजीरपुर में दिनाँक 11.10.2010 सोमवार प्रातः 10.00 बजे होगा।

मैंने इस योजना को बहुत बारीकी और ध्यान से देखा और समझा है। नागपुर में शुरू की गई इस योजना की सफलता भी मैंने जानी है। थोड़े समय में ही अब तक 2700 से अधिक लोग के उन्हें अपने पर किए गए छोटे–छोटे कर्जे दिए गए और अब वह अपना काम धन्धा सफलतापूर्वक चला रहे हैं तथा सम्मान की जिन्दगी जी रहे हैं।

इस कारण मुझे लगा कि यदि हम सभी इस योजना में भागीदार बन कर इन उत्साही बन्धुओं को साहस और शक्ति प्रदान करें तो देश और देशवासियों की बहुत बड़ी सेवा होगी। हमें तो मात्र इतना करना होगा कि कुछ निश्चित अवधि (2/3 साल) के लिए, हम अपना कुछ धन इनके प्रकल्प, **'चौपाल'** के पास बिना ब्याज जमा कराएं। यह धन निश्चित अवधि पर वापिस मिल जाएगा। मात्र उस अवधि के लिए उस धन का उपयोग ''चौपाल'' ही कर सकेगा। स्वंय आप, आप का ट्रस्ट और आप के अन्य मित्र ऐसा अवश्य करेंगे। इस देशोत्थान हेतु रचे महायज्ञ की सफलता में आप अवश्य भागीदार बनें।

हार्दिक आभार और मंगल कामनाओं के साथ,

आपका,

(केदार नाथ साहनी)

टिप्पणी – गैर लाभकारी संगठन चौपाल द्वारा गरीब, असहाय, मेहनतकश महिलाओं के हित में उनके अपना व्यवसाय चलाने तथा उन्हें स्वावलंबी बनाने हेतु उनके अर्थिक सहायतार्थ श्री डागर जी को उनके चौपाल में योगदान हेतु आग्रह।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 10 अक्टूबर 2010

प्रिय श्री सीताराम जी,

सप्रेम नमस्कार!

यह पत्र आपको बहुत संकोच के साथ लिख रहा हूँ। सच बात यह है कि उन अति स्वाभिमानी गरीब लोगों को जो साधनहीन होने के बावजूद अपनी मेहनत से ईमानदारी का जीवन व्यतीत करना चाहते हैं, कुछ आर्थिक सहारा देकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की "चौपाल" योजना का दायित्व मैंने आप जैसे कुछ दानवीर मित्रों के भरोसे पर ही सम्भाला था।

आपने मेरे अनुरोध पर कुछ सहायता की भी थी किन्तु वह मेरी आशा से इतनी कम है कि मैं अपनी निराशा व्यक्त करने में भी बहुत संकोच अनुभव कर रहा हूँ।

आप और आप जैसे कुछ अन्य मित्रों से मिली सहायता से अब तक लगभग 900 परिवार अपने पैरों पर खड़े हो सके हैं, मुझे इस बात का संतोष भी है और प्रसन्नता भी कि राष्ट्र–निर्माण में इस तरह हम भी कुछ रचनात्मक योगदान कर पा रहे हैं। यदि कभी समय निकाल सकें तो इस प्रकल्प के परिणाम आप स्वयं प्रत्यक्ष देखें। आपको भी अच्छा लगेगा। अभी तो शुरू है, आगे करने वाला काम तो बहुत बड़ा है।

साहस जुटा कर पुनः अनुरोध कर रहा हूँ कि देश सेवा के इस नेक काम में आप कृपया दिल खोल कर हमारी सहायता करें।

आदर के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

डॉ. सीताराम जी जिन्दल

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 2 अप्रैल, 2012

प्रिय श्री पुरूषोत्तम जी

नमस्कार!

आप सरीखे दानी और समाजसेवी मित्रों के सहयोग से 2140 परिवारों को अब तक चौपाल अपने पैरों पर खड़ा करने में सहायक हुआ है, इसकी जानकारी से आपको आनन्द होगा। विस्तृत रिपोर्ट संलग्न है। अप्रैल मास में और 200 से अधिक परिवार, इनमें जुड़ जाएंगे। आपके सहयोग से ही यह सम्भव हो पाया है। कृपया इस सहयोग के लिए मेरी कृतज्ञता स्वीकार करें।

मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी इसी तरह आपका स्नेह और आशीर्वाद चौपाल को प्राप्त होता रहेगा।

पत्र प्राप्ति से अवगत करा सकें तो आभारी हूंगा।

सादर।

शुभेच्छु,

(केदार नाथ साहनी)

श्री पुरूषोत्तम लाल भूत जी

टिप्पणी – श्री पुरूषोतम जी का आभार जिनके सहयोग से 'चौपाल' के द्वारा हजारों परिवारों के जीविका उर्पाजन में सक्रिय सहयोग तथा भविष्य की सफलता की कामना।

भवदीय

[signature]
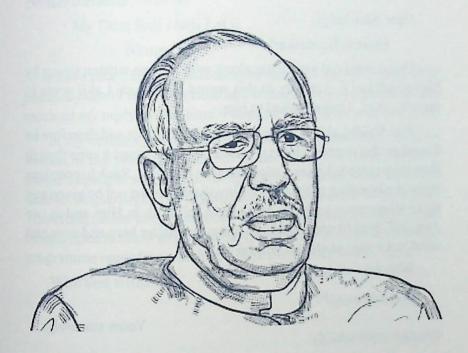
केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI
Our Reference : KNS-1/661

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date: 20-7-1995

Dear Shri Jad ji,

Saprem Namaskar!

I have received your letter along with the one written to you by Shri Shadi Lal ji. Actually, in this regard Shri Shadi Lal ji wrote to me also. And, I have replied to him.

Shri Shadi Lal ji, it appears, is highly sensitive and therefore he has taken this matter to heart. Please ask him to forget it even though the entire episode leaves a stink and is in bad taste. Such happenings show the breeding of the persons involved. It must not be given any more importance to it. We must have full faith in Him and in our own self. Shri Shadi Lal should leave the matter here and now and must not worry at all. All will be well.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri H.L.Jad,
Advocate,
53-A, Pocket A/3,
Kalkaji Extn.,
New Delhi - 110019

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 24-4-1989

Ref. BJP/CO-621/89

My Dear Shri Harji Lal ji,

Namaskar.

I have received your affectionate letter of the 4th April, 1989 just today. Shri Prem Nath Bhat had written to me and he must have received my reply by this time. I hope he has shown you that letter.

In my opinion you are moving in the right direction. As I have written in my previous letter the louder noise you make, better it would be people will start heeding to you no matter what Shri Shiv Charan Gupta says. The organisation is determined to help you. Therefore, please keep everybody in touch and keep moving. I shall be interested to know as to what happened in the District Convention programme regarding which you have mentioned in this letter.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Harji Lal
Anant Bhavan (Hall) Nagbal,
Anantnag - 192101.

Note - While writing to Shri H.L. Jad Sahaniji was of the view that the voice against mischief and aggression against Hindus in Kashmir would be firm and louder.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date : 5.1.2005

Dear Shri Shadi Lal ji,

Sasneha Namaskar.

It was a pleasure to receive your letter yesterday in the evening and learn that you are still in Delhi. It was equally gartifying to know that your son and elder daughter are now nicely setteled. It must be very satisfying for you and your wife. I am sure that with God's grace, your younger daughter will do still better and the pressure on your mind will go.

Actually, I waited for you that day and was upset as you did not come. I was concerned about your health. As I did not know your address or telephone number, I could not contact you and find out the reason. I did contact Shri Kumar S/o Late Shri Prem Nath Bhat, who too did not know your whereabouts. How is your health now? Who is treating you for your ailments? May Almighty be kind to you and you are pefectly well now that most of the worry and strain on your mind is gone.

In Delhi, we, too, are alright. It will give me great pleasure to meet you and see that you are your normal self once again.

My wife joins me in extending our best gretings and good wishes to all of you, for the new year.

With best regards,

Sincerely Yours,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Shadi Lal ji Tikoo

Note - Sahaniji took cognizance of health of Shri Shadilal ji Tikoo an important member of the Party.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date : 29.4.93

Dear Jitu

It was nice seeing your letter of the 22nd instant lying on my table late yesterday evening when I returned home. It is gratifying to learn that all of you are quite alright. It is good news that you are planning to visit Delhi in May. It will be nice meeting you.

In Delhi we too are perfectly well and fine Yes The BJP activities are quite hectic these days. A couple of months back Dr. Mukund Modi was in Delhi and he must have informed you all about the situation in India.Rest you will yourself come to know when you arrive here.

Please convey our best wishes to everybody there. With love from all of us.

Yours affectionately,

(Kidar Nath Sahani)

Note - Sahaniji apprised him of BJP'S nationwide proactive approach to make people understand party's political, economical and social views.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

जे–21 साकेत
नई दिल्ली–110017

Date : 22 March, 2005

Dear Shri Shadi Lal ji,

Namaskar.

I am pleased to learn from yours of the 14th instant that you have visited haridwar and had a dip in Holy Ganga. It must have helped you in restoring, to some extent, the peace to your disturbed mind. At the present state of affairs, such events do us a lot of good.

It was nice meeting you the other day at my residence and to see you in much better health. The Almighly is kind enough to take care of all of us.

My wife joins me in thanking you for the NIVED you had brought; although I wish you had not brought the sweet along with it, the gist of your speech enclosed with your letter is the reflection of the feelings of a true patriot entirely agree with you and endorse the points you have raised.

With warm best wishes from both of us in the family.

Sincerely Yours,

(Kidar Nath Sahani)

Shri S.L. Tikoo ji
Palam-8/17
Shipra Sun City,
Indirapuram-201010 (Ghaziabad)

Note - Sahani ji endorsed and praised the opinion and patriotic feelings of Shri Shadi Lal ji, and wished him the best of his health.

केदार नाथ साहनी

KIDAR NATH SAHANI

RAJ BHAVAN
GANGTOK-737103
(SIKKIM)

राज्यपाल, सिक्किम

GOVERNOR OF SIKKIM

Date: 13.05.2002

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar.

On my return to Gangtok yesterday. I found on my table yours of the 12th April Also a copy of the letter you have addressed to Shri Advani ji has been received. Thanks.

You might have learnt by now that I visited Jammu on 21.04.2002 but fell ill there and was hospitalized and had to be shifted to a Delhi hospital the very next day. It is a pity that I could not meet old friends in Jammu.

I am sending copies of your these two letters to Shri Jana Krishnamurthy, President, BJP for his perusal and also for any action that he deems fit to take.

Regards,

Yours Sincerely,

(KIDAR NATH SAHANI)

Shri F.C. Razdan,
Distt Secretary,
BJP Doda Affairs,
P.O.Bhadarwah.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/1/2003.165

January 24, 2003

Dear Shri Kashmiri Lal Ji,

Namaskar.

Thanks for yours of the 2nd instant, received just now. I am happy to know that the memorial function was very successful. The press-clippings do show the usefulness of keeping alive the memory of late Shri Prem Nath Bhat Ji.

From your letter it appears that you have not been able to keep live contact both with Veer Bhawan and Kachi Chhawani. It is unfortunate. I am not aware if the close associate of Bhat ji, Shri H.L.Jad is presently being consulted and his help sought for such functions. Perhaps special care needs to be taken in keeping alive these contacts.

With my best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Kashmiri Lal Bhat
Advocate, J&K High Court,
Lane No. 11, H.No. 336,
Talab Tillo,
Jammu.

Note - Advising him to establish contacts again with "Veer Bhawan and Kachi Chhawani" for the good cause in the Social fields.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GANGTOK-737103
SIKKIM

राज्यपाल, सिक्किम
GOVERNOR OF SIKKIM

Date: 3.12.2001

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar.

I have received your letter just now It gives me pleasure to know that after a very hotly contested election your team has won the election and presently all office bearers of your group are shouldering the responsibility of running the S.D. Sabha. I am sure that these dedicated worker will leave no stone unturned to serve the Sabha and the community to the best of their ability.

Please convey to all my sincere goodwishes and Namaste.

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Note - Congratulating on winning the election of 'S.D. Sabha' Shri Razdan and his team and advising them to shouldering the responsibilities with all sincerity.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/3/2003/241
Date- March 31, 2003

Dear Shri Tikoo ji,
Namaskar.

Thanks for yours of the 15th instant and also for informing me about your state of mind, which I understand has changed for the better. I am happy.

We are all human beings and at times, all of us, fall a prey in our lives to such depression. Wise and lucky are those who overcome such situations and leave everything in the hands of the Lord. Thereafter, nothing can bother them or weigh on their minds. In Gita, they have been called as 'STHITPRAGYA', one who neither feels depressed even in the worst of situations nor is unnecessarily elated while in the best of circumstances. In my view, we have come to that part of our lives when we should adopt this attitude towards the happenings in our life. This will always be helpful.

Let us not, for a moment, forget that what we were, was because He so willed it and that what we are today, also is, as per His desire. If 'those' days have gone, 'these' too, will go. The temporary bad spells must not be permitted to depress us. It is good to learn that the doctors have nothing adverse to say about your health. Daily light exercise, regular prayers, and meditation will definitely help you.

Both of us are quite alright. Please convey to everybody in the family our hearty goodwishes.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri S.L. Tikoo,
149-G, Government quarters,
Rehari Post Office,
Subhash Nagar, Jammu -180005.

Note - Sahani ji had spiritual discourse with Shri Tikoo ji through the letter to stand firm, calm and strong in the worst of situations what may it be.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/2/2003/197 Feburary 19, 2003

Dear Shri Bakshi ji,

Saprem Namaste.

Just now I have received yours of the 14th instant and am gratified to learn that you have returned to Bombay safely. I am wondering as to what has caused no news from you after you left Goa. Had this letter not come, I had planned to contact you on telephone today. Anyway, God is great and all of you are well.

It was nice of you to find time to visit us. It gave me immense pleasure to see you after ages. May the Almighty give you a very healthy and long life so that you could serve the society with the same old zeal.

Namaste to all the members in your family.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri V.N. Bakshi,
ENERCON (INDIA) LIMITED,
Kolsite House
Plot No. 31, Shah Industrial Estate,
Veera Desai Road,
Andheri (West),
Mumbai - 400053.

Note - Sahani ji concerned and connecting with the people associating with him.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/12/2003/486 December 9, 2003

Dear Shri Gadoo ji,

Namaskar,

Thanks for sending to me two copies of your and Dr. Teng's publication on Shri Ram Temple Movements.

I highly appreciate the pains both of you have taken to provide to the people, highly useful information of educative value, which I am sure, will dispell many misgivings. My congratulations!

Since long, I have not heard from Dr. Teng. Last I received his letter was about two years back, when I had visited Vaishnu Devi Shrine. Dr. Teng was angry with me that I had not informed him about the visit, nor called him to meet me at Jammu. Perhaps you are aware that while at Jammu, immediately I returned from the Shrine, I had fallen seriously ill, was hospitalised and had to be airlifted for treatment at Delhi. Naturally, I could not meet friends at Jammu. I had replied to Dr. Teng's letter. But since then there has been no response from him. It appears that even after learning the facts, he has not been able to appreciate the situation. If and when you happen to meet him, please ask him to write to me.

With my namaskar to your wife and all others there in Delhi,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri C.L. Gadoo,
S -71d, Sunder Block
Shakarpur, Delhi - 110092

Note - Praising the publication on Shri Ram Temple Movements for its valuable information by Shri Gadoo and Dr. Teng and showing concern about the apprehensions of Dr. Teng.

KIDAR NATH SAHANI
केदार नाथ साहनी

RAJ BHAVAN
GANGTOK
(SIKKIM)

राज्यपाल, सिक्किम
GOVERNOR OF SIKKIM

No. SKM/GOV/2002,

Date 24th March, 2002.

Dear Shri Shadi Lal ji

Saprem Namaskar,

Thank you very much for sending the Nived of Mahashiva Ratri Havan. I feel grateful to have received your good wishes for my welfare. Actually, prayers and good wishes of friends like you have given me the strength to face ordeal I had gone through the last three years. I am sure that they will do me the same in future also.

My wife joins me in sending our sincere good wishes and namaskar to you and to all others in the family.

Regards,

Yours sincerely,

(KIDAR NATH SAHANI)

Shri S.L. Tikoo,
149-G, Government Quarters,
Rehari Post Office
Subash Nagar, Jammu, 180005.

RAJ BHAVAN
GOA-403004

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/11/2003/445

November 3, 2003

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar.

Thanks for sending to me a copy of your letter addressed to Shri Advani ji, who, I am sure, will not only go through it but taking all things into account, take appropriate action also.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri F.C. Razdan,
Distt. Secretary,
Bharatiya Janata party Distt Doda,
P.O. Bhadarwah.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GANGTOK-737103
(SIKKIM)

राज्यपाल, सिक्किम
GOVERNOR OF SIKKIM

No.SKM/GOV/2002.

Date: 29th May, 2002.

Dear Shri Razdan ji,

Namaste,

Thanks for yours of the 20th instant.

In the last week of April, I visited Jammu with a twin purpose. One of having the darshan of Mata Vaishnu Devi and the second of meeting old friends. I did have very good darshan at the Vaishno Devi Shrine but I could not meet my all old friends because of my sudden illness on the second day of my stay there. I had to be rushed to Delhi for better treatment. I highly appreciate your concern about my health, I am much better now.

Regards,

Yours sincerely,

(KIDAR NATH SAHANI)

Shri F.C. Razdan,
District Secretary,
B.J.P. Doda Affairs,
P.O. Bhadarwah,
Doda, Hq.
Bhadarwah,
Jammu & Kashmir

RAJ BHAVAN
GOA-403004

केदार नाथ साहनी

KIDAR NATH SAHANI

राज्यपाल, गोवा

GOVERNOR OF GOA

No. G/3/2004/577

March 1, 2004

Dear Shri Shadi Lal ji,

Saprem Namaskar.

Just now I have received the parcel bringing to us the Shivratri Nived. Thanks.

We are grateful that you remember us and pray for us on this holy day. May the Almighty be always kind to you and your family members and shower on all of you His choicest blessings.

I am extremely happy to know that dear son Navin and your daughter Neetu, both are getting married in the month of April. Inspite of my heartiest desire to be present on the occasion, I am afraid, it will not be possible to attend the ceremonies. However, our good wishes and blessings are with them. I am sure that the Almighty will be kind to them and they will be leading a very long and happy married life.

With our prayers and best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri S.L. Tikoo,
149-G, Government quarters,
Rehari Post Office, Subhash Nagar,
Jammu - 180006

RAJ BHAVAN
GANGTOK-737103
(SIKKIM)

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

राज्यपाल, सिक्किम

GOVERNOR OF SIKKIM

Dated : 4.6.2002.

Dear Shri Shadilal ji,

Namaskar,

Thanks for yours of the 20th may received to day.

I am happy to learn that you have visited Delhi and Haridwar and have returned to Jammu. It is nice to know that your nephews have acquired flats in Delhi and the Grah Pravesh provided an opportunity for the family reunion, which must have been a unique occassion.

More gratifying is the happy news regarding the well being of your son and the two daughters. May Mata Vaishnu Devi be always kind to them and bless them with more success and laurels.

I am alright now. I visited the Holy Shrine of Vaishnu Devi on the 22nd April; darshan was excellent. Unfortunately, on 23rd I fell sick. It was a very serious case of food poisoning. I had to be hospitalized there itself and on the 24th I was shifted to Delhi on the govt. Plane for better treatment. Anyway, all is well that ends well. I am perfectly well now. It was nice of Chaman Lal ji to arrange that I could meet all friends at one go at his residence. My dual purpose of visiting Jammu was to go to Vaishnu Devi and to meet all friends was thus achieved.

Please do keep me informed about your welfare.

With my best wishes and namaskar to all in the family,

Yours sincerely,

(KIDAR NATH SAHANI)

Shri S.L. Tikoo,
149-G, govt. Qrts,
Rehari Post Office, Subash Nagar,
Jammu - 180005

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

RAJ BHAVAN
(SIKKIM)
GANGTOK-737103

राज्यपाल, सिक्किम
GOVERNOR OF SIKKIM

No. SKM/GOV/2002 Date: 16th Sept., 2002

Dear Shri Shadi Lal ji,

Saprem Namaskar,

Thanks for Yours of the 5th instant, just received.

I am grateful to you for your concern about the health of both of us and for the prayers and good wishes for our welfare. Both of us are quite alright now. My wife feels much better and has started walking without any assistance, although it will take some time that the leg-muscles regain their full strength. Her perpetual pain has gone.

When Vidur posed the same question before Lord Krishna, which you have raised in your letter, Lord Krishna in his reply, in Vidur Gita, has said that nobody can escape the fruits of his KARMA and one has to face the consequences, may be after a number of rebirths. We the wordly beings know about our karma in the present birth only, but are unaware of our KARMAS in the previous births. It is therefore necessary that we should feel relieved that some debt of our past KARMAS has been repaid. Please take it easy.

Our good wishes to all in the family there.

With best wishes.

Yours sincerely,

(KIDAR NATH SAHANI)

Shri S.L. Tikoo,
149-G, Govt. quarters,
Rehari Post Office,
Subash Nagar, Jammu -180005.

Note - Citing the example of Principle of of "KARMAS" in Vidur Gita replying to the concern showed by Shri Shadi Lal ji about the health of Smt. and Shri Kidar Nath Sahani ji.

केदार नाथ साहनी

KIDAR NATH SAHANI

Date: December 18, 1999

Ref. No. - 38-12/KNS/99

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar!

You know that I have been confined to bed for the last over 13 months of which I had to be hospitalized for about six months. I hope you will appreciate my helplessness that I could neither acknowledge the receipt of your letters nor could send any reply. I am much better now although still I cannot stand on my own or move about. I will take another 8/10 weeks and I shall be my normal self once again. Only then I shall be able to attend the office and start my earlier routine of responding to the letters.

I am grateful to you for the kindness and greetings you have been sending. Only your prayers and goodwishes have saved me.

Regards,

Sincerely yours,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Faqir Chand Razdan,
Bhadarwah.

Note - Sahaniji apprising Shri Razdan, about his illness and helpness of not attending office and replying to the letters, pending there.

केदार नाथ साहनी

KIDAR NATH SAHANI

Tel: Res. : 6805011
Off. : 3312809, 3736798

Dear Shri Tandon Ji,

Namaskar,

I am enclosing herewith a copy each of three bio-datas. Two of these belong to my very close relations. Both of them are qualified and experienced engineers.

One is that of my first cousin brother Shri K.K. Sahani, who is a qualified Instrumentation Engineer. In the last two decades he has been working abroad with some companies of high repute. I want him to now settle down permanently in India and stay with the family.

The second bio-data is that of Shri G.K. Sawhney, a diploma holder in Electrical Engineering. He too has worked for a number of years in the Middle East. But thereafter, he was working with a number of companies in India. The last place where he worked has gone sick and presently, he is out of job.

The third one, Shri Parma Nand is a qualified electronic diploma holder in one year course of Electronics. He has been working with some known companies like M/s Nike Tasha (I) Pvt. Ltd., M/s Kin-Vic Electronics and Onida group of companies in various capacities. He too has a vast experience in his own field.

If with your intervention and help they could find some reasonably decent placements, I shall feel personally obliged.

With kind regards,

Yours sincerely,

(KIDAR NATH SAHANI)

Sh. H.S. Tandon,
Secretary General
P.H.D. Chamber of Commerce and Industry
PHD House,
Khel Gaun Road, New Delhi

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनांक : 11 नवम्बर, 2009

प्रिय बन्धु श्री शत्रुघ्न सिन्हा जी,

सप्रेम नमस्कार।

काफी समय से आप से भेंट नहीं हुई आशा करता हूँ कि आप सपरिवार सकुशल और सानन्द होंगे। इंग्लैंड में हमारी एक पुरानी और समर्पित कायकर्ता बहन श्रीमती सविता सहदेव रहती हैं। हजारों मील दूर भी भाजपा में उनकी रूचि बराबर बनी रहती है और जब कभी भारत आती हैं तो केन्द्रीय कार्यालय अवश्य आती हैं। मुझे भी मिलती हैं।

उन्होंने वहाँ से आप के नाम लिखा एक पत्र मुझे इस अनुरोध के साथ भेजा है कि वह मैं उसे आप तक पहुंचा दूँ। मुझे लिखे पत्र का मैंने उन्हें जो उत्तर देना उचित था, वह तो दे ही दिया है। किन्तु, मुझे लगा कि आप के लिए भेजे पत्र के साथ मैं, मुझे लिखा मूल पत्र भी आपको भेज दूँ ताकि आप भी जान सके कि ऐसे पुराने और प्रतिबद्ध कार्यकर्ता हमारे बारे में क्या सोचते हैं।

कृपया परिवार में सबको मेरी नमस्ते कहें।

मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री शत्रुघ्न सिन्हा जी,
10 तालकटोरा, रोड
नई दिल्ली–110001

केदार नाथ साहनी

पूर्व राज्यपाल सिक्किम और गोवा

दिनांक : 24 अक्टूबर, 2009

प्रिय डॉ. नन्द किशोर सिंह जी,

नमस्कार,

यह जानकर कि अक्षर कुम्भ समिति ने इस बार श्री. स्वदेश कुमार प्रभाकर जी की समृति में, 'प्रभाकर स्मृति अक्षर कुम्भ' के आयोजन का निर्णय किया है, बहुत अच्छा लगा। जिन बन्धुओं ने भी इस आयोजन की कल्पना की है, उन्हें मेरा हार्दिक साधुवाद। श्री. स्वदेश कुमार प्रभाकर जिनकी पुण्य स्मृति को यह कुम्भ समर्पित है, मैं उनको बाल्यकाल से जानता था। जीवन भर देश और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का मैं प्रत्यक्षदर्शी हूँ। अल्पायु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मिले संस्कारों ने, उन्हें देशभक्ति की जिस कठिन डगर पर डाला वह उस पर आखरी सांस तक बिना विश्राम सतत चलते रहे। पवित्र भगवा ध्वज के समक्ष ली प्रतिज्ञा को उन्होंने, एक सद्गृहस्थ संन्यासी की तरह पूरी प्रामाणिकता से निभाया है।

स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने कॉलेज में प्रवेश नहीं लिया। अपितु, स्वयं को संघ कार्य के लिए समर्पित कर दिया और वह संघ के प्रचारक बन गए। देश विभाजन की काली छाया ने जम्मू कशमीर को ग्रसित कर रखा था। प्रभाकर जी के सानिध्य और नेतृत्व में जम्मू की सीमाओं की रक्षा एवं पाकिस्तान के आक्रमण से प्रभावित सीमावर्ती क्षेत्रों की जनता के सहायतार्थ किए उनके साहस और विसमयकारी कार्यों का मैं प्रत्यक्षदर्शी हूँ।

जमशेदपुर आने पर संघ कार्य को आगे बढ़ाने हेतु किया उनका कार्य, 'तुलसी भवन' का निमार्ण, साहित्य और साहित्यकारों के लिए की उनकी

सेवाओं से कौन परिचित नहीं? प्रतिवर्ष साहित्यकारों के सम्मेलन, संगोष्ठियां, साहित्य पत्रिका का नियमित प्रकाशन उनके संगठन कौशल और क्षमता के मुँह बोलते उदाहरण हैं। मुझे विश्वास है कि उनकी स्मृति हम सब को हर दम प्रेरणा देती रहेगी।

कुम्भ की सफलता के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं

भवदीय

(केदार नाथ साहनी)

प्रो. डॉ. नन्दकिशोर सिंह जी
अध्यक्ष, (अक्षर कुम्भ समिति)
स्वदेश निवास, (रेलवे फाटक के निकट)
जुगसलाई, जमशेदपुर – 831006

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा संघ प्रचारक श्री स्वदेश कुमार प्रभाकर जी के जीवन पर आधारित आयोजन का उल्लेख।

केदार नाथ साहनी

संयोजक

ओवरसीज़ फ्रेन्ड्स ऑफ बीजेपी

दिनांक : 27 अक्टूबर, 2008

वशिष्ट कुमार पुष्करण जी अब हमारे बीच नहीं रहे किन्तु, उनसे पुराने सम्बन्धों की मधुर स्मृतियाँ तो हमेशा हमारे साथ रहेंगी।

देश विभाजन से पूर्व लाहौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के एक निष्ठावान और समर्पित स्वयंसेवक के रूप में, संघ के प्रान्तीय कार्यक्रमों में उनसे मेरा परिचय हुआ था। वह अत्यन्त मिलनसार थे और अपने स्नेह भरे मधुर व्यवहार से हर मिलने वाले का मन जीत लेते थे। शारीरिक कार्यक्रमों और खेल प्रतियोगिताओं में वह सदा अत्यन्त चुस्त और अग्रणी रहते थे।

देश विभाजन के समय, लाहौर में दंगों के दौरान हिन्दुओं के रक्षार्थ वह सर्वदा आगे रहते थे। दंगाईयों से घिरे हिन्दू मोहल्लों की मोर्चा बन्दी करने, वहाँ के युवकों को संगठित कर हिन्दुओं की रक्षा करने तथा उन्हें सफलतापूर्वक सहायता शिविरों तक पहुँचाने में उन्होंने जो भूमिका निभायी थी, वह अद्‌भुत है।

भारतीय जनसंघ की स्थापना के साथ ही वह उससे न केवल जुड़ गए अपितु उसके एक अत्यन्त सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में श्री ओम प्रकाश आर्य तथा एक दो अन्य कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने सुभाष नगर क्षेत्र को जनसंघ का गढ़ बना दिया। अनेक बार उन्हें जेल भी जाना पड़ा।

जब दिल्ली में 1958 में नगर निगम की स्थापना हुई और उनकी कर्मठता और प्रतिबद्धता को देखते हुए उन्हें सुभाष नगर क्षेत्र से प्रत्याशी बनाया गया। वह विजयी हुए और एक सच्चे जनप्रतिनिधि की भान्ति उन्होंने अपने कार्यकाल में सुभाष नगर की जनता की अपार सेवा की।

क्षेत्र में उनके द्वारा किए सुधार कार्यों के कारण सुभाष नगर राजधानी को एक अच्छी कालोनी के रूप में देखा जाने लगा। अपनी सेवा के कारण वहाँ के पुराने लोग, उन्हें आज भी याद करते हैं। संघ के निष्ठावान स्वयंसेवक के रूप में उनका जीवन सभी कर्याकर्ताओं के लिए रोल मॉडल रहा है। अपने निस्वार्थ जीवन, आचार और व्यवहार से उन्होंने सदा अन्य कार्यकर्ताओं को प्रेरणा दी है।

उनकी पावन स्मृति को मेरा नमन!

(केदार नाथ साहनी)

टिप्पणी – श्री वशिष्ट कुमार पुष्करण जी के प्रति अपनी भावभीनी संवेदना प्रकट करते हुए श्री साहनी जी द्वारा उनके पार्टी के प्रति उल्लेखनीय योगदान की चर्चा तथा दिल्ली के सुभाष नगर क्षेत्र में उनके द्वारा जनता की अपार सेवा तथा निजी जीवन में उनके उत्तम व्यवहार की सराहना।

केदार नाथ साहनी 8, तीस जनवरी मार्ग,नई दिल्ली–110011

पूर्व राज्यपाल फोन– 23011331 / 2790

दिनाँक : 07.08.2004

प्रिय बहन शांतिदेवी जी,

सप्रेम नमस्कार।

आज ही आपका 17 जुलाई का लिखा पत्र देख पाया हूँ। वास्तव में, मैं पिछले लगभग एक महीने तक अस्पताल में था। डॉक्टरों को मेरी अस्वस्थता का कारण समझ में नहीं आ रहा था, इस कारण इतना लंबा समय भी लगा और कष्ट भी उठाना पड़ा। अब मैं बिल्कुल ठीक हूँ।

आपका पत्र देखने के बाद पुरानी स्मृतियाँ चलचित्र की तरह आँखों के सामने सतत आ रही हैं। आपके घर बिताई हुई रात मुझे बहुत अच्छी तरह स्मरण है। आप सबसे मिला सत्कार मेरी पावन धरोहर है। ऐसी बहनों के रहते कौन भाई स्वयं को सौभाग्यवान नहीं मानेगा। आपके भाई 'लक्ष्मण' जम्मू–कश्मीर के मीरपुर क्षेत्र में 'कोटली' स्थान पर सूरज प्रकाश के नाम से प्रचारक थे। वहाँ हुआ उनका अमर बलिदान हम सब लोगों को हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

आपने मुझे वहाँ आने का निमंत्रण दिया है, मैं कृतज्ञ हूँ। इन्दौर से लौटने के बाद कई वर्षों तक तो दुआ जी से मेरा सम्पर्क बना रहा और पत्र आते–जाते रहे। फिर वह संपर्क टूट गया। आपने वह संपर्क फिर से ताजा कर दिया है। कृपया कभी–कभार पत्र लिखती रहा करें। परिवार में सबको मेरी स्नेह भरी नमस्ते।

मंगलकामनाओं के साथ।

आपका भाई,

(केदार नाथ साहनी)

सौ. शांतिदेवी दुआ
219, अनूप नगर,
इन्दौर–452008.

टिप्पणी – भावपूर्ण पत्र शांति देवी जी के भाई श्री लक्ष्मण जी, मीरपुर प्रचारक के बलिदान का उल्लेख तथा पुरानी–स्मृतियों की चर्चा।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

प्रिय डॉ. मोदी जी,

सप्रेम नमस्ते।

आशा है आप सपरिवार सकुशल होंगे। बहुत समय से न आपका फोन आया और न पत्र ही। खैर, अब तो शिविर में मिलेंगे ही। कृपया घर पर सबको मेरी नमस्ते कहें।

पत्र–वाहक श्री जीतू भारवानी बम्बई निवासी हैं किन्तु हमारे परिवार के सदस्य ही हैं। प्रदीप और संदीप के समान ही। वैसे, इसके पिता जी स्वर्गीय श्री गोवर्धन भारवानी कराची संघ शाखा के कार्यवाहक हुआ करते थे। विभाजन के बाद बम्बई में आ गए थे। जीतू अब अमरीका में रहेगा। वहाँ आप अपने काम में इसे लगा सकते हैं। इसकी इच्छा सक्रिय होकर काम करने की है। परिचय के लिए इसे यह पत्र दिया है। श्री वाशी आडवाणी तो इस परिवार को बहुत अच्छी तरह जानते हैं। अस्तु।

शेष सर्व शुभ।

हम सबकी हार्दिक मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

राज भवन
गोवा–403004

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

राज्यपाल, गोवा

Governor of Goa

नः राज्य. गोवा 8/2003/561 दिनाँक : 26.8.2003

प्रिय श्री हरीश जी,

सस्नेह नमस्ते।

अभी–अभी डाक से आपका 19.8.2003 का लिखा पत्र भी मिला और बाबा अमरनाथ जी का चित्र भी। बहुत धन्यवाद।

पहलगाम में आपसे, आपके सभी सहयोगियों से तथा अमरनाथ यात्रा के लिए आए सब यात्रियों की सेवा में लगे सभी लंगरों में सेवा कार्य कर रहे कार्यकर्ताओं से मिल कर स्वयं मुझे और मेरी पत्नी को बहुत अच्छा लगा था। इस बार अमरनाथ के दर्शन तो नहीं हो सके किन्तु 'छडी मुबारक' के दर्शन अवश्य हो गए थे, यह भी सौभाग्य की बात है।

भगवान आपको शक्ति दें कि बरसों से आप जो सेवा कार्य कर रहे हैं लम्बे समय तक करते रहें।

परिवार में सबको नमस्ते कहना।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री हरीश मल्होत्रा जी,
658–ए, गांधी नगर,
जम्मू।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनांक : 22 जनवरी, 2003

भाई साहब श्री बलदेव सिंह जी,

मैं गोवा से बाहर था। कल शाम ही लौटा हूँ। आपका 4 जनवरी का लिखा पत्र मेज पर रखा मिला, पढ़कर हालचाल जाना। धन्यवाद।

आप आएँ आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगेगा। गोवा के जिस इंस्टीट्यूट में श्री राघव आचार्य दाखिला चाहते हैं उसके लिए इम्तिहान में आने वाले उनके नम्बर ही उनकी मदद कर सकते हैं। इसके अलावा कोई चाहे तो भी मदद नहीं कर सकता है। नम्बरों और सिर्फ नम्बरों पर दाखिला होता है। यहां साक्षात्कार के लिए सबसे ज्यादा नम्बर पाने वाले उम्मीदवारों को बुलाते हैं। साक्षात्कार लेने वाले गोवा के बाहर के सारे हिन्दुस्तान के चुने हुए लोग होते हैं। वह जो नम्बर देते हैं उन्हें लिखित परीक्षा में मिले अंकों के साथ जोड़ा जाता है फिर सबसे ज्यादा नम्बर प्राप्त करने वालों का नाम छांट लिया जाता है। और उन्हें ही दाखिला मिलता है। यह एक अच्छी बात है कि किसी सिफारिश के बिना लायक और काबिल बच्चे दाखिला पाने में सफल होते हैं।

मंगल कामनाओं के साथ,

आपका भाई,

(केदार नाथ साहनी)

ठाकुर बलदेव सिंह

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा अपनी प्रकृति तथा विचारों के अनुकूल शिक्षा संस्थाओं में उच्च परंपरा, निष्पक्षता तथा ईमानदारी के निर्वहन का संदेश तथा पालन की अनिवार्यता पर अडिग रहने की प्रेरणा।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनांक : 18.2.2012

प्रिय श्री कुन्द्रा जी,

नमस्कार।

16/2/2012 को आप मुझे टॉउन हाल में मिलने वाले थे। या तो उस दिन आप वहाँ आए नहीं या आकर भी मिले नहीं। कार्यक्रम के बाद तक श्री विजय जौली को रोककर मैं आपकी प्रतीक्षा करता रहा। श्री जौली जी से मैंने आप की समस्या के बारे में बात कर रखी है। उनका कहना है कि "मैं आपसे बात समझ कर पूरी कोशिश करूँगा कि आपका काम हो जाए।" अब आप फोन पर उनसे सम्पर्क करके समय तय कर लें और प्रत्यक्ष मिलें। उनका पता और फोन नम्बर नीचे लिखा है। मैंने मेरे पास लिखे आपके दोनों फोन नम्बरों पर बार–बार फोन किए लेकिन वह किसी ने नहीं उठाया, इसलिए यह पत्र लिख रहा हूँ। पत्र मिलने पर मुझसे बात करें।

स्नेहांकित,

(केदार नाथ साहनी)

श्री विजय जौली,
ए–119, अनुपम गॉर्डन,
सैनिक फॉर्म,
नई दिल्ली–110062

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनांक : 25.3.1990

प्रिय श्री चमनलाल जी,

नमस्कार

श्री अमरनाथ वैशनवी के पुत्र श्री गणेश अभी–अभी मुझे मिलने आए थे। जम्मू काशमीर बैंक में वह काम करते हैं। वैशनवी जी के पुत्र होने के कारण आतंकवादियों की निगाह में विशेष खटकते ही होंगे। यह चाहते हैं कि इनका स्थानान्तरण दिल्ली में हो जाए। श्री कुरैशी से कृपया बात कर लें। वैशनवी जी तो कहेंगे नहीं। इसलिए स्वयं आपको ही चिन्ता करके यह काम करवाना होगा।

शेष मिलने पर।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 7 अक्टूबर, 2009

प्रिय श्री. मोदी जी,

नमस्कार।

गुजरात सरकार द्वारा प्रकाशित पुस्तक Pride of India की जो प्रति आपने मुझे भिजवाई थी, वह मैंने अपने एक बहुत पुराने तथा समर्पित बन्धु जो भारत के मूर्धन्य प्रकाशक और अखिल भारतीय प्रकाशक संघ के आजीवन अध्यक्ष हैं, को भेजी थी। पुस्तक की पावती के रूप में उनसे मुझे जो उत्तर मिला है, वह मैं आपके अवलोकन के लिए भेज रहा हूँ।

श्री दीनानाथ जी न केवल देश के अपितु संसार भर के एक ख्यातनामा प्रकाशक हैं। उनका सुझाव तो आपने देख ही लिया है। मेरा अनुरोध है कि आप कृपया इस सुझाव पर गम्भीरता पूर्वक विचार करें। यदि इसे कार्यन्वित किया जा सके और देश के सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों तथा हॉयर सैकण्ड्री स्कूलों तक यह पुस्तक पहुँचायी जा सके तो इससे जहाँ सर्वत्र गुजरात सरकार का गुणगान होगा, वहाँ भारत माता के गौरव और वैभव की अनुभूति भी लोगों को होगी।

मुझे आशा है कि आप इस पर अवश्य विचार करेंगे।

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय मुख्यमन्त्री गुजरात सरकार
पांचवी मंजिल ब्लॉक न. 1
सरदार भवन सचिवालय

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँकः– 19–8–2009

प्रिय संजय,

सस्नेह नमस्कार।

कल सायंकाल यहाँ सकुशल पहुंच गए थे। आप को 17/8 के आयोजन की मान्यता और सफलता के लिए बधाई। जब दिल्ली आओगे तो इस सम्बन्ध में और चर्चा करेंगे।

श्री टण्डन जी तथा आपकी माता जी से मिलने की हम दोनों की उत्क्रट इच्छा पूरी होने और उनसे मिलने का हम दोनों को अपार संतोष भी है और प्रसन्नता भी। कल प्रातः आपके घर आने पर परिवार के सब सदस्यों से मिलने की हमें अपार खुशी है।

मैंने लॉर्ड मैकाले के 1835 के जिस भाषण का उल्लेख करते हुए उसकी फोटो कॉपी आपको भेजने की बात कही थी, उसकी एक प्रति इस पत्र के साथ फिर भेज रहा हूँ।

पत्रिका 'जाह्नवी' की चर्चा भी मैंने की थी। उसका हाल में अंक भी प्रेषित हुआ है। आशा है आप सबको पत्रिका अच्छी लगेगी।

परिवार में सब को मेरी स्नेह भरी नमस्ते कृपया दें।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री संजय टण्डन जी

टिप्पणी – श्री संजय टण्डन जी के परिवार से भेंट तथा उन्हें लॉर्ड मैकाले के 1835 के भाषण की प्रति भेजने तथा पत्रिका 'जाह्नवी' की चर्चा का उल्लेख।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गान्तोक–737103
(सिक्किम)

राज्यपाल, सिक्किम
Governor of Sikkam

दिनाँक: 25.6.2002

प्रिय महाराज कृष्ण जी,

नमस्कार।

श्री चमन लाल सप्रू के अभिनन्दनार्थ आयोजित किए जा रहे समारोह का समाचार बहुत सुखद है। आयोजक मेरा साधुवाद स्वीकार करें और समारोह की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाएं भी।

श्री सप्रू जी से मेरा परिचय यद्यपि बहुत बाद में, जब वह कश्मीर से विस्थापित होकर दिल्ली आए, तब हुआ किन्तु उनके सम्बन्ध में उससे पहले ही मैंने बहुत कुछ सुन रखा था।

दिल्ली में आने पर श्री सप्रू जी से मेरा निकट का सम्बन्ध रहा है। उनकी विद्वता, साहित्यिक रूचि, विनम्रता, समाज के प्रति प्रतिबद्धता, धार्मिक प्रवृति और अपूर्व राष्ट्रभक्ति की भावना को तब ही मैं निकट से देख सका था। मैं यह भी जान सका था कि सप्रू जी बाल्यकाल से ही धर्म और समाज सेवा से सम्बन्धित गतिविधियों से जुड़े हुए हैं। श्रीनगर स्थित रामकृष्ण मिशन तथा मिशन की सभी गतिविधियों से उनका गहरा सम्बन्ध रहा है। उनके अध्यापन काल में उनके विद्यार्थी रहे युवक और युवतियाँ उनकी निपुणता का गुणगान करते नहीं थकते। वैसी लगन वर्तमान में विरलों में ही देखने को मिलती है। अपने छात्र–छात्राओं के वह मार्गदर्शक भी थे और मित्र भी। ऐसा सौभाग्य बहुत कम अध्यापकों को मिलता है।

कश्मीरी हिन्दुओं के विस्थापन की पीड़ा उनके मन की गहराइयों में बैठी है। कोशुर समाचार में उनकी यह व्यथा मैंने अनेक बार देखी और पढ़ी है। मैंने देखा है कि अपनी जन्मभूमि से उनका कितना गहरा लगाव है। जहां वह हरदम विस्थापित कश्मीरियों के कष्ट दूर करने में लगे रहते

हैं वहाँ उनका यत्न यह भी है कि वह अपनी भाषा, अपने रीति रिवाज तथा अपनी परंपराओं से, विस्थापन के बावजूद, पूर्ववत जुड़े रहें।

श्री सप्रू लेखनी के धनी तो हैं ही, अच्छे वक्ता भी हैं। एक से अधिक बार मैंने उनका व्याख्यान सुना है। अपनी बात सुनने वाले को अच्छे ढंग से समझा सकने के वह धनी है। भाषण सारगर्भित भी होता है और गहराई से भरा भी। श्री सप्रू का साहित्य प्रेम सर्वविदित है। उर्दू, अंग्रेजी तथा हिन्दी में उन्होंने एक दर्जन से अधिक पुस्तकें लिखी हैं तथा राज्य सरकार के अनेक पुरस्कारों से अलंकृत भी किए गए हैं। कश्मीरी भाषा पर उनका अधिकार होना स्वाभाविक ही है किन्तु हिन्दी से उनका लगाव विशेष है। राष्ट्रभाषा प्रचार समिति तथा हिन्दी के प्रचार से सम्बन्धित उनकी गतिविधियां इसकी परिचायक हैं। राष्ट्रीय स्तर की कितनी ही कमेटियों के श्री सप्रु सदस्य हैं।

मैं सप्रू जी के शतायु होने, सदा स्वस्थ रहने तथा अन्तिम समय तक देश और समाज की सेवा में लगे रहने की कामना करता हूँ।

धन्यवाद।

मंगल कामनओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री महाराज कृष्ण भरत जी,
विद्या निवास, शारदा कॉलोनी,
ब्राह्मण दी पटोली, मूट्ठी,
जम्मू–171205

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा श्री चमन लाल सप्रू को याद करते हुए उनकी विद्वता, साहित्यिक रुचि, विनम्रता समाज के प्रति प्रतिबद्धता, धार्मिक प्रवृति और अपूर्व राष्ट्र की भावना की विवेचना।

केदार नाथ साहनी

पूर्व राज्यपाल सिक्किम और गोवा

दिनाँक : 22 जुलाई, 2009

प्रिय श्री धर्म देव जी,

सप्रेम नमस्कार।

मास्टर हरिकृष्ण के अमृत महोत्सव के आयोजन का अति सुखद समाचार जानकर मुझे अपार हर्ष हुआ है।

मास्टर जी से 55 वर्ष के लम्बे संपर्क में मैंने उन्हें एक अत्यन्त परिश्रमी, निराभिमानी, निस्वार्थ, सरल, सच्चा, निष्ठावान, तथा समर्पित कार्यकर्ता के रूप में देखा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा मिले समाज सेवा, देश भक्ति तथा त्याग के संस्कार उनकी कथनी और करनी दोनों में स्पष्ट विद्यमान हैं। अपने मीठे और सरल तथा मनमोह लेने वाले स्वभाव के कारण वह लोगों को अपने साथ जोड़ने में तथा उन्हें प्रेरित कर अपने साथ कार्य में लगा लेने की कला में माहिर हैं। दिल्ली देहात में संघ, जनसंघ या भाजपा के कार्य को फैलाने में उनका योगदान संगठन के लिए अत्यन्त उपयोगी रहा है। दिल्ली देहात का शायद ही ऐसा कोई गांव होगा जहां उन्होंने सम्पर्क न साधा हो। हर गांव में उनके मित्र हैं। जिनको मास्टर जी ने संघ परिवार से जोड़ने में सफलता पाई है। ऐसे लोगों की लम्बी सूची है। यह सब उनकी मेहनत, कठिन सतत सम्पर्क और मधुर व्यवहार से ही सम्भव हो पाया है।

संगठन में ऐसे समर्पित कार्यकर्ताओं का अभाव आज खूब खलता है। प्रभु मास्टर जी को चिरायु प्रदान करें ताकि वह चिरकाल तक देश सेवा के अपने मिशन को निभा सकें।

मैं उनकी शतायु की कामना करता हूँ।

समारोह की सफलता के लिए हार्दिक मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

श्री धर्म देव जी सोलंकी

एम.एल. ए (केदार नाथ साहनी)

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा संघ कार्यकर्ता मास्टर हरिकृष्ण जी के अमृत महोत्त्सव पर उनकी मेहनत, मधुर व्यवहार, तथा सतत सम्पर्क का उल्लेख।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 28 मई, 2012

प्रिय श्री टण्डन जी,

नमस्कार।

यह प्रभु कृपा ही है कि बालेश्वर अग्रवाल जी 90 वर्षीय हो गए हैं और आज भी सदा की भान्ति पूर्ण तत्परता से समर्पित देश की सेवा में लगे हैं। हमारे लिए यह बहुत आनन्द की बात है।

यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि उनके सम्मानार्थ एक अभिनन्दन ग्रन्थ तैयार किया जा रहा है। उनकी यशस्वी जीवन यात्रा की कहानी वर्तमान तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए अत्यन्त प्रेरणादायी होगी। स्वयं आपके सभी सहयोगी इस सद्प्रयास के लिए बधाई के पात्र हैं।

किशोर अवस्था में ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्कारों से प्रेरणा पाकर श्री बालेश्वर अग्रवाल ने अपना जीवनलक्ष्य और मार्ग तय कर लिया था। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में उच्च शिक्षा पाने के बाद, परिवार के दबाव और आग्रह पर, उन्होंने नौकरी कर ली थी। किन्तु, जल्दी ही उसे छोड़कर, वह अपने पूर्व निर्धारित मार्ग जो उन्होंने पहले से ही तय कर रखा था, उस पर चल पड़े। उन्होंने स्वयं को संघ के प्रचारक के रूप में समर्पित कर दिया। आज भी वह उसी संकल्प और समर्पण भाव से उसी मार्ग पर अडिग चल रहे हैं। कुछ समय बिहार में संघ का कार्य करने के बाद, उन्हें दिल्ली भेज दिया गया।

बालेश्वर जी से मेरा परिचय उनके दिल्ली आने के बाद ही हुआ। उनसे मेरा सम्बन्ध तब से ही बहुत निकट का रहा है। गत लगभग 60 वर्षों में, संघ कार्य के प्रति उनका समर्पण भाव, उनकी निष्ठा और प्रतिबद्धता, मैंने बहुत करीब से देखी है। सतत परिश्रम पूर्वक काम करने और कभी न थकने की उनकी क्षमता का मैं कायल हूँ। सबको साथ लेकर चलने और स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत कर, उनसे काम करवा लेने की उनकी कला भी विलक्षण है। बड़े से बड़े और छोटे से छोटे व्यक्ति को

अपना मित्र बना लेने में भी बालेश्वर जी माहिर हैं। जब वह दिल्ली आए थे तब वह प्रायः किसी को भी नहीं जानते थे। किन्तु, मात्र 2, 3 वर्षों में ही उनके मित्रों की संख्या बहुत हो गई थी उनमें कई केन्द्रीय मंत्री और विभिन्न दलों के सांसद भी थे। उन्हें जो काम भी सौंपा गया, अपने सद्गुणों के कारण, उसे उन्होंने सफलता के शिखर तक पहुँचा कर ही दम लिया।

प्रारम्भ में उन्हें 'हिन्दुस्थान समाचार' का काम सौंपा गया था। 1954 में 'हिन्दुस्थान समाचार' का कार्यालय नई दिल्ली में, हनुमान रोड़ की एक कोठी के पिछवाड़े में बने एक मोटर गैराज में था। कार्यालय में, इन्चार्ज, श्री धर्मवीर गांधी और उनका एक, सहायक टाईपिस्ट था जो उनके साथ ही वहाँ बैठता था। भारत के स्वतंत्र हो जाने के बाद भी हिन्दी पत्र–पत्रिकाओं को, समाचारों के लिए अंग्रेजी में मिले समाचार सेवा पर निर्भर रहने के झंझट से मुक्त कराने तथा उन्हें उनके कर्यालय में ही समाचार हिन्दी में मुहैया कराने के लिए ही 'हिन्दुस्थान समाचार' की स्थापना की गई थी। तब तक हिन्दी के टेलीप्रिन्टर उपलब्ध नहीं थे। समाचार हाथ से लिख कर उनके कार्यालय में पहुँचाने पड़ते थे। काम बहुत कठिन था। स्वर्गीय दादा साहब आप्टे की देख–रेख और मार्गदर्शन में, श्री बालेश्वर अग्रवाल और गिनती के कुछ अन्य सहयोगियों के परिश्रम का ही परिणाम था कि 'हिन्दुस्थान समाचार' कुछ ही वर्षों में देशव्यापी और नामी समाचार एजेंसी बन गई। भारत में 'हिन्दुस्तान समाचार' पहली एजेंसी थी जो हिन्दी पत्र पत्रिकाओं को हिन्दी में समाचार मुहैया करवाती थी और जिसने अंग्रेजी समाचार एजेंसियों द्वारा उन्हें अंग्रेजी में मिले समाचार का अनुवाद करने के झंझट से मुक्त करवा दिया। बाद में तो, अन्य भारतीय भाषायी पत्र–पत्रिकाओं को भी उन्हीं की प्रादेशिक भाषाओं में समाचार दिए जाने लगे। इसी उद्देश्य से ही तो 'हिन्दुस्तान समाचार' का गठन हुआ था।

बालेश्वर जी को इसका श्रेय है कि सरकारी अथवा अनेक अन्य अवरोधों के बावजूद 'हिन्दुस्तान समाचार' ने केवल सारे देश में ही नहीं अपितु नेपाल तक अपनी शाखाओं का जाल बिछाने में सफलता पाई। 'हिन्दुस्तान समाचार' को सरकार से पूरा सहयोग न मिलने के कारण, इसे सहयोगी कर्मचारियों की सहकारी संस्था का रूप दिया गया और इस

तरह इसकी प्रगति करने का मार्ग प्रशस्त किया। देश में आपातकाल लागू होने से परिस्थिति बदली। परिणामतः एजेंसी बन्द हो गई। परन्तु, तब तक सरकारी संरक्षण से चल रही अन्य एजेंसियों ने अपनी हिन्दी सेवाएं शुरू कर ली थी। 'हिन्दुस्तान समाचार' का वह अंक यहीं बन्द हो गया। किन्तु, 'हिन्दुस्तान समाचार' द्वारा पत्रकारिता जगत को अपने अनेक वरिष्ठ अनुभवी पत्रकार और स्तम्भकार उपलब्ध करा दिये थे।

अनेक वर्षों के बाद अब 'हिन्दुस्तान समाचार' का नया अंक काम करने लगा है।

लोकसभा के 1957 में हुए लोकसभा चुनावों में भारतीय जनसंघ के जो तीन सांसद चुने गए थे उन में एक थे श्री उमाशंकर त्रिवेदी। अगले वर्ष उन्हें कॉमनवेल्थ देशों के सांसदों के सम्मेलन में सिंगापुर जाने का अवसर मिला। वहाँ सम्मेलन में भाग लेने आए त्रिनिदाद के प्रतिनिधि मण्डल में भारतीय मूल के सांसद श्री कपिलदेव जो वहाँ के नेता प्रतिपक्ष भी थे, आए हुए थे। त्रिवेदी जी ने उन्हें भारत आने का निमन्त्रण दिया। सम्मेलन से श्री कपिलदेव लौटते समय भारत आए। तब, त्रिवेदी जी उन्हें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यालय में भी लाए, जहां उनकी संघ अधिकारियों से भेंट हुई। स्वयंसेवकों के एक बड़े आयोजन में उनका स्वागत भी हुआ। वहाँ, अपने सम्बोधन में उन्होंने भारत से बाहर जाकर बसे भारतीयों के साथ भारतवासियों से सतत सर्म्पक बनाए रखने का आग्रह किया। वैसे, देश विभाजन के बाद संघ के अनेक स्वयं सेवक भी देश से बाहर कई देशों में जा बसे थे। बस, इस तरह भारत से बाहर बसे भारतीयों से सम्पर्क बनाये रखने का सिलसिला प्रारम्भ हो गया। श्री बालेश्वर जी को एक नया काम मिल गया।

श्री कपिलदेव की भारत यात्रा ने मानो 'अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद' के गठन का बीज बो दिया हो। अनुभव किया गया कि देश के बाहर जहां–जहां भी भारतीय बसे हैं, उनसे सम्पर्क स्थापित करने से उन्हें अपने मूलदेश भारत की धरती से जुड़े रहने की प्रेरणा मिलती है, यह सम्पर्क भारत और उनके नए देश, दोनों के लिए, लाभकारी भी है। श्री बालेश्वर जी ने इस काम को पूरे दायित्व से संभाला। संघ के कार्यकर्ताओं का भी उन्हें भरपूर सहयोग था। अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद का सम्पर्क उन सब

देशों से बन चुका है जहां बहुत पहले भारतवासी पहुँचे थे और फिर वहाँ ही बस गए हैं। बालेश्वर जी की देख–रेख में यह काम बढ़ते–बढ़ते अब एक विशाल संगठन, 'अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद' का रूप ले चुका है।

बालेश्वर जी ने अपने सतत प्रयत्नों, शालीनता, विनम्रता और कुशल व्यवहार से भारत सरकार के विदेश मंत्रालय से भी सम्पर्क साधा और उन्हें यह समझाने में देर नहीं लगी कि इस काम को आगे बढ़ाना, देश के लिए अत्यन्त हितकर और लाभकारी है। प्रसन्नता की बात है कि अब इसे भारत सरकार का समर्थन और पूरा सहयोग प्राप्त है। स्वयं सरकार ने भी इस दिशा में कई कदम उठाए हैं।

'अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद' के कारण जहां अनेक देशों में भारत के हितैषी संगठन खड़े हो गए हैं। भारत से अपने सम्बन्ध प्रगाढ़ करने के लिए उनके प्रतिनिधि मण्डल भारत आने लगे हैं। परिषद के सदस्य भी ऐसे देशों से मित्रभाव बढ़ाने के लिए अपने प्रतिनिधि मण्डल ले जाने लगे हैं। भारत स्थित इन देशों के दूतावासों से भी परिषद ने सम्बन्ध काफी अच्छे बनाए हैं। पिछले कुछ समय से इन देशों से आने वाले प्रतिनिधि मण्डल, परिषद के अधिकारियों से भी मिलते हैं। परिषद भी उनके स्वागत का आयोजन करती है।

एक दिन स्वर्गीय भाऊराव जी देवरस और श्री वेद प्रकाश गोयल मेरे घर में बैठे थे। चर्चा चल पड़ी कि काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में पढ़े ऐसे कई विद्यार्थी, जो वहाँ संघ के स्वयंसेवक थे, अब दिल्ली में हैं। वह अनेक बड़े उद्योगों अथवा कम्पनियों में ऊँचे अधिकारी हैं। परन्तु अब वह प्राय संघ कार्य से कट से गए हैं। प्रश्न था कि उनको पुनः कैसे सम्पर्क में लाया जाए। भाऊराव जी ने सुझाव दिया कि ऐसे लोगों का पता लगाना चाहिए और उन्हें कहीं इकट्ठा किया जाए। यह काम गोयल जी ने अपने जिम्मे लिया। कुछ दिनों बाद, मेरे घर पर ही ऐसे 30, 35 लोगों को भोजन के लिए आमन्त्रित किया गया। मुख्य आकर्षण यह था कि इस आयोजन में उन्हें भाऊराव जी से मिलने का अवसर मिलेगा। प्रायः सभी लोग आ गए। इनमें बालेश्वर जी भी थे। डेढ़ दो घण्टे की चर्चा में पुरानी आनन्ददायी स्मृतियां ताजा हो गई। आपसी सम्पर्क बनाए रखने के लिए

'मालवीय मिशन' नाम से एक मंच खड़ा करने और उसके माध्यम से समाज सेवा का कोई न कोई काम करते रहने की योजना बनी। श्री वेद प्रकाश गोयल तथा श्री. बालेश्वर अग्रवाल को इसका दायित्व सौंपा गया। आनन्द की बात है कि **'मालवीय मिशन'** अब अपने स्वयं के भवन में इस काम को आगे बढ़ा रहा है।

बालेश्वर जी ने जो दायित्व भी लिया, उसे उन्होंने सिरे चढ़ा कर ही दम लिया है, यही उनकी विशेषता है। 'प्रवासी भवन' का उनका सपना भी पूरा हो चुका है। विदेश मंत्रालय के अनेक वरिष्ठ सेवानिवृत अधिकारियों का सहयोग और सेवाएं उन्हें प्राप्त हैं। 'अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद पत्रिका' उनके परिश्रम और सफलता का प्रमाण है। बालेश्वर जी ऐसे कर्मयोगी हैं जिन्होंने जो भी काम हाथ में लिया है उसे सफलता के शिखर तक पहुँचाया है। उनसे हम सब प्रेरणा लें। भगवान से प्रार्थना है कि वह उन्हें अनेक और वर्षों तक अपने जीवन संकल्प को पूरा करने हेतु स्वास्थ और शक्ति प्रदान करें।

आपके इस सद्प्रयास की सफलता के लिए मेरी शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री अशोक कुमार टण्डन जी
अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद, भारत
50, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग,
नई दिल्ली–110002

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा श्री बालेश्वर अग्रवाल जी के संघ के प्रचारक रूप में उनकी उपलब्धियों का उल्लेख। तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग परिषद के दायित्व को संभालते हुए प्रवासी भारतीयों से सम्पर्क तथा विदेश में हितैषी संगठनों के साथ भारत से सम्बन्ध प्रगाढ करने के लिये प्रयास।

श्री केदार नाथ साहनी जी के घर पर हुई बैठक में संघ समर्थित अनेक उद्योगों तथा कम्पनियों में उच्चपदस्थ अधिकारियों के साथ 'मालवीय मिशन' संगठन बनाने में श्री बालेश्वर नाथ अग्रवाल जी के सहयोग की चर्चा की।

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

क्रमांक 4269–8/भाजपा/दिल्ली/96

दिनाँक : 1 अगस्त, 1996

प्रिय श्री राजदान जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 20 जून, 1996 का लिखा रजिस्टर्ड पत्र मुझे आज मिला है। आश्चर्य है कि इस पत्र को मुझ तक पहुंचने में सवा महीने से भी अधिक लगा है। पत्र के साथ जून महीने की घटना की विस्तृत रिपोर्ट भी मुझे प्राप्त हुई है, जिसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। आप कृपया रिपोर्ट हर महीने भेजते रहा करें। मैं कृतज्ञ हूँगा।

श्री सैनी के यहाँ हुई घटना की जानकारी ने मुझ को खासा दुःख पहुंचाया है। आपके साथ प्रदर्शन में सम्मिलित अन्य लोगों ने उस दुखद घटना पर प्रोटेस्ट नहीं किया, यह जानकर पीड़ा और भी गहरी हो गई। सार्वजनिक जीवन में ऐसे अनेक अवसर आते हैं। उनसे मन को कष्ट भी होता है। परन्तु सेवानिवृत्ति अपनी भावनाओं पर पत्थर रखकर भी अपने रास्ते पर अनवरत चलता रहता है। मुझे विश्वास है कि वह घटना आपके संकल्प को कमजोर करने में सफल नहीं होगी और आप पहले की भांति अपनी जगह पर मजबूती से चलते रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री फकीरचन्द राजदान जी,
श्री सनातन धर्म सभी भद्रवाह,
भद्रवाह।
जम्मू एवं काश्मीर

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या kns-1/516 दिनाँक : 31 अगस्त, 1991

प्रिय श्री बदरीनाथ जी,

नमस्कार।

आपका 29.8.1991 का लिखा पत्र मिला। धन्यवाद।

आपका बेटा टाईप जानता है यह जानकर संतोष हुआ है। कृपया उसे कहें कि अपने जीवन परिचय (बायोडाटा) की टाइप की हुई 3, 4 प्रतियां मुझे भेज दें। उसमें उसे क्या-क्या करना आता है, उसकी टाईप की स्पीड कितनी है वह सब लिखा होना चाहिए।

वैसे, काश्मीर भवन में रहने की जगह दिलवाना हमारे लिए तो सम्भव नहीं है। रहने की जगह का प्रबन्ध तो स्वयं आपको ही करना होगा। वैसे, आप कृपया मेरा यह पत्र जम्मू में श्री चमनलाल गुप्ता जी को दिखलाएंगे तो वह आपके बेटे को जम्मू में नौकरी दिलाने का यत्न अवश्य करेंगे। काम बनना तो हमारे हाथ में नहीं है वह तो भाग्य की बात है किन्तु हम यत्न ईमानदारी से करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री बदरीनाथ पण्डिता,
हा. नं.– 376,
शिवनगर, तालाब टीलू,
जम्मू तवी।

टिप्पणी – श्री बदरीनाथ जी के पुत्र के जम्मू में रोजगार के बारे में श्री चमनलाल गुप्ता जी के सहयोग से प्रयास।

केदार नाथ साहनी राज भवन

Kidar Nath Sahani गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

दिनाँकः 14.6.2004

नं: राज्य.गोवा /62004/1069

महामहिम श्री सिन्हा जी,

सप्रेम नमस्कार।

आशा है आप और श्रीमती सिन्हा सकुशल सानन्द होंगी।

गत वर्ष श्रीनगर तक आने के बाद भी हमें बाबा अमर नाथ के दर्शन का अवसर नहीं मिला था। यदि आप उचित समझें और व्यवस्था हो सकना सम्भव हो तो, इच्छा इस बार भी, भोले बाबा के दर्शन की है। इस कारण आपसे सम्पुष्टि प्राप्त होने के बाद ही, मैं वहाँ आने का कार्यक्रम बनाऊँगा। श्री अमरनाथ यात्रा प्रारम्भ होते ही, जब शिवलिंग पूर्ण होता है, तब ही आने का मन है।

आपके मार्गदर्शन की प्रतीक्षा में तथा आदर के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

ले.ज. (सेवा निवृत्त) एस. के. सिन्हा जी,
महामहिम राज्यपाल, जम्मू–कश्मीर,
श्रीनगर (जम्मू कश्मीर)

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

दिनाँकः 22 जून, 2004

भाई साहब श्री बलदेव सिंह जी

नमस्कार

आपका जून का लिखा पत्र मिला। धन्यवाद।

श्री राजेन्द्र सिंह जी की तबियत अच्छी न होने का समाचार जानकर दुख हुआ। उम्मीद करता हूँ कि वह अब ठीक–ठाक हो गए होंगे। उन्होंने तथा शिव कुमार जी ने मुझे याद किया है मैं दोनों का शुक्रगुजार हूँ। उनकी लम्बी उम्र और सेहत के लिए दुआ करता हूँ। इन दिनों बरसात की वजह से वहाँ का मौसम अच्छा होगा।

यह बात सच है कि मौजूदा समय में धन–दौलत की महत्ता बढ़ गई है चारों तरफ लोग इसी के फेर में शामिल हैं। जरूर ये हालात बदलेंगे कब? ये तो ऊपर वाला जाने हम अपने धर्म पर कायम रहें यह जरूरी है। समय आने पर इसकी भी कद्र होगी। वहाँ सबको हमारा नमस्ते कहें। हम दोनों ठीक हैं।

मंगल कामनाओं के साथ

शुभ चिंतक,

(केदार नाथ साहनी)

श्री बलदेव सिंह जी चिब

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा भौतिकवाद की ऊँची दौड़ और उसके बदलने की आशा की विवेचना। मनुष्य को धैर्य रखते हुए जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की प्रेरणा।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 18.9.2006

प्रिय श्री तुलसीराम जी,

सस्नेह नमस्ते।

आपका 12 सितम्बर का लिखा पत्र मिला और आपका कुशल समाचार जाना। काफी समय से कोई पत्र न आने के कारण आपके स्वास्थ के सम्बन्ध में चिन्ता होने लगी थी और आपको पत्र लिखने की सोच ही रहा था कि आपका पत्र आ गया।

जहां पत्र मिलने और प्रभु कृपा से दुर्घटना के बाद काफी ठीक हो जाने का समाचार जानकर प्रसन्नता हुई वहाँ दुर्घटना और फिर घर के क्षतिग्रस्त होने के कारण अपार हानि और परेशानी रहने के समाचार ने काफी बोझिल कर दिया है, मन को। होनी बलवान है और प्रभु–इच्छा सर्वोपरी। इसलिए धैर्य और हिम्मत से इस संकट के समय काम लेना होगा। जिस प्रभु ने यह दर्द दिया है, वही इसका निदान भी करेंगे। आप हिम्मत न छोड़ें और अपने कर्त्तव्य का निर्वाह पूरी निष्ठा से करते जाएं, यह आवश्यक है। प्रभु अवश्य दया करेंगे।

मैं वर्मा जी से बात तो अवश्य करूँगा किन्तु वह क्या कर सकते हैं? संगठन सूत्र में तो निर्णय स्थानीय कार्यकर्ताओं पर निर्भर करता है। उनकी जगह पर मैं भी होता तो क्या करता? वह तो इतना ही देख सकते हैं कि चुनावों में धांधली न हो। इसलिए स्थानीय कार्यकर्ता क्या सोचते हैं, यही महत्त्व की बात है।

आपकी मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसीराम जी डोगरा

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा श्री तुलसीराम को संगठन में स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कार्य करने तथा चुनावों में सतर्कता रखने पर सुझाव।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 20 अप्रैल, 2003

आदरणीय गुलाम मो. मीर जी,

नमस्ते!

हवलदार राज बहादुर सिंह आपका पत्र लेकर मुझे मिलने आए थे। साथ में अपने बेटे राजीव कुमार को भी लाये थे। यह जानकर मुझे हैरानी हुई कि पिछले दिनों वह सिक्किम भी गये थे। आपको तो महीनों पहले मालूम था कि मैं गोवा आ चुका हूँ बिना वजह उनका 3, 4 हजार खर्च हो गया।

आपके स्वास्थ के बारे में भी उनसे पता चला भगवान करें आप स्वस्थ हों और हमेशा की तरह अपना काम करते रहें। श्री राय बहादुर सिंह की मैं कुछ मदद नहीं कर सका इसका मुझे खेद है। यहां गोवा के बाहर रहने वालों को तभी नौकरी मिल सकती है जब वो पिछले 15 सालों से ज्यादा समय से यहाँ रह रहे हों। उनकी अर्ज़ी पर विचार उसी हालात में हो सकता है जबकि उनके पास ऐसा सार्टिफिकेट हो कि वह 15 साल से ज्यादा समय से गोवा में रह रहे हों बिना उसके आगे कुछ भी कार्यवाही नहीं की जा सकती है। मुझे अफसोस है कि वह इतना खर्च करके यहां आए हैं। अगर आपने पहले मुझसे बात की होती तो मैं आपको मना कर देता। उम्मीद करता हूँ घर पर सब लोग अच्छे होंगे।

सबको हमारा नमस्ते और शुभकामनाएं देना।

आपका,

(केदार नाथ साहनी)

श्री गुलाम मोहम्मद मीर जी,
कुलगाम

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 13 फरवरी, 2011

नमस्कार।

गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति श्री सुभाष विद्यालंकार जी के साथ, उस विश्वविद्यालय के प्रमुख प्राध्यापक मुझे मिलने आऐ थे। उन्होंने सन्लग्न ज्ञापन दिया था।

भारत सरकार द्वारा हाल ही में लिए गए एक निर्णय के गम्भीर दुष्परिणामों की चर्चा करते हुए उन्होंने हमारी सहायता चाही है। वह आपको भी मिलेंगे। कृपया उन्हें मिलने का समय दें और उनकी बात सुनें। सरकार का यह निर्णय अत्यन्त हानिकारक है। जामिया मिलिया के लिए अलग नीति और इस विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में दूसरी नीति, सरकार के पक्षपातपूर्ण व्यवहार को दर्शाता है।

मैंने इन्हें आश्वस्त किया है कि आप न केवल इनकी बात सुनेंगे अपितु हर तरह से इनकी सहायता भी करेंगे।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

आदरणीय श्री चोपड़ा जी
आदरणीय श्री विश्वनाथ जी
आदरणीय श्री आडवाणी जी
डॉ. जोशी जी
आदरणीय श्री जेटली जी
आदरणीय श्री सहगल जी
आदरणीय श्री अहलूवालिया जी
आदरणीय बहन श्रीमती सुषमा जी

केदार नाथ साहनी

निवास : 668441
दूरभाष :
कार्यालय : 3314778

दिनाँक – 19.4.1989

प्रिय श्री इन्द्रेश जी,

सस्नेह नमस्ते।

आपका 8.4.1989 का लिखा पत्र कल मिला। उससे पूर्व आपका भेजा एक पैकेट जिसमें डॉ. हेडगेवार जन्म शताब्दी समारोह सम्बन्धी विवरण था, भी मिल गया था। काशमीर के समाचार चिन्ताजनक हैं। श्रीमान भण्डारी जी ने भी लौट कर वहाँ की स्थिति पर प्रकाश डाला था। यदि काशमीर से शिष्ट–मण्डल यहाँ आवेगा तो निःसन्देह उसका लाभ होगा। वैसे, यदि कभी आपका आना हो तो श्री. आडवाणी जी से अवश्य मिलें।

शेष शुभ।

स्नेही,

(केदार नाथ साहनी)

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा काशमीर के चिन्ताजनक हालात पर श्री इन्द्रेश जी तथा श्री भण्डारी जी के आकलन के आधार पर श्री आडवाणी जी से चर्चा तथा भेंट का सुझाव।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 24.9.2009

प्रिय श्री तुलसीराम जी,

सस्नेह नमस्कार।

आज प्रातः आपसे फोन पर बात हो गई थी। आज आपके पुत्र श्री नितिन और बिटिया सु. आरती पुष्प गुच्छ लेकर आपकी ओर से मुझे मेरे जन्मदिन की शुभकामनाएँ कहने आए थे। जहाँ इनके लिए मैं आपको और उन दोनों को औपचारिकता निभाने के लिए धन्यवाद देना चाहूँगा वहाँ मैं यह बात भी आग्रहपूर्वक बताना चाहता हूँ कि मैंने कभी अपना जन्मदिन नहीं मनाया और इस तरह शुभकामना कहने पर विश्वास नहीं करता। यह (Ritual) विदेशी परम्परा से उधार ली हुई है। अस्तु। फिर भी मेरा आभार। मेरे जन्मदिन से एक मास पूर्व ही इन दोनों का आना और मिलना मुझे अच्छा लगा। मेरा जन्मदिवस 24 अक्टूबर का है।

मैंने श्री शान्ता कुमार जी से फोन पर बात की है। इस बीच वह दिल्ली आए ही नहीं। इसलिए फोन पर ही बात करना मुनासिब समझा। आप कृपया उनसे मिल लें। उन्होंने आपकी हर तरह की सहायता करने का आश्वासन दिया है।

सस्नेह

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री तुलसी राम डोगरा जी,

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

आदरणीय श्री. आडवाणी जी,

दिनाँक : 01.07.2011

नमस्कार।

श्री. हरीशचन्द्र जिनका पत्र संलग्न है, को आप भली–भांति जानते हैं। श्री आनन्द प्रकाश रहेता जी के भांजे हैं। इन्होंने ही डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सम्बन्धी पुस्तकें तैयार की थी।

आप कृपया उनका पत्र देख लें। यदि उचित समझें तो उन्हें बुलाकर उनके अनुरोध को यदि ठीक समझें तो उन्हें स्वीकृति प्रदान करें। अपने पहले के कड़वे अनुभवों के कारण इस सम्बन्ध में मैं कुछ कहना नहीं चाहूँगा। लाखों रुपये की उनकी पुस्तकें दीमक खा रही हैं।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमान आडवाणी जी,

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 15 अक्टूबर, 1994

क.सं. kns-1 / 4522

प्रिय श्री तुलसीराम जी,

नमस्कार।

आपके पत्र मेज़ पर पड़े मिले। धन्यवाद।

30 अक्टूबर को मैं आपके कार्यक्रम में आ जाऊँगा। श्री शत्रुघ्न सिन्हा अपने काम में अत्यन्त व्यस्त रहते हैं। बहुत पहले से उन्होंने अपनी शूटिंग की तारीखें दे रखी होती हैं। इसलिए यदि वह आना चाहें तो भी इतने कम समय के नोटिस पर उनका आना प्रायः सम्भव नहीं होगा।

जब कभी आप मिलेंगे तो इस सम्बन्ध में बात करेंगे।

शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसी राम डोगरा,
66–बी, पॉकेट–'ए',
मयूर विहार–2,
दिल्ली–91.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक – 11 सितम्बर, 2001

प्रिय श्री ठाकुर जी,

नमस्ते।

कई वर्षों के बाद अभी–अभी आपके हाथ का लिखा पत्र मिला है। पढ़कर पुरानी यादें ताजा हो गई हैं। बहुत अच्छा लगा है।

पिछले सालों की लम्बी बीमारी के दौरान और बाद में भी मैं कुछ कट सा गया हूँ। वैसे अब इतनी दूर हूँ कि सिवाए टेलीविजन और दो–दो दिनों के पुराने अखबार से जो खबरें मिलती हैं, वही मेरी जानकारी है। कभी–कभी भद्रवाह के श्री फकीर चन्द राजदान जी का पत्र आता है और वहां के हाताल की जानकारी मिल जाती है। जम्मू कशमीर राज्य और डोडा जिले के हालात की जानकरी भी उनसे ही मिलती है। इसका हल कब और कैसे होगा, विश्वास के साथ कुछ भी कहना मुमकिन नहीं है। सिवाए इसके क्या कह सकता हूँ कि हम अपने धर्म पर अडिग रहते हुए अपना फर्ज़ निभाने में कोई कमी न आने दें। हमारी आत्मा साफ हो और हम अपने कर्तव्य निभाने में कोई कसर न छोड़ें। अन्य लोगों के बारे में तो नहीं कह सकता लेकिन मैं अपना धर्म निभाने की पूरी कोशिश करता हूँ।

आपने दूसरी जिस समस्या के बारे में लिखा है मैं उस पर जरूर ध्यान दूँगा। लेकिन अभी आपको कुछ भी कह सकने की स्थिति में नहीं हूँ। संगठन की मुख्यधारा से अलग होने की वजह से और फिर जिस कुर्सी पर हूँ उसकी मर्यादा को ध्यान में रखकर ही मैं यह बात कह रहा हूँ। अगर कुछ बन सकेगा तो अवश्य करूँगा।

डोडा के सभी मित्रों को मेरा नमस्ते कहें। भगवान ने चाहा तो सबसे कभी मिलना भी होगा ही।

मंगलकामनाओं के साथ,

आपका शुभचिंतक,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक – 08 जून, 1996

प्रिय बन्धु ठाकुर ओम प्रकाश जी,

नमस्कार।

आपका 1 जून का लिखा पत्र मुझे अभी–अभी मिला है। धन्यवाद।

मेरे बारे में आपने पत्र में जो कुछ भी लिखा है उसके लिए आभारी हूँ। वैसे मुझमें ऐसी कोई खास बात नहीं है। मैं तो भारतीय जनता पार्टी का एक साधारण कार्यकर्ता हूँ और मेरी राय में हर कार्यकर्ता से जो उम्मीद होनी चाहिए है, मैंने उसी के मुताबिक काम किया है। हम लोगों को अपना फर्ज़ और धर्म निभाना चाहिए, मैंने भी वही किया है।

डोडा में हुए बम धमाके की खबर उसी दिन मिल गई थी। इस दुखद घटना के कारण कई लोगों की जानें गई जिसका मुझे दुख है। ईश्वर करें अब तो भारत सरकार की आँखें खुलें और वह वास्तविकता को ध्यान में रखकर उचित कदम उठाये।

इस चुनाव में डोडा जिले के लोगों ने अपनी जिम्मेदारी जिस खूबी से निभाई है वह काबिले तारीफ है। कृपया मेरी यह बात आप भगत राम जी और हमारे दूसरे कार्यकर्ताओं तक जरूर पहुँचाएं। उन्हें मेरा नमस्ते भी कहें। कभी–कभी वहाँ के हालात के बारे में सूचित करते रहा करें।

मंगल कामनाओं के साथ।

शुभ चिंतक,

(केदार नाथ साहनी)

टिप्पणी – श्री साहनी जी दूसरों के द्वारा अपनी प्रशंसा में कहे शब्दों पर आत्मविभोर न होते हुए कश्मीर में डोडा जिले में बम धमाके पर गहन चिंता तथा वहाँ के पार्टी कार्यकर्ताओं के साहस का उल्लेख तथा अभिवादन।

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

राज भवन
गान्तोक–737101
(सिक्किम)

राज्यपाल, सिक्किम
GOVERNOR OF SIKKIM

दिनांक : 11.9.2002

प्रिय श्री डोगरा जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 5.9.2002 का लिखा पत्र मुझे अभी–अभी मिला है। यह जानकर प्रसन्नता हुई कि आप सकुशल हैं।

अपने पत्र में आपने लिखा है कि आपने 7.8.2002 को भी मुझे पत्र लिखा था और उस पत्र की एक प्रति भी आपने भेजी है। आपका 7.8.2002 वाला वह पत्र तो मुझे मिला ही नहीं। यही कारण है कि आपको उसका उत्तर प्राप्त नहीं हुआ। आप जानते ही हैं कि मैं प्राप्त होने वाले हर पत्र का जवाब उसी दिन दे दिया करता हूँ।

आपकी पारिवारिक परिस्थितियों के बारे में जानकर दुख हुआ है। यहाँ गान्तोक में बैठा सिवाय भगवान से प्रार्थना करूँ कि वह आपके कष्ट निवारण करें, मैं कुछ विशेष सहायता भी नहीं कर सकता। हाँ, इतना जरूर कह सकता हूँ कि आप धैर्य रखें। जीवन में ऐसी कठिनाइयाँ कभी–कभी आती हैं किन्तु, ऐसी परिस्थितियाँ कुछ ही समय में बदल भी जाया करती हैं। भगवान पर भरोसा करना चाहिए। वैसे, आपके छोटे भाई के लिए यदि यहाँ रहते हुए मेरे लिए कुछ कर पाना सम्भव होगा तो अवश्य करूँगा; यद्यपि उसकी सम्भावना काफी कम लगती है। आप कृपया उसके जीवन परिचय की एक प्रति मुझे भिजवा दें।

पिछले दो–तीन महीनों में मुझे भी दो बार दिल्ली जाना पड़ा है। मेरी

पत्नी के दोनों घुटनों की शल्य–चिकित्सा हुई थी। स्वयं मेरी दायीं आंख में भी एक विषैली गांठ हो जाने के कारण, मुझे भी उसकी शल्य–चिकित्सा करवानी पड़ी है। दोनों ऑप्रेशन सफल हुए हैं और अब हम दोनों काफी अच्छे हैं।

पिछले सप्ताह जब में दिल्ली में था तो अस्पताल से सिक्किम हाऊस लौटने पर पता चला कि आपका फोन आया था। मैंने जब वापस चण्डीगढ़ में फोन किया तो, आप घर में नहीं थे। सम्भवतः आपकी पत्नी ने ही फोन उठाया था। जब भी दिल्ली आना होगा, मैं उसकी पूर्व सूचना आपको अवश्य दूँगा।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसी राम डोगरा जी,
1472, सैक्टर 37–बी,
चण्डीगढ़–160036
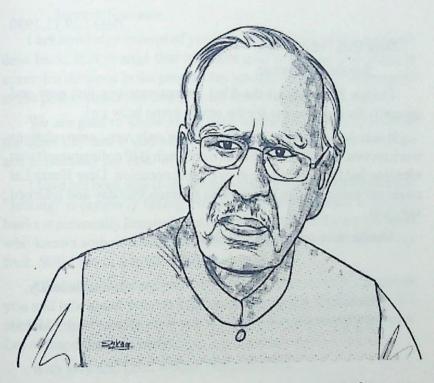
भवदीय

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
General Secretary

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

Date : 29.11.1990

Dear Shri Harji Lal ji,

Saprem Namaskar.

Thanks for yours of the 23rd instant receives just now and specially for the blessing for the newly come baby girl.

It was just a family gathering where only very near relations were invited. I did not invite even our Sangh BJP colleagues. It was nice that Jad family could join us on this occasion. Dear Heera Lal could not make it as he had gone to Mitraon that day and returned very late.

Thanks once again and with best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date : 21.4.90

Dear Jitu,

Saprem Namaste.

I acknowledge receipt of your the 4th March which received 4 days back. It is strange that it should take that long for a letter to cover this distance in the present day jet-age. Anyway, I am grateful to the postal authorites that after all the letter did reach me.

We are glad to know about your welfare. Nandu was with us the other day and it was nice to hear from him that all in America and at Bombay are fine.

I have not been able to do much to resolve the financial problems "Jetking" is presently facing. None of any consequence in the two banks is personally known to me and my attempts to locate someone who knows someone important enough have not so far borne any fruit. Still I am in search of any such man.

All of us in Delhi are perfectly well. We occasionally remember you and talk about you, mostly we gather on the dinner table. We are looking forward to meet you when you happen to come to India. Let us hope that it is early.

With love and good wishes from all of us,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

केदार नाथ साहनी

दिनांकः 28.8.1991

प्रिय भाई केवल,

सस्नेह नमस्ते।

तुम्हारा 16 अगस्त का लिखा पत्र मिला। भाई अमर की असामयिक मृत्यु सारे परिवार के लिए वज्रपात है। वसुन्धरा और उसके छोटे–छोटे बच्चों को तो भगवान का ही सहारा है। उनके लिए हमसब अपना दयित्व निभाने का यत्न करें; इसके अलावा किया भी क्या जा सकता है?

हम सब ठीक हैं और तुम्हारे कुशल की मंगलकामना के साथ अपनी स्नेह भरी नमस्ते भेजते हैं।

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी

दिनाँकः 28.11.1987

प्रिय भाई केवल

सस्नेह नमस्ते।

कल शाम तुम्हारा पत्र मिला। तुम सकुशल एवं सानन्द हो यह जानकर प्रसन्नता हुई। कुछ दिन पहले कंवल ने बताया था कि तुम कुवैत गए हुए हो। तुम्हें वहाँ अच्छा काम मिल जाने और तुम्हारा मन वहाँ लग जाने का समाचार शुभ और सुखद है। प्रभु तुम्हें सफलता दें, यही कामना है।

दिल्ली में हम सब ठीक हैं।

जनवरी में तुम मिलोगे तो और समाचार जानने का अवसर आएगा।

शेष सर्व शुभ।

हम सभी के स्नेह के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी

दिनाँक : 29.3.1998

प्रिय भाई केवल,

भगवान तुम्हें सदा सुखी रखें।

तुम्हारा 24 मार्च का लिखा पत्र कल सायंकाल मिला और यह जानकर प्रसन्नता हुई कि तुम सकुशल हो तथा तुम्हारा काम भी ठीक चल रहा है। इन दिनों चाची जी दिल्ली में हैं। तुम्हारी भाभी उन्हें कल मिली थीं। मैं कल शाम जयपुर से लौटा हूँ और मेरी भेंट अभी तक उनसे नहीं हुई। वो ठीक हैं और हरिद्वार जा रही हैं। उनसे पता चला था कि कोटा में भी सब ठीक थे।

पहले रुपये चाची जी के नाम से जमा हैं। अब किस के नाम से जमा होंगे? यदि रुपये भारत के बाहर से आते हैं तो भारतीय रिजर्व बैंक को उसकी सूचना देनी और उनकी अनुमति लेनी होगी। यदि ऊषा रुपये भेजती है तो उसमें कोई परेशानी नहीं होगी। जिस–जिस नाम से जितना रुपये जमा करवाना हो उतनी–उतनी राशि का अलग चैक अथवा बैंक ड्राफ्ट बनवा कर भेजना होगा। चैक/ड्राफ्ट जिस कम्पनी के नाम से पहले जमा है उसी कम्पनी के नाम से बनवाकर भिजवाना।

शेष सर्वशुभ।

हम सभी के स्नेह के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी

दिनाँकः 8.10.1991

प्रिय भाई केवल,

सस्नेह नमस्कार।

आशा है आप सभी सकुशल होंगे।

एक शुभ समाचार देने के लिए यह पत्र लिख रहा हूँ। छोटे बेटे प्रिय संदीप का विवाह 14 दिसम्बर, 1991 के लिए निश्चित हुआ है। 15 दिसम्बर को आशीर्वाद समारोह रखा है।

इतने पहले सूचना इस आशा के साथ दे रहा हूँ कि आप हमारे प्रति सदा की भांति अपना स्नेह दर्शाएँगे और सपरिवार समारोह में अवश्य सम्मिलित होंगे। औपचारिक निमन्त्रण–पत्र आपको बाद में भेजूंगा।

आप सबके लिए स्नेह भरी मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी

दिनाँकः 7.1.92

प्रिय भाई केवल,

सस्नेह नमस्ते।

तुम्हारा 1 जनवरी का लिखा पत्र कल सायंकाल मिला था। तुम्हारा कुशल समाचार जानकर बहुत आनन्द हुआ है। प्रभु तुम्हें सदा स्वस्थ एवं सुखी रखें।

प्रभु कृपा से शादी बहुत अच्छी तरह सम्पन्न हो गई है। खूब रौनक रही। बस तुम्हारी अनुपस्थिति खलती रही। चाची जी एवं ऊषा आईं थीं। बच्चे नहीं आए। सभी बहनें आई थीं।

यहाँ सभी सकुशल एवं सानन्द हैं।

हम सबके स्नेह और मंगल कामनाओं सहित

स्नेही,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी

दिनाँक: 10.7.95

आदरणीय चाची जी, प्रिय भाई केवल,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 5.7.95 का लिखा पत्र अभी–अभी मिला और चण्डीगढ़ में सबके सकुशल होने के सुखद समाचार से बहुत प्रसन्नता हुई है।

चाची जी अपने स्वास्थ के कारण अकेले कहीं भी न जाएं तो अच्छा है। वैसे, प्रभु उन्हें स्वस्थ रखें, हम सबकी यही कामना है। सुना था कि केवल का किसी कम्पनी से अनुबंध हो गया है। यदि यह समाचार सच है तो बहुत शुभ है। कहीं बाहर न जाकर यहाँ पर रहना ही उचित है। परिवार की शेष जिम्मेवारियाँ अब पूरी की जानी चाहिए। यह बहुत आवश्यक है

आशा है ऊषा समेत परिवार में सब सकुशल होंगे। पद्मा के यहाँ भी। प्रभुकृपा सब पर बनी रहे। यहाँ सब जगहों पर सभी ठीक हैं। हरीश पहले से काफी अच्छा है। वैसे, अभी पूरा आराम करने की डॉक्टरों की सलाह है।

चाची जी के लिए हम सब लोगों का आदरयुक्त प्रणाम और आप सभी के लिए अपना स्नेह और शुभकामनाएं भेजते हैं।

स्नेहांकित,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राजभवन
गान्तोक–737103
(सिक्किम)

राज्यपाल, सिक्किम
Governor of Sikkim

दिनाँकः 8.10.2002

आदरणीय चाची जी,

सादर नमस्कार।

आपका 3 सितम्बर का लिखा, स्नेह भरा पत्र, लगभग 5 सप्ताह बाद हमें आज यहाँ मिला है। आश्चर्य है कि पत्र पहुँचने में इतनी देर लगी है।

आपके बरेली में बीमार हो जाने किन्तु अब ठीक होने का समाचार सुखद है और हमें इस समाचार से बहुत प्रसन्नता हुई है।

विमला जी का ऑप्रेशन ठीक हो गया है। अब उनका पुराना कष्ट दूर हो गया है, चलने फिरने में आराम है और दर्द भी नहीं रहा।

आपको पता चल ही गया होगा कि मुझे गोवा का राज्यपाल नियुक्त किया गया है और मैं इस महीने के अन्त में वहाँ चला जाऊँगा। 24, 25 अक्टूबर के दो दिन मैं दिल्ली में हूँ और 26 को प्रातःकाल ही वहाँ से गोवा जाना है।

गत सप्ताह अचानक ही प्रिय ऊषा के पिता जी के निधन का दुखद समाचार मिला था। उसी समय मेरठ में उससे तथा प्रिय केवल से फोन पर बात कर ली थी। इतनी दूर से जाना तो सम्भव नहीं हो सकता था।

हम दोनों ठीक हैं तथा आपके लिए आदर और परिवार में अन्य सबके लिए अपनी शुभकामनाएं भेजते हैं।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमती राम चमेली साहनी जी,
303, अहॉलकन अपार्टमेन्ट्स,
सेक्टर–3, वैशाली, गाजियाबाद – 201010 (उत्तर प्रदेश)

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

राजभवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा

Governor of Goa

नं. राज्य.गोवा 2 / 2003 / 200

दिनाँक – 10.2.2003

प्रिय भाई केवल जी,

सस्नेह नमस्ते।

आपका 3.2.2003 का लिखा पत्र अभी–अभी मिला है। पत्र पाकर बहुत अच्छा लगा।

यह जानकर और भी प्रसन्नता हुई है कि प्रिय सुरेन्द्र गंभीर बीमारी के बाद अब अच्छे हो गये हैं। उनके रोग–मुक्त होने का समाचार अत्यंत सुखद है। भगवान उन पर कृपा बनाये रखें। उन्हें विश्राम तो करना ही होगा। और, अब उनके लिए डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही काम भी करना आवश्यक है। प्रभु करें कि शीघ्र ही वह पूर्ण स्वस्थ होकर पहले की भान्ति अपना काम करने लगें।

साक्षी की मंगनी का समारोह अच्छी तरह संपन्न हुआ यह जानकर आनन्द हुआ है। खुशी की बात है कि ऋषि की पढ़ाई ठीक चल रही है। भगवान उसे सफलता, यश और कीर्ति प्रदान करें, हम दोनों की यही कामना है।

आदरणीय चाची जी को हम दोनों का नमस्कार और प्रिय ऊषा को आशीर्वाद।

मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री केवल कृष्ण साहनी,
303, अहॉलकन अपार्टमेन्ट्स
सेक्टर–3, वैशाली,
गाजियाबाद–201010 (उत्तर प्रदेश)

केदार नाथ साहनी राजभवन
Kidar Nath Sahani गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

दिनाँकः 7.11.2002

नं. राज्य.गोवा /11/2002/15

आदरणीय चाची जी, भाई केवल एवं भाभी ऊषा

भगवान आप सब पर सदैव अपनी कृपा बनाए रखें।

अभी–अभी मिले पत्र से बिटिया साक्षी की मंगनी का अति सुखद समाचार पाकर बहुत प्रसन्नता हुई है। कृपया आप सब हम दोनों की हार्दिक बधाई स्वीकार करें।

भगवान करें यह रिश्ता हर तरह से मंगलमयी और सुखद हो।

आदर और शुभकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री राम चमेली जी,
C/O श्री के.के. साहनी,
अहॉलकन अपार्टमेंट्स,
सेक्टर–3, वैशाली, गाजियाबाद–201010 (उत्तर प्रदेश)

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राजभवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

दिनाँकः 14.6.2003

प्रिय बहन श्रीमती कान्ता गोयल जी,

सस्नेह नमस्ते।

पता किया तो मालूम हुआ कि आप अमरीका गई हुई हैं। मेरी भांजी भारती इस पत्र के साथ आपको मिलेगी। वह मुम्बई में ही रहती है। अपनी एक निजी समस्या के बारे में, उसे मैंने आपसे मिलने के लिए कहा है। मैंने उसे आश्वस्त किया है कि आप न केवल उसकी समस्या के बारे में सहानुभूतिपूर्वक सारी बात सुनेंगी अपितु हर तरह से उनकी सहायता भी करेंगी। इसलिए सारी बात सुनकर इसकी जो सहायता भी हो सकती है, अवश्य करें। कृतज्ञ हूँगा।

आशा है सम्पूर्ण गोयल परिवार सकुशल एवं सनान्द होगा।

हार्दिक मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमती कान्ता गोयल जी
सदस्य महाराष्ट्र विधान सभा
सामन, मुम्बई

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 02.01.95

प्यारी बिटिया गुड़िया,

सप्रेम नमस्कार।

तुम्हारा पत्र 2,3 दिन पहले मिला था। बहुत अच्छा लगा। इस बार पत्र लिखने में तुमने काफी विलम्ब किया है।

छुट्टियों में तुम हमारे घर आवोगी, यह तो बहुत प्रसन्नता की बात है। तुम्हें हमारे यहाँ आए बहुत दिन हो गए हैं। निष्ठा और प्रखर तुम्हें देख कर खूब खुश होंगे। अब तो अपनी शरारतों से तुम्हें तंग भी करेंगे और तुम्हारा मन भी लगाए रखेंगे। कब आ रही हो?

संदीप और रीना इन दिनों मद्रास गए हुए हैं। सम्भवतः परसों वापस आ जायेंगे। प्रदीप और दीपा तथा तुम्हारी मामी जी सब ठीक हैं और तुम्हारे लिए ढेरों प्यार भेजते हैं। सब तुम्हारे आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

घर में सभी को मेरी नमस्ते कहना।

स्नेह सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

आदरणीय जीजा जी,

दिनाँक : 18.6.2001

नमस्कार।

लुधियाना में अधिक समय तक आपके पास न बैठ सकने का हमें दुख है, परन्तु आप सबसे मिलकर तथा नया और सुन्दर बने आवास देखकर बहुत प्रसन्नता हुई। दिनेश और रमेश दोनों को हमारा बहुत–बहुत आशीर्वाद। प्रभु करें दोनों चिरायु हों और इसी तरह यश प्राप्त कर आपका और खानदान का नाम ऊँचा करें।

बहन जी को हमारा नमस्कार। दोनों बहुओं और बच्चों को, प्रिय विनोद, बेबी तथा उनके परिवार के सब सदस्यों को हमारी स्नेह भरी नमस्कार।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री. जगदीश महेन्द्र जी

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनांक : 13.11.2007

प्रिय भाई अशोक,

सस्नेह नमस्ते।

दीपावली की मंगलकामनाओं का भेजा तुम्हारा कार्ड मिला। धन्यवाद।

भैयादूज के दिन तुम आए, बहुत अच्छा लगा। पिछले सालों में तुम्हारे न आने से हमेशा मन में एक टीस रहती थी। वर्ष में दो अवसर ही तो होते हैं जब सारा परिवार इकट्ठा होता है। कितना अच्छा और मीठा लगता है, वह थोड़ी देर का मिलन।

प्रभु करें दीयों का यह पर्व हमारे सारे परिवार के लिए नई खुशियां, सुख और शान्ति का सन्देश लाने वाला सिद्ध हो।

तृप्ता, तथा परिवार के सब लोगों को हम दोनों का प्यार देना।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री अशोक साहनी

राज भवन
गोवा–403004

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

नः राज्य गोवा 8/2003/531

दिः 15.8.2003

प्रिय डौनी,

सस्नेह नमस्ते।

दिल्ली में तुम सभी से मिलकर बहुत अच्छा लगा। प्रभु सदा आप पर अपनी कृपा बनाए रखें, हम दोनों ऐसी कामना करते हैं।

यहां आकर तुम्हारी दी हुई 'सरिता विहार डायरेक्टरी' ध्यान से देखी। बहुत अच्छी लगी। इस सफल प्रयास के लिए मेरी बधाई।

कभी–कभी अपना कुशल समाचार भेज दिया करो। हमें अच्छा लगेगा।

हम दोनों की ओर से आप सभी के लिए स्नेह भरी मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री मनमोहन भसीन,
जे–348, सरिता विहार,
नई दिल्ली–110044

राज भवन
गोवा–403004

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

नं. राज्य. गोवा 1/2004/851

दि.: 21.1.2004

प्रिय भाई केवल,

सस्नेह नमस्ते।

अभी–अभी तुम्हारा 16.1.2004 का लिखा पत्र मिला और यह जानकर जहां हार्दिक खेद हुआ कि सुरेन्द्र पिछले दिनों गम्भीर रूप से बीमार रहे हैं, वहाँ इस बात की प्रसन्नता भी हुई कि प्रभु कृपा हुई और अब वह ठीक है। भगवान उसे सेहत प्रदान करें । सुरेन्द्र के पते और फोन नम्बर की जानकारी देना।

शादी बहुत अच्छी तरह सम्पन्न हुई यह जानकर बहुत आनन्द हुआ। आप सबको बधाई। प्रभु करें वर–वधु चिरकाल तक सफल और खुशियों भरा गृहस्थजीवन बिताएं।

आदरणीय चाची जी इन दिनों कहाँ हैं ?

हम दोनों सकुशल हैं और अपनी स्नेहभरी मंगल कामनाएं भेजते हैं।

स्नेहांकित,

(केदार नाथ साहनी)

श्री केवल के. साहनी जी,
303, अहॉलकान अपार्टमेंट्स,
सेक्टर–3, वैशाली,
गाजियाबाद–201010 (उ.प्र.)

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

राज्यपाल, सिक्किम

Governor of Sikkim

दिनाँकः 25.10.2001

प्रिय निष्ठा, प्रखर

भगवान तुम्हें सदा सुखी रखें।

तुम्हारा मेरे जन्म दिवस की शुभकामनाओं का कार्ड प्राप्त कर हमें बहुत प्रसन्नता हुई है। तुम्हारी शुभकामनाएं अवश्य भगवान सुन कर मुझ पर अपनी कृपा बनाए रखेंगे। बच्चों की बात पर वह ज्यादा ध्यान देते हैं।

तुम्हारी दादी जी और मैं तो यही चाहते हैं कि तुम दोनों अच्छी तरह पढ़ो, लिखो, अच्छी आदतें सीखो और जीवन में हमेशा सफल होकर अपना, अपने माता–पिता का और हमारा नाम उज्ज्वल करो। हमारा आशीर्वाद तुम्हें हमेशा प्राप्त रहेगा। कम बोलना, मीठा बोलना, सच बोलना। विनम्रता, मेहनत करना और ईमानदारी जीवन के ऐसे गुण हैं जो व्यक्ति को बड़ा बनाते हैं। इसलिए हमेशा इनका ध्यान रखना चाहिए।

दीपावली पर हम दिल्ली आयेंगे। कुछ समय ही वहाँ रह सकेंगे। किन्तु, जब तुम्हें लम्बी छुट्टियां होंगी तब तुम को यहाँ हमारे पास रहकर हमारा अकेलापन दूर करना होगा।

अपनी माता जी और पिता जी को हम दोनों की प्यार भरी नमस्ते कहना। तुम दोनों के लिए ढ़ेरों प्यार के साथ,

तुम्हारे,

दादा जी और दादी जी

कुमारी निष्ठा और श्री प्रखर साहनी

पुनश्चः नया घर तुम्हें कैसा लगा है? लिखना।

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा अपने पोती–पोते द्वारा उनको भेजे गये उनके जन्मदिवस की शुभकामनाओं के अवसर पर बच्चों को शिक्षा, अच्छी आदतें, विनम्रता, मेहनत और ईमानदारी के साथ जीवन जीने का संदेश।

भवदीय

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
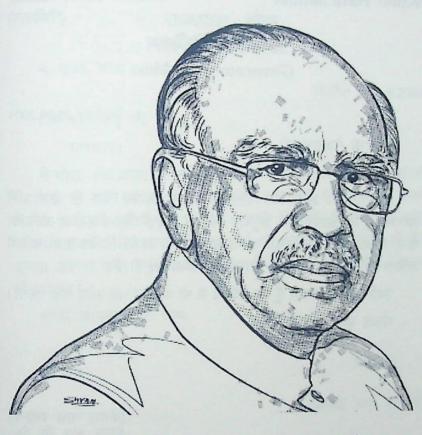
राज भवन
गान्तोक–737103
(सिक्किम)

राज्यपाल, सिक्किम
Governor of Sikkim

दिनाँक: 20.06.2001

प्रिय श्री मेवाराम जी,

नमस्कार।

बहुत अच्छा लगा कि दिल्ली आने पर आपसे भेंट हो सकी। मैं आभारी हूँ कि आपने मेरा अनुरोध स्वीकार कर सिक्किम हाउस आने का कष्ट किया और कुछ समय हम इकट्ठा बिता सके। सिक्किम के बारे में अधिक जानने की आपकी उत्सुकता स्वाभाविक ही है।

ऐसी कामना करता हूँ कि भविष्य में भी आपका यह स्नेह बना रहेगा।

मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी

Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

नं. राज्य. गोवा 6/2003/434

दिनाँक : 19.6.2003

प्रिय श्री गड्डू जी,

नमस्कार।

मैं गोवा लौट आया हूँ। मुझे खेद है कि इस बार भी दिल्ली में आपसे भेंट नहीं हो सकी आपसे मिलने की तीव्र इच्छा थी, जिस कारण अपने दिल्ली आने की पूर्व सूचना भी मैंने आपको भेज दी थी। अवश्य कोई कारण रहा होगा कि आपसे मिलना नहीं हो सका। आप स्वस्थ तो हैं? कृपया अवगत करें। प्रभु ने चाहा तो अगली बार आने पर आपसे मिलना हो जाएगा।

मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री सी. एल. गड्डू,
एस–71 सुन्दर ब्लाक,
शकरपुर, दिल्ली–110092.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 25 फरवरी, 2009

प्रिय श्री अमृत लाल जी बत्रा,

नमस्कार।

मैं ठीक होकर अस्पताल से घर आ गया हूँ। मेरी बीमारी के दिनों आपका जो स्नेह मुझे मिला, उसके लिए आभारी हूँ। आपने मेरा इतना ध्यान रखा यह मैं कभी भूल नहीं सकता।

प्रभु से कामना है कि आपका यह स्नेह भविष्य में भी मिलता रहे। ईश्वर आपको दीर्घायु प्रदान करें तथा मानवता की सेवा का जो वृत आपने लिया हुआ है उसे इसी तरह निभाते रहें।

मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री अमृत लाल जी बत्रा

केदारनाथ साहनी
महामंत्री

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

संदर्भ संख्या BJP/CO1152/89

दिनाँक : 5.8.89

प्रिय श्री चमनलाल जी,

सप्रेम नमस्कार।

आपका 2 अगस्त 1989 का लिखा पत्र मुझे अभी–अभी मिला है। आपकी कार दुर्घटना के बारे में जानकारी पाकर मैं प्रभु का धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने आपको बचा लिया। स्पष्ट है वह अभी आपसे कुछ बड़े–बड़े काम और करवाना चाहता है। आशा करता हूं कि आपकी चोट धीरे–धीरे ठीक हो रही होगी। प्रभु आपको स्वास्थ्य लाभ करावें मेरी तो यही प्रार्थना है।

मंगल कामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

श्री चमनलाल गुप्ता एमएलए
10, क्लीथ नगर,
जम्मू तवी।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
राज भवन
गोवा–403004
राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

नः राज्य गोवा 10 / 2003

दिनाँक : 30.10.2003

प्रिय श्री मनमोहन भसीन जी,

नमस्कार।

कुछ दिन दिल्ली में रुककर मैं कल सायंकाल ही गोवा लौटा हूँ। चाहने पर भी वहाँ आपसे भेंट नहीं हो सकी, इसका मुझे खेद है।

इस बार सबसे मिल सकने की इच्छा के कारण ही मैंने 26.10.2003 को गोवा सदन में सायंकाल 5 बजे जलपान का एक छोटा आयोजन रखा था। थोड़े समय में सबसे मिल सकने का इस से अच्छा कोई दूसरा उपाय मुझे नहीं सूझा।

आयोजन में कॉफी लोग आ गए थे। किन्तु आपसे मिलना नहीं हो सका। आशा करता हूँ कि आपका स्वास्थ अच्छा होगा या फिर आप उस दिन दिल्ली से बाहर गए होंगे अन्यथा आप भी अवश्य आते। अब तो अगली बार मेरे दिल्ली आने पर ही आप से भेंट हो सकेगी या यदि आप गोवा आने का अपना कार्यक्रम बनाएंगे तो।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री मनमोहन भसीन जी,
जी–348, सरिता विहार,
नई दिल्ली–110044

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date: 24-10-1996

Ref. No. 5378-10/BJP/DP/96

Dear Shri Razdan ji,

Namaskar.

Your son has just met me and given the good news that the operation of your daughter has been successful. Although she will have to remain in the hospital for some more days because the wounds are not fully healed I do hope that she will fully recover soon.

The registered letter which you posted at Jammu has not yet reached my hands. Now that the employees of the postal department are on strike it will be delivered only after the strike is over. I will send the acknowledgement as soon as the letter is received.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri F.C. Razdan,
President,
Shri Sanatan Daram Sabha
Bhadarwah,
District Doda,
Jammu & Kashmir.

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

RAJ BHAVAN
GANGTOK-737103
(SIKKIM)

राज्यपाल, सिक्किम
GOVERNOR OF SIKKIM

No.SKM/GOV/2001.

Date: 25th May, 2001.

Dear Shri Gadoo ji,

Namaskar.

I have reached Sikkim and have resumed the charge. I wish and hope that my letter finds you in best of health.

Please take the trouble of sending by post the enclosed letter to Shri Sansar Singh Kotwal of Bhadarwah. His address is not with me. I know that you have his address and you can send it to him. I shall be thankful.

With my best wishes,

Yours sincerely,

(KIDAR NATH SAHANI)

Shri C.L. Gadoo,
President, Kashmiri Samiti,
Kashmir Bhavan, Amar Colony,
Lajpat Nagar.
New Delhi - 110017

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गान्तोक–737103
(सिक्किम)

राज्यपाल, सिक्किम
Governor of Sikkim

दिनाँकः 23.8.2002

प्रिय श्री गड्डू जी,

सप्रेम नमस्कार।

कुछ दिन पहले मुझे अपनी पत्नी के घुटनों की शल्य चिकित्सा के सिलसिले में दिल्ली आना पड़ा था। आँखों की परीक्षा करवाने पर अचानक मुझे भी अपनी आँखों का ऑप्रेशन करवाना पड़ा। इस कारण उस समय वहाँ के अपने निवास के दौरान मैं किसी भी बन्धु से नहीं मिल सका था।

आँखों की जांच के लिए मुझे पुनः दिल्ली आना है। एक सितम्बर को सायंकाल 5:00 बजे सिक्किम हाऊस में यदि आप चायपान के लिए आ सकें तो इस बहाने आपसे भेंट हो जाएगी। आशा करता हूँ कि आप अवश्य समय निकाल लेंगे।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री सी.एल. गड्डू जी,
एस–71, सुन्दर ब्लॉक,
शकरपुर, दिल्ली–110092

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

दिनाँक : 4.3.2004

नं. : राज्य.गोवा / 3 / 2004 / 922

प्रिय श्री डालमिया जी,

नमस्कार।

आशा है आप सकुशल होंगे।

आपसे मिले लम्बा अर्सा हो गया है। दिल्ली आने का कार्यक्रम बना रहा हूँ। मैं प्रायः 17 से 24 मार्च तक 18 अमृताशेरगिल मार्ग पर स्थित, गोवा सदन में रहूँगा। यदि आपसे भेंट हो सके तो मुझे बहुत प्रसन्नता होगी। वहाँ के फोन नम्बर हैं : 24629967–24629968। कृपया फोन पर समय तय कर लें तो अनुग्रहीत हूँगा।

आदर एवं मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री वि.एच. डालमिया जी,
18, गुल्फ लिंक्स,
नई दिल्ली–110003

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

दिनाँक : 3.6.2003

नं. राज्य. गोवा 6/2003/404

प्रिय श्री वीरेश जी,

सप्रेम नमस्कार।

इस बार कई महीनों के बाद मेरा दिल्ली आना सम्भव हो सका है। मैं प्रायः 12 जून से 16 जून तक वहाँ, गोवा सदन में रहूँगा। इस बीच यदि आपसे वहाँ भेंट हो सके तो मुझे बहुत प्रसन्नता होगी। इसी दौरान मुझे राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और उप प्रधानमंत्री से भी भेंट करनी है। उनसे भेंट का समय अभी तय नहीं हुआ। साथ ही इन्हीं दिनों मुझे डॉक्टरी जांच भी करवानी है। इस कारण अच्छा हो आप, आने से पूर्व, फोन पर अपने आने का समय तय कर लें। वैसे, मेरा यत्न होगा कि मैं प्रायः 10 से 12 बजे तथा सायंकाल 4 से 5 बजे वहाँ उपस्थित रहूँ। वहाँ का फोन नम्बर है: 24629967 – 24629968।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री वीरेश प्रताप चौधरी जी,
वरिष्ठ अधिवक्ता
4844/24, अन्सारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110002।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

नः राज्य गोवा 7/2003/507

दि : 25.7.2003

प्रिय श्री मनमोहन जी,

नमस्कार।

अगस्त मास में मेरा दिल्ली आने का कार्यक्रम बन रहा है। आशा करता हूँ कि तब आपसे भी भेंट हो सकेगी। 8 अगस्त और 12 अगस्त के बीच, यदि कभी समय निकाल सकें, तो वहाँ 18, अमृताशेरगिल मार्ग, नई दिल्ली स्थित, गोवा सदन में मेरे साथ चाय पीने आ सकें तो मुझे बहुत अच्छा लगेगा। वहाँ के फोन नम्बर हैं : 24629967–24629968।

आने से पूर्व यदि फोन पर समय तय कर लेना अच्छा होगा। मेरा आभार।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री मनमोहन भसीन जी,
जे–348, सरिता विहार,
नई दिल्ली–110044

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

जे–21, साकेत,
नई दिल्ली–110017
दिनाँक : 24/12/2004

प्रिय श्री गड्डू जी,

नमस्कार।

चाहने पर भी मैं अब तक आपके घर नहीं जा सका, इसका मुझे हार्दिक खेद है।

इन दिनों थोड़े समय के लिए मैंने अशोक रोड स्थित भा.ज.पा. केन्द्रीय कार्यालय जाना शुरू किया है। प्रायः साढ़े तीन, चार बजे के बीच मैं वहाँ पहुँचता हूँ। मेरा यत्न तो यही है कि किसी दिन आपके घर पहुँचू, किन्तु पक्का कुछ कह इसलिए नहीं सकता कि स्वास्थ के कारणों से मेरा इधर–उधर जाना बहुत कम हो पाता है।

यदि कभी आपका इधर आना हो तो कृपया अशोक रोड आ जाएं। आपसे मिलने की बहुत इच्छा करती है।

मंगलकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री सी. एल. गड्डू,
एस–71, सुन्दर पार्क, शकरपुर
दिल्ली–110092

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँकः 30–8–2010

प्रिय श्रीमती इला जी,

नमस्कार।

मुझे खेद है कि 11 सितम्बर, स्वर्गीय पन्त जी के 123 वें जन्मदिवस सम्बन्धी आयोजन में भाग लेने की हार्दिक इच्छा होने के बावजूद स्वास्थ के कारणों से मैं उपस्थित न रह सकूँगा। क्षमा चाहता हूँ।

श्रीमान कृपाचन्द पन्त जी को कृपया मेरा नमस्कार करें।

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमती इला पन्त जी
सी–4 / 32, सफदरजंग डवलपमेन्ट एरिया
नई दिल्ली–110010

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 14.10.2009

प्रिय तुलसीराम जी,

सस्नेह नमस्कार।

1.10.2009 का लिखा आपका पत्र मुझे न मालूम क्यों, इतने विलम्ब से आज मिला है। आप पूर्ण स्वस्थ हैं जानकर प्रसन्नता हुई

शान्ता कुमार जी से अवश्य मिलें। होना तो वही है जो प्रभु–इच्छा है। प्रयत्न करना हमारा धर्म है। वैसे, अच्छा हो उन्हें मिलने जाने से उन्हें पहले फोन कर समय तय कर लें। उससे उन्हें याद हो जाएगा कि आप क्यों आ रहे हैं।

24 अक्टूबर को केवल मुझे मिलने के लिए कृपया बिलकुल न आएँ। कोई दूसरा काम हो तब तो आपका स्वागत है। आपसे मिलकर अच्छा ही लगेगा।

हम दोनों ठीक हैं और दीपावली के अवसर पर आपको तथा आपके परिवार को शुभकामनाएं।

टिप्पणी – आवश्यक निजी कार्य हेतु श्री तुलसीराम जी को शान्ता कुमार जी से सम्पर्क बनाने हेतु सूचना।
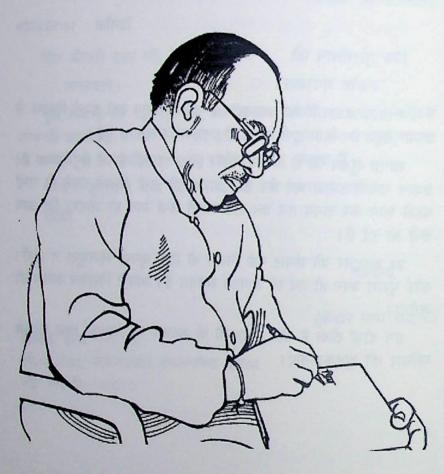
भवदीय

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

Date : December 3, 2009

Dear Shri Munde ji Shri Pragya ji,

Namaskar.

Please accept my heartiest congratulations on the marriage ceremony of dear pritam. May the Almighty bless dear Pritam and Gaurav, showering on them His choicest blessings and bestow them with a very long, successful and happy married life.

With my regards and hearty goodwishes and Ashirwad for the newly weds,

Sincerely yours,

(Kidar Nath Sahani)

Shri Munde ji, Shri Pragya ji

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/11/2003/484

December 9, 2003

Dear Shri Shakdher Ji,

Namaskar.

Thanks for yours of the 24th ultimo, received just now I am extremely pleased to know that the 'Deeksha' related functions have been held quite well. May the boys live long and bring more laurels to the Shakdher clan!

I shall let you know in advance, if and when my next visit to Delhi is planned.

With best wishes,

Yours sincerely

(Kidar Nath Sahani)

Shri Sunil Shakdher,
President,
Kashmiri Samiti, Delhi,
Kashmir Bhawan,
Kashmir Bhawan Marg,
Amar Colony, Lajpat Nagar-IV,
New Delhi - 110024

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/2/2003/201

February 24, 2003

Dear Shri Zijoo ji,

Namaskar.

Yours of the 18th instant has been received just now. I am sure that the Havan would have been a success. May the Lord Shiva shower his choicest blessings on the KP community, so that they go back to their homes as early as possible with dignity and honour.

Please convey my namaskar to all others in the Samiti.

With best wishes,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri N.N. Zijoo,
Vice President,
Kashmiri Samiti, Delhi (Regd.),
Kashmiri Bhavan,
Kashmir Bhavan Marg,
Amar Colony, Lajpat Nagar-IV
New Delhi - 110024

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/2/2003/200

February 24, 2003

Dear Dr. Narang ji,

Namaskar.

I am happy to learn that you have been elected as President of Sahitya Academy on 17th February, 2003, a befitting recognition which you richly deserved.

Kindly accept my heartiest congratulations. May the Almighty keep you always in the best of health.

With my regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Dr. Gopi Chand Narang,
President,
Sahitya Academy,
Ravindra Bhavan,
35, Feroze Shah Kotla Marg,
New Delhi - 110001.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा
GOVERNOR OF GOA

No. G/1/2003/157

January 22, 2003

Dear Shri Sharma ji,

Namaskar.

My wife and myself convey our sincere thanks and gratitude to you and all others of the Punjabi Seva Samiti for inviting us to participate in the function of 19th January, 2003. It was a happy and memorable event, which provided us an opportunity to meet all Hydrabadi Punjabis at one place.

Kindly convey our best wishes to all the Members of the Samiti as well as others.

With regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath sahani)

Shri Paul Sharma,
Vice President,
Punjabi Seva Samiti,
15-5-770, First Floor,
Vajra Complex,
Ashok Bazar (Opp. Gurudwara),
Afzalgunj,
Hyderabad - 500012.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

RAJ BHAVAN
GOA-403004

राज्यपाल, गोवा

GOVERNOR OF GOA

No. G/10/2003

October 28, 2003

Dear Shri. Tikoo ji,

Namaskar.

Thanks for the greetings sent on the occasion of Deepawali, the festival of lights, which we very heartily reciprocate.

May Deepawali and this season of festivals bring lot of joy and happiness to you and your family.

Regards,

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)

Shri S.L. Tikoo
149-B, Government Qtrs.
P.O. Rehari
Subhash Nagar
Jammu - 180005

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
संयोजक
ओवरसीज फ्रेंडस ऑफ बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 6 अक्टूबर, 2005

प्रिय श्री वीरेश प्रताप जी,

सस्नेह नमस्कार!

8.10.2005 को आयोजित योग–प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र महाविद्यालय दीक्षान्त समारोह में उपस्थित रहने के लिए भेजे निमंत्रण के लिए आभारी हूँ।

आपके पू. पिताजी द्वारा रोपे इस वटवृक्ष की छाया और सुगन्ध से समाज को जो लाभ हो रहा है, उसका श्रेय स्वयं आपको तथा चौधरी परिवार के सब लोगों को जाता है। लोक कल्याण के इस श्रेष्ठ कार्य में पूर्ण समर्पण भाव से जुट जाने के लिए आप सभी को मेरा साधुवाद।

मुझे खेद है कि पूर्व निर्धारित व्यस्तता के कारण समारोह में उपस्थित नहीं हो सकूँगा। क्षमा चाहता हूँ। आयोजन की सफलता के लिए कामनाओं के साथ,

सादर,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

पद्म श्री वीरेश प्रताप चौधरी,
4844/24, अन्सारी रोड,
दरियागंज, दिल्ली–110002

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दिनाँक : 3 मई, 1997

प्रिय श्री बृज मोहन जी,

नमस्कार।

बिटिया रचना के शुभ विवाह का सुखद समाचार पाकर अपार हर्ष हुआ। कृपया इस शुभ अवसर पर मेरी ओर से हार्दिक बधाई स्वयं आप भी स्वीकार करें और परिवार के सब लोगों को भी दें।

प्रभु से प्रार्थना है बिटिया रचना अखण्ड सौभाग्यवती हो और उसका दाम्पत्य जीवन अति सुखद और सपन्न हो।

मंगलकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री बृज मोहन सेठी जी,
18, गांधी सदन, मन्दिर मार्ग,
नई दिल्ली–110001

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahan
संयोजक
ओवरसीज फ्रेंडस ऑफ बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 16 अप्रैल, 2009

प्रिय श्री. संजय जी,

सस्नेह नमस्ते।

'चण्डीगढ़ कमल समाचार' का दूसरा अंक मिला धन्यवाद।

मुझे प्रसन्नता है कि इस अंक का स्तर पहले से भी अच्छा है। यह स्तर और अच्छा हो, इस कामना के साथ अपनी शुभकामनाएं भेज रहा हूँ।

मंगलकामनाओं के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री संजय टण्डन जी,
1556, सेक्टर–18 डी,
चण्डीगढ़–160018.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani
संयोजक
ओवरसीज़ फ्रेन्ड्स ऑफ बीजेपी

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 23 जनवरी, 2008

प्रिय श्री संजय जी,

सस्नेह नमस्कार।

आपका पत्र भी मिला एवं कैलण्डर भी।

इतना सुन्दर और सुरूचिपूर्ण कैलण्डर तैयार करने के लिए, मेरा स्नेह भरा साधुवाद बिटिया सुप्रिया को अवश्य देना।

भक्ति और जीवन मूल्यों की प्रेरणा देने के उसके प्रयास, प्रभु करें, उसके जीवन का संकल्प बन जाएं। जीवन की श्रेष्ठता बांटते रहना, हमारा उद्देश्य रहना ही चाहिए। उसे मेरा आशीर्वाद देना।

श्रीमान बलराम जी को मेरा नमस्कार कहना।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री संजय टण्डन जी

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

नं. राज्य. गोवा 7 / 2004

दिः 1.7.2004

प्रिय श्री फज़ल जी,

नमस्कार।

अपने जन्म दिवस के अवसर पर आप कृपया मेरी पत्नी की और मेरी हार्दिक बधाई और मंगलकामनाएं स्वीकार करें। प्रभु करें यह दिन आपके जीवन में बार–बार आए, आप शतायु हों, तथा सदैव की भान्ति समाज की सेवा और राष्ट्र का मार्गदर्शन करते रहें।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री मोहम्मद फज़ल जी,
महामहिम राज्यपाल, महाराष्ट्र,
राज भवन,
मुंबई–400035।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

नं. राज्य. गोवा 7/2003/483

दि.: 8.7.2003

प्रिय श्री वीरेश प्रताप जी,

सस्नेह नमस्ते।

'आश्रय' के लोकार्पण समारोह का निमन्त्रण भेजने के लिए आभारी हूँ।

यह जानकर प्रसन्नता हुई कि माननीय उप प्रधानमन्त्री श्री लाल कृष्ण आडवाणी के हाथों यह शुभ कार्य सम्पन्न होना है। मेरी बधाई भी और शुभकामनाएं भी।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय

(केदार नाथ साहनी)

श्री वीरेश प्रताप जी चौधरी,
अध्यक्ष, आर्य अनाथालय,
पटौदी हाऊस,
नई दिल्ली–110002.

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

नं : राज्य. गोवा / 6 / 2004 / 1061

दि.: 1.6.2004

प्रिय श्री डोगरा जी,

नमस्कार।

बिटिया पूजा के शुभविवाह के सुखद समाचार वाला कार्ड आज मिला और बहुत प्रसन्नता हुई। आपने स्मरण किया, आभारी हूँ। कृपया मेरी पत्नी की ओर से मेरी हार्दिक बधाई स्वयं आप तथा आपके परिवार के सब सदस्य स्वीकार करें।

भगवान से प्रार्थना है कि शादी बहुत अच्छी तरह सम्पन्न हो जाए। बिटिया पूजा और प्रिय रंजित दोनों चिरायु हों, सदा निरोग रहें तथा उनका दाम्पत्य जीवन हमेशा सुख और सफलता से भरा हो।

मुझे खेद है कि खुशी के इस अवसर पर प्रत्यक्ष उपस्थित होकर आपको बधाई तथा पूजा को आशीर्वाद नहीं दे सका।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसी राम डोगरा,
भट्टू समूला, पालमपुर,
जिला कांगडा,
हिमाचल प्रदेश–176064

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

दिनाँकः 18 फरवरी, 2003

श्री सईद–अल–शफी जी,

नमस्कार

हॉलैण्ड से लिखा आपका प्यार भरा पत्र अभी मिला है। बहुत अच्छा लगा। आप, आपकी बेगम साहिबा और पूरा परिवार इकट्ठा होकर कुछ दिन साथ रहा, इससे बड़ी खुशकिस्मती क्या हो सकती है। आप सौभाग्यशाली हैं। फिर आपकी शादी की पचासवीं सालगिराह मनाने का इससे अच्छा तरीका हो भी क्या सकता था। मेरी दिली शुभकामनाएं स्वीकार करें। भगवान से प्रार्थना है कि वह आपको लम्बी उम्र और सेहत बख़्शें कि मुस्तकबिल में आप इसी 75 वें जन्मदिन मना सकें।

बकर–ईद के पवित्र मौके पर भेजी मुबारकबाद के लिए शुक्रिया। उम्मीद करता हूँ कि मेरा यह पत्र आपको आपके वहाँ से खाना होने से पहले जरूर मिल जायगा। वहाँ घर में सबको हम दोनों का नमस्कार कहें।

मंगल कामनाओं के साथ,

शुभचिंतक

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी राज भवन
Kidar Nath Sahani गोवा–403004

राज्यपाल, गोवा
Governor of Goa

दिनाँक: 24 जनवरी, 2003

प्यारी बहन श्रीमती तसनीम फज़ल जी

नमस्कार

दिल्ली में मैं और मेरी पत्नी आपकी किताब के विमोचन समारोह में शामिल नहीं हो सके, इसका हम दोनों को अफसोस है। पहले से ही उस वक्त का एक ऐसा प्रोग्राम बन चुका था जिसे टालना मुमकिन नहीं था, इसलिए माफी चाहता हूँ।

मुझे विश्वास है कि समारोह बहुत अच्छा और कामयाब रहा होगा मेरी बधाई मंजूर करें। अगर किताब की एक प्रति भेज सकें तो शुक्रगुज़ार रहूंगा। पढ़ने के बाद यहां के राजभवन में आपकी निशानी के तौर पर पुस्तकालय में वह किताब शामिल हो जाएगी। मुझे तो खुशी होगी।

फज़ल साहब को मेरा नमस्कार कहें।

मंगल कामनाओं के साथ।

आपका भाई,

(केदार नाथ साहनी)

बेगम तसनीम फज़ल साहिब
मुम्बई

टिप्पणी – श्री साहनी जी द्वारा श्रीमती तसनीम फज़ल की पुस्तक के विमोचन समारोह पर अपनी प्रसन्नता ज़ाहिर करना तथा आमंत्रण पर धन्यवाद।

केदार नाथ साहनी
पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा
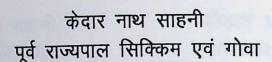
दिनाँक : 3 फरवरी, 2012

प्रिय श्री संजय जी,

सस्नेह नमस्कार!

आपका 17–2–2012 का लिखा पत्र मुझे अभी–अभी मिला है।

चण्डीगढ़ में नगर–निगम के चुनावों में जो परिणाम आये हैं उसके लिए आप और चण्डीगढ़ के सभी प्रमुख कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। उन्हें मेरा साधुवाद।

कुछ वर्षों में आपके नेतृत्व और मार्गदर्शन में कार्यकर्ताओं ने जो परिश्रम और संघर्ष किया है, यह उसी का परिणाम है। प्रभु आपको और आपके सहयोगियों को शक्ति प्रदान करें। वे इसी तरह से परिश्रम और संघर्ष करते रहें ताकि जो कसर अभी रह गई है वह भी पूरी हो जाए और चण्डीगढ़ पर भाजपा का पूर्ण अधिकार हो जाए।

शुभकामनाओं के साथ,

आपका,

(केदार नाथ साहनी)

केदारनाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

8, तीस जनवरी मार्ग,
नई दिल्ली–110011
फोन 23011331/12

दिनांक : 23.09.2004

प्रिय श्री पण्डिता जी,

सस्नेह नमस्ते!

चिरंजीव विदूर, शिवम और ईशान के यज्ञोपवीत समारोह के आयोजन का सुखद समाचार जानकर बहुत प्रसन्नता हुई है। इस शुभ अवसर पर आपने स्मरण किया, आभारी हूँ।

प्रभु से कामना है कि वह तीनों को चिरायु प्रदान करें, वे सदा स्वस्थ रहें तथा उनका जीवन सदा सुखी और सफलता से भरा हो।

मेरी बधाई एवं शुभकानाओं सहित,

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)

सर्वश्री विनोद एवं राकेश पण्डिता
पी.–135/ए.,
संजय नगर,
गाजियाबाद।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक – 04.01.2012

प्रिय श्री. पान्धी जी,

सप्रेम नमस्कार।

नव वर्ष 2012 के लिए भेजी आपकी शुभकामनाओं का कार्ड भी मिला। फोन पर 1.1.2012 को भी आप ने कृपा की थी। हम दोनों आभारी भी हैं और अपनी हार्दिक मंगलकामनाएं भी भेजते हैं। आप हर शुभ अवसर पर याद कर अपना स्नेह दर्शाते हैं। यह स्नेह हमेशा मिलता रहे, ऐसी कामना है।

बहन जी को हम दोनों का नमस्कार कहें।

स्नेहांकित,

(केदार नाथ साहनी)

श्री ओंकार नाथ पान्धी जी

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 12 जनवरी, 2010

प्रिय श्री चामलिंग जी,

सप्रेम नमस्कार।

अभी–अभी आपका भेजा नव वर्ष की शुभकामनाओं का कार्ड मिला। कृपया हम दोनों की मंगलकामनाएं स्वयं आप तथा आपकी श्रीमती जी समेत आपके परिवार के सब सदस्य स्वीकार करें। आपने स्मरण किया, आभारी हूँ।

गान्तोक से दूर बैठा मैं सिक्किम में आपके नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यो की जानकारी भी रखता हूँ और प्रशंसक भी हूँ। प्रभु से प्रार्थना है कि वह आपको शक्ति दे ताकि आप इसी तरह अपने दायित्त्व को निभाते रहे।

जब भी दिल्ली आएं कृपया मिलें। आपसे और आपकी पत्नी से मिलकर हमें अच्छा लगेगा।

शुभेच्छु,

(केदार नाथ साहनी)

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 10.5.2011

प्रिय श्री जेठूराम जी,

सप्रेम नमस्कार।

आज प्रातः जब घर पर आकर प्रिय नरेश कुमार जी ने बिटिया मेघा के शुभ विवाह का अति सुखद समाचार दिया तो बहुत प्रसन्नता हुई। कृपया मेरी हार्दिक बधाई स्वयं आप, श्री नरेश जी, श्री विजेन्द्र जी, एवं आपके परिवार के सभी सदस्य स्वीकार करें। इस शुभ अवसर पर आपने याद किया, मै आभारी हूँ।

भगवान से प्रार्थना है कि शादी बहुत अच्छी तरह और निर्विघ्न सम्पन्न हो जाए तथा बिटिया मेघा और प्रिय प्रदीप चिरायु हो, सदा निरोग रहें एवं उनका दाम्पत्य जीवन अति सफल हो।

बधाई और वधुवर के लिए मेरे आशीर्वाद के साथ,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री. जेठूराम जी

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँकः 20 मार्च, 2010

प्रिय बहन श्रीमती सुमित्रा महाजन जी,

सस्नेह नमस्कार।

आपका भेजा पत्र भी मिला और "तृतीय निःशुल्क स्वास्थ मेला" सम्बन्धी पत्रक भी। गत वर्ष आयोजित हुए मेले का वृत अत्यन्त प्रेरणादायी है और उत्साहवाहक भी। समाज सेवा सम्बन्धी यह प्रकल्प अनुसरणीय है। अनेक बन्धु जो अन्यथा स्वास्थ परीक्षण अथवा उपचार करवाने में असमर्थ हैं, इस मेले से लाभान्वित होते हैं। प्रयास स्तुत्य है।

इस प्रयोग के लिए आप तथा आपके अन्य सभी बन्धुओं को मेरी बधाई भी और शुभकामनाएं भी।

शुभेच्छु

(केदार नाथ साहनी)

श्रीमती सुमित्रा महाजन जी
संसद सदस्य
90, नन्दलाल पुरा
इन्दौर (मध्य प्रदेश)

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गान्तोक–737103
(सिक्किम)

राज्यपाल, सिक्किम
Governor of Sikkim

दिनाँकः 15.02.2002

प्रिय मदन गोपाल जी,

नमस्ते।

आपका 05.02.2002 का लिखा पत्र अभी–अभी मिला है। अपने व्यवसाय के अति सफल 50 वर्ष पूरा कर लेने पर कृपया मेरी हार्दिक बधाई स्वीकार करें। मेरी कामना है कि प्रभु आपको इससे भी अधिक यश दें।

आपका अनुरोध टाल नहीं सकता। कुछ पंक्तियां लिख कर भेज रहा हूँ।

सस्नेह,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री मदन गोपाल अरोड़ा जी,
सी–27, कनॉट प्लेस (मिडिल सर्कल),
नई दिल्ली–110001

केदार नाथ साहनी
पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

दिनाँक : 4.10.2011

बन्धुवर श्री. दर्शन लाल जी,

नमस्कार।

दो अक्टूबर पर आयोजित विजय दिवस अवश्य अत्यन्त सफल एवं प्रभावकारी रहा होगा। बड़े सरकारी अधिकारियों से सम्पर्क बनाए रखने तथा समाज में चेतना जगाए रखने का बहुत उत्तम उपाय आपने चुना है। ऐसे कार्यक्रम हमारे कार्य और विचार विस्तार के लिए बहुत सहायक होते हैं। इसलिए, समय-समय पर नए अवसर खोजकर सर्वत्र यह होते रहें, यह आवश्यक है।

मेरी बधाई स्वीकार करें।

शुभेच्छु,

(केदार नाथ साहनी)

श्री दर्शन लाल जी जैन

टिप्पणी – साहनी जी द्वारा दो अक्टूबर पर आयोजित विजय दिवस की उपयोगिता सरकारी अधिकारियों से सम्पर्क तथा समाज में चेतना जगाए रखने के लिये अवसर को प्रासंगिक माना।

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राज भवन
गान्तोक–737103
(सिक्किम)

राज्यपाल, सिक्किम
Governor of Sikkim

दिनांक : 1.1.2002

प्रिय श्री शुभनारायण जी,

नमस्ते।

नव वर्ष की शुभकामनाओं के लिए आभारी हूँ तथा आपके एवं आपके परिवार के लिए भी एक अत्यन्त मंगलकारी नए साल की कामना करता हूँ। प्रभु करें नया साल हमारे देश को वर्तमान संकटों में से उभारकर संसार के अग्रणीं राष्ट्रों में ला खड़ा करें।

मंगल कामनाओं सहित,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री शुभनारायण महतो जी,
राजभवन,
गान्तोक–737103

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

राजभवन,
गान्तोक–737103

राज्यपाल, सिक्किम
Governor of Sikkim

दिनांक: 26.8.2002

प्रिय श्री कैलाश चन्द जी,

नमस्कार।

'श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव' समारोह के उपलक्ष्य में भेजे आपके निमन्त्रण–पत्र से मुझे बहुत प्रसन्नता हुई है। 31 अगस्त 2002 को 'श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव' का आयोजन किया गया है। कृपया मेरी हार्दिक बधाई आप स्वयं तथा आयोजक समिति को भी दें।

भगवान से प्रार्थना है कि समारोह बहुत अच्छी तरह सम्पन्न हो जाए।

समारोह की सफलता के लिए मेरी हार्दिक मंगल कामनाएं,

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री कैलाश चन्द जी,
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी उत्सव,
ठाकुरबाड़ी, गान्तोक,
सिक्किम।
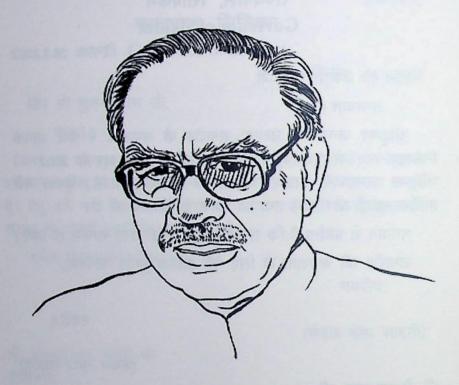
भवदीय

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

Date : February 16, 1997

Ref. No. 7236-2/BJP/DP/97

Dear Shri Jad ji,

Namaskar.

Thanks for yours of the 11th instant.

I have been extremely busy during the last two months and therefore have not been able to contact any of my friends whom I did not meet during the period. Actually, I never knew about the sad demise of your brother-in-low. Please convey my heartfelt condolences to your dear wife.

It is really unfortunate that our candidates in both places have to face difficulties created by our own people. Let us hope that better sense prevails and things improve.

My namaskar to all in the family.

With best wishes.

Yours sincerely,

(Kidar Nath Sahani)
President

Shri H.L. Jad,
53-A, Pocket A/3,
Kalkaji Ext.
New Delhi -110019

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh

दि. 17 अक्टूबर, 1997

प्रिय श्री रामशंकर जी,

आपके पूज्य चाचा श्री रामचन्द्र गुप्ता जी के निधन का दुखद समाचार जानकर दुख हुआ। इस दुखद घड़ी को प्रभु की इच्छा समझकर धैर्य रखें। मैं आपके इस दुख में सहभागी हूँ। कृपया मेरी हार्दिक संवेदना स्वयं आप भी स्वीकार करें और परिवार के सब लोगों तक भी पहुँचा दें।

प्रभु से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवारजनों को इस अपूर्णीय क्षति को सह सकने की शक्ति दें।

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री रामशंकर गुप्ता जी,
15/288, दक्षिणपुरी विस्तार,
नई दिल्ली–110062

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

भारतीय जनता पार्टी
Bharatiya Janata Party

दिनाँक : 19.7.2007

प्रिय श्री तुलसीराम जी,

सप्रेम नमस्कार।

मैं परसों सायंकाल ही विदेश से लौटा हूँ। मेज पर पड़ा पत्र अभी देख सका हूँ।

आपकी माता जी के निधन का समाचार और वह भी डॉक्टरों की लापरवाही के कारण, जानकर बहुत दुख हुआ। उनकी गम्भीर बीमारी का समाचार तो स्वयं आप दे गए थे। आप मातृ–छाया से वंचित हो गए यह जीवन का बहुत बड़ा दुर्भाग्य है किन्तु प्रभु–इच्छा को स्वीकार कर सिर झुका लेने के अलावा कोई कुछ कर भी तो नहीं सकता है। मैं भी आपके तथा आपके परिवार के सुख–दुख में सहभागी हूँ। कृपया आप सब मेरी हार्दिक संवेदना स्वीकार करें। भगवान दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देकर उसे चिरशान्ति प्रदान करें, ऐसी उनसे मेरी प्रार्थना है।

अस्पताल के सम्बन्ध में कुछ कार्यवाही की गई हो तो कृपया अवगत करें। आप यदि इस बारे में मुझे मिल लें तो अधिक अच्छा होगा।

सस्नेह।

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री तुलसीराम जी डोगरा

भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
Bharatiya Janata Party, Delhi Pradesh
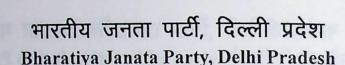
14/Pt. Pant Marg
New Delhi-110001

दिनाँक : 23 जुलाई, 1996

प्रिय श्री कुलदीप जी,

कल रात घर जाने पर मेज पर पड़े कार्ड से श्रीमती नीलम गुप्ता के अति दुखद निधन का समाचार मिला। प्रभु की इच्छा के सामने किसका वश चलता है। इसे उसकी इच्छा के सामने सिर झुकाकर स्वीकार करना पड़ता है। कृपया मेरी हार्दिक संवेदना स्वयं आप भी स्वीकार करें और परिवार के सब लोगों को भी दें। आज मंगलवार है और क्रिया के समय दिल्ली प्रदेश भारतीय जनता पार्टी की साप्ताहिक बैठक है। इस कारण चाहने पर भी मैं क्रिया में शामिल नहीं हो सकूँगा, क्षमा चाहता हूँ।

प्रभु से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोक संतप्त परिवारजनों को इस अपूर्णीय क्षति को सह सकने की शक्ति दें।

भवदीय,

(केदारनाथ साहनी)
अध्यक्ष

श्री कुलदीप गुप्ता जी,
749, सैक्टर –2,
सादिक नगर,
नई दिल्ली–110049

पत्रों की खोज में...

भाग : एक

संस्मरण के दरवाजे गुजर जब केदार नाथ साहनी जी के नाम तक पहुँचता हूँ, तो लोगों की लम्बी कतार में उनके शब्दों में एक ऐसी तारतम्यता दिखती है जो एक जैसी होती हुई भी अलग–अलग है। कभी भावों से प्रेरित, तो कभी क्षमताओं की शैली, वो कभी अचंभित करने वाले प्रसंग। तब शब्दों में एक शब्द हमेशा दिमाग में घुमड़ने लगता है। सहज। केदार नाथ साहनी सहज थे इतने सहज कि उनको अन्यत्र किसी व्यवहारात्मक शैली की आवश्यकता ही नहीं पड़ी। वह तो बस अपनी सहजता से कार्य करते गए, बिना किसी द्वेष, अहं और प्रतिक्रिया। उनके लिए सभी अपने थे यही वजह है कि जीवन यात्रा के आंचल में लोग उन्हें भुलना भी चाहें तो भूल नहीं पाते हैं। बिना किसी उम्मीद के उम्मीद लिए कार्य करना और उस परिस्थिति को प्राप्त कर लेना जिसके लिए वह संघर्षरत रहे, उनकी इसी शैली से लोग आश्चर्य चकित रह जाते थे। साहनी जी के इसी विशिष्ट चरित्र के कारण लोग उन्हें मसीहा, ऋषि, मार्गदर्शक आदि रूप में देखते हैं और कहते भी हैं कि उनके पास उनके लिए शब्द नहीं हैं वह शब्दविहिन हैं क्योंकि उनके जैसे व्यक्तित्व का वर्णन या बताना उनके वश में नहीं, हाँ यदि है तो, आंखों को नम करता स्नेह जिसमें शब्द कहीं भी उचित स्थान ग्रहण नहीं कर पाते हैं।

साहनी जी को समझने का मौका मुझे तब मिला जब मैं और प्रकाश साहनी जी से सम्बन्धित पत्रों के संकलन के लिए अलग–अलग क्षेत्रों में गए। यह क्षेत्र पूर्व निर्धारित नहीं था पर एक उम्मीद थी, एक सहसा किरण जिसको पाने की ललक हमारे अंदर कहीं–न–कहीं थी, उससे भी अधिक उस व्यक्ति को उन व्यक्तियों की नज़र से देखना जिसने उनके साथ अपना समय और कार्य साझा किया है। कहते हैं न, संभावना किसी कार्य की पूर्णता की प्रथम कड़ी होती है और इसी संभावना को जीने के लिए हम चल पड़े थे ताकि उस शख्सियत को जाने जिसकी अंतर्रात्मा देश भक्ति और मानवीय प्रेम से ओत–प्रोत थी सम्पर्क सूत्र एक तरफ

राष्ट्रीय स्वयं सेवक कार्यालय तो दूसरी तरफ सपाट रास्ता था जिस पर कोई व्यक्ति था ही नहीं, फिर भी हम चल पड़े, एक निश्चित संभावनाओं की तलाश में। जिसकी पहली कड़ी हिसार था, हिसार पहुँचते ही संघ कार्यालय के माध्यम से डॉ. बलदेव नाशा जी से मुलाकात हुई जहाँ अपना ध्येय उनके सामने स्पष्ट किया तो बिना किसी अन्य बातों के उन्होंने सर्वप्रथम साहनी जी के बारे में बताना शुरू किया कि "साहनी जी अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पित व्यक्ति थे जिन्होंने हर स्थिति में अपने कर्तव्यों को निभाया और सहजता से किसी भी कार्य को करते रहे। उनके लिए समाज और देश ही सबसे पहले था। हाँ पर उनसे कभी पत्र व्यवहार नहीं हुआ न व्यक्तिगत, न ही सामाजिक–राजनीतिक।" इसके बाद हमारे मन में उपजे साहनी जी के बिबों को तस्वीर मिलने लगी और उम्मीद, कि कुछ–न–कुछ मिलेगा जरूर। हमने उनसे सम्बन्धित लोगों के बारे में और जानने की कोशिश की ताकि हम उन लोगों तक पहुँच सकें जो अभी तक सिर्फ धुंधली तस्वीर के अलावा कुछ न था। इसी क्रम में राम कुमार लोहिया जी का नाम सामने आया। पूछने पर पता चला कि इन्होंने साहनी जी के साथ कार्य किया है परंतु लोहिया जी उम्र के उस पड़ाव पर हैं जहाँ तस्वीरें धुंधली हो चली हैं और पत्र–व्यवहार तो था ही नहीं।

हम साहनी जी की धुंधली यादों को खोजने निकले थे परंतु इसमें यादों का भी धुंधला पड़ जाना हमें अचम्भित कर रहा था। हम पुनः नई स्फूर्ति के साथ अन्य सम्बन्धित लोगों की खोज में लग गए। ताकि हम उनसे जुड़ी हुई यादों और, पत्रों को खोज सकें। उनके परिपूर्ण व्यक्तित्व को जान सकें और उस समय के देश काल और परिस्थिति को उन लोगों के माध्यम से समझ सकें जो अनिवार्यतः आज के परिप्रेक्ष्य में उतना ही महत्त्वपूर्ण और प्रभावशाली होगा।

निर्धारित समय की सक्रियता कार्यशैली को बढ़ा देती है और यही हमारे साथ हुआ हम इसके बाद क्रमशः मदन जी, प्रेम गोयल जी, मोहन लाहोरिया जी एवं ओम प्रकाश ग्रोवर जी से मिले। साहनी जी के अपनत्व और कार्यशैली का उदाहरण सभी ने प्रस्तुत किया। उन्होंने उनकी संगठन में सक्रियता और सहयोगियों से स्नेह के बारे में बताया।

साहनी जी का उनके प्रति स्नेह इतना कि उनकी यादों में झलक रहा था, न चाहते हुए भी उनकी आंखें डबडबा गई थीं। इन्हीं बातों के बीच हमें पता चला कि भिवानी में मास्टर प्यारे लाल जी हैं जिनके सम्बन्ध साहनी जी के साथ बहुत गहरे थें हम खुशी से उछल पड़े। वाकई में जहाँ से कुछ न मिले और एकाएक मोती हाथ आ जाए तो खुशी तो होती ही है।

हम प्यारे लाल जी से मिलने भिवानी चल पड़े वहाँ प्यारे लाल जी से काफी बातचीत हुई उनके अनुसार "साहनी जी अपने काम में हमेशा रमे हुए रहते थे। परिस्थिति के अनुसार कार्य करना और अपने दायित्व को भली–भांति पहचानना उनसे बेहतर कौन जान सकता था।"

साहनी जी की बातों को संजोकर हम आगे यात्रा पर निकल पड़े यात्रा के दौरान साहनी जी के बारे में विचार तैरने लगे कि किस प्रकार विपरीत परिस्थितियों में भी साहनी जी उन उत्तरदायित्व को निभा लते थे जिसे निभाना बहुत ही मुश्किल होता है। इन्हीं विचारों के ऊहापोह में लुधियाना आ चुका था। यहाँ पहुँचने के पश्चात हमने साहनी जी से सम्बन्धित लोगों की छानबीन की तो हमें डॉ. बलवीर चन्द्र कपिला जी के बारे में पता चला हमने उनसे मिलने का अनुरोध किया जिसके लिए वह तैयार हो गए। हम उनसे मिले। साहनी जी की यादों का प्रभाव उनके चेहरे पर साफ–साफ दिखाई दे रहा था। जो उनकी बातों से भी स्पष्ट हो गया। उन्होंने कहा कि "साहनी जी के बारे में कहना बड़ा ही कठिन कार्य है क्योंकि उनका व्यक्तित्व ऋषितुल्य था जहां तक मुझे याद है उनके अन्दर अपनत्व की भावना थी और सभी को साथ लेकर चलते थे। दो–तीन बार वह आडवाणी जी के साथ जब आए थे तब यहीं मेरे घर पर रूके थे। यादों में और कुछ शेष नहीं है।"

तब तक सम्पर्क रूप में हमारी बातचीत सुनील मेहरा जी से हुई। उन्होंने कहा कि "उनकी साहनी जी से बातचीत होती रही है लेकिन कभी किसी संदर्भ में पत्र व्यवहार नहीं हुआ। बातचीत के दौरान परिवार और व्यक्तिगत जीवन के बारे में जरूर पूछ लेते थे जिससे लगता था कि वह परिवार के एक बड़े सदस्य हैं।" इसी दौरान फोन पर राकेश महेन्द्रू जी से बातचीत हुई तो उन्होंने बताया कि "साहनी जी मेरे मौसा जी हैं, हमारा

तो पारिवारिक सम्बन्ध है।" उनसे मिला कोई पत्र या किसी प्रकार की यादों के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि "हम सभी लोगों को बचपन में उनसे काफी स्नेह मिला। उनका प्यार, हम सभी के बारे में सोचना और सभी को नेक रास्ते पर चलने के लिए कहना आज भी याद है।" इसके बाद महेन्द्रू जी ने अपनी सहमति जताई कि एक पत्र उनके पास है जो वह अपने किसी कर्मी द्वारा वहीं भिजवा देंगे जहाँ हम ठहरे हैं। हमने इंतजार किया और लगभग दो घंटे बाद वह पत्र हमारे हाथ में था।

यात्रा की अगली कड़ी में शहर जालंधर था। अनजान और साथ में बस कुछ नाम। न फोन नं., न पता और न ही निर्धारित तथ्य कि क्या मिलेगा? हम चल पड़े। सड़क के ऊपर लगे, जालंधर में आपका स्वागत है ने बता दिया कि हम शहर में प्रवेश कर रहे हैं, हमने सबसे पहले मनोरंजन कालिया (जो पूर्व विधायक रहे हैं) से मिलना तय किया क्योंकि हमें उम्मीद थी कि यहां से कोई अन्य सम्बन्धित संपर्क मिल सकते हैं। मनोरंजन कालिया जी ने हमारा स्वागत किया और आने का विषय पूछा, केदार नाथ साहनी जी का नाम आते ही उन्होंने अपनी स्मृतियों को बताना शुरू किया कि "पिता जी का सम्बन्ध साहनी जी के साथ रहा। संघर्ष के दौर में मुस्कुरा कर जिंदगी को जीना उनसे बेहतर कोई नहीं जानता था। अब तो स्मृतियाँ ही शेष हैं।"

हम भी स्मृतियों को संजोए एक नए व्यक्ति की तलाश में निकल पड़े ताकि साहनी जी के शब्दों की श्रृंखला को ढूंढ़ सकें। उनके विचारों की दृष्टि को देख सकें और जीवन के उन पक्षों को समझ सकें जो व्यक्ति के विचारों में कहीं भ्रमण कर रहा है पर हम तक नहीं पहुँच पाया है। इन्हीं विचारों को ढूंढ़ने के क्रम में विजय कुमार चोपड़ा, बलराम गुप्ता से मिले उन्होंने कहा कि "कई कार्यक्रमों में साथ रहने के बावजूद कभी हमें याद नहीं कि कोई पत्र हमारे पास है, हाँ जहाँ तक साहनी जी की बात है तो वह एक दृष्टा के रूप में हमारे सामने थे उनकी दूर-दृष्टि राजनीतिक संदर्भों को स्पष्ट करती थी।"

इन्हीं राजनीतिक संदर्भों को विस्तार से ढूंढ़ने के लिए हम अमृत लाल धवन जी के पास पहुँचे। सामान्य बातों से शुरू होकर हमारी बातें साहनी जी

पर केंद्रित हो गईं और धवन जी यादों के पन्नों से स्मृतियों का रेखाचित्र हमें बताने लगे उन्होंने कहा कि "मेरी मुलाकात उनसे 1953 में हुई जब डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी कश्मीर जा रहे थे, वह उन्हीं के साथ थे। तकरीबन रात बारह बजे मेरे घर आए और कहा इस वक्त आपका क्या प्रोग्राम है। मैंने कहा कुछ खास नहीं, उन्होंने तुरंत अपने साथ चलने को कहा, जहां डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के प्रेस कांफ्रेंस का डिक्टेशन करना था यह लगभग 90 पेज का था उस समय कम्प्यूटर की सुविधा तो थी नहीं इसलिए इसके लिए अन्य स्वयंसेवकों को भी इस काम के लिए लगाया गया और सुबह तक प्रेस कांफ्रेंस की प्रति तैयार थी। यह प्रेस कांफ्रेंस डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का अंतिम प्रेस कांफ्रेंस था। साहनी जी हमेशा से सभी के प्रेरणा स्रोत रहे। उन्होंने सभी को समान रूप में महत्त्व दिया यही वजह थी कि माधव राव मुले ट्रस्ट उनकी सोच और प्ररेणा के बाद शुरू हुआ। इसका उद्देश्य गरीब बच्चों को पढ़ाना और स्वच्छता के बारे में बताना था। इसी निहित केदार नाथ साहनी जी का पत्र भी मिला जिसके साथ 20,000/–रू का चेक था पर जिक्र पत्र में नहीं था। धवन जी आगे बताते हैं कि इमरजेंसी के दौरान साहनी जी ओमप्रकाश जी के घर रूके थे। वहीं सीआईडी वाले आ गए, जिसके बाद वह दीवार फांद कर वहां से निकल पाए। साहनी जी अपने कार्य में लगे रहने वाले व्यक्ति थे और देश समाज से सीधे तौर पर जुड़े हुए थे। साहनी जी का किसी से द्वेष नहीं था। वह देश, समाज के प्रति सकारात्मक भूमिका की बात करते थे कि कैसे देश एक बना रह सके ?"

देश और समाज के बीच साहनी जी के परिप्रेक्ष्य को जानने और समझने के लिए हम कृष्ण लाल ढल जी से मिले तब उन्होंने कहा "मैं, विजय मल्होत्रा और साहनी जी साथ में ही रहते थे पर बाद में साहनी जी दिल्ली चले गए फिर जब मैं गुड़गांव गया तब प्रायः उनसे मिलना–जुलना लगा रहता था।" बोलते–बोलते कृष्ण लाल ढल जी की आंखों से आँसू के बूंद टपक पड़े थे। नब्बे वर्ष की उम्र में भी चेहरे पर ताजगी और यादों का पानी साथ–साथ चल रहा था। मजाक में ही उन्होंने हमसे कहा भी कि "मैं नब्बे के ऊपर हूँ लगता नहीं न" साहनी जी की यादों से बाहर आने के लिए शायद उन्होंने यह मजाक किया क्योंकि उनको पता चल चुका था कि हम उनके आँसुओं को महसूस कर रहे हैं।

वाकई साहनी जी के लगाव और प्रेम को हम भी महसूस कर रहे थे। ऐसा महसूस हो रहा था मानो हमारे इर्द–गिर्द साहनी जी घूम रहे हैं, हमारे साथ–साथ चल रहे हैं। इसके बाद अपने लक्ष्यानुसार अंतिम पड़ाव अमृतसर पहुँच चुके थे। अमृतसर में साहनी जी ने अपना काफी वक्त बिताया था। यह वक्त सम्बन्धित कार्यकर्ता और उनके बीच की कड़ी थी जो अमृतसर से दिल्ली की दूरी को कम कर देती थी और नए सामाजिक–राजनीतिक परिप्रेक्ष्यों को जन्म देती थी।

इसी कड़ी में सूरज कमलेश, लक्ष्मीकांत चावला, सतपाल महाजन जी, राजेश हनी, इन्दर जी जोशी, बहन लक्ष्मीकांता चावला जी, बुआ दास महाजन और कृष्णलाल जी, अरोड़ा जी से मिले। पत्रों का व्यवहार तो था ही हाँ मानवीय एवं आत्मीय व्यवहार अवश्य था। जिसे उन्होंने उनके विचार और आचरण के रूप में हमारे सामने रखा। उनके साथ उनकी जुड़ी संवेदशीलता कर्त्तव्य निभाने के लिए स्थितियों से लड़ जाना, कोई कैसे भूल सकता है। राष्ट्रीय भावनाओं से ओत–प्रोत मन और व्यक्तित्व समाज कल्याण में तल्लीन रहने वाले, कठिन परिस्थितियों को भी मुस्कुरा के देखने वाले और कार्यशैली ऐसी कि हर कोई प्रभावित हो जाए।

हमारे मन में साहनी जी का चारित्रिक अंकन एक वृहत स्वरूप लेकर हमारे साथ–साथ चल रहा था। मन और मस्तिष्क में साहनी जी की स्मृतियों के पन्ने उलट–पलट रहे थे और भाव स्वयं से तादात्मय स्थापित कर जैसे साहनी जी को प्रत्यक्ष देख रहे थे।

एक सफर जो शुरू तो किसी अनिश्चित प्रक्रिया से हुआ पर अंत एक ऐसे व्यक्तित्व के साथ जो हमारे घर में घर बसा चुका था। स्मृतियों का आईना साफ हो चुका था और हमारे चेहरे गौरवान्वित महसूस कर रहे थे क्योंकि हम एक ऐसे व्यक्ति को जीकर आये थे जिसका परिप्रेक्ष्य सामान्य व्यक्ति से गुजर देश तक था। राष्ट्र और मानव कल्याण ही जिसका अंतिम ध्येय था।

वाकई हम दोनों ही मुस्कुराते हुए एक दूसरे को देख रहे थे जिसकी खुशबू ताउम्र हमारे साथ रहने वाली है।

प्रस्तुति : रुद्रेश नारायण मिश्र

पत्रों की खोज में...

भाग : दो

यात्राएँ हमेशा अनुभव देती हैं। उन यात्राओं का अनुभव अलहदा होता है जहाँ आप बिलकुल खाली होते हैं। ऐसी ही एक यात्रा थी, लेह और जम्मू–कश्मीर की। कुछ नाम डायरी में अंकित थे और एक फोन नम्बर, न कोई पता और न पहले से तय कोई योजना कि किस–किस से मिलना और कहाँ–कहाँ जाना है। बस ज़हन में एक बात तय थी कि जैसे–जैसे रास्ता मिलेगा वैसे–वैसे आगे बढ़ जाना है। बिना किसी तय मंजिल के मंजिल की खोज पर निकल पड़े थे। साथ में अगर कुछ था तो, वह 'केदारनाथ साहनी जी' का नाम और जम्मू–कश्मीर/लेह में किया उनका कार्य। मकसद था, उन ज्यादा से ज्यादा पुराने लोगों से मिलना जिन्होंने साहनी जी के साथ काम किया और उनके साथ पत्र व्यवहार के माध्यम से भी जुड़े रहे, ताकि उन पत्रों के ज़रिए वर्तमान इमारत की नींव को समझा जा सके। फिर क्या था बैग उठाया निकल पड़े जम्मू–कश्मीर की यात्रा पर, वहाँ सबसे पहले शुभन जी से मुलाकत हुई और फिर पुराने लोगों की खोज में उनके स्कूटर पर जम्मू तवी की ख़ाक़ छानते हुए दिन भर भटकते रहे। कुछ लोग मिले कुछ मिलकर भी नहीं मिले। लेकिन पहले दिन के आखिरी पहर में ओम्कारनाथ काक जी से मुलाकत हुई जो संघ के पुराने कार्यकर्ता थे और उन्होंने साहनी जी के साथ काम किया था। हालांकि उनके पास कोई पत्र नहीं मिला और उम्र के जिस पड़ाव पर वह थे उनको बहुत कम ही वह दौर याद था लेकिन उन्होंने जब यह कहा कि 'साहनी जी अगर जम्मू–कश्मीर के लोगों को नहीं सुनते तो, जो आज आप देख रहे हैं, उससे भी भयंकर स्थिति हो सकती थी' यह सुनकर समझ आया कि जम्मू–कश्मीर की आवाम के बीच में साहनी जी की कितनी गहरी पैठ थी। वह स्मृति पर जोर डालते हुए बता रहे थे कि जब अनंतनाग मंदिर पर हमले के बाद वहाँ भयंकर तनाव पैदा हुआ तो ऐसी स्थिति में साहनी जी अपनी जान की फिक्र किए बगैर वहाँ लोगों के बीच गए और एक सौहार्दपूर्ण माहौल बनाने की कोशिश की। काक जी की उम्र

तकरीबन 92 साल की थी तो स्मृतियाँ धुंधली हो चुकी थी और आवाज़ बीच–बीच में लड़खड़ा रही थी। इसलिए बहुत कुछ वह चाहते हुए भी बता नहीं पा रहे थे लेकिन उसके बाद जिन पुराने लोगों के नाम मिलते गए उनमें कश्मीरी लाल भट्ट, हरजी लाल जड, चमन लाल गुप्ता, अशोक बरुआ, जय कुमार भट्ट आदि ये सभी लोग साहनी जी के साथ किसी न किसी रूप में जुड़े रहे और कार्य किया। इनमें से कुछ लोगों ने 'अपने साहनी जी' पुस्तक में भी अपने संस्मरण लिखे हैं। इन सब का यही कहना था कि साहनी जी हमारे लिए मसीहा थे। अगर वह नहीं होते तो हम जो आज हैं, वह नहीं होते। उन्होंने पैसा और घर की बजाय हमें शिक्षित करने पर जोर दिया और हमारे लिए कई राज्यों के उच्च शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की व्यवस्था की। साहनी जी की उस दूरगामी सोच के कारण ही आज हमारे पास सबकुछ है। इसलिए हमारे लिए तो जो उन्होंने किया उसे शब्दों में बयान किया ही नहीं जा सकता है।

जम्मू तवी के बाद यात्रा का अगला पड़ाव था– किश्तवाड़। साहनी जी ने डोडा, भद्रवाह और किश्तवाड़ जैसी जगहों पर जब चरमपंथ अपने 'पीक' पर था तो वहाँ के स्थानीय लोगों की बड़ी मदद की थी उन्हें रोजगार से लेकर शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा मुहैया कराने में बड़ी अहम् भूमिका निभाई थी, इस बात की जानकारी उनके द्वारा लिखे पत्रों से मिलती है। फिर अनजान जगह और रामसेवक जी का नाम और टेलीफोन के सहारे किश्तवाड़ की यात्रा पर निकल पड़े। उम्मीद थी कि यहाँ कुछ अहम् जानकारी के साथ कई पत्र मिलेंगे, उम्मीद काफी हद तक पूरी हुई। बस की थकान भरी यात्रा के बाद दिन के दूसरे पहर में किश्तवाड़ पहुँचा और फिर रामसेवक जी से बात हुई तो, तभी उनसे स्कूल में मिलने की बात भी तय हो गई। रामसेवक जी किश्तवाड़ के भारती विद्या मंदिर स्कूल में प्रिंसिपल के पद पर कार्यरत हैं और अपने बाल्यकाल से ही सामाजिक सेवा में हैं। साहनी जी का काफी पत्र व्यवहार रामसेवक जी के साथ रहा। उन्होंने बताया कि साहनी जी कई बार किश्तवाड़ आए तब यह अलग जिला भी नहीं बना था और चरमपंथ का शिकार था। साहनी जी ने यहाँ लोगों की हर संभव मदद की और लगातार पत्र–व्यवहार के माध्यम से भी वह यहाँ की समस्याओं की जानकारी लेते रहते थे। हमारी

आवाज को दिल्ली तक पहुँचाने वाले साहनी जी ही थे। रामसेवक जी के ज़रिए मुलाक़ात हुई जगदीश पुछाल जी से। जगदीश जी सनातन धर्म सभा के पुराने सदस्य हैं और साहनी जी के साथ लगातार उनका पत्र–व्यवहार रहा। उन्होंने बताया कि हम लोग समय–समय पर साहनी जी को यहाँ की समस्याओं के बारे में अवगत कराते रहते थे और साहनी जी हर संभव हमारी मदद करते थे। कई बार यहाँ आए तो यहाँ के नौजवानों के लिए शिक्षा व रोज़गार के लिए जो हो सकता था वह करने का प्रयास करते थे। जब साहनी जी ने यहाँ के नौजवानों की शिक्षा के लिए अन्य राज्यों में आरक्षण की व्यवस्था की तो सबसे पहले मनमोहन गुप्ता जी की बेटी को उसका लाभ मिला और उसने महाराष्ट्र में उच्च शिक्षा हासिल की। इसी तरह से साहनी जी के कारण यहाँ के नौजवान उच्च शिक्षा ग्रहण कर सके। इसलिए साहनी जी तो हमारे लिए अपने बीच के आदमी थे जिनसे हम सबकुछ साफ–साफ कह सकते थे। आज किश्तवाड़ अगर विस्थापन से बचा हुआ है तो इसमें भी साहनी जी की बड़ी भूमिका है। जगदीश जी और मनमोहन जी अपनी रौ में ही बताए जा रहे थे और बीच–बीच में उन पुराने दिनों को याद करते हुए कभी भावुक होते तो कभी हँसते। इस तरह किश्तवाड़ से कई पत्र और ढेर सारी जानकारी के बाद यात्रा का अगला पड़ाव लेह था।

लेह जो एक ओर अपनी खूबसूरती के लिए विख्यात है तो वहीं दूसरी ओर जम्मू–कश्मीर की राजनीतिक उथल–पुथल का भी बड़ा केंद्र रहा है। लेह की यात्रा में सर्किट हॉउस का पता और कुछ नामों के साथ उत्साह और बहुत कुछ जानने की इच्छा ही साथ थी। चारों तरफ से पथरीले पहाड़ों से घिरा लेह अपने भीतर काफी कुछ समेटे हुए है। कई बार राजनीतिक पार्टियों पर बैन फिर लेह के मुद्दों पर पार्टीवाद से भिन्न एक हो जाना और नए तरीके से अपनी–अपनी पार्टियों के झंडे तले राजनीति करना, यह लेह की राजनीति का अतीत था जो कुछ हद तक वर्तमान में भी विद्यमान है। साहनी जी ने लेह की राजनीति में एक नई लकीर खिंची और आवाम के बीच गए और उन्हें सुना। दिल्ली से कोई बड़ा नेता आकर वहाँ के लोगों को सुन रहा था, यह उन लोगों के लिए किसी अचम्भे से कम नहीं था। इस कारण वहाँ भाजपा को अपनी ज़मीन तैयार करने में

बड़ी मदद मिली। साहनी जी जम्मू–कश्मीर की सामाजिक और राजनीतिक समस्याओं को लेकर तो 1950 और 60 के दशक से सक्रिय थे लेकिन लेह की राजनीति में साहनी जी 90 के दशक में 'इन्वॉल्व' होते हैं। लेह सर्किट हॉउस में इस बात की पुष्टि छैवांग दुर्जे जी ने की। लेह में पहली मुलाकात छैवांग दुर्जे जी से हुई उन्होंने लेह की राजनीति से लेकर साहनी जी के लेह में किए कार्यों और अपने अनुभवों को साझा किया। आपको बताऊँ की लेह की राजनीति आरम्भ से ही काफी उथल–पुथल भरी रही है। यहाँ स्थानीय मुद्दों के आधार पर कई छोटी–छोटी पार्टियाँ बनी और राजनैतिक मिज़ाज के हिसाब से एक दूसरे में मिलती और अलग होती रही हैं। कभी किसी बड़ी पार्टी का प्रभाव यहाँ नहीं रहा। आप ये देखिए कि नब्बे के दशक तक राष्ट्रीय पार्टियों का कोई प्रभाव लेह में नहीं था। जहाँ तक भारतीय जनता पार्टी का सवाल है तो 1995 में लद्दाख में बीजेपी अपनी राजनैतिक जमीन मजबूत करने की कोशिश कर रही थी। इस कोशिश में सबसे बड़ी भूमिका श्री केदारनाथ साहनी जी की थी। साहनी जी ने यहाँ बीजेपी के सांगठनिक ढांचे को खड़ा करने में अहम् भूमिका निभाई और पहले मंडल सदस्यों की नियुक्ति भी साहनी जी की देख–रेख में हुई थी। लेह में तब पार्टी खड़ी हो रही थी और हमारे पास संसाधन भी नहीं थे। एक किराए के कमरे में कार्यालय तथा हम 8–9 लोग ही लेह में बीजेपी का संगठन था। साहनी जी इन सारी परिस्थितियों से परिचित थे तभी उन्होंने महाराष्ट्र से एक जिप्सी लाकर लेह भाजपा संगठन को दी। लेह जैसे पहाड़ी इलाके में उस जिप्सी ने संगठन के प्रचार–प्रसार में हमारी बड़ी मदद की। साहनी जी जम्मू कश्मीर की परिस्थितियों से भली–भांति परिचित थे और लद्दाख वह 3–4 बार आए तो वह दूर–दराज़ के गाँव के हालात को देखने जाते थे। एक बार हम साहनी जी को लद्दाख के जांगथांग बॉर्डर एरिया के गाँव दिखाने ले गए थे तो वहाँ की परिस्थितियों को देखकर और लोगों की समस्याओं को समझते हुए साहनी जी ने भारत सरकार को 'बॉर्डर एरिया फण्ड' बनाने का सुझाव दिया ताकि बॉर्डर के आस–पास रहने वाले लोगों की मदद हो सके। सरकार ने इसके बाद 'बॉर्डर एरिया फण्ड' बनाया भी, यह सब साहनी जी के कारण ही हुआ। साहनी जी द्वारा इतना सब करने के बाद

भी मुझे याद है कि जब साहनी जी यहाँ पहली बार आए थे तो आज जिस जगह बैठकर हम बात कर रहे हैं यह सर्किट हॉउस तक हमें उन्हें ठहराने के लिए नहीं मिला था। फिर हमने उनके ठहरने की व्यवस्था नीचे जहाँ अब एयरपोर्ट है, उसके पास एक प्राइवेट गेस्ट हाउस में की थी। साहनी जी इतने सरल थे कि वह हमारे साथ ही जमीन पर बैठ जाते थे, हम एक साथ भोजन करते थे, कभी ऐसा नहीं लगा की साहनी जी इतने बड़े नेता हैं और दिल्ली से आए हैं। आज आप लेह में बीजेपी की जो भी स्थिति देख रहे हैं इसमें साहनी जी का बड़ा योगदान रहा है। लेह में उस समय जो भी लोग राजनैतिक तौर पर सक्रिय थे लगभग सभी का संबंध साहनी जी से रहा और लगातार पत्र व्यवहार भी होता रहा है। छैवांग जी एक धुन में सबकुछ बता रहे थे और बीच–बीच में उन पुराने दिनों के अक्स में नए दौर को भी देख रहे थे। अपनी बात में उन्होंने कई पुराने कार्यकर्ताओं का जिक्र किया जिन्होंने संगठन को खड़ा करने में बड़ी अहम् भूमिका निभाई।

इस बातचीत के ज़रिए जो नाम सामने आए थे अब मुझे उन लोगों को खोजना था और उनसे मिलना था। इस खोज की प्रक्रिया में श्री भगवान सिंह जी ने भी मदद की और सोनम रिंग्ज़िग, श्री राम सिंह जी, अम्मा चो चो आदि कई पुराने कार्यकर्ताओं से मुलाकत हो पाई। इन सभी लोगों ने साहनी जी के साथ के अपने अनुभवों को मेरे साथ साझा किया। सोनम रिंग्ज़िग ने बताया कि साहनी जी के बारे में मैंने बहुत सुना हुआ था। जम्मू–कश्मीर के नेताओं और लोगों के बीच में वह बहुत लोकप्रिय थे। मेरी भी पहली मुलाकात उनसे जम्मू में हुई थी। पहली मुलाकात में कोई ज्यादा बातचीत तो नहीं हुई लेकिन आपको बताऊँ की जिस आत्मीयता से वह मिले लगा ही नहीं की यह पहली मुलाक़ात है। उसके बात कई बार जम्मू में ही साहनी जी से मेरी मुलाकत हुई। जब वह लेह आए तो मैं यहाँ नहीं था उसका अफ़सोस मुझे आज भी है। आज आपने मेरे घर आकर उन पुराने दिनों को फिर से ताजा कर दिया। सोनम रिंग्ज़िग जी बीच में कुछ सोच–सोच कर बता रहे थे। जैसे–जैसे उनको याद आता जाता वह कहते एक बात और बताता हूँ जब साहनी जी सिक्किम के गवर्नर थे तब मैं वहाँ एक सांस्कृतिक समूह को लेकर गया था। वहाँ एक बार फिर साहनी जी से मिलना हुआ। हम कई वर्षों के बाद

मिल रहे थे लेकिन साहनी जी की कमाल की याददाश्त थी। उन्होंने मुझे पहचान लिया, यही नहीं फिर हम सबको राजभवन में नाश्ता चाय पर भी बुलाया। इन कुछ अनुभवों के आधार पर आपको बताऊँ कि मैंने सरकारी नौकरी भी की और राजनीति भी लेकिन मैंने अपने जीवन में साहनी जी जैसा ईमानदार, सरल व सादा नेता आज तक नहीं देखा। आपको कई लोग यह बात कहेंगे लेकिन मेरा यह अनुभव है जो मैं आपसे कह रहा हूँ। दोपहर से शाम हो चुकी थी लेकिन पुरानी यादों का सिलसिला जारी था। सोनम रिंग्ज़िंग जी एक–एक शब्द को तोल–तोल कर बोल रहे थे। कभी हिंदी तो कभी अंग्रेजी में जो बातचीत साहनी जी को लेकर शुरू हुई थी वह फिर 'तब' और 'अब' के क्रम बढ़ती गई और तकरीबन चार घंटे चली फिर रात हो चुकी थी और अगले दिन एक नए व्यक्ति से मिलना था। वह नए व्यक्ति थे राम सिंह जी, रात में टेलीफोन पर बात हो गई थी और सुबह 10 बजे सर्किट हॉउस में मिलने का समय भी तय हो चुका था।

राम सिंह जी समय से कुछ देरी से पहुंचे लेकिन उसके बाद जो बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ वह अद्‌भुत रहा। राम सिंह जी किसी किताब के पन्नों की तरह पुरानी यादों को पलट रहे थे और मैं कुछ नोट कर रहा था, कुछ स्तब्ध होकर सुन रहा था। पुराने दिनों को याद करते हुए राम सिंह जी लगातार एक ऐसे एहसास को महसूस कर रहे थे जिसे शायद वह हु–ब–हू शब्दों में बयां नहीं कर पा रहे थे। आज आपने सुखद पुराने समय की यादों को ताजा कर दिया है। लेह की राजनीति और हम सबके जीवन में साहनी जी की बड़ी अहम भूमिका रही है। मुझे साहनी जी का वह लेह दौरा याद है जब लेह में बाढ़ आई थी और काफी कुछ नष्ट हो चुका था। उस समय साहनी जी ने लेह के लोगों की समस्याओं को सुना और दिल्ली तक यहाँ की समस्याओं को लेकर गए। उस समय तीन दिन मैं साहनी जी के साथ रहा और कई जगह साहनी जी को लेकर गया। उस दौरान कभी मुझे ऐसा अनुभव नहीं हुआ कि मैं इतने बड़े राष्ट्रीय नेता के साथ हूँ, यह उनके सरल स्वभाव और आचरण के कारण ही था। जबकि आज मुझे बड़ा दुःख होता है उन नेताओं को देखकर जिनके साथ हमने लंबे समय तक जमीन पर पार्टी के लिए एक साथ काम किया लेकिन आज उन्हें पद क्या मिला वह पहचानने से भी इनकार

कर देते हैं। ऐसे समय में आपको बताऊँ कि मैंने 70 साल के जीवन में साहनी जी जैसा सीधा और सरल राजनेता कभी नहीं देखा जबकि इन 70 वर्षों में कई राजनेताओं के साथ रहा हूँ लेकिन साहनी जी जैसा कोई नहीं। उनको कार्यकर्ताओं की पहचान थी। वह अक्सर सबके नाम याद रखते थे। लेह के बाद साहनी जी से मेरी मुलाकातें दिल्ली में भी हुई। दिल्ली में जब भी साहनी जी से मिला उन्होंने पूरा मान सम्मान दिया और हमेशा पहले लेह के कार्यकर्ताओं की खबर पूछते थे फिर आगे काम की बात होती थी। मैं आज जब साहनी जी के साथ बिताए दिनों के बारे में सोचता हूँ तो मुझे बड़ा गर्व होता है। आज आपने लेह आकर साहनी जी के साथ बिताए दिनों की यादों को ताजा किया आपका भी शुक्रिया। इस बातचीत से भी कुछ नए लोगों के नाम सामने आए और कड़ी से कड़ी मिलती गई तो फिर और भी कई लोगों से मुलाकात हुई लेकिन कुछ नए लोग थे, तो कई पुराने लोगों को बहुत कुछ याद नहीं था। इस बीच एक ऐसी महिला कार्यकर्ता का नाम कई लोगों के मुँह से सुना जो लेह की राजनीति में आरम्भिक दिनों से सक्रिय रही हैं। वह नाम था अम्मा चो चो। 90 पार की इस महिला कार्यकर्ता से मिलना और लेह की राजनीति और साहनी जी के सन्दर्भ में बात करना एक अद्‌भुत अनुभव रहा। लेह शहर के बीचों–बीच लकड़ी के बने साधारण से घर में एक 92 साल की महिला जिसके चेहरे पर झुर्रियाँ थी लेकिन आवाज में गजब की खनक मेरा इंतजार कर रही थीं। हम दोनों भिन्न–भिन्न भाषा–भाषी थे उसके बावजूद उनके शब्दों व भावों को समझना मुश्किल नहीं था। बीच–बीच में उनकी बेटी कुछ बातों का हिंदी में अनुवाद जरुर कर रही थीं। आपने मुझे याद किया और घर आए इसके लिए धन्यवाद, नहीं तो हम पुराने लोगों को अब कौन पूछता है ? आप फोन पर केदारनाथ साहनी जी का जिक्र कर रहे थे। दरअसल मैंने केदार नाथ साहनी जी का नाम तो बहुत सुना है लेकिन उनसे कोई मुलाकात का मुझे अब याद नहीं। शुरूआती दिनों में लेह में भाजपा का सदस्य होने का मतलब अपने सिर पर मुसीबत मोल लेना था। बहुत कुछ झेलना पड़ता था। प्रशासन से लेकर अन्य राजनैतिक पार्टियाँ बहुत परेशान करती थीं। मैं पहले एलबी में थी लेकिन जब यहाँ भाजपा का संगठन बनना आरम्भ हुआ तो मैं एलबी छोड़कर भाजपा में

शामिल हो गई। भाजपा में मैं अकेले नहीं आई बल्कि अपने साथ और 80 महिलाओं को लेकर आई। तब मैं यहाँ भाजपा की महिला विंग की अध्यक्ष थी, हमने गाँव–गाँव जाकर सदस्य बनाना आरम्भ किया और बहुत सारे लोगों को भाजपा से जोड़ा। मुझे अब थोड़ा–थोड़ा याद है कि उस दौरान कुछ नेता दिल्ली से यहाँ आते थे और लगातार बैठक करते व कार्यकर्ताओं को उत्साहित करते थे जिनमें साहनी जी भी एक थे क्योंकि यहाँ के सभी कार्यकर्ताओं की जुबान पर केदार नाथ साहनी जी का नाम रहता था। मैं तो उम्र के कारण बहुत कुछ अब भूल चुकी हूँ। उम्र के इस पड़ाव पर भी उनमें जोश और संगठन के प्रति निष्ठा देखने लायक थी। बहुत कुछ बताना चाह रहीं थी लेकिन स्मृति साथ नहीं दे रही थी। इसके बाद लेह में कई अन्य लोगों से भी मिलना हुआ लेकिन उनसे लेह की 'नई राजनीति' पर ही बात हुई। लेह की राजनीति में पुराने लोग अब 'पुराने' हो चुके थे। इसलिए नए लोग कम ही पुराने लोगों पर बात कर रहे थे। लेह यात्रा खत्म हुई और वापस दिल्ली की तरह लौट आया लेकिन अब लौटना 'खाली' लौटना भर नहीं था।

इस तरह बिना मंजिल के कई मंजिलें मिलती गईं और इन यात्राओं ने साहनी जी को समझने में भी बड़ी मदद की। साहनी जी के प्रति जो श्रद्धा और सम्मान लोगों में था शायद ही वह किसी अन्य राजनेता के प्रति आज हो।

प्रस्तुति : प्रकाश चंद्र

केदार नाथ साहनी
KIDAR NATH SAHANI

जे-21, साकेत,
नई दिल्ली-110017
J-21, Saket, N.D.-17

18.11.2006

Dear Shri Kashmiri Lal ji,

Namaskar.

Here is a good news. I had a word with Shri Arun Jaitley ji this morning when he agreed to be present in Jammu on 27.12.2006, for your function. I have requested him to confirm his consent to agree to your invitation, which he might do in a couple of days. He will be there unless there is some sudden and very important development warranting his presence in Delhi.

With best wishes,

Yours sincerely,
Kidarnath Sahani

Shri Kashmiri Lal Bhat

फोन
Phone - 55427165, 9810073988

केदार नाथ साहनी
पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

4.10.2011

बन्धुवर श्री० दर्शन लाल जी,

नमस्कार।

दो अक्टूबर पर आयोजित 'विचार-विमर्श' अवश्य अत्यन्त सफल एवं प्रभावशाली रहा होगा। केन्द्र सरकारी अधिकारियों से सम्पर्क बनाए रखने तथा समाज से तालमेल बनाए रखने का बड़ा उत्तम उपाय आप ने चुना है। ऐसे कार्यक्रम हमारे धर्म और विचार विस्तार के लिए बहुत सहायक होते हैं। इसलिए, समय २ पर नए उपाय खोज कर शुरू करते रहें, यह आवश्यक है।

मेरी बधाई स्वीकार करें।

शुभेच्छु:

श्री० दर्शन लाल जी जैन
जगाधरी

निवास : जी-12, एन.डी.एस.ई.-II, नई दिल्ली - 49   Residence: G-12, NDSE-II, New Delhi-49
Ph. 011-26241963

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

10.5.2011

प्रिय श्री जेठूराम जी,

सप्रेम नमस्कार।

आप प्रातः मेरे घर पर आ कर प्रिय नरेश कुमार जी ने चिरंजीव भैया के शुभ विवाह का अति सुखद समाचार दिया तो बहुत प्रसन्नता हुई। कृपया मेरी हार्दिक बधाई स्वयं आप, श्री० नरेश जी, श्री० जितेन्द्र जी, एवं आप के परिवार के सभी सदस्य स्वीकार करें। इस शुभ अवसर पर आप ने याद किया, मैं आभारी हूं।

भगवान से प्रार्थना है कि शादी बहुत अच्छी तरह और निर्विघ्न सम्पन्न हो जाए तथा चिरंजीव भैया और प्रिय प्रदीप चिरायु हों, सदा नीरोग रहें एवं उनका दाम्पत्य जीवन अति सफल हो।

बधाई और वधू वर के लिए ढेर आशीर्वाद के साथ,

भवदीय
[signature]

श्री० जेठूराम जी

☎ 011-26261683
निवास : जी-12, एनडीएसई-II, नई दिल्ली-49
Residence : G-12, NDSE-II, New Delhi-49

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

17.8.2011

आदरणीय श्री० डालमिया जी,

नमस्कार।

आप की भिजवाई दैनिक जागरण में छपे 'क्या अब गंगा प्रदूषण-मुक्त हो जाएगी' और उदय इण्डिया में छपे 'Shrinking Military Capabilities', की फोटो प्रतियां मिल गई हैं। आभारी हूं।

वैसे, मैं इन दोनों पत्रिकाओं का नियमित पाठक होने के कारण, इन्हें पहले ही पढ़ चुका हूं। निस्संदेह, दोनों विषय चिन्तनीय हैं। लोकसभा के अगले सत्र में इस सम्बन्ध में चर्चा उठाई जाएगी। मैं दोनों प्रतियां श्रीमति सुषमा स्वराज जी को दे रहा हूं। सादर,

भवदीय,

श्रीमान विष्णुहरि जी

☎ 011-26261853
निवास : जी–12, एनडीएसई-II, नई दिल्ली-49 | Residence : G-12, NDSE-II, New Delhi-49

GOVERNOR OF SIKKIM

RAJ BHAVAN
GANGTOK-737103
(SIKKIM)

3.12.2001

Dear Shri Razdan Ji,

Namaskar.

I have received your letter just now.
It gives me pleasure to know that after a
very hotly contested election your team has
won the election and presently all office
bearers of your group are shouldering
the responsibility of running the S.D. Sabha.
I am sure that these dedicated workers
will leave no stone unturned to
serve the Sabha and the Community
to the best of their ability.

Please convey to all my
sincere goodwishes & namaste.

Yours sincerely,
Kidarnath Sahani

KIDAR NATH SAHANI

8-T, NITI BAGH
NEW DELHI-110049
Phone : 660441

13.12.95

By Courier. URGENT

पूज्य श्री विश्णुदत्त जी/चमन लाल जी

[illegible] 27/12 को कुछ कामों के लिए [illegible] जम्मू होंगे। [illegible]

Dear Shri Kashmiri Lal ji,

Sapream Namaskar.

I was surprised to learn from Shri Khurana ji that on his telling both Vaid Vishnu Dutt ji and Prof. Chaman Lal ji Gupta yesterday that he was visiting Jammu on 17.12.95 for this particular programme and leaving the same afternoon, they showed total ignorance. It appears that you have not taken them into confidence. You ought to have told them about Shri Khurana ji agreeing to attend this function long back and sought their advice and cooperation to make the event a great success. Such lapses unnecessarily cause misunderstandings and unpleasantness. Please contact them and our R.S.S. adhikaries immediately, express regret and seek their cooperation. That will make good for the earlier lapse.

With best wishes

Yours sincerely

Kidarnath Sahani

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

24. 1. 2011

बन्धुवर डॉ. विश्वनाथ जी,

सस्नेह नमस्कार।

डॉ. बलराज मिश्र जी को लिखे पत्र की प्रति भेजने के लिए धन्यवाद।

मैं राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) श्रीमान राम लाल जी के इस पत्र और उनके साथ मेरे समन्वय की कतरन दे रहा हूँ ताकि सब बात उनके ध्यान में आ जाए। एक परम्परा (आप और हम) के लिए भी है कि आप यहाँ भाजपा के राष्ट्रीय, प्रांतीय तथा प्रादेशिक अधिकारियों के साथ सजीव सम्पर्क बनाए रखें। यह आवश्यक है।

हार्दिक मंगल कामनाओं सहित,

सस्नेह,

केदार नाथ साहनी

पं० डा० विश्वनाथजी

☎ 011-26261263
निवास : जी-12, एनडीएसई-II, नई दिल्ली-49
Residence : G-12, NDSE-II, New Delhi-49

केदार नाथ साहनी
पूर्व राज्यपाल सिक्किम एवं गोवा

3.4.2012

پیارے شری روشن لال جی .

نمسکار .

آپ کا 26 مارچ کا لکھا خط ابھی ابھی ملا ہے ۔ اور پڑھا بھی ہے ۔ شکریہ ۔

جب آپ پڑھتے ہیں میں نے آپکو اس لڑکی کو کیا کہا تھا . وہ یاد کریں گے تو اپنے من کی پیڑا اور آپکی شنکائیں انکے سب سوالوں کے جواب مل جائیں گے ۔ شاید آپ اس دن کی میری بات کی گہرائی کو سمجھ نہیں پائے .

آپ کبھی ملیں گے تو ان سب پر چرچہ کریں گے .

دل پر پتھر رکھ لیں اور اپنا دھرم نبھاتے جائیں .

ہم سب اپنا دھرم نبھائیں یہ ضروری ہے ۔ باقی بھگوان کرشن نے جو گیتا میں کہا ہے ، وہ اس پر چھوڑ دیں .

شاید کبھی پارٹی میں سدھار لانے کا طریقہ مالک نصیب کرے

شبھ کامناؤں کے ساتھ .

کیدارناتھ ساہنی .

شری روشن لال دھوان جی

निवास : जी-12, एनडीएसई- II, नई दिल्ली - 49 Residence: G-12, NDSE-II, New Delhi-49
Ph. 011-26261863

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

20.4.2011

پریہ شری روشن لعل جی

نمسکار۔

آپ کا خط ملا۔ پچھلے دنوں یہ خبر بھی ملتی رہی کہ
گھر پر آپ نے فون کیا تھا اور پوچھا تھا کہ میں
دفتر آتا ہوں یا نہیں۔ میں امید کرتا تھا کہ آپ
آئیں گے تو آرام سے باتیں ہو سکیں گی۔
میں آپ کے من کی پیڑا کو سمجھتا ہوں۔ گھبرانے کی
ضرورت نہیں ہم اپنا دھرم ایمانداری سے سنبھالے
رہیں اور باقی بھگوان پر چھوڑ دیں۔ وہ اچھا کریں گے
اس کا بھروسہ کریں۔ خط میں زیادہ کیا لکھوں۔ ملیں
گے تو تفصیل سے بات کریں گے۔
منگل کامناؤں کے ساتھ۔

شبھ چنتک
کیدار ناتھ ساہنی

شری روشن لعل دھون جی

निवास : जी-12, एनडीएसई-II, नई दिल्ली-49 ☎ 011-26251653 Residence : G-12, NDSE-II, New Delhi-49

राष्ट्राय, इदं न मम

भारत केसरी डा॰ श्यामाप्रसाद
सम्वत् 2058,
श्री बड़ाबाजार कुमारसभा पुस्तकालय

स्वर्ण जयंती रथ

श्री गुरुजी के साथ साहनी जी

श्रीयुत् नरेन्द्र मोदी जी के साथ साहनी जी

केदार नाथ साहनी

दूरभाष निवास 668441
कार्यालय 3314778

19-4-1989

प्रिय प्रो० इन्द्रेश जी,

सस्नेह नमस्ते।

आप का 8-4-1989 का लिखा पत्र कल मिला। उस से पूर्व आप का भेजा एक पेपर जिसमें डा० हेडगेवार जन्म शताब्दी समारोहों सम्बन्धी विवरण था, भी मिल गया था। काशमीर के समाचार चिन्ताजनक हैं। श्रीकान्त भट्टजी ने भी लौट कर वहां की स्थिति पर प्रकाश डाला था। यदि काशमीर से शिष्ट-मण्डल यहां आयेगा तो निस्सन्देह उसका लाभ होगा। वैसे, यदि कभी आप का आना हो तो प्रो० [illegible] जी से अवश्य मिलें।

शेष शुभ।

[illegible]

[illegible]

ए-1, नीति बाग, नई दिल्ली-110049

केदार नाथ साहनी
Kidar Nath Sahani

दिनाँक : 7 अक्टूबर, 2009

प्रिय श्री. मोदी जी,

नमस्कार।

गुजरात सरकार द्वारा प्रकाशित पुस्तक **Pride of India** की जो प्रति आपने मुझे भिजवाई थी, वह मैंने अपने एक बहुत पुराने तथा समर्पित बन्धु जो भारत के मूर्धन्य प्रकाशक और अखिल भारतीय प्रकाशक संघ के आजीवन अध्यक्ष हैं, को भेजी थी। पुस्तक की पावती के रूप में उनसे मुझे जो उत्तर मिला है, वह मैं आपके अवलोकन के लिए भेज रहा हूँ।

श्री दीनानाथ जी न केवल देश के अपितु संसार भर के एक ख्यातनामा प्रकाशक हैं। उनका सुझाव तो आपने देख ही लिया है। मेरा अनुरोध है कि आप कृपया इस सुझाव पर गम्भीरता पूर्वक विचार करें। यदि इसे कार्यन्वित किया जा सके और देश के सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों तथा हॉयर सैकण्ड्री स्कूलों तक यह पुस्तक पहुँचायी जा सके तो इससे जहाँ सर्वत्र गुजरात सरकार का गुणगान होगा, वहाँ भारत माता के गौरव और वैभव की अनुभूति भी लोगों को होगी।

मुझे आशा है कि आप इस पर अवश्य विचार करेंगे।

भवदीय,

(केदार नाथ साहनी)

श्री नरेन्द्र मोदी जी
माननीय मुख्यमन्त्री गुजरात सरकार
पांचवी मंजिल ब्लॉक न. 1

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, नई दिल्ली